प्रलम्बाण्ड pralambāṇḍa

लम्बमान कोष, hanging down testes

प्रलीयन pralīyana

विलीनो भवन्। (चक्र.-च.सू. 26/76), विलीन होना या घुलना, dissolving

प्रवर pravara

गुण परिमाणादुत्कृष्ट गुणत्वेन प्रवर इत्यर्थः। श्रेष्ठ, excellent

प्रवरशुद्धि pravaraśuddhi

श्रेष्ठशुद्धि

प्रवाहणी pravāhaṇī

प्रवाहयतीति प्रवाहणी। (ड.-सु.नि. 2/5), प्रथमगुदवली, जो (मल का) प्रवाहण करती है, वह प्रवाहणी है, first (innermost) anal sphincter which promotes act of defecation

प्रविचारणा pravicāraṇā

प्रविचार्यत अवचार्यतेऽनुकल्पेनोपयुज्यतेऽनयेति प्रविचारणा ओदनादयः। (चक्र.-च.सू. 13/25), स्नेह का किसी अनुकल्प (भोज्य पदार्थ) के साथ संयोग कर प्रयोग करना प्रविचारणा कहा जाता है, यथा ओदन, विलेपी आदि में स्नेह मिलाकर स्नेहन करवाना, taking of oil/ghee by mixing with other food preparation such as rice, soup etc

प्रशम praśama

प्रकर्षणशमनम्। (च.सू. 17/114), सतत शान्ति, continuous patience

प्रशमगुणदर्शी praśamaguṇadarśī

प्रशमं शान्तिं गुणत्वेन द्रष्टुं शीलं यस्य स प्रशमगुणदर्शी। (चक्र.-च.सू. 8/18), सतत शान्ति पालन करने वाले 'प्रशमगुणदर्शी' हैं, who always keeps patience

प्रशस्तभोजन praśastabhojana

प्रशस्तभोजनादिवाचिभिः प्रकृतिकरणादिगुणसम्पन्नमन्नं लभ्यते। (चक्र.-च.सू. 5/8), जो प्रकृति करण आदि गुणसम्पन्न अन्न (आहार द्रव्य) का बना हो, उसे प्रशस्त भोजन कहते हैं, ideal food which is having all the substances

प्रसङ्ग prasaṅga

1.प्रकरण, context 2. अभ्यास, practice 3. उपभोग, use 4. मैथुन, sexual intercourse

प्रसन्ना prasannā

सुरामण्डः प्रसन्ना। (शा.सं.म. 10/5), यः सुरामण्डः उपर्यच्छो भागः सा प्रसन्ना कथिता। (आढ.-शा.सं.म. 10/5), सुरायाः मण्डः फेनः प्रसन्ना स्यात्। (का.-शा.सं.म. 10/5), सुरा के माण्ड को प्रसन्ना कहते हैं, सुरा के ऊपर के स्वच्छ निर्मल माण्ड को प्रसन्ना कहते हैं, the scum, the clear supernatant scum portion, the frothy supernatant portion of sura

प्रसर prasara

प्रकोप विशेषमेव प्रसराख्यम्। (ड.-सु.सू. 21/28), प्रसर प्रकोप की ही विशेष अवस्था है जिस प्रकार महाजलाशय में पानी अतिशय बढ़ने से वह उसके सेतुबंध

की दीवारों को तोड़कर बाहर आ जाता है, वैसे ही दोष अत्यधिक वृद्धि को प्राप्त होकर प्रसरणशील हो जाते हैं, spreading out of vitiated doshas

प्रसृति prasṛti

द्विपलाभ्यां प्रसृतिर्ज्ञेया। (शा.सं.प्र. 1/25), पलद्वयमेकां प्रसृतिर्ज्ञेया प्रसारिताङ्गुलिकरतलं प्रसृतिः सैव द्वात्रिंशत् शाणमिति। (आढ़.-शा.सं.प्र. 1/25), द्वाभ्यां पलाभ्यां प्रसृतिर्ज्ञेया द्वात्रिंशत् टङ्कानां प्रसृतिः। दो पल की एक प्रसृति होती है, सीधी हथेली प्रसृति है, वही बत्तीस शाण के बराबर है, two palas are equivalent to one prasrti, with the fingers extended is called prasruti, equvalent to thirty two shana, 32 tankas are one prasrati

प्रस्तरस्वेद prastara

प्रस्तीर्यत इति प्रस्तरः, शयनप्रमाणेन स्वेदवस्तूनां विस्तरणं, तस्मिन् प्रस्तरे। (चक्र.-च.सू. 14/42), फैलाना, जितनी जगह पर रोगी लेट सके उस पर स्वेद वस्तु को फैलाना 'प्रस्तर' है, spreading, spreading of sveda material on a stone slab, hot bed sudation

प्रस्थ prastha

शरावद्वयेन एकः प्रस्थः स च षोडशपलपरिमितो भवति। (आढ़.-शा.सं.प्र. 1/27), दो शराव का प्रस्थ होता है, जो कि 16 पल के तुल्य है, the quantity of two sharava is one prastha which is equivalent to 16 palas

प्रस्रवण prasravaṇa

प्रस्रवणः निर्झरः। अन्ये तु "ह्रदधाराजलादिषु" इति पठन्ति; तत्र ह्रदः नदीस्थजलप्रदेशो गम्भीरो जलाशयः, धारा तु पर्वतादेव जलधारारूपा पतन्ती। (चक्र.-च.सू. 27/214), प्रस्रवण अर्थात् झरना, पर्वतों से निकलने वाली जल की धारा को झरना कहा जाता है, अन्य आचार्य इसके स्थान पर 'ह्रद धाराजलादिषु' ऐसा पाठ करते हैं ऐसा होने पर ह्रद से नदीस्थ जल प्रदेश में स्थिर जलाशय अर्थ लिया गया है, धारा से पर्वतों से गिरती जलधारा का ग्रहण किया जाता है, waterfall, stream of water falling from mountain

प्रहर्षण praharṣaṇa

तृष्णाऽतिसारो वैस्वर्यं तालुशोषः प्रहर्षणम्। मुखपाको मुखस्फोटो वैसर्पः पाण्डुकामले।। (का.सं.क. रेवतीकल्प 74), दांत की अधिक संवेदनशीलता, यह रेवती ग्रह से ग्रस्त शिशु का एक लक्षण है, high sensitivity of teeth, a symptom of revati graha afflicted child

प्रहर्षिण praharṣiṇa

पञ्चमे स्यन्दनाश्च प्रहर्षिणश्चामयबलासश्च। (का.सं.सू. 20/8) पांचवे माँस में निषिक्त हुए दांत हिलने वाले, दन्तहर्ष एवं अन्य रोगों से युक्त होते हैं, sensitive teeth

प्रह्लाद prahlāda

शरीरेन्द्रियतर्पणम्। (चक्र.-च.सू. 26/11), शरीर एवं इन्द्रियों में तृप्ति उत्पन्न होना, satiation

प्राक्प्रदिष्टापचार prākpradiṣṭāpacāra

प्राक्प्रदिष्टापचारादिति प्राक् शारीरस्थाने प्रदिष्टोऽपचारः अकृत्यविधिः मांससुरादीनां लौल्यादाचारणं वा। (ड.-सु.उ. 27/6), पूर्व में शारीर स्थान में वर्णित मांस, सुरा

आदि सेवन जैसे निषिद्ध आचरण, कुपथ्य सेवन, indulgence in non congenial diets and behaviour

प्राग्भक्त prāgbhakta

प्राग्भक्तं नाम यत् प्राग्भक्तस्योपयुज्यते। (सु.उ. 64/68), प्राग्भक्तं नाम यदनन्तरं भक्तम्। (अ.सं.सू. 23), भोजन से पूर्व औषध सेवन करना प्राग्भक्त कहलाता है, administration of a drug before meals

प्राणसंशय prāṇasaṃśaya

कस्माच्च स्वमङ्गमभिवर्धमानं प्राणसंशयां भवति। (का.सं.सू. 20/3), अपने परिमाण से अधिक बढ़कर प्राण को संकट में डालने वाले कौन से दांत होते हैं, life endangering (in reference to teeth)

प्राणाभिसर प्राणान् गच्छतो व्यावर्तयतीति प्राणाभिसरः। (चक्र.-च.सू. 9/18), जो वैद्य जाते हुए प्राणों को वापस ले आता है, उसे 'प्राणाभिसर' कहा जाता है, a proficient physician who can bring back the life of a patient

प्राणायतन prāṇāyatana

प्राणानामग्नीषोमादीनाम्, आयतनं स्थानम्। (ड.-सु.नि. 3/20), अग्नि, सोम आदि प्राण हैं, उनके स्थान प्राणायतन कहे गए हैं, site of vital essence

प्राणैषणा prāṇaiṣaṇā

प्राणो जीवितं तत् साध्यते दीर्घत्वेन रोगानुपहतत्वेन चानयेति प्राणैषणा। (चक्र.-च.सू. 11/3), जीवन को दीर्घ करने एवं रोगों से अनुपहत (अप्रभावित) रहने के लिए जिससे साधना की जाये अर्थात् जिन उपायों से व्यक्ति दीर्घ जीवन प्राप्त करें तथा नीरोग रहे उसे प्राणैषणा कहते हैं, the intense desire for the means that prevent affliction of diseases and thereby provide longevity

प्राथमकल्पिकस्नेह prāthamakalpikasneha

प्रथमे श्रेष्ठे कल्पे पक्षे भवतीति प्राथमकल्पिकः श्रेष्ठ इत्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 13/26), प्राथमिकता से सर्वप्रथम या श्रेष्ठता से प्रयोग किया जाने वाला कल्प (अच्छपेय), यह स्नेह का श्रेष्ठ प्रयोग है, the best dosage form of unctuous substance used orally

प्रादुर्भाव prādurbhāva

प्रादुर्भावश्च पूर्वसिद्धस्यैवाविर्भावः। (चक्र.-च.सू. 1/6), किसी भी वस्तु का आविर्भाव होना, manifestation of an entity

प्राधानिकहेतु prādhānika hetu

विषादि। (विज.-मा.नि. 1/5), जो शीघ्र रोग उत्पन्न करे वह प्राधानिक हेतु है जैसे विष, which causes disorder rapidly, e.g. poison

प्राप्तकाल prāptakāla

प्राप्तकालकृतश्चापीति युक्ते काले कृतः; युक्तकालकृतः सम्यक् पाककृतप्रतिक्रिय इत्यपरे। (ड.-सु.सू. 5/9), सही समय पर, पाक होने पर, at appropriate time, after ripening of the inflammation

प्रीणन prīṇana

क्षीणान् पुष्णाति, नत्वतिबृंहत्वं करोति; तेन मांसकर्मणा बृंहणेन समं नैक्यम्। (चक्र.-च.सू. 27/4), क्षीण धातुओं का पोषण, अतिबृंहण नहीं करता है, मांस द्वारा शरीरवृद्धि करने के समान प्रीणन कार्य नहीं होता है, nourishment

प्रोक्त prokta

प्रोक्तमिति प्रकर्षेणोक्तं, प्रकर्षश्चानवशेषेणाभिधानम्। (चक्र.-च.सू. 1/5), अनवशिष्ट कथन, सम्पूर्ण कथन जिसमें अनवशेष वर्णन आता हो, comprehensive description without leaving any topic unexplained

प्रोवाच provāca

प्रोवाचेति सम्यगुवाच। (चक्र.-च.सू. 1/21), उत्तम रीति से बोलना प्रोवाच कहलाता है, an appropriate speech

प्लवन plavana

वातादुष्टं तु प्लवतेऽम्भसि। (अ.ह.उ. 2/2), वातदुष्टं क्षीरं जले प्लवते, तरतीव नैकतां गच्छति। (अरु.-अ.ह.उ. 2/2), वातदुष्ट स्तन्य जल पर तैरता है, floating

प्लुष्टदग्ध pluṣṭadagdha

प्लुष्यतेऽतिमात्रम् अत्यर्थं दह्यते न च स्फोटोत्पत्तिः स्यात्। (ड.-सु.सू. 12/16), शरीर के अंगों में अधिक जलन हो, किन्तु फफोले पैदा न हों, उस स्थिति को प्लुष्ट दग्ध कहते हैं, a degree of burn characterized by excessive burning sensation but no blister formation

प्लोष ploṣa

प्लोषः किञ्चित् दहनमिव। (चक्र.-च.सू. 20/14), अल्प दाह की (जलने की) प्रतीति होना, mild burning sensation

फक्क phakka

बालः संवत्सरा (पन्नः) पादाभ्यां यो न गच्छाति। स फक्क इति विज्ञेयस्तस्य वक्ष्यामि लक्षणम्। (का.सं.चि. फक्क.चि. 3), एक वर्ष की आयु तक यदि बालक स्वयं अपने पैरों से न चल सके, तो उस अवस्था को फक्क रोग कहते हैं, a clinical condition in which a child not able to walk after attaining the age of one year

फक्कदुग्धा phakkadugdhā

धात्री श्लैष्मिकदुग्धा तु फक्कदुग्धेतिसंज्ञिता। तत्क्षीरपो बहुव्याधिः कार्श्यात् फक्कत्वमाप्नुयात्।। (का.सं.चि. 4), जिस धात्री का दुग्ध श्लेष्मिक होता है उसे फक्कदुग्धा कहते हैं, उस धात्री के दुग्ध का सेवन करने वाला बालक अनेक व्याधियों से आक्रान्त हो जाता है तथा कृशता के कारण उसे फक्क रोग हो जाता है, a wet nurse whose milk is afflicted with kapha dosha, child fed by her may suffer from many diseases including emaciation and inability to walk

फक्करथक phakkarathaka

त्रिचक्रं फक्करथकं प्राज्ञः शिल्पिकनिर्मितम्। विदध्यात्तत्र शनकैर्गृहीतो गतिमभ्यसेत्।। (का.सं.फक्कचि.), बुद्धिमान वैद्य को किसी शिल्पी से एक तीन पहियों वाला फक्करथ बनवाकर उसके सहारे धीरे-धीरे उस फक्क रोग से ग्रस्त बालक को चलने का अभ्यास कराना चाहिए, a wooden tricycle, used to help the child affected with phakka roga to walk

फञ्जी phañjī

भार्गी गर्दभशाकं च पद्मा ब्राह्मणयष्टिका। अङ्गारवल्ली फञ्जी च सैव ब्रह्मसुवर्चला।। (ध.नि. 1/67), भार्गी भृगुभवा पद्मा फञ्जी ब्राह्मणयष्टिका। (भा.प्र.पू. 1/182), भारंगी का एक पर्याय, a synonym of *Clerodendrum serratum*

फटकी phaṭakī

फटकी फुल्लिका चेति द्वितीया परिकीर्तिता। (र.र.स. 3/63), फटकी और फुल्लिका, ये दोनों स्फटिका (फिटकरी) के दो भेद हैं, a variant of alum

फटिका phaṭikā

सौराष्ट्री, स्फटिका, फिटकरी, alum

फणिज्ज phaṇijja

फणिज्जो मरिचकः। (अरु.-अ.ह.सू. 15/30), मरिचक, बड़ा नींबू, जम्बीर, *Citrus limon*

फणिज्जक phaṇijjaka

फणिज्जको हिमस्तिक्तो रूक्षः कफविनाशनः। जम्बीरी निंबू का एक पर्याय, यह शीत वीर्य, तिक्त रसयुक्त, रूक्ष एवं कफविनाशक है, a synonym of *Citrus limon*, it is cold, bitter, rough and pacifies kapha dosha

फणिज्झ phaṇijjha

फणिज्झः तीक्ष्णगन्धः स्वनाम्नैव प्रसिद्धः। (ड.-सु.उ. 11/5), तीक्ष्ण गन्धयुक्त वनस्पति, मरुवा, *Origanum majorana*

फणिज्झक phaṇijjhaka

फणिज्झकस्तीक्ष्णगन्धो मरुवक इति लोको। (ड.-सु.सू. 38/18), तीक्ष्णगन्धयुक्त वनस्पति, मरुआ, *Origanun majorana*

फणिनेत्र phaṇinetra

नियप्योऽसौ ततः सम्यक् चपलत्वनिवृत्तये। कर्कोटी फणिनेत्राभ्यां वृश्चिकाम्बुजमार्कवैः। (र.र.स. 11/49), नियामन संस्कार हेतु प्रयुक्त औषधि सर्पाक्षी (नाकुली), *Rauwolfia serpentina* used in niyaman samskara of mercury

फणिहन्त्री phaṇihantrī

अन्या महासुगन्धा च सुवहा गन्धनाकुली। सर्पाक्षी फणिहन्त्री च नकुलाढ्याऽहिक्क च सा।। विषमर्दनिका चाहिमर्दिनी विषमर्दिनी। महादिगन्धाऽहिलता ज्ञेया सा द्वादशाह्वा।। (रा.नि. 7/14-15), फणिहन्त्री, महासुगन्धा, सुवहा, सर्पाक्षी आदि महासुगन्धा के नाम हैं, a synonym of mahasugandhi

फणी phaṇī

जम्बीरः खरपत्रश्च फणी चोक्तः फणिज्जकः। मरुत्तको मरुबको मरुर्मरुबकस्तथा।। (ध.नि. 4/47), खरपत्र, फणी, फणिज्जक, मरुत्तक, मरु और मरुबक ये जम्बीर के पर्याय हैं, बड़ा नींबू, a synonym of big lemon (*Citrus limon*)

फल phala

यत् साधयन्ति तत् फलम्। (च.सू. 26/13), यत् साधयन्ति शिरोगौरवशूलाद्युपरमं, तत् फलं; फलं उद्देश्यम्। (चक्र.-च.सू. 26/13), जो सिद्ध किया जाता है वह फल (परिणाम) है, कर्मों द्वारा जिसकी सिद्धि होती है, उसे फल कहते हैं, इसे उद्धेश्य भी कहा गया है जैसे शिरोगौरव एवं शूल का शान्त होना, result 2. फलं गर्भाशयः। (ड.-सु.शा. 5/41), गर्भाशय, uterus 3. मदनः करहाटश्च राठः पिण्डीतकः फलम्। श्वसनश्चेति पर्यायैरूच्यते तस्य कल्पना। (च.क. 1/27), फल मदनफल का ही पर्याय है, a synonym of *Randia dumatorum*

फलक phalaka

फलके काष्ठफलके। (ड.-सु.चि. 6/4), काष्ठफलक, लकड़ी का पल्ला, wooden board

फलकल्प phalakalpa

दशान्ये षाडवाद्येषु त्रयस्त्रिंशदिदं शतम्। योगानां विधिवद्दिष्टं फलकल्पे महर्षिणा। (च.क. 1/30), मदनफल के 133 योगों का वर्णन, 133 preparations of *Randia dumetorum*

फलकोष phalakoṣa

फलकोषोऽण्डकोषः। (ड.-सु.सू. 23/5), अण्डकोष, scrotum

फलकोशवाहिनीधमनी phalakośavāhinīdhamanī

फलं च कोषश्च तयोर्वाहिनीः धमनीः। (गय.-सु.नि. 12/4), अंडकोष में जाने वाली धमनी, a vessel which supplies scrotum

फलकोषवृद्धि phalakoṣavṛddhi

फलकोषयोरिति द्विवचनमतन्त्रं, तेनैकस्य च फलकोषस्य वृद्धिर्भवति। (गय.-सु.नि. 12/4), अंडकोष वृद्धि, enlargement of scrotum

फलत् phalat

फलद्भिरिव स्फुटद्भिरिव। (ड.-सु.उ. 59/4), वातजमूत्रकृच्छ्र का एक लक्षण, स्फुटित वेदना युक्त मूत्रत्याग, painful micturition

फलत्रय phalatraya

हरीतक चामलक बिभीतकमिति त्रयम्। त्रिफला त्रिफली चैव फलत्रयफलत्रिके। (रा.नि. 22/3), हर्रे, आंवला, बहेड़ा, इन तीनों को मिलित रूप से त्रिफला कहते हैं, त्रिफला, त्रिफली, फलत्रय तथा फलत्रिक ये सब त्रिफला के नाम हैं, combination of three medicinal fruits *Terminalia chebula*, *Terminalia bellerica* and *Emblica officinalis*

फलत्रिक phalatrika

देखें फलत्रय। (रा.नि. 22/3)

फलत्रिकादिक्वाथ phalatrikādikvātha

फलत्रिकं दारुनिशां विशालां मुस्तां च निःक्वाथ्य निशां सकल्काम्। पिबेत् कषायं मधुसंप्रयुक्तं सर्वप्रमेहेषु समुद्यतेषु।। (च.चि. 6/40), त्रिफला, दारुनिशा (दारुहरिद्रा), विशाला (इन्द्रायण) एवं मुस्तक, इन द्रव्यों से निर्मित क्वाथ में

हल्दी के कल्क को डालकर मधु के साथ सेवन करने से यह क्वाथ सभी प्रकार के प्रमेहों का नाशक है, decoction of triphala and other drugs

फलदर्शन phaladarśana

फलदर्शनात् आरोग्यदर्शनात्। (ड.-सु.चि. 1/45), आरोग्यलाभ, रोगमुक्त होना, cure

फलपाक phalapāka

उद्धृतं फलपाकेन नवं स्निग्धं घनं गुरु। अव्यापन्नं विषहरैरेवाताऽऽतपशोषितम्।। (र.र.सं. 29/37), उक्त फलविषों में किसी का भी प्रयोग करना हो, उसे तब लेना चाहिए जबकि फल पूरा पक जाए, ripening of fruit

फलपाकान्त phalapākānta

फलपाकेऽन्तः पर्णादि विनाशलक्षणो यासां ता औषध्य। (इन्दु.-अ.सं.सू. 12/3), फल पकने के बाद जिसके पत्ते आदि नष्ट हो जाते हैं (ओषधि का लक्षण), damaged after ripening of fruits

फलपिप्पली phalapippalī

फलपिप्पली: मदनफलबीजानि। (ड.-सु.सू. 43/3), फलपिप्पली से यहाँ मदनफल के बीच स्थित पिप्पली की आकृति वाले बीजों का ग्रहण किया गया है, seed of *Randia dumetorum*

फलपुष्पा phalapuṣpā

दीप्या च पिण्डखर्जूरी स्थलपिण्डा मधुस्रवा। फलपुष्पा स्वादुपिण्डा हयथक्षारसाभिधा।। (ध.नि. 5/48), पिण्डखर्जूर का एक पर्याय, a synonym of *Phonix dactylifera*

फलपूरमूल phalapūramūla

बीजपूरकमूल। (च.चि. 26/84), मातुलुंग की जड़, वातजहृदयरोगों में प्रयुक्त, root of *Citrus medica*

फलप्राशन phalaprāśana

फलभक्षण। (का.खि. 12/15), शिशु को फल खिलाना प्रारम्भ करना तस्मिन्नेव मासि विविधानां फलानां प्राशनं, भिषगनुतिष्ठेत्। (का.खि. 12/15), उसी (छठे) मास में वैद्य शिशु को विभिन्न फलों का सेवन कराए, feeding of fruits to child (in 6th month), fruit induction ceremony

फलप्रिया phalapriyā

प्रियङ्गु फलिनी श्यामा प्रियवल्ली फलप्रिया। गौरी गोवन्दनी वृत्ता कारम्भा कङ्गुकङ्गुनी।। (रा.नि. 12/44), प्रियंगु, फलिनी, श्यामा, प्रियवल्ली, फलप्रिया, गौरी, गोवन्दनी, वृत्ता, आदि फूलप्रियंगु के नाम हैं, a synonym of *Callicarpa macrophylla*

फलमात्रासिद्धि phalamātrāsiddhi

अथातः फलमात्रासिद्धि व्याख्यास्यामः। (च.सि. 11/1), अध्याय का नाम, a chapter of charaka siddhisthana

फलमुख्या phalamukhyā

मेदिनी फलमुख्या च वसुचन्दाभिधा मता। (रा.नि. 7/102), अजमोदा का पर्याय, a synonym of *Carum roxburghianum*

फलयोनि phalayoni

गर्भाशय/योनि के च्युत होने पर क्षार निषेध के संदर्भ में, prolapse of uterus

फलरोचक phalarocaka

गणहासः कोपनश्चौरकः फलचोरकः। (रा.नि. 12/137), चोरक (ग्रन्थिपर्ण) का एक पर्याय, a synonym of *Angelica glauca*

फललुम्बि phalalumbi

फलानां लुम्बयः स्तबकाः। (अरु.-अ.ह.सू. 3/35), फललुम्बयः फलस्तबकाः। (हे.-अ.ह.सू. 3/35), फलगुच्छ, bunch of fruits

फलवर्ग phalavarga

फलसंग्रह। (च.सू. 27/125-164), विभिन्न फल द्रव्यों का वर्ग, a group of fruits

फलवर्ति phalavarti

आध्माने त्वपतर्पणपाणितापदीपनचूर्ण)फलवर्तिक्रियापाचनीयदीपनीयबस्तिभिरूपचारेत्। (सु.चि. 5/26), आध्मान में वायुनिस्सारण, पाचन एवं दीपन हेतु गुदमार्ग में प्रयुक्त वर्ति, rectal suppository

फलविष phalaviṣa

कुमुद्वतीवेणुकाकरम्भमहाकरम्भकर्कोटकरेणुकखद्योतकचर्मरीभगन्धासर्पघाति-नन्दनसारपाकानीति द्वादश फलविषाणि। (सु.क. 2/5), विषाक्त फल, स्थावर विष के अधिष्ठानों में से एक, poisonous fruit

फलशैशिर phalaśaiśira

बदरं कोलकं कोलं सौवीरं फेनिलं कुहम्। कर्कन्धुकं गुडफलं बालेष्टं फलशैशिरः।। (ध.नि. 5/87), बदर (बेर) का एक पर्याय, a synonym of jujuba fruit, *Zizyphus jujuba*

फलषाडव phalaṣāḍava

दाड़िमो दाडिमीसारः कुट्टिमः फलषाडवः। स्वादम्लो रक्तबीजश्च करकः शुकवल्लभः।। (ध.नि. 2/61), फलषाडव, दाड़िम (अनार) का एक पर्याय है, one of the synonyms of pomegranate, *Punica granatum*

फलसम्भारी phalasambhārī

काकोदुम्बरिका फल्गू राजिफल्गुः शिवाटिका। फल्गुनी फलसंभारी मलयुः श्वित्रभेषजाः।। (ध.नि. 5/81), काकोदुम्बरिका का एक पर्याय, a synonym of *Ficus hispida*

फलसर्पि phalasarpi

स्त्रीभिः पुष्पे सेवितं सत् फलाय प्रजोत्पादस्वरूपाय भवत्तीति फलसर्पिः। (अ.सं.उ. 39), फलघृत, प्रजोत्पादन में सहायक, beneficial in infertility

फलसार phalasāra

कपित्थः। (अ.सं.उ. 49), कैथ, *Feronia elephantum*

फलस्नेह phalasneha

ये च केचित् फलस्नेहा विधानं तेषु पूर्ववत्। दुरूढत्वात् तु कृष्णानां पाण्डुकर्म हितं भवेत्।। (सु.चि. 1/94), दुरूढ एवं कृष्ण वर्ण के व्रणों में पाण्डुकर्म हितकर है, an unction preparation

फलाध्यक्ष phalādhyakṣa

राजादन: फलाध्यक्षो राजन्या क्षीरिकाऽपि च। (भा.प्र.पू. 6/86), राजादन (खिरनी) का पर्याय, *Mimusops hexandra*

फलाम्बु phalāmbu

फलाम्बु द्राक्षाशर्कराखर्जूरादिमृदित पूर्वकम्। (अ.सं.चि. 3), द्राक्षा, शर्करा एवं खजूर आदि फलों से निर्मित पेय, a drink prepared by processing fruit juice

फलाम्ल phalāmla

फलाम्लो बीजपूररस:। (ड.-सु.चि. 6/4), बीजपूर (मातुलुंग) का रस, juice of *Citrus medica*

फलारिष्ट phalāriṣṭa

कल्पना। (च.चि. 14/148-152), हरीतकी, आमलकी आदि से सिद्ध अरिष्ट, a liquid produced by fermentation of drugs like haritaki, amalaki etc

फलाशिन् phalāśin

फलाशिनां मांसमितरमांसापेक्षया रूक्षम्। (ड.-सु.सू. 46/134), फल खाने वाले पक्षी, इनका मांस अन्य पक्षियों के मांस से रूक्ष होता है, fruit eating birds

फलासव phalāsava

फल निर्मित आसव। (सु.सू. 46/433), बिलेशय (बिल में रहने वाले) प्राणियों के मांस भक्षण पश्चात् मृद्वीका आदि से निर्मित फलासव अनुपान के रूप में प्रयुक्त होता है, a fermented liquid prepared from fruits

फलिन phalina

फलिन शब्द: फलवति वर्तते। (इन्दु.-अ.सं.सू. 12/3), फलवती, फलयुक्त, fruit bearing

फलिनी phalinī

1.अतिकायो बृहत्साधनो नरस्तेन गृहीताया फलिनीति संज्ञा। (ड.-सु.उ. 38/18), त्रिदोषज योनिरोग, जिससे पीड़ित स्त्री में अनेक साधनों से भी संतान नहीं होती है, infertile lady 2. लम्बाऽथ कटुकालाबूस्तुम्बी पिण्डफला तथा। इक्ष्वाकु: फलिनी चैव प्रोच्यते तस्य कल्पना।। (च.क. 3/3), फलिनी, इक्ष्वाकु कटुतुम्बी का पर्याय है, bitter gourd (*Lagenaria vulgaris*)

फलिनो phalino

तत्र फलिनो वनस्पति:। (इन्दु.-अ.सं.सू. 12/3), वनस्पति, plant where fruits are not preceded by appearance of flowers

फलेरुहा phaleruhā

द्वितीया पाटला श्वेता निर्दिष्टा काष्ठपाटला। सा चैव श्वेतकुम्भिका कुबेराक्षी फलेरुहा।। (ध.नि. 1/118), काष्ठपाटला (पाढ़ल भेद) का एक पर्याय है, a synonym of a variant of *Stereospermum suaveolens*

फलोत्तमा phalottamā

उत्तरापथिका प्रोक्ता कपिला सा फलोत्तमा स्वादुपाका मधुरसा मृद्वीका गोस्तनी स्मृता। (ध.नि. 5/52), द्राक्षा विशेष का एक पर्याय, a synonym of a variant of *Vitis vinifera*

फलोदक phalodaka

फलरस: फलसिद्धमुदकं रक्तपित्तेतृष्नाहरमेतत्। (च.चि. 4/5), फलरस, फलरस से सिद्ध जल, fruit juice

फल्गु phalgu

फल्गु: काष्ठोदुम्बरिका:। (चक्र.-च.चि. 10/9), देखें फलसम्भारी। (ध.नि. 5/8), काकोदुम्बरिका का पर्याय, काष्ठोदुम्बर, a synonym of *Ficus hispida*

फल्गुनी phalgunī

देखें. फलसम्भारी। (ध.नि. 5/81), काकोदुम्बरिका, *Ficus hispida*

फाणित phāṇita

फाणितं च तन्तुलीभावाद्भवति। (चक्र.-च.सू. 27/239), इक्षो रसस्तु य: पक्व किञ्चिद्गाढो बहुद्रव:, स एव इक्षु विकारेषु ख्यात: फाणितसंज्ञया। (भा.प्र.नि. इक्षुवर्ग 21), फाणित तन्तुलीभाव प्राप्त गुड़ (सीरा या राब) होता है, इक्षुरस को पकाने पर जब उसमें तार बनने लगता है, तो उसे आग से उतार लिया जाता है, इसे फाणित कहते हैं, फाणित (चरका, राब, छोबा इन नामों से लोक प्रसिद्ध) ईख का पकाया हुआ रस कुछ गाढा अंश तथा अधिक द्रव भाग से युक्त, वही ईख के रस से बने हुए पदार्थों में फाणित नाम से विख्यात है, thready consistency of sugarcane juice obtained while boiling or cooked, thickened inspissated juice of sugar cane

फाण्ट phāṇṭa

क्षुण्णे द्रव्यपले सम्यग्जलमुष्णं विनिक्षिपेत् मृत्पात्रे कुडवोन्मानं ततस्तु स्रावयेत पटात्। तस्य चूर्णद्रव: फाण्टस्तन्मानं द्विपलोन्मितम्। सिता मधु गुडादीश्च क्वाथवत् निक्षिपेत्।। (शा.सं.म. 3/1-2), उचित रूप से कुटे हुए एक पल द्रव्य को मिट्टी के पात्र में रख दें और उसमें एक कुडव (16 तौला) उष्ण जल डाल दें, तत्पश्चात् उसे कपड़े से छान लें, इसका नाम चूर्ण द्रव तथा फाण्ट है, इसकी मात्रा दो पल है, इसमें शर्करा, मधु, गुड़ आदि प्रक्षेपद्रव्य क्वाथ के समान डालना चाहिए, one pala of coarsely powdered drug is added with one kudava of hot water in an earthen pot and to be kept aside for some time and later on filtered through a cloth, the liquid is called phanta, it is also known as churna drava, hot infusion

फाल phāla

अयोमयेनाग्नितप्तम्। (अरु.-अ.ह.सू. 17/1), तापस्वेद हेतु प्रयुक्त लोहे का फलक, iron plate (for thermal sudation)

फाल्गुन phālguna

फाल्गुनचैत्रो वसन्त:। (सु.सू. 6/10), फागुन मास और चैत्र मास वसन्त ऋतु में आते हैं, month of phalgun (a part of spring season)

फिरङ्ग phiraṅga

फिरङ्ग संज्ञके देशे बाहुल्येनैव यद्भवेत् तस्मात् फिरङ्ग इत्युक्तो व्याधिर्व्याधिरविशारदै। (मा.नि.परि. फि.नि), फिरंगदेश (यूरोप) में अधिकता से होने वाला रोग, syphilis

फुप्फुस phupphusa

फुप्फुसो हृदयनाडिकालग्नः स्वनामख्यातः। (ड.-सु.शा. 4/25), शरीर का एक अंग, जो हृदय से नाड़ी द्वारा जुड़ा रहता है, lungs

फुल्लतुवरी phullatuvarī

निर्भारा शुभ्रवर्णा च स्निग्धा साम्लाऽपरा मता। सा फुल्लतुवरी प्रोक्ता लेपात्ताम्रं चरेदयः।। (र.र.स. 3/65), फुल्लिका, श्वेत वर्ण, अल्पभार, स्निग्ध तथा स्वाद में अम्ल होती है, ताम्रपत्रों पर लेप करने से उसके काठिन्य को कम कर देती है, alum

फुल्लिका phullikā

देखें. फटकी। (र.र.स. 3/63), स्फटिका भेद, a type of alum

फेन phena

फेनं समुद्रफेनम्। (ड.-सु.चि. 1/40), समुद्रफेन, bony part cuttle fish

फेनक phenaka

फेनकं फेनसङ्काशं संपूर्णशशि सन्निभम्। (ड.-सु.सू. 46/399), फेनक भक्ष्य, फेन के सदृश पूर्ण चन्द्रमा की तरह दिखाई देता है, a dietary article which resembles white like moon

फेनभूत phenabhuta

अन्नस्य भुक्तमात्रस्य षड्रसस्य प्रपाकतः। मधुराद्यात् कफो भावात् फेनभूत उदीर्यते।। (च.चि. 15/9), सेवन किया हुआ षड्रस युक्त आहार सर्वप्रथम मधुर भाव को प्राप्त होता है, जिसके कारण फेन रूप कफ की वृद्धि होती है, frothy (kapha) which is produced during first stage of digestion

फेनमेह phenameha

स्तोकं स्तोकं सफेनमच्छं फेनमेही मेहति। (सु.नि. 6/10), प्रमेह का एक भेद, जिसमें रोगी रुक-रुक कर झागयुक्त मूत्र का त्याग करता है, a type of prameha, frothy urination

फेनसङ्घात phenasaṅghāta

अष्टोक्षीरदोषा इति वैवर्ण्यं वैगन्ध्यं वैरस्यं पैच्छिल्यं फेनसंघातो रौक्ष्यं गौरवमतिस्नेहश्च। (च.सू. 19/4-1), क्षीर दोषों में से एक, झाग युक्त दुग्ध, frothy milk, one of eight types of pathologies of breast milk

फेनागमन phenāgamana

फेनागमनमास्यात्। (च.नि. 7/7-1), (मुख से) झाग निकलना, वातोन्माद का पूर्वरूप, frothy secretion from mouth

फेनानुविद्ध phenānuviddha

फेनानुविद्धं फेनमिश्रम्। (ड.-सु.नि. 10/11), झागयुक्त, frothy

फेनाश्म phenāśma

फेनाश्म हरितालं च द्व धातुविषे। (सु.क. 2/5), संखिया, दो प्रकार के धातुविषों में से एक, arsenic

फेनिल phenila

फेनिलं फेनसहितम्। (ड.-सु.सू. 14/21), झागयुक्त, वात से दुष्ट रक्त का लक्षण, frothy (blood), a feature of vata affected blood

फेनिला phenilā

फेनिला उपोदिका। (ड.-सु.उ. 39/284), उपोदिका (पोई) शाक, a type of leafy vegetable

फेनोद्वमन phenodvamana

देखें. ग्रहोपसृष्ट। (सु.शा. 10/51), मुंह से झाग आना, बालक का ग्रह से ग्रस्त होने का एक लक्षण, frothy vomitus, a feature of a child affected with graha

बक baka

पाण्डुरपक्षः प्रसिद्धः। (ड.-सु.सू. 46/105), प्लवप्राणी, पाण्डु वर्ण के पंख युक्त, बगुला पक्षी, crane

बक्कस bakkasa

जगल एवाद्रवः किण्वौषधमात्रम्। (ड.-सु.सू. 45/181), जगल को द्रवरहित कर किण्वौषध शेष रहने पर प्राप्त द्रव्य बक्कस कहलाता है, ferment

बडिश baḍiśa

1. मत्स्यबन्धनयन्त्रम्। (ड.-सु.क. 3/29), बडिशतुल्यं बडिशम्। (ड.-सु.सू. 8/3), शस्त्र एवं यन्त्र, मत्स्य को पकडने वाले कांटे के समान यन्त्र, hook 2. ऋषि। (च.सू. 1/11), a sage

बदर badara

1. विरेचनोपगगणोक्तमेकं द्रव्यम्। (च.सू. 4/13), उदर्दप्रशमन गणोक्तमेकं द्रव्यम्। विरेचनोपग गण की एक ओषधि, उदर्दप्रशमन गण की एक औषधि, Zizyphus jujube 2. शाणौ द्वौ द्रंक्षणं विद्यात् कोलं बदरमेव च। (च.क. 12/89), एक प्रकार का मान, दो शाण का एक द्रंक्षण होता है, कोल एवं बदर उसका पर्याय होता है, a weight measurement

बदरषाडव badaraṣāḍava

बदरकृतः षाडवो बदरषाडवः। (चक्र.-च.क. 1/26), बेर से बनी चटनी, sauce made of zuzuba fruit

बदरसीधु badarasīdhu

दधितक्रसुरामण्डमूत्रैर्बदरसीधुना। रसेनामलकानां वा ततः पाणितलं पिबेत्। (च.क. 9/6), दधि, तक्र, सुरामण्ड, गोमूत्र, बदरसीधु, आमलकी स्वरस, इन द्रव पदार्थों में से किसी एक द्रव पदार्थ के साथ एक पाणितल मात्रा में लोध्र चूर्ण को मिलाकर विरेचनार्थ आतुर को पिलाना चाहिए, alcohlic dosage form prepared by zuzuba fruit, used for purgation

बद्धगुदोदर baddhagudodara

पक्ष्मबालैरित्यादिना अनेकहेतुकृतो गुदनिरोधः, तेन गुदनिरोधकत्वरूपेणैकरूपमेव बद्धगुदोदरं जनयति। (चक्र.-च.चि. 13/41), भोजन के साथ पक्ष्म या सिर के बालों के आहारनाल में प्रवेश करने से गुदा के मार्ग का अवरुद्ध हो जाना, उदावर्त, अर्श तथा आन्त्र सम्मूर्च्छन, इन कारणों से गुदा में अवरोध होने से अपानवायु प्रकुपित होकर जठराग्नि को नष्ट करती हुई मल, पित्त व कफ को अवरुद्ध कर बद्धगुदोदर को उत्पन्न करती है, intestinal obstruction

बद्धपुरीष baddhapurīṣa

देखें. बद्धवर्चस

बद्धमुष्टि baddhamuṣṭi

गाढमुष्टि, tightly held fist

बद्धवर्चस् baddhavarcas

ग्रथितपुरीषम्। (अरु.-अ.हृ.सू. 5/56), ग्रन्थियुक्त पुरीष, hard stool, faecolith

बद्धविट्कता baddhaviṭkatā

शकृत् (मल) की ग्रथित होने से कृच्छ्र प्रवृत्ति। (सु.उ. 39/30), faecolith

बद्धाबद्धप्रलाप baddhābaddhapralāpa

संबद्धासंबद्धत्वम्। (चक्र.-च.चि. 9/20), सम्बद्ध एवं असम्बद्ध प्रलाप करना, पिशाचोन्माद लक्षण, meaningless and meaningful talk, a symptom of insanity

बद्धायन baddhāyana

बद्धमार्गम्। (चक्र.-च.चि. 13/39), अवरुद्ध मार्ग या स्रोतस, obstructed channel

बद्धास्य baddhāsya

चिरकालं व्याप्य आस्ये स्थितिकरं, चिरकालानुबद्धमिति तात्पर्यार्थः। (ड.-सु.उ. 52/14), दीर्घकाल तक मुख में स्थिति, retaining in mouth for a long time

बद्धोदर baddhodara

बद्धगुदोदर, उदररोग का एक भेद। (च.सू. 19/4), (सु.नि. 7/17), intestinal obstruction

बद्धोदरिन् baddhodarin

बद्धगुदोदरः। (च.चि. 13/105), intestinal obstruction

बधिर badhira

बाधिर्य कर्णरोग। (सु.सू. 24/5), (सु.उ. 20/8), deafness

बधिरत्व badhiratva

1. स्पर्शज्ञानरहितम्। (र.र.स. 12/99), स्पर्शज्ञान न होना, anaesthesia 2. बाधिर्य। (सु.उ. 20/8), deafness

बन्ध bandha

1: बन्धश्चः द्विविधः शस्तो व्रणानां सव्यदक्षिणः। (च.चि. 25/96), व्रणबन्ध, bandaging 2. स्रोतोरोधः। (हे.-अ.हृ.सू. 10/12), अवरोध, स्रोतोरोध, block, channel block 3. सन्धिबन्धः। (चक्र.-च.सू. 18/51), सन्धियों का बन्धन करना, कफ का कर्म, bondage of joints 4. पारद का स्थिरीकरण संस्कार, 25 प्रकार के बन्ध। (र.र.स. 11/60), a procedue to fix mercury 5. अरिष्टाबन्धो व्रणबन्धश्च। (चक्र.-च.सू. 18/5), अरिष्टाबन्ध, tourniquet

बन्धन bandhana

1. बन्धनं परस्परयोजनम्। (चक्र.-च.सू. 26/11), शरीर के अवयवों का परस्पर योजन या एक दूसरे से जोड़ना बन्धन कहलाता है अथवा परस्पर एक दूसरे को बांधे रखना बन्धन है, bondage 2. व्रणबन्धन। (सु.सू. 7/17), bandage 3. पारद बन्धन। (र.र.स. 11/60), to bind

बन्धनयोग्या bandhanayogyā

पुस्तमय पुरुषाङ्गप्रत्यङ्गविशेषेषु बन्धनयोग्याम्। (सु.सू. 9/4), व्रण के ऊपर पट्टबन्धन का अभ्यास, जो पुस्तमय पुरुष के अंग प्रत्यंगों के ऊपर किया जाता है, bandage practice (on dummies)

बभ्रु babhru

1. कपिलपिङ्गलः। (ड.-सु.सू. 6/35), धूसरवर्ण, brown colour 2. अतिलोमशः कुक्कुरः पर्वतोपकण्ठे भवति, केचित् बृहन्नकुलमाहुः। (चक्र.-च.सू. 27/35), अच्छमल्लः। (हे.-अ.हृ.सू. 6/49), अतिलोमयुक्त बिल्ली, नकुल, भालू, an animal

बर्बर barbara

बर्बरवृक्षः चन्दनाकारः प्रसिद्धः। (इन्दु.-अ.हृ.उ. 3/59), चंदनाकार वनस्पति, a herb

बल bala

1. उत्साहलक्षणबलम्। (ड.-सु.चि. 33/27), उत्साह enthusiasm 2. ओज। सप्तधातुओं का सार, essence of seven dhatus 3. देहस्योपचयलक्षणं शक्तिलक्षणं वा। (ड.-सु.चि. 26/39), देह उपचय एवं शक्ति, anabolism 4. प्राणः। (अरु.-अ.हृ.सू. 2/16), प्राणशक्ति, vitality 5. नख वनस्पति। (रा.नि. 12/107), एक औषधि, a herb

बलकरण balakaraṇa

शक्त्युपचयः बलस्य वर्धनम्। बल को बढ़ाना, strengthening

बलकर्म balakarma

बलेन संपाद्यं कर्म बलकर्म गुरुभारहरणादि। (चक्र.-च.सू. 5/88), जो कार्य शक्ति लगाकर किये जाने वाले हैं अर्थात् जिसे शक्तिशाली पुरुष ही कर सकता है, बलकर्म कहलाते हैं। उदाहरण- गुरु भार वहन करना आदि या बल से सम्पादित होने वाले कर्म को बलकर्म कहा जाता है। यथा-अधिक भार वहन करने की क्षमता आदि, task, which needs power and strength

बलक्षय balakṣaya

बलक्षय इति कालजयुक्तिजसहजानां बलानां हानिः, अथवा बलक्षय ओजः क्षयः। तीन प्रकार के बलों में कमी, बलक्षय को ओजक्षय भी कहते हैं, decrease in all the three types of bala or ojokshaya

बलप्रणाश balapraṇāśa

बल की हानि। (च.सू. 16/15), depletion of strength

बलभ्रंश balabhraṃśa

बलस्य भ्रंशो-हानिः, बलभ्रंशः। (अरु.-अ.हृ.सू. 13/23), बल की हानि, decline in strength

बलवद्विग्रह balavadvigraha

बलवद्भिर्विग्रहो बलवद्विग्रहः, मल्लादिभिः सह बाहुयुद्धादिः। (ड.-सु.सू. 21/19), बलवान के साथ मल्ल या बाहुयुद्ध करना, wrestling with a strong person

बलविस्रंस balavisraṃsa

बलविस्रंसः शक्तिविस्रंसः। (ड.-सु.चि. 34/11), बल का अपने स्थान से हटना, शक्ति का अपने स्थान से हटना, dysfunction of bala

बलसङ्क्षय balasaṅkṣaya

शक्तिह्रासः। (अ.ह.सू. 7/24), बल का अत्याधिक ह्रास होना, पक्वाशय गतविष का एक लक्षण, extreme decline in strength

बलसन्धान balasandhāna

शरीरस्य बलेन सन्धानं योजनं करोतीत्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 5/94), शरीर में बल का उत्पन्न करना producing strength in the body

बलसमाधान balasamādhāna

बलेन सम्यगाधीयते धार्यत इति बलसमाधानं शरीरम्। (चक्र.-च.नि. 5/4), बल के द्वारा शरीर को सम्यक् रूप से धारण करना, strength is metaphor of the body

बलहन्तार balahantāra

बलहन्तारं बलनामासुरारिं शक्रं इति यावत्। (गंगा.-च.सू. 1/20), बल नामक असुर को मारने वाला इन्द्र, इन्द्र के लिये बलहन्तारम् शब्द का प्रयोग किया गया है, one who killed the asura named bala, an epithet of Indra

बलादान balādāna

बलादानेन सामर्थ्याधानेन, स्वस्थानस्थमेव तेषूपकुरुत इत्यर्थः। (अरु.-अ.ह.सू. 12/12), सामर्थ्य बढ़ाना, पाचक पित्त का एक कर्म जिसके द्वारा वह दूसरे प्रकार के पित्तों को बल प्रदान करता है, strengthening, a function of pachakapitta by which it strengthens other pitta

बलाधान balādhāna

भावना के द्वारा औषध का बल बढ़ाना। (च.क. 12/47), enhancing the potency of a drug by bhavana

बलाधिष्ठान balādhiṣṭhāna

आरोग्यं बलवत एव भवतीति बलाधिष्ठानमारोग्यमुक्तम्। (चक्र.-च.चि. 3/142), आरोग्य होने से व्यक्ति का बल बढ़ता है, इसलिए बलयुक्त ही निरोगी है, strength increases in healthy person, therefore a person having strength is called healthy

बलार्ध balārdha

बलस्यार्धेन। (सु.चि. 24/47), अपने बल से आधे बल तक व्यायाम करना, one should do exercise upto half of his/her strength

बलास balāsa

बलासः श्लेष्मा। (ड.-सु.उ. 61/33), बलास कफ का पर्याय है, balasa is a synonym of kapha

बलासक balāsaka

बलासकः बलक्षयः; किंवा श्लेष्मोद्रेकान्मन्दज्वरित्वं, स्थूलाङ्गता वा बलासकः। (चक्र.-च.सू. 20/17), बल का क्षय होना अथवा कफ की अधिकता के कारण शरीर में मन्द ज्वर बना रहना अथवा अंगों का स्थूल होना 'बलासक' कहलाता

है, loss of strength is called balasaka or a low grade fever and heaviness of body due to aggravated kapha

बलासक्षतज प्रसूत balāsakṣataja prasūta

बलासक्षतजप्रसूतः श्लेष्मरक्तजातः। (ड.-सु.नि. 16/55), कफ एवं रक्त से उत्पन्न, produced by kapha and rakta

बलासजित् balāsajit

आरग्वधाद्यादयो गणाः सप्तैतेः बलासं श्लेष्माणं जयन्ति। (अरु.-अ.ह.सू. 15/7), कफनाशक, कफनाशक गण सात होते हैं, कफ को जीतने वाला, that pacifies kapha, a property of a group of seven drugs, aragvadha etc

बलासप्रकृति balāsaprakṛti

कफप्रकृतिः। (सु.शा. 4/74), कफ की प्रकृति वाला, kapha constitution

बलासावतत balāsāvatata

श्लेष्माच्छन्नम्। (ड.-सु.उ. 43/8), कफ से आवृत्त, enveloped by kapha

बलासावर्त balāsāvarta

श्लेष्माच्छन्नम्। कफ से आवृत, enveloped by kapha

बलिन balina

शक्त्युपचययुक्तः। शक्ति और उपचय से युक्त, one who is having strength and well nourished body

बली balī

1. उष्ट्र, वनशूकर, महिष पर्याय। (रा.नि. सिंहादिवर्ग), synonym of camel, wild pig, buffalo 2. खनिज गंधक। (ध.नि. 3/109), खनिज गंधक, a kind of sulphur 3. कुन्दुरु पर्याय। (ध.नि. 23/131), कुन्दुरु का पर्याय, synonym of kunduru plant

बल्य balya

मांसोपचयकरम्। (ड.-सु.सू. 45/49), वलवर्धक, बल देने वाला, one which enhances strength

बल्यदशक balyadaśaka

बलकर दशौषधगण। (अ.सं.सू. 15/12), बलवर्धक दस द्रव्यों का गण, group of ten herbs meant for strength enhancement

बस्तगन्धित्व bastagandhitva

बृहत्तमच्छगलगन्धित्वम्। (ड.-सु.नि. 3/5), भेड़ के मूत्र के समान गन्ध, अश्मरी का एक पूर्वरूप, smell resembling goat's urine, one of the prodromal symptoms of urolithiasis

बस्ति basti

1.बस्तिः मूत्राशयः। (चक्र.-च.शा. 7/10), पन्द्रह कोष्ठांगों में से एक, मूत्र का आधार, one of the fifteen abdominal organs, urinary bladder 2. प्राणायतन। (च.शा 7/9), दश प्राणायतनों में से एक, one of the vital organs 3. मूत्रवहानां स्रोतसां मूलम्। (च.वि. 5/8), मूत्रवह स्रोतस मूल, one of the organs in mutravaha srotas 4. एक मर्म। (सु.शा. 6/9-10), one of the marma, vital organs 5. एक प्रकार का यन्त्र जो गुदद्वार से औषध देने हेतु प्रयुक्त होता है।

a type of instrument used for giving enema 6. एक उपक्रम। पंचकर्मों में से एक, one of the therapeutic procedures, one of the panchakarma procedures 7. व्रणों की चिकित्सा में प्रयुक्त एक उपक्रम, one of the sixty procedures used for the treatment of wound

बस्तिकर्म bastikarma

बस्तिकर्म तु मूत्रधार पुटकेन साध्यं कर्मम्। (सु.चि. 35/3), मूत्राधार में औषध पूरित कर की जाने वाली चिकित्सा, a procedure performed with the help of urinary bladder of animals

बस्तिकर्मविभ्रम bastikarmavibhrama

बस्तिकर्मे विभ्रमम्। बस्ति कर्म करते समय हुई गलती, a mistake occured during basti procedure

बस्तिकुण्डल bastikuṇḍala

त्रयोदशबस्तिविकारेष्वेक। (च.सि. 9/44), मूत्राशय के तेरह रोगों में से एक प्रकार का रोग, one of the thirteen types of diseases of urinary bladder in which the patient has dribbling micturition

बस्तिदान bastidāna

बस्तिप्रदानम्। (च.सि. 3/24), बस्तौ निदध्यात्, बस्ति कर्म करना, performing basti procedure

बस्तिदारण bastidāraṇa

मूत्राशय में फटने के समान वेदना होना, a symptom having pain like bursting of urinary bladder

बस्तिदूषण bastidūṣaṇa

बस्तिदूषणमिति मूत्राशये वातादिप्रकोपकारि। (ड.-सु.सू. 45/169), वातादि दोषों से बस्ति का दूषित होना, vitiation of urinary bladder

बस्तिदोष bastidoṣa

बस्तियन्त्रस्य आशय दोष। (सु.चि. 35/32), बस्तियन्त्र के आशय के दोष, सुश्रुताचार्य के अनुसार ये पाँच हैं तथा चरक के अनुसार आठ हैं, defects in the container, vessel of basti yantra

बस्तिद्रव्यदोष bastidravyadoṣa

बस्तिद्रव्यगत दोष। (सु.चि. 35/32), बस्ति में प्रयुक्त औषधि द्रव्यों के दोष, सुश्रुत के अनुसार ये ग्यारह प्रकार के होते हैं, defects in drugs used in basti karma

बस्तिनिबन्धन bastinibandhana

बस्तिनिबन्धने इति बस्तिनिबन्धनप्रयोजनके। (चक्र.-च.सि. 3/10), बस्तियन्त्र बाँधने का कर्म, ऐसा कर्म जिससे बस्तियन्त्र बाँधा जाता है, a procedure of holding bastiyantra

बस्तिनेत्र bastinetra

बस्तिनलिका। (सु.चि. 35/12), बस्तियंत्र में उपयुक्त नली, a pipe/catheter used in basti

बस्तिनेत्रदोष bastinetradoṣa

बस्तिनलिकागत दोष। (च.सि. 5/4, अ.सं.क. 7, सु.चि. 35/32), बस्तिनेत्र के दोष जो चरक अनुसार 8 होते हैं तथा सुश्रुत के अनुसार 11 होते हैं, defects in basti netra (enema nozzle)

बस्तिपाक bastipāka

बस्तेः कोथनं पूतिभावापपन्नम्। (च.सि. 12/14), बस्ति का पाक होना, कोथ होना, inflammation/suppuration in uninary bladder

बस्तिपीडनदोष bastipīḍanadoṣa

बस्तिप्रपीडन दोष। (सु.चि. 35/32), बस्तिपीड़नजन्य दोष, यह चार हैं, defective methods of sqeezing basti yantra

बस्तिपीडनयोग्या bastipīḍanayogyā

बस्तिबन्धनाभ्यासः। (अ.सं.सू. 34/38), बस्तिप्रयोग का अभ्यास, practice to attain skill of giving enema

बस्तिपुटक bastipuṭaka

बस्तिरिति मूत्राशयपुटकम्। (चक्र.-च.सि. 3/10), मूत्राशयपुटक, urinary bladder

बस्तिपूरण bastipūraṇa

बस्तिर्मूत्राशयः, तस्यपूरणम्। (ड.-सु.सू. 15/5), मूत्राशय भरना, filling of urinary bladder

बस्तिप्रणिधान दोष bastipraṇidhānadoṣa

बस्तिप्रदानकर्मणि दोषः। (सु.चि. 35/32), बस्ति प्रयोग के समय की गलतियां, सुश्रुत के अनुसार ये छः हैं, defective methods of giving/injecting basti

बस्तिप्रवर्तित bastipravartita

प्रवृत्त्युन्मुखीकृतम्। (चक्र.-च.क. 12/80), बस्तिप्रयोग के कारण बाहर जाने के लिए प्रवृत्त दोष, doshas which are provoked to be eliminated by the administration of basti

बस्तिभेद bastibheda

बस्तेर्भिन्नत्वम्। (सु.नि. 6/13), बस्ति में फूटने के समान वेदना होना, bursting pain in urinary bladder

बस्तिमुख bastimukha

मूत्राशयद्वार। (सु.नि. 3/8), मूत्राशय का द्वार, urinary bladder outlet

बस्तिवीर्य bastivīrya

वीर्यं, शक्तिः, प्रभाव इत्यनर्थान्तरम्। (ड.-सु.चि. 35/25), बस्ति की कार्यकारी शक्ति, acting potential of basti, efficacy of basti

बस्तिव्यापद् bastivyāpad

षट्सप्ततिः समासेन व्यापदः परिकीर्तिताः। (सु.चि. 35/33), बस्तिक्रिया में निर्माण होने वाले दोष, ये कुल 76 होते हैं, complications associated to the administration of basti

बस्तिव्यापत्सिद्धि bastivyāpatsiddhi

वमनविरेचनानन्तरभावित्वाद्बस्तेः संशोधनव्यापत्सिद्धेरनन्तरं बस्तिव्यापत्सिद्धि-रुच्यते। (चक्र.-च.सि. 7/1), चरकसंहिता सिद्धिस्थान अध्याय 7 का नाम, वमन

एवं विरेचन के बाद बस्ति का प्रयोग किया जाता है, इस कारण से संशोधन व्यापत्सिद्धि अध्याय के बाद बस्तिव्यापत्सिद्धि का वर्णन है, 7th chapter of Charak siddhisthan

बस्तिशय्या
bastiśayyā

बस्त्यर्थं शय्या। (अ.सं.क. 7), बस्तिप्रदान के समय प्रयुक्त शय्या, couch or beding used during enema procedure

बस्तिशय्यादोष
bastiśayyādoṣa

बस्तिशय्यास्थित पुरुषदोष। (सु.चि. 35/32), (अ.सं.क. 7), बस्ति शय्या के ऊपर स्थित पुरुष को लेटाने के मिथ्या प्रकार जन्य 7 दोष, seven kinds of complications caused by the defective methods of lying on couch during enema

बस्तिशिर
bastiśira

मूत्रशयोपरितनो भागः। (ड.-सु.नि. 3/5), मूत्राशय का ऊपरी भाग, 56 प्रत्यंगों में एक, bladder outlet, one of 56 internat organs

बस्तिशीर्ष
bastiśīrṣa

बस्तिशिरो नाभेरधः। (चक्र.-च.शा. 7/11), बस्तिशिर, bladder outlet

बस्तिशुद्धिकर
bastiśuddhikara

मूत्राशयशोधनैर्यवक्षारादिभिः। (हे.-अ.हृ.सू. 4/21), कूष्माण्डादिभिः। (अरु.-अ.हृ.सू. 4/21), मूत्राशय शोधन करने वाले द्रव्य जैसे कूष्माण्ड, यवक्षार आदि, urinary antiseptics

बस्तिशूल
bastiśūla

बस्ति (मूत्राशय) में शूलवत् वेदना, जिसमें मल, मूत्र एवं वात का अवरोध होता है। (सु.उ. 42/133-134), (च.सू. 7/6), pain in urinary bladder, suprapubic pain

बस्तिशोथ
bastiśotha

मूत्राशयशोथ। (च.चि. 26/7), मूत्राशय में शोथ होना, cystitis

बस्तिशोधन
bastiśodhana

बस्तिशोधना इति अश्मरीशर्करामूत्रकृच्छ्रमूत्राघातादिषु पथ्याः, मूत्रविरेककारिण इत्यर्थः। (ड.-सु.सू. 46/54), मूत्राशय शुद्धि एवं मूत्र प्रवृत्ति करने वाले औषध, urinary bladder cleansers, diuretics

बस्तिस्नेहदोष
bastisnehadoṣa

बस्ति में प्रयुक्त स्नेह के दोष, ये 8 होते हैं। (अ.हृ.सू. 19/41-42), defects in enema unction material

बहल
bahala

1. स्थूलम्। (ड.-सु.नि. 5/17), घनम्। (ड.-सु.सू. 14/21), स्थूल, घन, thick, concentrated 2. शिग्रु। (अ.हृ.सू. 15/45), (अ.सं.सू. 16/15), सहिजन, drumstick tree

बहवाशी
bahvāśī

प्रचुरभोक्ता। (ड.-सु.उ. 60/15), म्लानाङ्गः सुरुचिरपाणिपादवक्त्रो बहवाशी कलुशसिरावृतोदरो यः। सोद्वेगो भवति च मूत्र तुल्यगन्धिः स ज्ञेयः शिशुरिह

वक्त्रमण्डिकार्तः।। (सु.उ. 27/15), प्रचुर मात्रा में भोजन करने वाला, अधिक खाने वाला, मुखमण्डिका ग्रह से ग्रस्त शिशु का एक लक्षण, voracious eater

बहिःपरिमार्जन
bahiḥparimārjana

बाह्यातः शुद्धिकरं भेषजम्। (अ.सं.सू. 39/4), चिकित्सा उपक्रम। (च.सू. 11/55), शरीर में बाह्य प्रयोग जैसे तैल अभ्यंग, लेपादि का प्रयोग करना, external (medicinal) application

बहिःमुख
bahiḥmukha

1. बहिर्निःसरणाभिमुखम्। (चक्र.-च.शा. 6/17), बाहर जाने के लिये प्रवृत्त, provoked for elimination 2. बाहर जाने के मार्ग में स्थित, positioned in path of outside

बहिःमुख स्रोतस
bahiḥmukha srotasa

नराणां बहिर्मुखानि। (सु.शा. 5/10), श्रवण, नयन, वदन, घ्राण, गुद आदि नौ स्रोत बहिर्मुख होते हैं, ये बाहर खुलते हैं, श्रवण आदि बाहर खुलने वाले नौ स्रोत बहिर्मुख होते हैं, ear etc. nine pathways are bahirmukha, these orifices open on outer aspect

बहिःशीत
bahiḥśīta

अग्नेराकृष्य शीतं यत् तद् बहिःशीतमुच्यते। (र.र.स. 8/61), जब किसी द्रव्य को आग में पकाकर नीचे उतारकर स्वयं ही शीतल होने दिया जाता है तो उसे बहिःशीत कहते हैं, self cooling

बहिःश्रित
bahiḥśrita

बहिरिति शाखायाम्। (चक्र.-च.चि. 21/23), बहिःरोगमार्ग या शाखा में आश्रित रोग, manifesting in the external disease pathway

बहिःस्थित
bahiḥsthita

बाह्य रोगमार्ग, त्वकादि में आश्रित, manifesting in the external disease pathway

बहिरायाम
bahirāyāma

वायुः कुर्याद् धनुस्तम्भं बहिरायामसंज्ञकम्। (च.चि. 28/46), एक तरह का वात रोग, इसमें शरीर के बाह्य स्नायुओं में वात दोष होता है, शरीर पीठ की तरफ पीछे झुक जाता है, a type of vata roga, in which vata is vitiated in external ligaments and the body bends backwards

बहिर्धूम
bahirdhūma

सगन्धा तु बहिर्धूमान्तर्धूमनिर्धूमतस्त्रिविधा। (भा.प्र. 1/37), पारद की सगन्ध मूर्च्छना तीन प्रकार की होती है - बहिर्धूम, अन्तर्धूम एवं निर्धूम, द्रव्य का खुले मुख वाले पात्र में पाक करना, ताकि धूम बाहर निकल जाये, heating of material in open vessel, a type of murchhana of mercury

बहिर्वेग
bahirvega

संतापोऽभ्यधिको बाह्यस्तृष्णादीनां च मार्दवम्। बहिर्वेगस्य लिङ्गानि सुखसाध्यत्वमेव च।। (च.चि. 3/41), संताप, तृष्णादि लक्षणों का अल्प रूप में मिलना, ये लक्षण बहिर्वेग ज्वर में पाये जाते हैं, यह सुखसाध्य होता है, which manifests externally (in the context of fever)

बहिर्वेगज्वर bahirvegajvara

ज्वर का एक भेद, इसमें ज्वर का वेग बाह्य भाग में अधिक होता है। (च.चि. 3/41), a type of pyrexia, temperature is more felt externally

बहुदोष bahudoṣa

अधिक दोष। (च.सू. 16/16), excessively aggravated dosha

बहुपान bahupāna

बहुपानमिति बहुमद्यपानम्। (चक्र.-च.सू. 14/64), अधिक मद्यपान बहुपान कहलाता है, यह निरग्नि स्वेद के दशविध प्रकारों में से एक है, sudation by excessive alcohol intake

बहुफेनरसा bahuphenarasā

सप्तला चर्मसाह्वा च बहुफेनरसा च सा। शङ्खिनी तिक्तला चैव यवतिक्ताऽक्षिपीडकः।। (च.क. 11/3), बहुफेनरसा सप्तला का पर्याय है, a synonym of *Euphorbia neriifolia*

बाधन bādhana

बाधनमिह तदात्वमात्रबाधकं, यथा - स्वल्पमपथ्यम्। (चक्र.-च.चि. 1/5), अभेषजप्रकार। (च.चि. 1/5), (अ.सं.सू. 12/10), अभेषजद्रव्यभेद, अपाय करने वाले द्रव्य, तत्काल अपाय करने वाले द्रव्यों को बाधन कहते हैं, a harmful drug, drug causing immediate harm

बाधिर्य bādhirya

श्रवणेऽसामर्थ्यम्। (च.सू. 5/38), अशीतिवातविकारेष्वेकः। (च.सू. 20/11), एक प्रकार का कर्णरोग, श्रवणशक्ति की असमर्थता, अस्सी वातविकारों में से एक, deafness, a type of ear disease, one of eighty vata disorders

बाल bāla

1. तत्रोनषोडशवर्षीया बाला इति पञ्चदशवर्षीया इत्यर्थः। (ड.-सु.सू. 35/29), अपरिपक्वधातुरषोडशवर्षात्। (चक्र.-च.वि. 8/122), सोलहवर्ष से कम अर्थात पंद्रह वर्ष आयु तक का बालक, child below 16 yrs of age 2. गन्धद्रव्य, बालकः। (र.र.स. 10/22), बालक, गन्धद्रव्य, a herb 3. करिशूकरादिनाम्। (ड.-सु.चि. 1/41), (सु.सू. 1:8), केश, hair

बालक्रीडनक bālakrīḍanaka

बालक्रीडनम्। (का.खि. 12/6), बालकों के खिलौने, toys

बालगृह bālagṛha

कुमारागारम्। (का.सं.रेवतीकल्प 69), बाल भवन, pediatric ward, house for children

बालग्रह bālagraha

बालकों को आविष्ट करने वाले ग्रह। (अ.सं.उ. 3), एक बालरोग, evil spirits afflicting children

बालवर्ति bālavarti

केशरचितवर्तिः। (ड.-सु.चि. 2/69), केश से निर्मित वर्ति जो शिर के व्रण में प्रयुक्त होती है, hair wick used in scalp wound

बाला bālā

अप्राप्तयौवना स्त्री। (सु.शा. 10/55), यौवनपूर्व स्त्री, adolescent, girl before puberty

बालाङ्गुलि bālāṅguli

कनिष्ठाङ्गुलिः। (सु.सू. 8/15), कनिष्ठिका अंगुलि, little finger

बालुकायन्त्र bālukāyantra

पञ्चाढबालुकापूर्णे भाण्डे निक्षिप्य यत्नतः, पच्यते रसगोलाद्यं बालुकायन्त्ररितम्। (रसे.चूडा. 5/77), (र.र.स. 9/33-36), मिट्टी का एक भाण्ड या घड़ा लेकर उसमें बालू भरकर, बालू के मध्य काचकूपी को रखकर पात्र का मुख बन्द कर अग्नि दी जाती है, यह बालुका यन्त्र है, sand filled instrument used to prepare calcined drugs

बाल्य bālya

षोडशवर्षपर्यन्तं वयोऽवस्था। (र.र.स. 11/96), (सु.सू. 35/29), सोलह वर्ष तक की आयु की अवस्था, age up to 16 years

बाष्कयणपय bāṣkayaṇapaya

बहुवारं प्रसूता प्रौढवत्सा वा गौः दुग्धम्। (अ.सं.क. 8), अनेक बार प्रसूत एवं प्रौढ़ बछडे वाली गाय का दूध, यह दुग्ध पुत्र देने वाला एवं रतिशक्तिवर्धक होता है, multiparous cow milk, milk of such cow having aphrodisiac and useful for bearing child

बाष्प bāṣpa

अश्रु। (च.सू. 7/4), रोदनजलम्। (ड.-सु.सू. 21/19), आंसू, tears

बाष्पनिग्रह bāṣpanigraha

अश्रुनिग्रह। (च.सू. 17/10), आंसुओं को रोकना, उदावर्त का एक कारण, शिरोरोग का हेतु, suppression of urge of tears

बाष्परोधज bāṣparodhaja

अश्रुनिग्रहजनित व्याधि। (अ.ह.सू. 4/16), अश्रुनिग्रहजनित रोग, caused due to supression of tears

बाष्पसमुच्छ्रय bāṣpasamucchraya

अश्रुबाहुल्यम्। (ड.-सु.उ. 6/7), अश्रु आधिक्य, excessive lacrimation

बाष्पस्वेद bāṣpasveda

ऊष्मा बाष्पः। (ड.-सु.चि. 32/3), द्रव से उत्पन्न बाष्प से स्वेदन करना, जैसे नाड़ी स्वेद, sudation by using steam

बाष्पावेग bāṣpāvega

शोकोत्थतेज उद्रेकः। (ड.-सु.उ. 40/13), शोक के कारण शरीरस्थ पित्त का प्रकोप होना, pitta vitiation on account of grief

बास्त bāsta

छागभवम्। (चक्र.-च.चि. 10/26), बकरे से उत्पन्न, जैसे बस्तमूत्र, pertaining to or produced from he goat

बाहु bāhu

कूर्परांसयोर्मध्ये बाहुः। (ड.-सु.चि. 3/37), कक्षात् अंगुल्यग्रपर्यन्तो अवयवः। (च.शा. 7/5), ऊर्ध्वशाखा, कक्षा से प्रारम्भ होकर अंगुली अग्र तक का अवयव, षडंग में से एक, अंस एवं कूर्पर के मध्य का भाग बाहु है, upper limb, arm

बाहुद्वयप्रतिपन्न bāhudvayapratipanna

मूढ़गर्भ का एक प्रकार। (सु.चि. 15/9), इसमें गर्भ दोनों हाथों से गर्भाशय में अटक जाता है, प्रसव के समय बालक के दोनों हाथ प्रथम बाहर आते हैं, one among obstructed labours

बाहुनलक bāhunalaka

बाहु स्थितोस्थि। (च.शा. 7/6), बाहु स्थित दो अस्थि, प्रगण्डास्थि, humerus

बाहुपिण्डिका bāhupiṇḍikā

षट्पञ्चाशत् प्रत्यङ्गे एका, द्वे बाहुपिण्डिके। (च.शा. 7/11), दोनों हाथों में स्थित मांसल भाग, arm musculature, biceps and triceps

बाहुभग्न bāhubhagna

कूर्परांसयोर्मध्ये बाहुः तस्य भग्नः। (ड.-सु.चि. 3/37), अंस एवं कूर्पर के मध्य का भाग बाहु है, उसका भग्न होना, humerus fracture

बाहुमर्म bāhumarma

बाहु (ऊर्ध्वशाखा) में स्थित मर्म, इनकी संख्या 11 होती है। (सु.शा. 6/6), vital points in upper limb, eleven points are there

बाहुमूर्ध bāhumūrdha

बाहुशिरः। (ड.-सु.शा. 6/26), बाहु का ऊपरी भाग, upper region of arm, shoulder

बाहुल्यानुशय bāhulyānuśaya

बाहुल्यानुशयात् भूरि संबन्धादित्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 8/6), बहुत अधिक संबन्ध, excessive association

बाहुशूल bāhuśūla

बाहु में शूलवत् वेदना होना। (च.सि. 2/16), pain in upper limb

बाहुशोष bāhuśoṣa

अशीतिवातविकारेष्वेकः। (च.सू. 20/11) बाहु मांस का क्षय होना, wasting of arm, one among 80 vatavikaras

बाहुस्तम्भ bāhustambha

बाहु में स्तम्भ होना (च.सि. 2/16), stiffness of upper limb

बाहुस्वाप bāhusvāpa

बाहु स्वाप। (सु.शा. 6/26), ऊर्ध्वशाखा में सुप्तता होना, यह अंसफलक मर्मविद्ध का लक्षण है, numbness or anaesthesia of upper limb, a sign of amsaphalaka marma puncture

बाह्य bāhya

बहिर्निमित्तभवौः। (ड.-सु.उ. 1/29), लेपाभ्यङ्गपरिषेकादि। (ड.-सु.उ. 23/5), बाहर का भाग, बाहर के कारणों से, लेप अभ्यंगादि बाह्य चिकित्सा, external, exogenous, external applications

बाह्यज bāhyaja

आगन्तुज कारणों से उत्पन्न। (सु.उ. 1/43), exogenous

बाह्यद्रुति bāhyadruti

बहिरेवं द्रुतिं कृत्वा घनसत्त्वादिकं खलु। जारणाय रसेन्द्रस्य सा बाह्यद्रुतिरुच्यते।। (र.र.स. 8/82), ग्रास देने योग्य अभ्रकसत्व आदि ठोस पदार्थों को अलग बाहर ही द्रवीभूत करने के पश्चात् पारद में मिलाकर जारण करना, digestion of melted metal into mercury

बाह्यमल bāhyamala

बाह्य मलायनों में स्थित मल, जैसे केश, श्मश्रु आदि के मल। (च.वि. 7/10), dirt on body or secretions from external orifices

बाह्यमार्ग bāhyamārga

बाह्यरोगमार्ग। (सु.नि. 5/3), (अ.ह.सू. 12/44), त्वचा एवं रक्तादिधातु में आश्रित रोग, external manifestation of disease

बाह्यरोगायन bāhyarogāyana

बाह्यरोगमार्ग। (अ.ह.सू. 12/44), त्वचा एवं रक्तादिधातु में आश्रित रोग, external manifestation of disease

बाह्यहेतु bāhyahetu

तत्र बाह्या आहाराचारकालादयः। (विज.-मा.नि. 1/5), आचार, आहार और काल (शीतोष्णवर्षादि) आदि बाह्यकारण होते हैं, exogenous causes

बाह्यायाम bāhyāyama

वातरोग। (सु.नि. 1/57), वायु शरीर के बाहरी स्नायु प्रतान में आश्रित होकर शरीर को पीठ की ओर झुका देता है, opisthotonus

बिडाल biḍāla

1. नेत्र क्रियाकल्प बिडालक। (अ.सं.उ. 19), a type of eye treatment 2. मार्जारः। (ड.-सु.उ. 41/36), बिलाव, a cat 3. 'कर्ष' प्रमाण का पर्याय। (का. उदावर्तचि.), a weight measurement 4. हरताल पर्याय। (ध.नि. 7/119), orpiment

बिडालक biḍālaka

नेत्रबहिर्लेपः। (चक्र.-च.चि. 26/231), नेत्रों के वर्त्म के ऊपर औषध लेप का प्रयोग, external paste medicament on eyelids

बिडालपदक biḍālapadaka

कर्षः। (चक्र.-च.चि. 13/160), कर्षप्रमाण, a weight measurement of 10 gm

बिडालिका biḍālikā

कृत्स्नगलवेष्टकत्वेन वलयाकाराः। (चक्र.-च.चि. 12/76), गले में उत्पन्न त्रिदोषज शोथ, acute inflammation of throat

बिन्दु bindu

1.शलाकाग्रनिर्मितो बिन्दुरिव। (ड.-सु.सू. 12/11), शलाका के अग्रभाग से निर्मित बिन्दु के समान, बिन्दु दहन आकृति, dot shaped cauterization 2. प्रदेशिनीपर्वद्वयच्युता। (ड.-सु.चि. 40/28), अंगुली डुबोने से टपकी बूंद, drop

बिम्ब bimba

मण्डलमर्थान्नितम्बस्य। (ड.-सु.शा. 5/11), सच्छिद्रं त्रिकास्थि। (हारा.-सु.शा. 5/11), नितम्ब का गोल भाग, छिद्रयुक्त त्रिकास्थि, गोल, buttocks, sacrum, a rount part

बीज bīja

1. शुक्रशोणितम्। (चक्र.-च.शा. 2/18), शुक्र एवं आर्तव, sperm and ovum 2. प्रभवकारण। (सु.सू. 1/39), primary source or origin 3. ग्रासजारणार्थं दीयमानं शुद्धसुवर्णं रूप्यं च। (र.र.स. 8/74), पारद में ग्रास जारणार्थ प्रयुक्त, gold or silver used for the jarana of mercury 4. जयपाल। (ध.नि. 1/228) जमालगोटा, *Croton tiglium*

बीजकण्ठोद्धृतफल bījakaṇṭhoddhṛtaphala

यत्र बीजानि बद्धानि सन्ति स बीजकण्ठ उद्धृतो यस्मिन् तद्बीजकण्ठोद्धृतं फलम्। (चक्र.-च.क. 4/8), जहाँ बीज बद्ध रहते हैं, उस बीजकण्ठ को निकालना, इस फल को बीजकण्ठोद्धृत फल कहते हैं, seedless fruit

बीजावर्त bījāvarta

द्राव्यद्रव्यनिभा ज्वाला दृश्यते धमने यदा, द्रावस्योन्मुखता सेयं बीजावर्तः स उच्यते। (र.र.स. 8/59), जब धातुओं को द्रवित करने के लिये धौंकनी से धौंकने पर द्रवित करने योग्य द्रव्य के समान ज्वाला निकलती है, उसी समय धातु का द्रवित होना प्रारम्भ होता है, उसे बीजावर्त कहते हैं, appearance of flame having the colur of the melted metal

बीभत्सन bībhatsana

1. मनस उद्वेगकारकम्। (चक्र.-च.सू. 11/37), मन में उद्वेग उत्पन्न करने वाला 'बीभत्सन' कहा गया है, abominable, disgusting 2. बीभत्सलक्षणमिति घ्राणादिभ्यः पूयादिप्रवृत्तेः। (चक्र.-च.सू. 17/28), नाक आदि से पूय आदि का निकलना बीभत्सलक्षण कहलाता है, discharge of pus etc. from the nose

बुद्धि buddhi

प्रज्ञाः। (चक्र.-च.सू. 1/54), विचार, विमर्श एवं धारण क्षमता, wisdom

बुभुत्सेत bubhutseta

बुभुत्सेत ज्ञातुमिच्छेत्। (चक्र.-च.सू. 18/48), जानने की इच्छा करना, quest for knowledge

बृंहण bṛṃhaṇa

धातुपुष्टिकरम्। (ड.-सु.सू. 45/112), धातुओं की पुष्टि करने वाला, anabolic

बृंहणस्नेह bṛṃhaṇasneha

बृंहण समासाद्यैः स भक्तो अल्पः। स्नेह की अल्प मात्रा जो शरीर का प्रमाण बढ़ाने हेतु आहार के साथ दी जाती है, a dose of medicated oily substance that is used for enhancing body bulk

बृहत्पञ्चमूल bṛhatpañcamūla

श्रीफलः सर्वतोभद्रा पाटला गणिकारिका; श्योनाकः पञ्चभिश्चैतैः पञ्चमूलं महन्मतम्। (भा.प्र.गुडूच्यादि 29), बिल्वमूल, गंभारीमूल, पाटलामूल,

अग्निमन्थमूल, श्योनाकमूल को मिलितरूप से बृहत्पञ्चमूल कहा जाता है, root bark of 5 plants - *Aegle marmelos, Gmelina arborea, Stereospermum suaveolens, Premna integrifolia* and *Oroxylum indicium*

बृहत्पत्र bṛhatpatra

तिल्वकस्तु मतो लोध्रो बृहत्पत्रस्तिरीटकः। तस्य मूलत्वचं शुष्कामन्तर्वल्कलवर्जिताम्।। (च.क. 9/3), बृहत्पत्र, लोध्र का पर्याय है, a synonym of *Symplocos racemosa*

बोद्धा boddhā

आत्मा। (च.शा. 4/8), आत्मा का एक पर्याय, a synonym of soul

बोधन bodhana

मर्दनैर्मूर्च्छनपातैर्मृदुः शान्तो भवेद्रसः। शक्त्युत्कर्षाय बोध्यो सौ गुरुदर्शित वर्त्मना।। (पारदसंहिता), पारद को वीर्यवान बनाना, पारद में विशिष्ट ग्रास शक्ति उत्पन्न करना, potentiation or activation of mercury

ब्रध्न bradhna

ब्रध्न इत्यादौ वृषणं इति जातावेकवचनं, तेन वृषणयोरपि ग्रहणम्। (चक्र.-च.चि. 12/94), वृषण में उत्पन्न वृद्धि आदि रोग, आंत्रवृद्धि, inguinal hernia

ब्रह्म brahma

मोक्षः। (चक्र.-च.चि. 1(1)/80), ब्रह्मा मोक्ष का पर्याय है, salvation

ब्रह्मचर्य brahmacarya

इन्द्रियसंयमसौमनस्यप्रभृतयो ब्रह्मज्ञानानुगुणा गृह्यन्ते। (चक्र.-च.सू. 11/35), मोक्ष प्राप्ति हेतु ब्रह्म ज्ञान के लिए किया गया आचरण, तथा उपस्थादि इंद्रिय निग्रह, इन्द्रिय संयम जो आरोग्य तथा ब्रह्मज्ञान का हेतु है, the activities towards the emancipation and also to gain the supreme knowledge, as well as the activites to control the illogical sex, celibacy

ब्रह्मराक्षसग्रह brahmarākṣasagraha

प्रहासनृत्यप्रधानं देवविप्रवैद्यद्वेषावज्ञाभिः स्तुतिवेदमन्त्रशास्त्रोदाहरणैः काष्ठादिभिरात्मपीडनेन च ब्रह्मराक्षसोन्मत्तं विद्यात्। (च.चि. 9/20), अत्यधिक हँसने एवं नाचने वाला, देव, विप्र एव वैद्य का तिरस्कार करना एवं इनकी आज्ञाओं का पालन न करना, व्यक्ति स्तुति, देवस्तुति, वेदमंत्र एवं शास्त्र के उदाहरणों को बार बार दुहराना, काष्ठ आदि के द्वारा स्वयं को पीडित करना, ये सभी ब्रह्मराक्षस ग्रह से पीड़ित पुरुष के लक्षण हैं, a type of evil spirit

ब्रह्मसुवर्चला brahmasuvarcalā

ब्रह्मसुवर्चलाप्रभृतयो यथोक्तलक्षणा दिव्यौषधयो नातिप्रसिद्धाः। (चक्र.-च.चि. 1(4)/7), हुरहुर, एक दिव्यौषधि जो अधिक प्रचलित नहीं है एवं रसायनार्थ प्रयुक्त होती है, *Gynandropsis pentaphylla*

भक्त bhakta

1.ओदनादिकम्। (ड.-सु.सू. 34/5), भोजन। (सु.चि. 37/69), भोजन, eatables 2. भक्तैर्देवताः पूजयित्वा विप्रान भिषजश्च। (सु.सू. 2/4), देवताओं को भोग लगाना, to offer eatables to God

भक्तकल्पना bhaktakalpanā

जले चतुर्दशगुणे तण्डुलानां चतुष्पलम्। विपचेत्स्रावयेन्मण्ड स भक्तो मधुरो लघु:। (शा.सं.म. 2), चार पल तण्डुल (चावल) को 14 गुने जल में मिलाकर जलरहित होने तक पकाया जाता है, उसे भक्त कल्पना कहते हैं, a gruel

भक्तकाङ्क्षा bhaktākāṅkṣā

उद्गारशुद्धावपि भक्तकांक्षा न जायते हृद्गुरुता च यस्य। रसावशेषेण तु सप्रसेकं चतुर्थमेतत् प्रवदन्त्यजीर्णम्।। (सु.सू. 46/503), (उद्गार आने पर भी) भोजन की आकांक्षा (इच्छा) न होना, अजीर्ण का एक लक्षण, भोजन इच्छा, appetite

भक्तद्वेष bhaktadveṣa

चिन्तयित्वा तु मनसा दृष्ट्वा श्रुत्वाऽपि भोजनम्। द्वेषमायाति यज्जंतुर्भक्तद्वेष: स उच्यते। (भोज.-सु.उ. 57/3), भोजन के बारे में सोचने, देखने, सुनने में द्वेष का होना, अन्नद्वेष, अन्नारुचि, anorexia

भक्तानभिनन्दन bhaktānabhinandana

भक्तानभिनन्दने अरोचके। (चक्र.-च.सि. 1/33), भोजन में अरुचि anorexia

भक्तायन bhaktāyana

भक्तायनेषु अन्नवहेषु स्रोत:सु। (ड.-सु.उ. 57/3), अन्नवहस्रोतस, digestive tract

भक्तारुचि bhaktāruci

भक्त अरुचि। (सु.चि. 34/15), भोजन में अरुचि, anorexia

भक्ताश्रद्धा bhaktāśraddhā

गौरवं मृदुतामग्नेर्भक्ताश्रद्धा प्रवेपनम्। नखादीनां च शुक्लत्वं गात्रपारुष्यमेव च।। (च.सू. 17/56), भोजन में श्रद्धा न होना, anorexia

भक्तोपघात bhaktopaghāta

अरोचकम्। (ड.-सु.उ. 57/3), अरुचि, भोजन की इच्छा न होना, anorexia

भक्तोपरि bhaktopari

तथा चोपरि भक्तस्य सर्पि:पानं प्रशस्यते। (सु.उ. 9/8), भोजन के बाद, after food

भक्तोपरोध bhaktoparodha

भक्तोपरोध: भक्तच्छेद:। (चक्र.-च.चि. 22/52), भोजन न करना, non-ingestion of food

भक्ष्य bhakṣya

फलमांसवसाशाकपललक्षौद्रसंस्कृता:। भक्ष्या वृष्याश्च बल्याश्च गुरवो बृंहणात्मका:।। (च.सू. 27/268), भोजन योग्य, edible, eatables

भग bhaga

गुदमुष्कयोर्मध्ये यो भाग: स भग: स्मृत:। (रा.नि. 18/72) योनिर्भगोवराङ्गस्यादुपस्थं स्मरमन्दिरम्। (रा.नि. 18/75), गुदा और अण्डकोष के मध्य भाग को भग कहते हैं, भग, वरांग, उपस्थ तथा स्मरमन्दिर ये सब योनि के नाम हैं, perineum, vagina

भगन्दर bhagandara

ते तु भगगुद बस्तिप्रदेश दारणाच्च भगन्दरा इत्युच्यन्ते। (सु.नि. 4/3), भग, गुद, बस्तिप्रदेश में दारण करने के कारण इसको भगन्दर कहा जाता है, ano-rectal fistulae

भगवान bhagavān

भगं पूजितं ज्ञानं, तद्वान्। (चक्र.-च.सू. 1/2), पूजित ज्ञान को भग कहते हैं, इससे युक्त व्यक्ति को भगवान कहते हैं, acknowledged knowledge is called bhaga, a person having this is bhagavan

भग्न bhagna

पतनपीडनप्रहाराक्षेपणव्यालमृगदशनप्रभृतिभिरभिघातविशेषैरनेकविधमस्थ्नांभङ्गमुप दिशन्ति। (सु.नि. 15/3), पतन पीड़नादि से अस्थि का टूटना, fracture of bone

भञ्जन bhañjana

शरकर्णादेरामर्दनम्, समन्ततो मर्दनमित्यन्ये। (ड.-सु.सू. 7/17), शल्यकर्णादेरापोथनं खण्डन वा। (हारा.-सु.सू. 7/7), जर्जरीकरणम्। (चक्र.-च.सू. 18/4), चूर्णित करना, खण्डित करना, यन्त्रकर्म, अस्थियों का टूटना, breaking

भञ्जनक bhañjanaka

वक्त्रं वक्रं भवेद्यस्मिन् दन्तभङ्गश्च तीव्ररुक्। (सु.नि. 16/31), कफवातज दन्त रोग, इसमें रोगी का मुख वक्र हो जाता है, दांत टूटता है एवं तीव्ररुजा होती है, fractured tooth

भञ्जनी bhañjanī

द्रवैर्वा वह्निका ग्रासो भञ्जनी वादिभिर्मता। (र.र.स. 8/51), धातुओं को तप्त कर किसी स्वरस में प्रक्षेप कर उनके ताप को दूर करने को रसविशेषज्ञों ने भञ्जनी कहा है, reducing intensity of fire

भय bhaya

फरस्मात्त्रास:। (ड.-सु.सू. 46/501), अपकारकानुसन्धानजं दैन्यम्। (चक्र.-च.सू. 7/27), मनोविकार, डर, अनुचित होने की शंका से उत्पन्न दीनता 'भय' है, व्याधि का एक पर्याय, fear, synonym of disease

भयातिसार bhayātisāra

आगन्तू द्वावतीसारौ मानसौ भयशोकजौ। तत्तयोर्लक्षणं वायोर्यदतीसारलक्षणम्।। (च.चि. 19/11), एक प्रकार का आगन्तुज, मानसिक भाव (भय) जनित अतिसार, phobia leading to diarrhoea

भविष्यताम् bhaviṣyatām

भविष्यतां अनुत्पत्तौ। (चक्र.-च.सू. 7/65), भविष्य में उत्पन्न होने वाले, may occur in future

भस्म bhasma

1. दग्धकाष्ठादि क्षार:। (ड.-सु.सू. 29/11), राख, ash 2. धातुभस्म धातुओं को पुट देकर भस्मीकृत करना, calcined preparation

भस्ममेह bhasmameha

देखें. सिकतामेह। (सु.नि. 3/13), मूत्र में अश्मरी का महीन (भस्मरूप) चूर्ण आना, phosphaturia

भाजन bhājana

भाजनं भेषजस्थापनस्थानम्। (चक्र.-च.क. 1/7), औषधि को रखने का स्थान, the place to keep medicine

भानुपाक bhānupāka

वराक्वाथयुतं लोहं भानोः प्रखरभानुभिः। शुष्यन् विपच्यते यस्मात् भानुपाकस्ततः स्मृतः।। (र.त. 20/21), लौह चूर्ण एवं त्रिफला क्वाथ को तीव्र धूप में रखकर क्वाथ के द्रवभाग को बाष्पीकरण की प्रक्रिया से कम करने को भानुपाक कहते हैं, heating by sunrays (evaporation)

भार bhāra

पलानां द्विसहस्त्रं च भार एकः प्रकीर्तितः। (शा.सं.प्र. 1/31), दो हजार पल के तुल्य, एक मान, equal to two thousand pala, a weight measurement

भाव bhāva

1. भावं अभिप्रायम्। (ड.-सु.उ. 47/10), भवतीतिभावः भावा व्याधिहेतवः। (ड.-सु.सू. 21/38), उपस्थित, अभिप्राय, व्याधि हेतु, entity, opinion, causative factor 2. भवन्ति सत्तामनुभवन्तीति भावाः द्रव्यगुणकर्माणीत्यर्थः, नतु भवन्त्युत्पद्यन्त इति भावाः। (चक्र.-च.सू. 1/44), जिनकी सत्त होती है या उत्पत्तिशील होते हैं, उन तत्वों को भाव कहते हैं, द्रव्य, गुण, कर्म ऐसा अर्थ है, existence, origin, means dravya, guna and karma

भावना bhāvanā

यच्चूर्णितस्य धात्वादेर्द्रवैः सम्पेष्य शोषणम्, भावनं तन्मतं विज्ञैर्भावना च निगद्यते।। (र.त. 2/49), किसी भी चूर्ण में द्रव स्वरस आदि डालकर आतप से शुष्क करने की क्रिया को भावना कहा जाता है, powdered metal is soaked in liquids like decoction, extracted juice, milk etc. is called bhavana

भास bhāsa

गोकुलचारी गृध्रविशेषः। (ड.-सु.सू. 7/10), भस्म के समान वर्णयुक्त गोकुलचारी गीध विशेष, bearded vulture, a hunting bird of prey

भिद्यत bhidyata

भिद्यते विदीर्यत इव। (ड.-सु.नि. 3/8), भेदने या काटने जैसी पीड़ा होना, श्लैष्मिक अश्मरी रोग लक्षण, cutting pain

भिन्नसेतव bhinnasetava

रसनाः पापकार्याणां दुष्कुला भिन्नसेतवः। (का.सं.क.रेवती कल्प 17/7), मर्यादा का उल्लंघन करने वाले, जिन्हें जातहारिणी (रेवती) नष्ट कर देती है, immoral, prone to be afflicted by jataharani or revati

भिन्नागाराश्रया bhinnāgārāśrayā

दुर्दर्शना सुदुर्गन्धा कराला मेघकालिका। भिन्नागाराश्रया देवी दारकं पातु पूतना।। (सु.उ. 32/11), टूटा हुआ मकान, जिसका आश्रय है, पूतना ग्रह का एक नाम, which lives in broken house, a synonym of putana graha

भिषक् bhiṣak

वैद्यः श्रेष्ठः गदङ्कारी रोगहारी भिषग्विधिः। रोगज्ञो जीवनो विद्वान् आयुर्वेदी चिकित्सकः।। (रा.नि. 20/47), वैद्य/चिकित्सक के पर्यायों में से एक, physician

35—4 Min. of HRD/2016

भिषङ्मानी bhiṣaṅmānī

आत्मानमभिषजं भिषक्त्वेन मन्यत इति भिषङ्मानी। (चक्र.-च.सू. 9/17), जो वास्तव में वैद्य नहीं है, परन्तु अभिमानवश अपने को वैद्य मानता है, उसे भिषङ्मानी कहा जाता है, quack

भी bhī

भीषु-भयेषु। (अरु.-अ.ह.शा. 3/91), जिससे भय लगे, पित्तज प्रकृति मनुष्य का लक्षण, feary

भीरु bhīru

चण्डः साहसिको भीरुः कृतघ्नो व्यग्र एव च। सद्राजभिषजां द्वेष्टा तद्विष्टः शोकपीडितः।। (च.सि. 2/4), भयशील, डरपोक रुग्ण, coward patient

भुक्त bhukta

भुक्तं निगीर्णमन्नम्। (हे.-अ.ह.सू. 1/8), भोजन किया हुआ, one who has taken food

भुक्तमात्र bhuktamātra

भुक्तमात्रमेव प्राप्यामाशयो। (ड.-सु.सू. 46/511), भोजन करते ही, भोजन के आमाशय तक जाते ही, after food intake

भुक्तवत bhuktavata

भोजनेकृते। (ड.-सु.सू. 12/6), भोजन किया हुआ, just after having food

भुक्तवत अग्निकर्म bhuktavata agnikarma

सर्वव्याधिष्वृतुषु च पिच्छिलमन्नं भुक्तवतः। (सु.सू. 12/6), भोजन खिलाकर अग्निकर्म (प्रायः सभी व्याधियों में), (cauterization) after ingestion of food

भुक्तादौ bhuktādau

अत्र भुक्तादावित्यनेन कालद्वयमुच्यते; यथा प्रातरेव निरन्नं, तथा प्राग्भोजनं च। (चक्र.-च.चि. 30/298), यहाँ भुक्तादौ से दो काल का ग्रहण किया गया है, एक, प्रातःकाल जिसे निरन्नकाल कहा जाता है एवं भोजन से पूर्व, two times are indicated, one at morning on empty stomach and second before meal

भुक्तेरित bhukterita

भुक्तेरितं भोजनेन प्रेरितम्। (ड.-सु.सू. 46/484), भोजन से प्रेरित या गतिशील, movement caused by food

भुग्ननेत्र bhugnanetra

भुग्ने-कुटिले। (हे.-अ.ह.नि. 2/29), नेत्र का कुटिल (टेढ़ा) होना (सन्तिपातज ज्वर का एक लक्षण), deviation of eye ball

भुङ्क्ते bhuṅkte

उत्पन्नादविरोधतः फलोपयोगेन भुङ्क्ते। (चक्र.-च.सू. 7/30), उत्पन्न फलों को अविरुद्ध रूप में उपयोग करना, having eaten

भूत bhūta

भूताः पिशाचदयः आदिग्रहणात् पातबन्धनादीनां ग्रहणम्। (चक्र.-च.सू. 7/51), पिशाच आदि, evil spirits

भूतधात्री bhūtadhātrī

भूतानि प्राणिनो दधाति पुष्णातीति भूतधात्री, धात्रीव धात्री। (चक्र.-च.सू. 21/59), जो जीवों या प्राणियों का पोषण करती है, उसे भूतधात्री कहा जाता है, यह रात्रिस्वभाव जन्य होती है, nourishing

भूतमाता bhūtamātā

रोदनी भूतमातां च लोकमातामहीति च। शरण्या पुण्य कीर्तिश्च नामानि तव विंशतिः। (का.सं.चि. बालग्रहचिकित्सित अध्याय), रेवती ग्रह के नामों में से एक, a synonym of revati graha.

भूतविद्या bhūtavidyā

भूतविद्या नाम देवासुरगन्धर्वयक्षरक्षःपितृपिशाचनागग्रहाद्युपसृष्टचेतसां शान्तिकर्मबलिहरणादिग्रहोपशमनार्थम्। (सु.सू. 1/7-4), भूतानां राक्षसादीनां ज्ञानार्था प्रशमार्था च विद्या भूतविद्या। (चक्र.-च.सू. 30/28), जिसमें देव, असुर, गन्धर्व, यक्षादि से उपसृष्ट व्यक्ति के लक्षण एवं शान्तिकर्म, बलि आदि से रक्षा का विधान बताया गया है, आयुर्वेद के जिस विभाग में राक्षस आदि का ज्ञान तथा उनकी शान्ति के लिए प्रयुक्त विद्या भूतविद्या कहते हैं, psychotherapy, a science dealing with treatment of persons afflicted with super natural forces

भूताभिषङ्ग ज्वर bhūtābhiṣaṅga jvara

केचिद् भूताभिषङ्गोत्थं ब्रुवते विषमज्वर। (मा.नि. 2/36), एक प्रकार का आगन्तुज विषम ज्वर, जो भूतों के संसर्ग से होता है, a type of fever caused by contact with ghosts

भूताविष्ट ज्वर bhūtāviṣṭa jvara

भूतसामान्यलक्षणा इति देवादयोऽष्टौ उन्मादे भूता उक्ताः, तेषां मध्ये आवेशकर्तृभूतस्य यल्लक्षणं तेन समान्यत्र दोषलक्षणानि भूतज्वरे भवन्ति। (चक्र.-च.चि. 3/114-155), देवादि आठ प्रकार के उन्माद भूत कहे गए हैं, उनके आवेश से जो लक्षण उत्पन्न होते हैं उनके साथ-साथ अन्य दोषज लक्षण भी भूतज्वर में उत्पन्न होते हैं, a fever in humans caused by affliction by a ghost (supernatural power)

भूयिष्ठकल्पा bhūyiṣṭhakalpā

भूयिष्ठकल्पा नानाप्रकारा उत्तमाधममध्यमा इत्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 25/35), भूयिष्ठकल्प से त्रिविध भिषक् का ग्रहण किया जाता है यथा- उत्तम, मध्यम एवं अधम, quality assessment on the basis of grading

भूर्जपत्रग्रन्थि bhūrjapatra granthi

ग्रन्थिश्च भौर्ज इति भूर्जपत्रग्रन्थिः। (चक्र.-च.सू. 3/15), भूर्जवृक्ष की ग्रन्थि को भूर्जपत्र ग्रन्थि कहते हैं, node of the tree bhurja

भूस्वेद bhūsveda

सङ्करः प्रस्तरो नाडी परिषेकोऽवगाहनम्। जेन्ताकोऽश्मघनः कर्षूः कुटी भूः कुम्भिकैव च।। (च.सू. 14/39), एक प्रकार का साग्नि स्वेद, जिसमें भूमि के टुकड़े को अग्नि से तपाकर स्वेदन दिया जाता है, a type of fomentation

भृङ्गराज bhṛṅgarāja

1. प्रसिद्धो भ्रमरवर्णः। (चक्र.-च.सू. 27/50), काले रंग का एक पक्षी जो पर्वतों के ऊपर पाया जाता है, जिसकी आवाज मधुर होती है a bird 2. मार्कव। (भा.प्र.पू. गुडूच्यादि 239), भांगरा, *Eclipta alba*

भृश bhṛśa

भृशं अत्यर्थदुःखकारिणम्। (चक्र.-च.सू. 18/35), अत्यन्त दुख देने वाला, causing excessive misery

भृष्टतण्डुल bhṛṣṭataṇḍula

भृष्टतण्डुलकृत ओदनो भृष्टतण्डुलः। (चक्र.-च.सू. 27/258), भूने हुए चावल, इनसे बनाया गया भात, gruel prepared with roasted rice

भेद bheda

1. भेदादिति महोपघातात्। (चक्र.-च.सू. 30/6), स्फुटनमिव। (ड.-सु.सू. 25/38), हृदय पर अत्यधिक आघात से मृत्यु हो जाना भेद कहलाता है, भेदन या फटने के समान पीड़ा, tearing pain, death following serious injury 2. विरेचनम्। (र.र.स. 19/4), विरेचन, purgation

भेदन bhedana

1. मलादिकमबद्धं च बद्धं वा पिण्डितं मलैः भित्वाधः पातयति यत् तद् भेदनं, कटुकी यथा। (शा.सं.प्र. 4/5), जो औषध बद्ध, अबद्ध या पिण्ड रूप मलों के बंधन को तोडकर बद्ध, अबद्ध निकाल देती है, वह भेदन है, जैसे कटुकी, a drug which breaks formed, unformed or solid faeces and throw it out of the body, such as kutaki, purgatives 2. भेदनं भेदो, विदारणमिवाङ्गस्य। (अरु.-अ.ह.सू. 12/49), भेदनं - भिद्यमानस्येव व्यथा। (हे.-अ.ह.सू. 12/49), शरीर के अंगों में फाड़ने या चीरने जैसी वेदना का होना, cutting or piercing like pain

भेदनवत् वेदना bhedanavat vedanā

भेदनं त्वगविदारणमिव वेदनाविशेषः। (ड.-सु.सू. 22/11), एक वेदना विशेष, जिसमें त्वचा के कटने की अनुभूति होती है, splitting pain

भेदनीय bhedanīya

भेदनाय हितम्। (च.सू. 4/8), भेदन करने वाला, purgative

भेद्य bhedya

भेदनीयं विद्रध्यादि। (ड.-सु.सू. 5/5), जिसमें भेदन कर्म किया जाए, चीरा लगाया जाए जैसे विद्रधि, to incise, open a cavity

भेषज bheṣaja

भैषज्य भेषजं जैत्रमगदो जायुरौषधम् आयुर्योगो गदारातिरमृतं च तदुच्यते। (रा.नि. 20/36), भेषजं तु साक्षादेवोक्तम्। (चक्र.-च.सू. 1/62), जो साक्षात् देवों द्वारा कही गयी है, भैषज्य, भेषज, जैत्र, अगद, जायु, औषध, आयुर्योग, गदाराति तथा अमृत ये सब औषध के नाम हैं, substances having medicinal properties

भैरव bhairava

भैरवं अनद्भुतमपि व्याघ्रादि। (चक्र.-च.सू. 11/37), आश्चर्यजनक नहीं होते हुए भी भय को उत्पन्न करने वाला व्याघ्र आदि भैरव कहा गया है, fierce, frightening but not strange or curious

भैरवस्वर bhairavasvara

शकुनीग्रह। (सु.उ. 30/11), भैरव अर्थात् भयंकर स्वरयुक्त, शकुनी ग्रह का एक नाम, having frightful voice, a name of shakunigraha

भैषज्यकल्पना bhaiṣajyakalpanā

भेषजानां कल्पना भेषजकल्पना:। ओषधियों की योजना करना भेषजकल्पना है, pharmaceutics

भोज्योपरोध bhojyoparodha

भोज्योपरोध: ग्रासस्य गले सङ्ग:। (ड.-सु.उ. 52/7), भोजन का गले में रुकना, dysphagia

भ्रंश bhraṃśa

भ्रंशस्तु दूरगति:। (चक्र.-च.सू. 20/12), अपने स्थान से दूर हटना, dislocation, prolapse

भ्रंशथु bhraṃśathu

प्रभ्रश्यते नासिकयैव यश्च सान्द्रो विदग्धो लवण: कफस्तु। प्राक् संचितो मूर्धनि पित्तसंतप्तस्तं भ्रंशथुं व्याधिमुदाहरन्ति:।। (सु.उ. 22/13-14), एक नासिका विकार, जिसमें नासा से गाढ़ा, विदग्ध, लवण वाला स्राव निकलता है, rhinorrhea, a disease with thick salty discharge from nose

भ्रम bhrama

भ्रमश्च वातिका: स्मृतिमोहरूप:। (चक्र.-च.सू. 20/11), भ्रमणं भ्रमो येन चक्रस्थितमिवात्मानं मन्यते। (चक्र.-च.सू. 7/20), भ्रमश्चक्रारूढस्येव भ्रमणम्। (ड.-सु.शा. 4/56), वात के कारण मोह रूप स्मृति को भ्रम कहा जाता है, इसमें व्यक्ति स्पष्ट रूप से विषय का स्मरण नहीं कर पाता, स्वयं को चक्र में स्थित अनुभव करना, वातपित्तजनित विकार, जिसमें रोगी चक्रवत् (गोलाकार चक्ररथ पर चढ़ने जैसा) अनुभूति करता है, vertigo, giddiness

भ्रमण bhramaṇa

पर्यटने, हस्त्यादि भ्रमणम्, गुणा: वातकोपनत्वं अङ्गस्थैर्यकरत्वं बलाग्निवर्धनत्वञ्च। (राजवल्लभ) घूमना, चलना, इससे वातप्रकोप होता है, अंगों में स्थिरता आती है, बल व अग्निवर्धन होता है, walking

भ्रष्ट bhraṣṭa

भ्रष्टगुदो दग्धगुदश्च। (हे.-अ.हृ.सू. 17/23), गुदभ्रंश एवं गुद में दाह, अस्वेद्य रोगियों को स्वेदन देने का उपद्रव, displacement

भ्राजिष्णुता bhrājiṣṇutā

दीप्तिमत्त्वम्। (ड.-सु.शा. 7/10), देदीप्यमान, lusture

भ्रू bhrū

अक्षिकूटोपरि रोमराजी। (ड.-सु.सू. 12/9), अक्षिकूट के ऊपर बालों की पंक्ति, eyebrows

भ्रूणहन्तृ bhrūṇahantṛ

भ्रूणहा: गर्भघातक:। (चक्र.-च.सू. 8/19), भ्रूण का नाश करने वाला, foeticide

भ्रूव्युदास bhrūvyudāsa

वातनानात्मज रोग। (च.सू. 20/11), भौहों का टेढ़ा होना, misalignment of eyebrows

मकर makara

हिंस्रदंष्ट्रक:। (ड.-सु.सू. 46/118), सामुद्र मत्स्य वर्ग, हिंसक दांत वाला प्राणी, मकर, crocodile

मकेरुक makeruka

पुरीषजकृमि:। (च.सू. 19/4-9) पुरीषज कृमि, a type of intestinal worm

मक्कल्ल makkalla

प्रजाताया: प्रजननशोणितसंजनितशूलो मक्कल्ल:; अवरुद्धरक्तपाकजनितो विद्रधिरपि मक्कल्ल:। (ड.-सु.शा. 10/22), सूतिका को रक्त दोष के प्रकोप से होने वाला शूल, puerperal pain

मक्षिकाकान्त makṣikākānta

मक्षिकाप्रियम्। (चक्र.-च.चि. 19/9), मक्खियों से युक्त, प्रमेही के मूत्र का लक्षण, invaded by flies

मज्जा majjā

1. अस्थ्न: शुद्धस्नेहभाग:। (च.शा. 7/15), अस्थि में उपस्थित स्नेहरूपी धातु, bone marrow 2. फलमज्जा:। (चक्र.-च.क. 8/7), फलमज्जा, kernel of a seed

मणि maṇi

1. मेढ्राग्रदेश:। (ड.-सु.उ. 58/15), शिश्नमणि, लिंग का अग्र भाग, glans penis 2. रत्नादि। (सु.सू. 45/17), रत्नों को मणि कहते हैं, gem, precious stone

मणिक maṇika

मणिको गोलक:। (चक्र.-च.सू. 15/7), जलकलश, round bottom water container, pitcher

मण्ड maṇḍa

नीरे चतुर्दशगुणे सिद्धो मण्डस्त्वसिक्थ:। (शा.सं.म. 2/170), चावल को चौदह गुने जल में पकाकर छानकर चावलरहित द्रवभाग मण्ड कहलाता है, scum of boiled rice, supernatant fluid of boiled rice

मण्डल maṇḍala

श्वेतं रक्तं स्थिरं स्त्यानं स्निग्धमुत्सन्नमण्डलम्। कृच्छ्रमन्योन्यसंसक्तं कुष्ठं मण्डलमुच्यते।। (च.चि. 7/16), एक प्रकार का कुष्ठ, जिसमें स्थिर, स्निग्ध एवं मृदु, गोलाकार के श्वेत रक्त उभरे हुए मण्डल होते हैं, a skin lesion with unctuous and soft, circular whitish red elevations

मण्डलपुच्छ maṇḍalapuccha

देखें. तुङ्गीनास

मण्डलाग्र maṇḍalāgra

मण्डलमिवाग्रं यस्य तन्मण्डलाग्रम्। (ड.-सु.सू. 8/3), शस्त्रभेद, जिसका अग्रभाग (मुख) मण्डलाकृति होता है, sharp curette

मत mata

अभिमतं पूजितमिति यावत्। (चक्र.-च.सू. 1/67), अभीष्ट, स्वीकृत, पूजित कथन, definite view

मति mati

मतिः सहजविशुद्धमतिः। (चक्र.-च.सू. 9/22), स्वाभाविक विशुद्ध बुद्धि युक्त को मति कहा जाता है, innate unbiased intellect

मत्स्यण्डिका matsyaṇḍikā

मत्स्यण्डिका खण्डमध्ये पाकाद्घनीभूता मत्स्याण्डनिभा भवति। (चक्र.-च.सू. 27/240), जब गुड़ में मछली के अण्डे जैसे दाने उत्पन्न हो जाते हैं, जिसे दानेदार गुड़ भी कहा जाता है, तो इसे मत्स्यण्डिका कहते हैं, अथवा मत्स्यण्डिका खांड के बीच वाली स्थिति वाला इक्षुविकार है, जो कि इक्षुरस के पाक से घनीभूत होकर मछली के अण्डे के सदृश हो जाता है, crystalline jaggery resembling spawn of fish, inspissated juice of sugarcane

मत्स्यनिस्तालन matsyanistālana

मत्स्या निस्ताल्यन्ते पच्यन्ते यस्मिन् तन्मत्स्यनिस्तालनं; किंवा निस्तालनं वसा। (चक्र.-च.सू. 26/84), जिस (पात्र) में मत्स्य का पाक किया गया हो अथवा मछली की वसा, pan in which fish is fried, fish fat

मद mada

पूगफलेनेव मत्तता। (इ.-सु.उ. 45/9), पूग (सुपारी) सेवन के समान उत्पन्न मत्तता; intoxication

मदात्यय madātyaya

मद्यपान जन्य मद, एक रोग। (च.चि. 24/30), alcoholism

मदिरा madirā

मदिरा तु सुरामण्डः। (चक्र.-च.सू. 27/180), सुरा के ऊपरी भाग को मदिरा कहते हैं, an alcoholic preparation

मद्य madya

पेयं यन्मादकं लोकैस्तन्मद्यमभिधीयते। (भा.प्र.पू.संधानवर्ग 18), जिसका पान करने से मादकता उत्पन्न होती है, उसको मद्य कहते हैं, wine, alcohol, intoxicating drink, spirituous drink

मधु madhu

1. क्षौद्र। (भा.प्र.पू.मधुवर्ग. 1), शहद, honey 2. मध्विति मधुप्रधान आसवः। (चक्र.-च.सू. 27/189), मधु नामक मद्य वह है जिसमें मधु का प्रधान रूप से उपयोग किया जाता है, alcoholic beverage in which honey is used as main ingredient

मधुक्रोड madhukroḍa

मधुक्रोडाः पाकघनीभूत मधुगर्भाः। (चक्र.-च.सू. 27/267), गेहूँ या चावल की पिष्टी के बीच में मधुर द्रव्य को रखकर तिल तैल या घृत में पकाने से जो खाद्य पदार्थ घनीभूत हो जाता है वह 'मधुक्रोड' कहलाता है, a dish prepared

by enclosing a sweet substance in the dough of wheat or rice and frying it in sesame oil or ghee till it is hardened

मधुर madhura

1. मधुर रस, मीठा रस, sweet taste 2. मधुरेति मधुरार्थ क्रियाकारिकत्वात्। (चक्र.-सु.सू. 13/5), मधुरतापूर्वक कार्य करना, functioning smoothly/gently

मधुरत्रिक madhuratrika

आज्यं गुडो माक्षिकञ्च विज्ञेय मधुरत्रिकं मतं त्रिमधुरञ्चापि तथैव मधुरत्रयम्। (र.र.स. 10/70), गोघृत, गुड़ एवं मधु को समभाग में सम्मिलित रूप से ग्रहण करने पर मधुरत्रिक संज्ञा है, इसी को त्रिमधुर एवं मधुरत्रय भी कहा जाता है, a group of three sweet substances - cow's ghee, jaggery and honey

मधुररस madhurarasa

स्वादुरास्वाद्यमानो मुखं उपलिम्पति, इन्द्रियाणि प्रसादयति, देहं प्रह्लादयति षट्पदपिपीलिकादीनामभीष्टतमः। (अ.सं.सू. 18/4), जो आस्वादन में स्वादु, मुख में लेप करने वाला, इद्रियों को प्रसन्न करने वाला, देह के लिये सुखकारक एवं चींटियो को प्रिय हो, वह मधुर रस है, sweet taste

मधुशर्करा madhuśarkarā

मधुशर्करा तु मधुभाण्डेषु शर्कराकारा भवति। (चक्र.-च.सू. 27/240), मधु को किसी बड़े पात्र में रख देने पर उसमें शर्करा की भांति दाने उत्पन्न हो जाते है, उसे मधुशर्करा कहते हैं, या मधु को भाण्ड (मधु के पात्र) में रख देने पर शर्करा के आकार की हो जाती हैं, उसे मधुशर्करा कहते हैं, sugar like crystals obtained from honey when kept in a big vessel for longer duration

मधुशीर्षक madhuśīrṣaka

मधुशीर्षक एव मधुक्रोडः। (चक्र.-च.सू. 27/267), विमर्द्य समिताचूर्णं मृदुपाकं गुडान्वितम्। घृतावगाहे गुडिकां वृत्तां पक्वां सकेशराम्। सौगन्धिकाधिवासां च कुर्यात् पूपलिकां बुधः। स एव खण्डसंयावः सितामातकपूरितः। मातुलुंगत्वचा चैव वेष्टितो मधुशीर्षकः॥ (नल-च.सू. 27/267), मधुशीर्षक, मधुक्रोड ही है, गेहूँ के आटे के चूर्ण को गुड़ के मृदुपाक में मिलाकर गूथकर गोल गोल लड्डू बनाकर केशर मिश्रित करके घृत में पका दिया जाता है। इस प्रकार बने सुगन्ध युक्त खाद्य पदार्थ को बुद्धिमान पूपलिका (पूआ) कहते हैं, उसे जब चीनी और ऑवला से भर कर घृत में पका दिया जाता है तो उसे खण्डसंयाव कहते हैं, जब गोधूम चूर्ण को गुड़ के मृदुपाक से सान कर उसमें मधुर पदार्थ भरकर मातुलुंग (नींबू) के छिलके में लपेटकर घृतपाक किया जाये, तो उसे 'मधुशीर्षक' कहते हैं, synonym of madhukroda

मधूलिका madhūlikā

मधूलकः गोधूमभेदः, तत्कृतं मद्यं मधूलकम्, अन्ये तु मेदकमाहुः। (चक्र.-च.सू. 27/190), मधूलक से गोधूम भेद का ग्रहण किया जाता है, इसके द्वारा निर्मित मद्य मधूलिका कहा गया है, अन्य आचार्य मधूलक से मेदक का ग्रहण करते हैं, kind of beverage prepared with special variety of wheat, some call it medak

मध्यभक्त madhyabhakta

समाने मध्यभोजनम्। (च.चि. 30/299), मध्येभक्त नाम यन्मध्ये भक्तस्य पीयते। (सु.उ. 64/71), मध्ये भक्तस्य तत्समानानिलविकृतौ कोष्ठगतेषु च व्याधिषु पैत्तिकेषु च। (अ.सं.सू. 23), समाने मध्य इष्यते। (अ.हृ.सू. 13/38), भोजन के मध्य में औषध सेवन करना मध्यभक्त कहलाता है, यह समानवायु, पित्त आदि के विकार में प्रयोग किया जाता है, adminstration of the drug in the middle of meals

मध्यमकोष्ठ madhyamakoṣṭha

समदोषो मध्यमः, स साधारण इति। (सु.चि. 33/21), मध्यम कोष्ठ में ग्रहणी में दोष सम होते हैं, normal bowel habit

मध्यमक्षार madhyamakṣāra

क्षारभेद। (सु.सू. 11/6), मध्यम क्षमता वाला (प्रतिसारणीय) क्षार, an alkali of medium potency

मध्यमस्नेहमात्रा madhyamasnehamātrā

स्नेहसेवनमात्राविशेष। (च.सू. 13/29), जो स्नेह मात्रा चार प्रहर में पाचित हो जाय वह स्नेह की मध्यम मात्रा है, a dose of unction, which gets digested in 12 hours (four prahara)

मध्वासव madhvāsava

मधूकपुष्पकृतो मध्वासवः। (चक्र.-च.सू. 27/187), जो मद्य या आसव महुआ के पुष्प से निर्मित किया जाता है, उसे मध्वासव कहते हैं, alcoholic beverage prepared out of a flower 'mahuva'

मनःपुरःसराणि manaḥpuraḥsarāṇi

मनःपुरःसराणि मनोधिष्ठितानि। (चक्र.-च.सू. 8/7), मन से सम्बन्धित, associated with mind

मनःसमाधि manaḥsamādhi

विषयेषु प्रसक्तिं मनसो वारयित्वाऽऽत्मनि समाधानं मनःसमाधिः। (चक्र.-च.सू. 11/33), मन को विषयों में न लगाकर आत्मा में केंद्रित करना मनःसमाधि कहलाता है, contemplation, fixing the mind in the soul by withdrawing it from the objects, an abstract contemplation

मनसि manasi

मनसीति अन्तःकरणे, किंवा मनोयुक्त आत्मा मन इत्युच्यते। (चक्र.-च.सू. 21/35), मनसस्तु केवलमेव शरीरमयनीभूतम्। (चक्र.-च.सू. 24/25), अंतःकरण अथवा मन संयुक्त आत्मा का ग्रहण मनसि से किया जाता है, मन संपूर्ण शरीर में आश्रित होता है, वही मनसि है, mind with the soul, that resides in whole body

मन्ता mantā

आत्मा। (च.शा. 4/8), आत्मा का एक पर्याय, a synonym of soul

मन्थ mantha

मन्थोऽपि फाण्टभेदः, स्यात्तेन चात्रैव कथ्यते। जले चतुःपले शीते क्षुण्णं द्रव्यपलं क्षिपेत्।। मृत्पात्रे मन्थयेत्सम्यक्ततस्माच्च द्विपलं पिबेत्।। (शा.सं.म. 3/9),

जलघृताक्त सक्तून्। (ड.-सु.उ. 64/44), सक्तवः सर्पिषाऽभ्यक्ताः शीतवारिपरिप्लुताः। नातिद्रवा नातिसान्द्रा मन्थ इत्युपदिश्यते।। (सु.सू. 46/385), सक्तवः सर्पिषा युक्ताः शीतवारिपरिप्लुताः। नात्यच्छा नातिसान्द्राश्च मन्थ इत्यभिधीयते। (चक्र.-च.सू. 6/28), मन्थ, फाण्ट का ही एक भेद है, एक पल चूर्णित औषधि को चार पल शीतल जल में भिगोकर मिट्टी के पात्र में रखकर अच्छी प्रकार से मथकर, छानकर प्राप्त द्रव, मन्थ कहलाता है, मन्थ वह कहलाता है जो घृतयुक्त ठण्डे पानी में घुले हुए और न बहुत गाढे तथा न बहुत पतले सक्तु के घोल से तैयार होता है, मन्थ तुरन्त शक्ति देने वाला, प्यास और थकावट को दूर करने वाला होता है। सत्तू में घी और शीतल जल मिलाकर न अधिक पतले और न अधिक गाढ़े पेय को मंथ कहते हैं, a food preparation of parched rice mixed with ghee and cold water with consistency of neither thin nor thick

मन्द manda

मन्दमिति चिरकारि। (चक्र.-च.सू. 22/14), अधिक काल तक कार्य करने वाला, slow, delayed action

मन्दक mandaka

मन्दकं यदा क्षीरं विक्रियामापन्नं घनत्वं न याति तदा तन्मन्दकम्। (चक्र.-च.सू. 27/228), जब दूध दधि में पूरी तरह परिवर्तित नहीं हो पाता, उस समय दधि पूरी तरह घन रूप नहीं ले पाती है, वह मन्दक है, half set curd

मन्या manyā

ग्रीवासिराद्वयम्। (चक्र.-च.चि. 9/84), ग्रीवापश्चिम भागस्था धमनी। (ड.-सु.नि. 11/10), धमनीमर्म, ग्रीवा के पृष्ठआग पर स्थित धमनी, sternocleidomastoid, carotid, jugular vessels

मन्यास्तम्भ manyāstambha

केचिदपतानकपूर्वरूपं मन्यंते। (ड-सु.नि.1/67), अंतरायामबहिरायामलक्षणत्वान्मन्यास्तम्भस्यः। (हे.-सु.नि.1/67), मन्या में स्तम्भ होना, एक प्रकार का वातरोग, torticollis, wry neck

मरीचि marīci

षड्वंशीभिर्मरीचिः स्यात्। (शा.सं.पू. 1/18), मान का एक भेद, छः वंशी की एक मरीचि होती है, a measurement equal to 6 vamshi

मर्दन mardana

उदितैरौषधैः सार्धं सर्वाम्लैः काञ्जिकैरपि। पेषणं मर्दनाख्यं स्याद्बहिर्मलविनाशनम्।। (र.र.स. 8/63), मर्दनार्थ औषधियों, सर्वाम्ल पदार्थ अथवा कांजी के साथ पारद को घोंटना 'मर्दन' कहलाता है, इससे पारद का बाहरी मल नष्ट हो जाता है, trituration, a process of mercury purification

मर्म marma

मारयन्तीति मर्माणिः। (ड.-सु.शा. 6/1), जिस स्थान पर आघात होने से मृत्यु होने का भय हो, उसे मर्म कहते हैं, vital points

मर्मरिका marmarikā

मर्मरिकायां वेदना ज्वरो ग्रन्थयश्च। (सु.सू. 16/5), कर्ण की एक अवेध्य सिरा, जिसके वेधन से वेदना, ज्वर व ग्रंथि होते हैं, a vessel in ear lobule, its piercing cause pain, fever and cystic swelling

मल mala

मलिनीकरणान्मला:। (शा.पू. 5/24), तत्र मलभूतास्ते ये शरीरस्याबाधकरा: स्यु:। (च.शा. 6/17) आबाधकरा इति पीडाकरा इत्यर्थ:। (चक्र.-च.शा. 6/17), जो शरीर को मैला करते हैं वे मल कहलाते हैं, जो शरीर के कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं या पीडा पहुंचाते हैं, वे मल हैं, that makes the body dirty is mala, that causes disturbance in the normal functioning of the body, waste product

मलाधार malādhāra

मूत्राशयो मलाधार: प्राणायतनमुत्तमम्। (सु.नि. 3/20), मूत्राशयपर्यायो मलाधार इति। (ड.-सु.नि 3/20), मलाधार मूत्राशय का पर्याय है, यह श्रेष्ठ प्राणायतनों में से एक है, synonym of urinary bladder, one among superior pranayatanas

मसूरिका masūrikā

मसूरिकास्तु विज्ञेया: पिडका रक्तपित्तजा: इति। एतासां शीतलिका इति लोकाश्रया संज्ञा। (ड.-सु.नि. 13/38), रक्त एवं पित्त प्रकोप से होने वाली पिडका, लोकनाम शीतलिका, एक क्षुद्ररोग, measles

मस्तिष्क mastiṣka

शिरोगतस्नेह:। (चक्र.-च.शा. 7/15), शिर स्थित स्नेह, brain

मस्तुलुङ्ग mastuluṅga

शिरसो बलाधानं स्त्यानघृताकारं मस्तुलुङ्गमुच्यते। (ड.-सु.चि. 2/70), शिर के अन्दर बल प्रदान करने वाला, जमे हुये घी के समान द्रव्य मस्तुलुंग है, cerebrospinal fluid, brain tissue

महर्षि maharṣi

महान्तश्च ते ऋषयश्चेति महर्षय:; अनेन चतुर्विधा अपि ऋषय:-ऋषिका, ऋषिपुत्रा, देवर्षयो महर्षयश्च गृह्यन्ते। (चक्र.-च.सू. 1/7), महान ऋषि, महर्षि कहलाते हैं, ऋषि चार प्रकार के होते हैं- ऋषिक, ऋषिपुत्र, देवर्षि और महर्षि, the great sage, there are four kinds of sages - a follower of sage, son of sage, divine sage and great sage

महाकोष mahākoṣa

पृथुल वृषण, large sized scrotum

महापुट mahāpuṭa

निम्नविस्तरत: कुण्डे द्विहस्ते चतुरस्रके, वनोत्पलसहस्रेण पूरिते पुटनौषधम्। क्रौंच्यां रुद्धं प्रयत्नेन पिष्टिकोपरि निक्षिपेत् वनोत्पल सहस्रार्धं। क्रौंचिकोपरि विन्यसेत् वह्निं प्रज्वालयेत्तत् महापुटमिदं स्मृतम्।। (र.र.स. 10/51-52), भूमि के अन्दर दो हाथ प्रमाण का लम्बा, चौड़ा एवं गहरा गड्ढा बनाकर एक हजार वन्योपल से भर देते हैं, इनके ऊपर मूषा में बन्द औषधि रखकर पुन: 500 वन्योपल से ढक देते हैं एवं अग्नि प्रज्वलित करते हैं, यह महापुट है, a heating

arrangement to make calcined preparation with 1500 cowdung cakes as fuel

महामूला mahāmūlā

महामूला इति महत् हृदयं मूलं यासां धमनीनां तास्तथा। (चक्र.-च.सू. 30/3), वह धमनियां जो हृदय से जुडी या आश्रित हों, 'महामूला' कहलाती हैं, large vessels connected to heart

महायशा mahāyaśā

अजाननश्चलाक्षिभ्रू: कामरूपी महायशा:। बालं बालपिता देवो नैगमेषोऽभिरक्षतु।। (सु.उ. 36/11), महायशस्वी, नैगमेष ग्रह का एक नाम, a name of naigamesh graha

महाशन mahāśana

अनिद्रा निशि ये च स्युर्ये च बाला महाशना:। (का.सं.सू. लेहाध्याय), जिन बच्चों को रात्रि में नींद नहीं आती और जो बहुत भोजन करते हों, polyphagia

महाशालि mahāṣāli

महाशालिर्मगधे प्रसिद्ध:। (चक्र.-च.सू. 27/8), महाशालि, मगधदेश में प्रसिद्ध एक धान्यविशेष है, a large size paddy popular in Magadha

महास्नेह mahāsneha

चतुर्भिर्महास्नेह:। (अरु.-अ.ह.सू. 16/4), सर्वेमहान्। (हे.-अ.ह.सू. 16/4), चारों स्नेहों का संयुक्त प्रयोग, घृत, तैल, वसा, मज्जा, इन चारों को महास्नेह कहते हैं, combined administration of all the four unctuous substances i.e. ghrita, taila, vasa and majja

महास्रोत mahāsrota

कोष्ठ। (च.वि. 5/8), अन्त: कोष्ठो महास्रोत:। (अ.ह.सू.), gastrointestinal tract

मांसकन्द māṃsakanda

कन्दाकारमांसाङ्कुरसंभव:; कन्द एव कन्दी। (ड.-सु.सू. 5/15), कन्दाकार मांस का अंकुर, elevated flesh, keloid scar

मांसतान māṃsatāna

प्रतानवान् य: श्वयथु: सुकष्टो गलोपरोधं कुरुते क्रमेण। स मांसतान: कथितोऽवलम्बी प्राणप्रणुत् सर्वकृतो विकार:।। (सु.नि. 16/62), गले में कष्टयुक्त प्रतान, अवलम्बी शोथ जो अवरोध उत्पन्न करता है, epiglotitis

मांसरस māṃsarasa

पलानि द्वादशप्रस्थे घनेऽथ तनुके तु षट्, मांसस्य वटकं कुर्यात् पलमच्छतरे रसे।। (वै.प.प्र. 2/68), मांस को जल के साथ पकाकर जल की मात्रा कम होने पर उसे छान कर प्राप्त किया हुआ द्रव्य मांसरस है, meat soup

माक्षिक mākṣika

मक्षिका: पिंगला:; तद्भवं माक्षिकम्। (चक्र.-च.सू. 27/243), पिंगल (किंचिद्रक्त) वर्ण की मधुमक्खी द्वारा एकत्र किये गये मधु का नाम माक्षिक है, honey obtained from red coloured honeybee

मातर mātara

न पिशाचा न रक्षांसि न यक्षा न च मातरः। प्रबाधन्ते कुमारं तं यः प्राशनीयादिदं घृतम्।। (का.सं.सू. लेहा), मातृका, मातृस्वरूपी ग्रह, बालग्रह, a mother like evil spirit afflicting children

मातुल mātula

स्कन्दस्तं च महाशैलं मातुलं तं च दानवम्। शक्त्या जघान युगपत्ततो गुहवधाद् गुहः।। स्कन्द (कार्तिकेय) ने अपनी शक्ति से युगपत (एक साथ) उस राक्षस, उसके मामा (क्रौञ्च) तथा विशाल पर्वत तीनों का संहार कर दिया, माता का भाई, मामा, maternal uncle

मात्रा mātrā

1.तत्रेह मात्रा अनपायिपरिमाणम्। (चक्र.-च.सू. 5/3), भोजन का निश्चित और सम्यक् परिमाण मात्रा कहलाता है, proper and exact dose of food, appropriate quantity of food 2. मात्रा जो दोषों को सभी मार्गों (कोष्ठ, सन्धि, मर्म एवं शाखाओं से खींच निकाले), the (best) dose of unctuous substance which extracts out the doshas from all channels/places

मात्राशी mātrāśī

मात्रां मात्रावदन्नमशितुं भोक्तुं शीलं यस्यासौ मात्राशी। यदि वा मात्रयाशितुं भोक्तुं शीलं यस्य स तथा। (चक्र.-च.सू. 5/3), सम्यक् मात्रायुक्त अन्नग्रहण का जिसे अभ्यास है, उसे मात्राशी कहते हैं, the person who has the habit of taking food in right quantity

माधवप्रथमे mādhavaprathame

माधवो वैशाखस्तस्य प्रथमश्चैत्रः। (चक्र.-च.सू. 7/46), चैत्र माह, month of chaitra

माध्वीक mādhvīka

माध्वीकं मधुप्रधानं 'रोचनं दीपनं' इत्यादिना वक्ष्यमाणं, तद्वन्मृद्वीकेक्षुरसाभ्यां मिलिताभ्यां कृत आसवो ज्ञेयः। (चक्र.-च.सू. 27/188), माध्वीक अर्थात् मधु प्रधान आसव जो कि रोचनं दीपनं इत्यादि वचन से आगे कहा जाने वाला है, उसी प्रकार अंगूर रस और इक्षु रस से मिलाकर निर्मित आसव जानना चाहिए, an alcoholic beverage prepared with grapes and cane sugar juices

मान māna

1. मानः सदसद्गुणाध्यारोपेणात्मन्युत्कर्षप्रत्ययः। (चक्र.-च.सू. 7/27), अपने अच्छे एवं बुरे गुणों का विचार कर अपने को उत्कृष्ट मानना 'मान' है, vanity 2. प्रस्थाढकादितुलादिमेयम्। (चक्र.-च.सू. 26/34), कालिङ्ग एवं मागध मान। (च.क. 12/105), weight measurement

मानभाण्ड mānabhāṇḍa

मानभाण्डं प्रतिमानम्। (चक्र.-च.सू. 15/7), द्रव मापक यन्त्र, fluid measuring instrument

मानिकीशुद्धि mānikī śuddhi

निर्धारित मल के प्रमाण के अनुसार वमन-विरेचनादि द्वारा हुए शोधन के प्रकार का निर्धारण करना, मानिकी शुद्धि है। (च.सि. 1/13-14), quantity of mala

expelled by vamana or virechana is considered to decide the type of shuddhi done by these karma, it is known as maniki shuddhi

मारण māraṇa

शोधितां लोहधात्वादीनां विमर्दयः स्वरसादिभिः। अग्निसंयोगतो भस्मीकरणं मारणं स्मृतम्।। शोधित धातु आदि को औषध स्वरस के साथ मर्दन कर अग्निसंयोग से भस्म रूप में परिवर्तित करना मारण कहलाता है, calcination

मार्गविशोधन mārgaviśodhana

मार्गविशोधनं मूत्रपुरीषसङ्गे। (ड.-सु.सू. 7/17), मूत्रपुरीष आदि के अवरोध में मार्ग का शोधन कर अवरोध को दूर करना, जैसे मूत्रमार्ग विशोधिनी शलाका का प्रयोग, cleansing of channels

माषमिश्रक māṣamiśraka

माषमिश्रको माषतण्डुलकृतमन्नम्। उड़द एवं चावल मिलाकर पकाया गया अन्न 'माषमिश्रक' है, rice prepared by adding blackgram

मास māsa

पक्षद्वयं मासः स शुक्लान्तः। (अ.सं.सू. 4/4), दो पक्ष का एक मास होता है, a month

मासूरी māsūrī

मसूरदलधारातन्वी। (ड.-सु.सू. 8/10), शस्त्रधारा, भेदन हेतु प्रयुक्त, edge of surgical instruments

मित्रपञ्चक mitrapañcaka

आज्यं गुञ्जाः सौभाग्यं क्षौद्रं च पुरसंज्ञकम्, एतत्तु मिलितं विज्ञैर्मित्रपञ्चकमुच्यते।। (र.त. 2/37), घृत, गुंजा (रत्ती), टंकण, मधु एवं गुग्गुलु, इन पांचों द्रव्यों को सम्मिलित रूप से मित्रपंचक कहते हैं, a group of five drugs

मिथ्यायोग mithyāyoga

अनुचितसंबन्धेन तु वस्तुनो मिथ्यायोगः। (चक्र.-च.सू. 16/4), अनुचित संबन्ध मिथ्या योग है, miscontact, misuse, adverse action

मिश्रक miśraka

मयूरचन्द्रिकाछायः स रसो मिश्रको मतः। सोऽप्यष्टादशसंस्काययुक्तश्चातीव सिद्धिदः।। (र.र.स. 1/73), यह पारद का एक भेद है, यह मयूर पक्ष की चन्द्रिका के समान वर्णयुक्त होता है, अठारह संस्कार के पश्चात् यह अतीव सिद्धिप्रद होता है, a variety of mercury

मुख mukha

चतुःषष्ट्यंशतो बीज प्रक्षेपो मुखमुच्यते। (र.र.स. 8/77), पारद में उसके भार का 64वाँ भाग बीज मिलाने या जारण करने की क्रिया को मुख कहते हैं, adding 64th portion of material to mercury

मुखमण्डिका mukhamaṇḍikā

गोष्ठमध्यालयरता पातु त्वां मुखमण्डिका। (सु.उ. 35/9) शूलपाणि द्वारा उत्पन्न ग्रह जो शिशु में मुखमण्डिका नामक रोग उत्पन्न करता है, a graha

मुण्डा muṇḍā

कराला पिङ्गला मुण्डा कषायाम्बरवासिनी। देवी बालमिमं प्रीता संरक्षत्वन्धपूतना।। (सु.उ. 33/9), अन्धपूतना ग्रह का एक नाम, a synonym of andhaputana graha

मुत्तोली muttolī

बह्वङ्घ्रिर्मुटिकाकारो जालवद्बहुरंध्रकः। (ड.-सु.सू. 18/17), व्रणबन्धन भेद, ग्रीवा एवं शिश्न में प्रयोज्य, winding bandage

मुद्गवर्णा mudgavarṇā

मुद्गवर्णा हरितमुद्गवर्णा। (ड.-सु.सू. 13/12), मूंग के समान वर्ण युक्त, having green gram colour

मुनि muni

मननात् ज्ञानप्रकर्षशालित्वान्मुनिः। (चक्र.-च.सू. 1/25), मनन करने से जिन्होंने उत्कृष्ट ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उन्हें मुनि कहते हैं, मुनि महात्मा, साधक व सन्त का पर्यायवाची है, one who has attained the supreme knowledge by meditation, synonym of sage, saint and ascetic

मुहूर्त्त muhūrta

नाडिकाद्वयं मुहूर्तः। (अ.सं.सू. 4/4), दो नाडिका को एक मुहूर्त्त कहते हैं, यह काल की एक गणना है, a measurement of time

मुहुर्मुहु muhurmuhu

भक्तसहितं भक्तरहितं वा यदौषधं वारं वारं प्रयुज्यते तन्मुहुर्मुहुरित्यर्थः। (ड.-सु.उ. 64/78), भोजन के साथ अथवा भोजन के बिना पुनः पुनः अनेक बार औषधि का सेवन करना मुहुर्मुह कहलाता है, administration of a drug repeatedly

मूत्रकृच्छ्र mūtrakṛcchra

मूत्रकृच्छ्राणीति मूत्रस्य कृच्छ्रेण महता दुःखेन प्रवृतिः। (विज.-मा.नि. 30/1), मूत्र की कष्टपूर्वक एवं वेदनायुक्त प्रवृत्ति, रोग, लक्षण, dysuria

मूत्रधारासङ्ग mūtradhārāsaṅga

संगो निरोधः।. (ड.-सु.नि. 3/7), मूत्रधारासंगो अश्मर्या मूत्रमार्गनिरोधात्। (गय.-सु.नि. 3/7), मूत्रधारा का रुकना, अश्मरी के मूत्रमार्ग में अवरोध जन्य, obstructed micturition

मूत्रविकिरण mūtravikiraṇa

मूत्रविकिरणमिति विकिरणं विक्षेप इतश्चेतश्च गमनम्। (ड.-सु.नि. 3/7), मूत्र का इधर-उधर गिरना, अश्मरी सामान्य लक्षण, scattered flow of urine

मूत्रविरजनीय mūtravirajanīya

मूत्रस्य विरजनं दोषसम्बन्धनिरासं करोतीति। (चक्र.-च.सू. 4/8), जो दूषित या विवर्ण मूत्र के दोष को दूर कर उसका वर्ण स्वाभाविक कर दे, उसे मूत्रविरजनीय कहते हैं, urine colour restoring

मूत्रविरेचनीय mūtravirecanīya

मूत्रस्य विरेचनं करोतीति मूत्रविरेचनीयः। (चक्र.-च.सू. 4/8), जो द्रव्य मूत्र का अधिक मात्रा में स्रवण कराता हो, उसे मूत्रविरेचनीय कहते हैं, जैसे गोक्षुर, diuretics

मूत्राष्टक mūtrāṣṭaka

अविमूत्रमजामूत्रं गोमूत्रं माहिषं च यत्, हस्तिमूत्रमथोष्ट्रस्य हयस्य च खरस्य च। (च.सू. 1/95), भेड़, बकरी, गाय, भैंस, हाथी, ऊँट, घोड़ा एवं गधा इन आठ प्राणियों के मूत्र को सम्मिलित रूप से मूत्राष्टक कहते हैं, urine of eight animals

मूर्च्छन mūrcchana

मर्दनादिष्टभैषज्यैर्नष्टपिष्टत्वकारकम्, तन्मूर्च्छनं हि वङ्गादिमलादिदोषनाशनम्। (र.र.स. 8/64), मर्दन संस्कार की औषधियों के चूर्ण, स्वरस या क्वाथ के साथ पारद को घोटकर उसकी कज्जलि या पिण्डी बना दी जाती है तो उसे मूर्च्छन संस्कार कहते हैं इससे पारद अपने स्वरूप को नष्ट कर देता है, processing of mercury with herbal extracts, powders to make into a paste or bolus

मूर्च्छना mūrcchanā

अव्याभिचरित व्याधिघातकत्वं मूर्च्छना। (आ.प्र. 1/37), तत्तद्विधि प्रभेदेन रसस्या व्याभिचारतः। व्याधिघातकता या स्यात् सा मता मूर्च्छना बुधैः। (र.त. 6/1), विविध विधियों से पारद में जो निश्चित रोगनाशक शक्ति उत्पन्न करते हैं उसे मूर्च्छना कहते हैं, the process, by which definite disease curing capability is achieved in mercury

मूर्च्छा mūrcchā

संज्ञानाशम्। (चक्र.-च.सू. 26/43), संज्ञा का नाश को प्राप्त होना, fainting

मूर्तिबद्धत्व mūrtibaddhatva

रोधनाल्लब्धवीर्यस्य चपलत्व निवृत्तये। क्रियते यो घटे स्वेदः प्रोक्तं नियमन हि तत्। (रसे.चूडा. 4/89), पारद के नियामन संस्कार की प्रक्रिया में पारद की चंचलता के समाप्त होने की स्थिति को मूर्त्तिबद्धत्व कहते हैं, during the process of niyamana samskar of parada, the stage in which movements of mercury are controlled

मूर्धजा mūrdhajā

मलिनाम्बरसंवीता मलिना रूक्षमूर्धजा। शून्यागाराश्रिता देवी दारकं पातु पूतना।। (सु.उ. 32/10), पूतना का एक नाम, रूक्ष (बालों से युक्त) सिर वाली, a synonym of putana graha (having rough hair)

मूलिनी mūlinī

मूलं प्रशस्ततमं यासां ता मूलिन्यः। (चक्र.-च.सू. 1/74), ऐसे पौधे जिनकी जड़ें मुख्यतः औषधि के रूप में प्रयोग होती हैं, the herbs whose root is mainly used as medicine

मूषा

मुष्णाति दोषान् मूषा या सा मूषेति निगद्यते। (र.र.स. 10/2), उपादानं भवेत्तस्या मृत्तिका लोहमेव च। (र.र.स. 10/3), मूषा हि क्रौञ्चिका प्रोक्ता कुमुदी करहाटिका पाचनी वह्निमित्र च रसवादिभिरित्राते।। (र.र.स. 10/1), जो अपने अन्दर रखे द्रव्यों के दोषों को मुष (चुरा) लेती है, मूषा कहलाती है, इस मूषा का निर्माण मिट्टी एवं लोह से किया जाता है, क्रौञ्चिका, कुमुदी, करहाटिका, पाचनी, वह्निमित्र आदि इसके पर्यायावाची हैं, crucible

मूषिका mūṣikā

मूषिकाकृतिवर्णा अनिष्टगन्धा च मूषिका:। (सु.सू. 13/12), मूषक (चूहे) के समान आकृति, वर्ण एवं दुर्गन्ध युक्त, निर्विष जलौका का एक प्रकार, a type of non poisonous leech, which resembles a rat in shape and colour and has an unpleasant odour

मृगमातृका mṛgamātṛkā

स्वल्पा पृथूदरा हरिणजाति:। (चक्र.-च.सू. 27/45), अल्प शरीरयुक्त एवं चौड़े उदर वाला हरिण जाति का पशु, a type of deer

मृतलोह mṛtaloha

अङ्गुष्ठतर्जनीघृष्टं यत्तद्रेखान्तरे विशेत्। मृतलोहं तदुद्दिष्टं रेखापूर्णाभिधानत:।। (र.र.स. 8/28), मृतलोहं पुटे ध्मातं ताराज्यमधुसंयुतम्, न त्यजेत्तारमानं वा मृतलोहं तदुच्यते। (र.त. 2/55), पूर्णरूप से भस्म में परिवर्तित लोह (धातु) अथवा धातुभस्म को तर्जनी एवं अगुंष्ठ के मध्य रगड़ने पर वह अंगुली की रेखाओं में प्रविष्ट कर जाती है, पोंछने पर भी नहीं निकले तो वह मृतलोह है, धातुभस्म को चांदी, घृत एवं मधु के साथ मूषा में धमन करने से चांदी के मान में परिवर्तन न हो तो यह मृतलोह का लक्षण है, thoroughly calcined metal

मृदुकोष्ठ mṛdukoṣṭha

उदीर्णपित्ता अल्पकफा ग्रहणी मन्दमारुत मृदुकोष्ठस्य तस्मात् स सुविरेच्यो नर: स्मृत:। (चक्र.-च.सू. 13/69), बहुपित्त स दुग्धेन अपि विरिच्यते। (ड.-सु.चि. 33/21), जिसकी ग्रहणी में पित्त अधिक हो, कफ अल्प हो तथा वात मन्द हो, वह मृदुकोष्ठी होता है, मृदुकोष्ठी को दूध से भी विरेचन हो जाता है, a person having excess of pitta, less kapha and mild vata in grahani posseses mridu koshtha and such person gets purgation easily, even with milk

मृदुक्षार mṛdukṣāra

एष चैवा प्रतीवाप: पक्व: संव्यूहिमो मृदु:। (सु.सू. 11/12), अथेतरस्त्रिविधो मृदुर्मध्यस्तीक्ष्णश्च। (सु.सू. 11/11), प्रतिसारणीय क्षार के तीन भेद हैं, मृदु, मध्य एवं तीक्ष्ण, अत्यन्त कम क्षमता वाला मृदु क्षार होता है, mild alkali, alkali having less potency

मृदुपाक mṛdupāka

मृदुपाका: स्तोकाग्निसंयोगसाध्या:। (चक्र.-च.सू. 27/275), जो अल्प अग्नि से पकाया गया हो, वह 'मृदुपाक' कहलाता है, cooked on low flame

मृदुपाश mṛdupāśa

तनुपाशम्। (ड.-सु.सू. 7/19), शिथिल बन्धन, एक यन्त्रदोष, loose fitting

मृदुमुख mṛdumukha

शल्यपीडनासहमुखम्। (ड.-सु.सू. 7/19), शल्य को पकड़ने में अक्षम यन्त्रमुख, एक यन्त्रदोष, soft grip, a defect in instrument

मृदुविरेचन mṛduvirecana

अल्प शक्ति वाला विरेचन, मृदु विरेचन है, mild virechana

4 Min. of HRD/2016

मृद्नाति mṛdnāti

रेवत्या व्यथिततनुश्च कर्णनासं मृद्नातिं ध्रुवमभिपीडित: कुमार:। (सु.उ. 27/11), मसलना, रगड़ना, रेवती ग्रह से ग्रस्त होने पर शिशु कान एवं नासा को मसलता है, rubbing (of ears and nose by infant)

मृद्वङ्ग mṛdvaṅga

अल्पमूत्र पुरीषाश्च बाला दीप्ताग्न्यश्च ये। निरामयाश्च तन्वो मृद्वङ्ग येच कर्शिता:।। (का.सं.सू. 1/17), जिन्हें मूत्र तथा मल कम आता हो, जिनकी अग्नि दीप्त हो, जो रोगशून्य होने पर भी पतले, मृदु अंगों वाले एवं कृश हों, having delicate soft body parts

मेघकालिका meghakālikā

दुर्दर्शना सुदुर्गन्धा कराला मेघकालिका। भिन्नागाराश्रया देवी दारकं पातु पूतना।। (सु.उ. 32/11), पूतनाग्रह का एक नाम, मेघ के समान वर्ण वाली, resembling dark clouds, a name of putana graha

मेघराव megharāva

मेघनाद:, चातक इत्यन्ये, तन्न तस्य वारिचरत्वाभावात्। (चक्र.-च.सू. 27/43), मेघनाद पक्षी, यह पानी में तैरता है, कुछ इसे चातक कहते हैं लेकिन चातक पानी पर नहीं तैरता है, a bird swims on water

मेघवात meghavāta

मेघस्य वातो मेघवात:। (चक्र.-च.सू. 6/7), बादलों के साथ चलने वाले वायु मेघवात है, wind along with clouds

मेचकप्रभा mecakaprabhā

मेचकप्रभा स्निग्धकृष्णवर्ण:। (चक्र.-च.सू. 17/108), स्निग्ध एवं कृष्णवर्ण, जैसा मोर के पंख में होता है, glossy black colour

मेदक medaka

यो जगलात् किञ्चिद् घन: स मेदकसुरासंज्ञ:। (शा.सं.म. 10/6), सुरा में जगल से नीचे स्थित घन भाग को मेदक कहते हैं, a part in wine, a type of wine

मेध्य medhya

मेधायै हितम्। (ड.-सु.सू. 46/150), मेधा (धी, धृति, स्मृति) के लिये हितकर या मेधा को बढाने वाला, intellect promoting

मेह meha

मेहतो मुञ्चत इत्यर्थ:। (ड.-सु.नि. 3/10), कठिनाई से निस्सरण (निकलना), tenesmic excretion

मैत्री maitrī

मैत्री सर्वभूतेष्वात्मनीवाप्रतिकूला प्रवृति:। (चक्र.-च.सू. 8/29), सभी प्राणियों के प्रति आत्मीय भाव रखना 'मैत्री' है, sympathy to all the living creatures

मैत्रीपर maitrīpara

मैत्रीप्रधान:, मैत्री च सर्वप्राणिष्वात्मनीव बुद्धि:। (चक्र.-च.सू. 1/30), सभी के प्रति आत्मीय भाव को मैत्री कहते हैं, मैत्री ही जिसके लिए मुख्य या प्रधान है, उसे मैत्रीपर कहते हैं, the nature of considering everybeing with kindness, goodwill

मैरेय maireya

आसवश्च सुरायाश्च द्वयोरेकत्र भाजने, संधानं तद्विजानीयान्मैरेयमुभयाश्रयम्। (चक्र.-च.सू. 27/187), मैरेयो नाम सुरासवयोः प्रत्येक निष्पादितयोरेकीकृत्य पुनः संधानान्मैरेयः। (ड.-सु.सू. 45/190), आसव और सुरा को एक ही पात्र में संधान करने से जो मदिरा तैयार होती है, उसे मैरेय कहते हैं, यह उभयाश्रित होती है अर्थात् सुरा और आसव इन दोनों के आश्रय वाली होती है, सुरा एवं आसव को समान भाग में मिलाकर पुनः सन्धान से निर्मित कल्पना, a fermented preparation prepared by mixing equal quantities of sura and asava

मोक्ष mokṣa

मोक्ष आत्यन्तिकशरीराद्युच्छेदः। (चक्र.-च.शा. 1/137), मोक्षो रजस्तमो अभावात् बलवत्कर्मसंक्षयात्। वियोगः सर्वसंयोगैरपुनर्भव उच्यते। (च.शा. 1/142), संसार से मुक्ति मोक्ष कहलाता है, रज तम की अप्रधानता होने पर तथा पूर्वकृत कर्मों का क्षय होने पर, एवं कर्म संयोग के समाप्त होने पर पुनः जन्म नहीं होता, उसे ही मोक्ष कहते हैं, the liberation from the cycle of life and death, final emancipation, salvation

मोरट moraṭa

1. मोरटो अड्कोलपुष्पो 'माईहर' लोके। (ड.-सु.सू. 38/10), a herb, flower of ankol 2. अग्निकः अजमोदः, मोरट इत्यन्ये। (ड.-सु.क. 2/44), a herb, agnika, ajamoda, *Gloriosa superba* 3. विनष्ट क्षीरभवं मस्तु मोरटम्। (जे.-सु.सू. 45/91), दुग्ध के फट जाने के बाद वस्त्र में बांधने पर जो जल टपक कर गिरता है, supernatant fluid portion of cheese 4. कलिकारिका, अन्ये भल्लातकमाहु। (ड.-सु.सू. 37/10), कलिहारी, लांगली, *Gloriosa superba* 5 भल्लातकः। (भा.पू. हरीतक्यादि), भिलावा, *Semecarpus anacardium*

मोह moha

वैचित्त्यम्। (चक्र.-च.सू. 26/43), मन में बैचेनी या उद्विग्नता होना, perplexity

म्रक्षण mrakṣaṇa

आलेपनम्। (ड.-सु.चि. 9/18), लेप करना, application of paste

म्लानाङ्ग mlānāṅga

शुष्यदङ्गम्। (ड.-सु.चि. 5/7), म्लान शरीर, शुष्क शरीर, emaciation

यकृत् yakṛt

यकृत् कालखण्डं दक्षिणपार्श्वस्थम्। (ड.-सु.शा. 4/25), उदर के दक्षिण पार्श्व में स्थित कोष्ठांग, कालखण्ड, liver

यकृत् रस yakṛt rasa

छागल्यादि कालखण्डरसः। (सु.उ. 17/17), बकरी के यकृत् का रस, extract of sheep liver

यकृद्दाल्युदर yakṛddālyudara

सव्येतरस्मिन् यकृति प्रदुष्टे ज्ञेयं यकृद्दाल्युदरं तदेयः। (सु.नि. 7/16), सव्येतरस्मिन् दक्षिणपार्श्वे। (ड.-सु.नि. 7/16), उदर के दाएँ भाग में यकृत की वृद्धि होना, hepatomegaly

यकृद्वर्णा yakṛdvarṇā

यकृद्वर्णा नीललोहित वर्णा। (ड.-सु.सू. 13/12), नीलरक्त वर्ण, having bluish red colour

यक्षोन्माद yakṣonmāda

असकृत्स्वप्नरोदनहास्यं नृत्यगीतवाद्यपाठकथान्नपानस्नानमाल्यधूपगन्धरतिं रक्तविप्लुताक्षं द्विजाति वैद्यपरिवादिनं रहस्यभाषिणं च यक्षोन्मत्तं विद्यात्। (च.चि. 9/20), यक्ष से ग्रस्त, यक्ष से ग्रसित होने के कारण उत्पन्न उन्माद, a type of exogenous unmada (caused by yaksha)

यक्ष्मा yakṣmā

स्वप्ने यक्ष्माणमासाद्य जीवितं स विमुञ्चति। (च.इ. 5/8), राजयक्ष्मा, क्षयरोग, tuberculosis

यक्ष्मिण yakṣmiṇa

'यक्ष्मिणम्' इत्यत्रान्ये 'शोषिणम्' इति पठन्ति। (ड.-सु.उ. 41/31), शोष रोगी, राजयक्ष्मा का रोगी, tuberculosis patient

यज्जःपुरुषीय yajjaḥpuruṣīya

'यज्जःपुरुषः' इति प्रश्नं प्राधान्येनाधिकृत्य कृतो अध्यायो यज्जःपुरुषीयो ज्ञेयः। (चक्र.-च.सू. 25/1), जिस अध्याय में प्रधान रूप से पुरुष की उत्पत्ति विषय का वर्णन किया गया है, 25th chapter of Charak samhita where topics related to evolution of purusha have been described

यत् yat

यत्-यस्मात्। (अरु.-अ.हृ.सू. 3/5), इससे, जिससे, wherin

यत्वाक् yatvāk

यतवाङ्मौनी। जो मौन धारण रखे, संयम से बोले, दिनचर्या में दंतधावन के संदर्भ में, to keep silence or speak patiently

यथाकाल yathākāla

यस्य यस्य दोषस्य यस्य यस्य शोधनस्य च यो यः कालः, तदा तदा तस्य तस्य दोषस्य तत्तच्छोधनं कुर्यात्। (हे.-अ.हृ.सू. 4/25), दोषों (मलों) के शोधन का जो जो काल है उस उस समय उस दोष शोधन का उचित समय, proper time

यथाक्रम yathākrama

यथानुपूर्वम्। (चक्र.-च.सू. 7/48), एक के बाद दूसरा, अर्थात् वमन के बाद विरेचन, फिर बस्ति और अन्त में नस्य, one after another e.g. first vamana, then virechana, followed by basti and in the last nasya

यथायोग्य yathāyogya

यथायोग्यं यद्यस्य युज्यते; एतञ्च पूर्वेण वमनादिना, उत्तरेण च रसायनादि प्रयोजयेदित्यनेन योज्यम्। (चक्र.-च.सू. 7/48), जो जिसके लिये प्रयुक्त होता है जैसे पहले वमनादि से शोधन करें फिर रसायनादि का प्रयोग करें, suitable, appropriate

यथार्थ yathārtha

यथार्थः यथाप्रयोजनमित्यर्थः। (ड.-सु.शा. 4/28), जो जैसा है वैसा ही निकले, सत्य, सही या असली, right, truth

यदृच्छा yadṛcchā

यदृच्छा कारणाप्रतिनियमेनोत्पादः। (चक्र.-च.सू. 11/6), यो यतो भवति तत्तनिमित्तमिति यादृच्छिकाः। (ड.-सु.शा. 1/11), कारण के नियम के बिना उत्पत्ति होना 'यदृच्छा' कहा जाता है, लक्ष्य के अनुसार न होते हुए भी आकस्मिक प्राप्ति, accidental evolution, spontaneous evolution exceptional and irrational achievement

यन्त्र yantra

1. स्वेदादिकर्म निर्मातुं वार्तिकेन्द्रैः प्रयत्नतः, यन्त्र्यते पारदो यस्यात् तस्माद् यन्त्रमिति स्मृतम्। (र.र.स. 9/2), पारद का स्वेदन, मूर्च्छन, मर्दन आदि अनेक संस्कार करने के लिये जिस उपाय से रस को नियन्त्रित किया जाता है, उसको यन्त्र कहते हैं, apparatus used in processing of mercury and other prepartions 2. शल्यानामाहरणोपायः। (ड.-सु.सू. 7/3), शल्य के आहरण का उपाय यन्त्र कहलाता है, a blunt surgical instrument

यन्त्रण yantraṇa

यन्त्रण पट्टग्रन्थैर्बन्धनं, तच्चोर्ध्वादिभेदेन त्रिप्रकारं, व्रणाकृतीना नानाविधत्वात्। (ड.-सु.सू. 18/19), पट्टबन्धन पर गांठ लगाना, ऊर्ध्व, अधः एवं तिर्यक् भेद से तीन प्रकार का एवं व्रणों के आकार के अनुसार अनेक प्रकार का है, bandaging knot

यन्त्रणशाटक yantraṇaśāṭaka

रुग्णस्य नियन्त्रणार्थं उपयुज्यमानो वस्त्रविशेषः। (सु.चि. 6/4), गुदरोगों में शल्यकर्म करते समय रुग्ण की हलचल न हो इसलिए उसके हाथ, पैर, सिर आदि को बांधने के लिए प्रयुक्त वस्त्र, tourniquet, a type of cloth used to hold fixed position of patient during operaton in piles patient

यम yama

पुनरिन्द्रियदेहयोर्निरोधो यमः। (ड.-सु.चि. 29/10), इन्द्रियों एवं देह की क्रियाओं पर नियन्त्रण रखना यम है, to control body activities

यमक yamaka

द्वाभ्यां स्नेहाभ्यां सर्पिर्वसाभ्यां सर्पिस्तैलाभ्यां सर्पिर्मज्जाभ्यां इत्यादि द्वाभ्यां द्वाभ्यां यमकोनाम्ना स्नेहः। (अरु.-अ.हृ.सू. 16/4), तेन घृततैलाभ्यां यमकः। (हे.-अ.हृ.सू. 16/4), घृत-वसा, घृत-तैल, अथवा घृत-मज्जा, दो स्नेहों के योग को यमक कहते हैं, घृत व तैल के योग को यमक कहते हैं, combination of 2 types of fats

यमल yamala

युग्मजम्। (सु.उ. 50/10-11), जुडवां, twin

यमला yamalā

या हिक्का चिरेण यमलैर्वेगैः संप्रवर्तते सा यमला। (सु.उ. 50/10-11), जो हिक्का देर से और दो बार आए, उसे यमला कहते हैं, a type of hiccough

यमसत्व yamasatva

रागमोहमदद्वेषैर्वर्जितो याम्य सत्वान्। (सु.शा. 4/86), राग, मोह, मद एवं द्वेष से रहित व्यक्ति याम्यसत्व होते हैं, सत्वप्रकृति का एक प्रकार, a type of satva prakriti

यमिका yamikā

1. देखें. धरणी। (का.सं.चि. बालग्रह चिकित्साध्याय), रेवती ग्रह के बीस नामों में से एक, a synonym of revati graha 2. यमिका चेत्यनेन क्षुद्रा अन्नजा च या साध्यत्वेनोक्ता सा यमलवेगे च जायमाना यमिका ज्ञेयाः। (चक्र.-च.चि. 17/44), जो हिक्का दो वेगों में आती है, hiccup which comes twice

यव yava

1. यवोरूक्षादिगुणैर्युक्तो विड्घातकरो वृष्यः स्थैर्यकृच्च। (अरु.-अ.हृ.सू. 6/13), जौ, barley 2. धान्यमाषद्वयम्। (च.क. 12/88), अष्टसर्षपैः कृत्वा एको यवः कथितः। (आढ.-शा.सं.प्र. 1/19), यवो द्वादशाभिर्गौरसर्षपैः प्रोच्यते बुधैः। (आढ.-शा.सं.प्र. 1/39), मान का एक भेद, आठ सर्षप के बराबर, दो धान्यमाष, कालिंगमान में 12 श्वेतसर्षप का एक यव होता है, a weight measurement

यवक yavaka

यवकः ब्रीहिविशेषः। (चक्र.-च.नि. 2/4), एक प्रकार का चावल, a variety of rice

यवक्षार yavakṣāra

पाक्यं क्षारो यवक्षारो यावशूको यवाग्रजः। (भा.प्र.पू. 1/255), जौ के पंचाग से प्राप्त होने वाला क्षार, इसके अन्य पर्याय हैं- पाक्य, क्षार, यावशूक एवं यवाग्रज, a caustic ash made from barley plant

यवन yavana

यवनः तुरुष्कदेशः। (ड.-सु.सू. 13/13), बाह्लीकाः पह्लवाश्चीनाः शूलीका यवनाः शकाः। मांसगोधूममाध्वीकशस्त्रवैश्वानरोचिताः।। (च.चि. 30/316), ग्रीकदेश, तुरुष्कदेश, तुर्कदेश, तुर्किस्तान, तुर्कस्थान, Greece, Turky country, Turkistan

यवनाल yavanāla

ज्वार, a type of grain, great millet

यवपङ्क्ति yavapaṅkati

हस्तरेखा कुमारहस्ते अच्छिन्नेयं प्रशस्या। (का.सू. 28), मणिबन्ध रेखा, wrist line resembling barley

यवागू yavāgū

साधयेद्द्रवमिति यथा नातिसान्द्रा भवतीत्यर्थः। एषा यवागूः। (ड.-सु.उ. 40/92), यवागूः षडगुणेऽम्भसि। (वै.प.प्र. 2/59), साध्यं चतुष्पलं द्रव्यं चतुःषष्टिपलेऽम्बुनि, तत्क्वाथेनार्धशिष्टेन यवागूं साधयेद्घनाम्। (शा.सं.म. 2/152), एक प्रकार का द्रव पदार्थ से निर्मित चावल युक्त भोज्य पदार्थ, जो अधिक गाढ़ा न हो, अन्न को 6 गुना (प.प्र.)/ 16 गुने (शा.) जल में पकाकर बनायी गई कल्पना को यवागू कहते हैं, a dietary preparation of rice, gruel

यवानिका yavānikā

यवानिकोग्रगन्धा च ब्रह्मदर्भाऽजमोदिका। सैवोक्ता दीप्यका दीप्या तथा स्याद्यवसाह्वया।। (भा.प्र.नि. 1/75), यवानिका, उग्रगन्धा, ब्रह्मदर्भा, अजमोदिका, दीप्यका, दीप्या तथा यवसाह्वा ये सब नाम अजवायन के हैं, the Bishop's weed, *Carum copticum*

यात्राकर yātrākara

यात्राकरं यापनाकरम्। (चक्र.-च.सू. 18/39), याप्य रोगों के सन्दर्भ में, जो जीवन यापन में सहायक हो, palliation

यापन yāpana

यापयन्ति धारयन्ति। (ड.-सु.नि. 1/12), धारण करना, to hold

याप्य yāpya

यापनीय तु तं विद्यात्क्रिया धारयते हि यम्। क्रियायां तु निवृत्तायां सद्यो यश्च विनिश्यति। प्राप्ता क्रिया धारयति सुखिनं याप्यमातुरम्। प्रपतितव्यादिवागारं स्तम्भो यत्नेन योजितः।। (आ.प्र.पू. 6/6-7), शेषत्वादायुषो याप्यमसाध्यं पथ्यसेवया। (च.सू. 10/17), जिसमें चिकित्सा करने से रोगी ठीक रहता है परन्तु छोड़ देने से रोगी मर जाता है या रोग बढ़ जाता है, जिस प्रकार यत्नपूर्वक खम्भों पर घर खड़ा रहता है और हटाने से गिर जाता है, यह असाध्य रोग है लेकिन जब तक पथ्यपालन करते रहेंगे तब तक आराम मिलता है, a type of incurable disease in which patient gets relief as long as diet is followed, palliative

याम yāma

प्रहर। (र.र.स. 3/29), समय का एकक, तीन घण्टे, unit of time, 3 hours

यामिनी yāminī

1. हरिद्रा। (रा.नि. वर्ग 6), हल्दी, turmeric 2. स्त्री। lady 3. रात्रि। (सु.चि. 26/8), रात, night

याम्य yāmya

1. लेखास्थवृतं प्राप्तकारिणमसंप्रहार्यमुत्थानवन्तं स्मृतिमन्तमैश्वर्यलम्भिनं व्यपगतरागेर्ष्यादवेषमोहं याम्यं विद्यात्। (च.शा. 4/37), शुद्ध सत्वप्रकृति का एक प्रकार, a type of sattva prakriti 2. हृदयं दह्ये चास्य यकृतप्लीहान्त्र फुफ्फुसः। पच्यन्ते व्यर्थमुद्ध्वार्धः पूयशोणित निर्गमः।। शीर्णदन्तश्च मृत्युश्च तत्राप्येत् द्विशेषतः। भिषग्भि सन्निपातोऽयं याम्यो नाम्ना प्रकीर्तितः।। याम्य नामक सन्निपातज ज्वर में हृदय दाह, यकृत्, प्लीहा, आन्त्र व फुफ्फुस का परिपाक, ऊर्ध्व (मुख) एवं अधो (गुद) भाग से पूय व रक्त का स्राव, दांत गिरने लगते हैं उससे मृत्यु भी हो सकती है, a type of sannipataja fever

याम्या yāmyā

अष्टमे दिवसे याम्या, मातृगीनवमेह्नि। (का.सं.क. रेवतीकल्प 46), जिस स्त्री का पुत्र आठवें दिन नष्ट हो जाए उसे याम्या कहते हैं, विभिन्न जातहारिणियों में से एक, whose child dies on 8th day of postpartum

यायावर yāyāvara

यायावराः पुनः पुनर्गमनशीला। (योगे.-च.चि. 1(4)/3), गमनशील, निरन्तर घूमने वाले, who always keep moving the places

यावक yāvaka

यवकृतो वाट्यो यावको वाट्यः। (चक्र.-च.सू. 27/265), जौ से बना वाट्य, यावक कहलाता है, barley cake

यावा yāvā

यावा इति यवचिपिटाः, अन्ये तु गान्धारदेश प्रसिद्धान् संपिष्टसंज्ञामाहुः। (चक्र.-च.सू. 27/273), जौ से निर्मित बड़े चिपिटा (चिउड़ा) को यावा कहते हैं, अन्य आचार्य गान्धार देश में प्रसिद्ध संपिष्ट नाम से कहते हैं, large sized flattened rice, the other scholars described as sampishta, famous in Gandhar

यासशर्करा yāsaśarkarā

यासशर्करा दुरालभाक्वाथकृता शर्करा। (चक्र.-च.सू. 27/241), दुरालभा के क्वाथ से बनायी जाने वाली शर्करा को यासशर्करा कहते हैं, sugar like crystals obtained from decoction of Duralabha

युक्ति yukti

युक्तिः योजना भेषजस्य देहदोषाद्यपेक्षया। (चक्र.-च.सू. 2/16), बुद्धि पश्यति या भावान् बहुकारण योगजान्। युक्तिस्त्रिकाला सा ज्ञेया त्रिवर्गः साध्यते यया।। (च.सू. 11/25), एवमनेन भवितव्यमित्येवं रूप ऊहोऽत्र युक्तिशब्देनाभिधीयते। (चक्र.-च.सू. 11/25), युक्तिश्च योजना या तु युज्यते। (च.सू. 26/31), युक्तिश्चेत्यादौ योजना दोषद्यपेक्षया भेषजस्य समीचीन कल्पना, अत एवोक्तं - या तु युज्यते; या कल्पना यौगिकी भवति सा तु युक्तिरुच्यते। (चक्र.-च.सू. 26/31), युक्तिः सम्बन्धोऽविनाभावः इत्यर्थः, तेनाविनाभावजं परोक्षज्ञानमनुमानमित्यर्थः। (चक्र.-च.वि. 4/4), योजना, उचित प्रकार से योजना करना, application of medicines etc. with prior consideration of dosha, dushya etc. techniques

युक्तियुक्त yuktiyukta

युज्यते संबध्यतेऽनयेति युक्तिः, तया युक्ता युक्तियुक्ता। (चक्र.-च.सू. 11/24), युक्त्या प्रशस्तेन योगेन युक्ता युक्तियुक्ताः। (चक्र.-च.सू. 11/35), युज्यते अर्थात् जिससे सम्बन्धित किया जाय, वह युक्ति है, इस युक्ति से जो युक्त हो, उसे 'युक्तियुक्त' कहा जाता है, उचित प्रशस्त योग से युक्त होना अर्थात् उचित प्रयोग करना, appropriate application

युग yuga

पञ्चसंवत्सरात्मकः कालः। (सु.सू. 6/9), पाँच साल के समय को युग कहते हैं, five years period

युगतालक yugatālaka

मान का एक भेद, जो दो तोला के बराबर होता है। (र.त. 6/9), a measurement equal to two tola

युवानपिडका yuvānapiḍakā

यूणामानन पिडिका युवानपिडका। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 55/53), यूणाम अर्थात् युवाओं के आनन अर्थात् मुख पर होने वाली पिड़का, युवानपिड़का कहलाती है, एक क्षुद्ररोग, acne vulgaris (pimples)

यूका yūkā

बहुपादाश्च सूक्ष्माश्च यूका लिक्षाश्च नामतः। (अ.हृ.नि. 44), बाह्यज कृमि, अनेक पैरों वाले सूक्ष्म एवं बालों में रहने वाले यूका (जूं) और लिक्षा जिनके नाम हैं, lice

यूष yūṣa

कल्कद्रव्यपलं शुण्ठी पिप्पली चार्धकार्षिकी, वारिप्रस्थेन विपचेत् स द्रवो यूष उच्यते। (शा.सं.म. 2/154), मुद्गादिक्वाथरस। (श.क.द्रु.), एक पल कल्कद्रव्य (शमीधान्य), अर्ध कर्ष शुण्ठी, पिप्पली एवं एक प्रस्थ जल में बनाया गया द्रव, यूष कहलाता है, soup

योग yoga

1. तेषां कालादीनां योग: सम्बन्ध:। (चक्र.-च.सू. 1/54), काल इत्यादि से सम्बन्ध, relation 2. सर्वेषु मेहेषु मतौ तु पूर्वो कषाययोगौ विहितास्तु सर्वे। मन्थस्य पाने यवभावनायां स्युर्भोजने पानविधौ पृथक् च।। (च.चि. 6/33), अत ऊर्ध्वं भेषजसाहयेष्व दृश्येष्वर्श:सु योगान् यापनार्थ वक्ष्याम:। (सु.चि. 6/13), कषाय आदि औषधियों का समूह, a mixture of drugs

योगक्षेम yogakṣema

योगक्षेम। (च.वि. 3/36), जो आपको चाहिए वह प्राप्त करके उसके ऊपर अपना जीवन निर्वाह करना, the person who gains all he desire, continue his life on same

योगवाहि yogavāhi

यादृग्द्रव्येण संयोज्यन्ते तादृक् कर्म कुर्वन्ति इति योगवाहित्वम्। (ड.-सु.सू. 45/142), जो जिस द्रव्य के साथ मिलकर तदनुरूप कार्य करता है, उसे योगवाही कहते हैं, catalyst, action mimics with the type of dravya with which it mixes

योग्यत्व yogyatva

तत्र प्रतिकर्तव्ये व्याधौ योग्यत्वं तत्र योग्यत्वम्। (चक्र.-च.सू. 9/7), व्याधि के उपचार में (वैद्य) का समर्थ होना 'योग्यत्व' है, having a capacity to treat the diseases

योग्या yogyā

योग्या सम्यक् कर्माभ्यास:। (ड.-सु.सू. 9/1), शल्य कर्म का अभ्यास, practice of experimental surgery

योग्यार्ह yogyārha

एवं प्रकारेषु योग्यार्हेषु, पुष्पफलादिषु। (ड.-सु.सू. 9/5), जिन पुष्प फल आदि पर शस्त्र कर्माभ्यास किया जाए, objects for experimental surgery

योजन yojana

चत्वार: क्रोशा:। (सु.चि. 30/35), चार कोस, around 10 km distance

योनि yoni

1. योनि: कारणम्। (चक्र.-च.चि. 24/6), योनि: आधारकारणम्। (चक्र.-च.सू. 26/9), योनि: अभिव्यक्तिकारणम्। (चक्र.-च.सू. 12/8), अभिव्यक्ति का कारण 'योनि' कहा गया है, कारण, आधारभूत कारण, the cause of manifestation 2. चतुर्विधा योनिरिति जरायुजाण्डजसंस्वेदजोद्भिज्ज लक्षणा। (चक्र.-च.सू. 11/11), प्राणियों की 4 जातियाँ होती हैं, species

38—4 Min. of HRD/2016

योनिव्रणेक्षणयन्त्र yonivraṇekṣaṇayantra

योनीव्रणमीक्षतेऽनेनेति तत् योनिव्रणेक्षणं यन्त्रकम्। (अ.हृ.सू. 25/22), योनि के अंदर के अवयवों का परीक्षण करने में प्रयुक्त यंत्र, colposcope, an instrument used for visualization of inner side of vagina

योनिभ्रंश yonibhraṃśa

योनिबहिर्गमनम्। (ड.-सु.नि. 8/6), योनिभ्रंशो अधोनिर्गम:। (गय.-सु.नि. 8/6), गर्भाशय का योनिमुख से बाहर निकलना, prolapse of uterus

योनिव्यापद yonivyāpada

योनिरोग। (च.चि. 30/7), गर्भाशय और योनि से संबंधित रोग, disorder related to female genital organs

योनिशोष yoniśoṣa

योने: शुष्कता। (च.सि. 2/16), योनि की शुष्कता, dryness of vagina

यौवन youvana

यौवनमितिवृद्धिसम्पूर्णतयोर्मिश्रीभाव:, 'यूनो विकारो यौवनम्' इत्येके। आत्रिंशतो यौवनमिति। (ड.-सु.सू. 35/29), युवावस्था, वृद्धिवर्धन यौवन कहा जाता है, तीसवर्ष तक की अवस्था, yonthfulness, young age, from the age of twenty years up to the age of thirty years

रकसा rakasā

कण्ड्वन्विता या पिडका शरीरे संस्रावहीना रकसोच्यते सा। (सु.नि. 5/15), यह एक कफज क्षुद्रकुष्ठ है, स्रावरहित, खुजलीयुक्त शरीर पर होने वाली फुन्सियां, dry eczema, having itching without any secretion

रक्त rakta

रञ्जितास्तेजसा त्वाप: शरीरस्थेन देहिनाम्। अव्यापन्ना: प्रसन्नेन रक्तमित्यभिधीयते।। (सु.सू. 14/5), मनुष्यों के शरीर में रहने वाले विशुद्ध तेज से लाल हुआ यही जलरूप (रस प्रसाद स्वरूप) अविकृत निर्मल अन्नरस, रक्त कहलाता है, blood

रक्तकोठ raktakoṭha

चत्वारिंशत् पितविकारेषु एक:। (च.सू. 20/14), यह एक पित्त नानात्मज रोग है, जिसमें त्वचा के ऊपर दाद जैसे रक्तवर्ण के चकत्ते पाए जाते हैं, it is one of pitta diseases in which urticarial lesions occur on skin

रक्तक्षय raktakṣaya

रक्तस्य प्रमाणहानि:। (सु.नि. 11/17), शरीर में रक्त का प्रमाण कम होना, deficiency of blood in body

रक्तग्रन्थि raktagranthi

अश्मरीसमशूलं तं रक्तग्रंथिं प्रचक्षते। (च.सि. 9/42), यह एक मूत्राशय से संबंधित रोग है, जिसमें मूत्राशय मुख में गांठ पायी जाती है और उसमें अश्मरी समान वेदना होती है, it is a disease of urinary system in which tumour occurs in the bladder neck, pain resembles with that of renal calculi

रक्तच्छेद raktaccheda
रक्तमोक्षः। (चक्र.-च.सि. 2/9), खून का शरीर से बहना, bleeding from body, blood letting

रक्तपाक raktapāka
पक्वं रक्तम्। (अ.हृ.सू. 29/7), रक्त का पकना, suppuration

रक्तपित्त raktapitta
रक्तयुक्तं पित्तं रक्तपित्तम्, रक्ते दूष्ये पित्तम्, रक्तवत् पित्तं रक्तपित्तम्। (चक्र.-च.नि. 2/5), पित्त का रक्त के साथ मिल जाने से उसका गंध और वर्ण रक्त समान होता है इसमें शरीर के बाहर रक्त निकलता है, bleeding diathesis

रक्तमद raktamada
रक्तमदाद्रक्षन् पुनः सप्ताहं न योजयेत्। (अरु.-अ.हृ.सू. 26/44), जलौका की रक्तमद रोग से रक्षा करने के लिए एक सप्ताह तक पुनः प्रयोग न करें, जलौका को अधिक रक्तपान करने से होने वाला रोग, blood intoxication of leech

रक्तमोक्षण raktamokṣaṇa
रक्तस्राव विधि। (च.सू. 7/15), शरीर से रक्त का निकलना, blood letting

रक्तवाहिनी raktavāhinī
रक्तवाहिन्यश्च यकृतप्लीहनो। (सु.शा. 7/6), रक्त का वहन करने वाली सिराएं, इसका मूल स्थान यकृत् एवं प्लीहा में होता है, blood vessels

रक्तविस्फोट raktavisphoṭa
रक्तजा पिडका। (च.सू. 20/14), पित्त नानात्मज विकार, यह पित्त के चालीस रोगों में से एक है, जिसमे लाल वर्ण के फोड़े निकलते हैं, it is one of pitta doshas, in which reddish blisters formation occur on body

रक्तविस्रावण raktavisrāvaṇa
रक्तमोक्षण। (सु.क. 5/15), दूषित रक्त का स्रावण, bloodletting

रक्तष्ठीवन लोहितं थूत्करणम्। (ड.-सु.नि. 16/20), थूक के साथ रक्त निकलना, haemoptysis

रक्तसार raktasāra
रक्तधातुसारविशेषः। (च.वि. 8/104), स्निग्धताम्रनखनयनतालुजिह्वोष्ठ पाणिपादतलम्। (सु.सू. 35/16), रक्तसार पुरुष वह है जिसमें नख, आँखें, तालु, जीभ, होंठ, हाथ और पैर लाल और चिकने होते हैं, the person having abundance of blood elements

रक्तस्थापन raktasthāpana
रक्तं प्रच्युते रक्षति इति रक्तस्तम्भकम्। (च.चि. 30/87), शरीर से बाहर निकलने वाले रक्त को रोकना, haemostasis

रक्ता raktā
कर्णगत सिरा। (अ.सं.उ. 9), कान के दैवकृत् छिद्र के नीचे की एक रक्तवर्ण सिरा, a reddish vein below daivakrita chhidra of ear

रक्ताक्ष raktākṣa
रक्तनेत्र। (अ.सं.शा. 2/57), लाजा या रक्तवर्ण की आँखें, reddish eyes

रक्तागम raktāgama
रक्तनिर्गमनम् (सु.उ. 41/12), शरीर से रक्त का निकलना, bleeding

रक्तातिसार raktātisāra
सरक्तपुरीष अतिविसर्ग लक्षणः। (च.चि. 19/70), रक्त के साथ अतिसार प्रवृत्ति, diarrhea with bleeding

रक्तानुगत raktānugata
दुष्टरक्तसंबद्धम्। (ड.-सु.चि. 3/23), दूषित रक्त से संबद्ध, related to impure blood

रक्तान्तनेत्र raktāntanetra
नेत्रस्य प्रान्तभागो रक्तवर्णो यस्य सः। (सु.शा. 4/74), नेत्र के प्रान्तभाग (अपांग के समीप में शुक्ल भाग) की रक्तवर्णता, redness of lateral part of bulbar conjunctiva

रक्ताशय raktāśaya
आशयविशेषः शोणितस्थानभूतो यकृतप्लीहानौ। (सु.शा. 5/8), यह रक्त का आशय है, इसका स्थान यकृत प्लीहान्तर्गत माना गया है, seat of raktadhatu

रक्षोघ्न rakṣoghna
रक्षोघ्नानि राक्षसघ्नानि वचादीनि। (ड.-सु.सू. 5/17), अन्तरिक्ष में घूमने वाले रोगोत्पादक हिंसक जन्तुओं, राक्षस आदि को धूपन आदि कर्मों से नष्ट करने को रक्षोघ्न कहते हैं, microbicidal measures, disinfection

रज raja
1. चूर्ण पर्याय। (शा.सं.म. 6/1), रज, चूर्ण का पर्याय है, synonym of churna
2. स्त्रिया आर्तवम्। (च.शा. 4/7), मासिक स्राव, आर्तव, menstrual flow

रजःक्षय rajaḥkṣaya
रजःप्रवृत्त्यन्तः। (चक्र.-च.शा. 2/3), मासिक स्राव कम होना, oligomenorrhoea

रजकी rajakī
रंगरेज, a female dyer

रजत rajata
रौप्यम्। (च.चि. 1/58), चांदी, silver

रजनी rajanī
हरिद्रा। (सु.चि. 28/3), हल्दी, turmeric

रजनीचर rajanīcara
निशाचर। (च.शा. 2/10), रात में घूमनेवाले, night wanderer

रजोदोष rajodoṣa
आर्तवदोषः। (च.चि. 30/95), मासिकस्राव संबंधी रोग, abnormality in menstrual flow

रजोनाश rajonāśa
स्त्रीणां पुष्पनाशः। (हे.-अ.हृ.सू. 19/3), मासिकस्राव बंद होना, menopause

रजोमार्ग rajomārga

योनिमार्ग। (अ.सं.उ. 38/51), योनिपथ, vagina

रज्जु rajju

मुञ्जबल्वजादिवलितः। (ड.-सु.सू. 18/16), मुंज, छाल आदि से बनी हुई व्रण बन्धन मे प्रयुक्त होने वाली डोर, thread prepared by munja, bark of the plant which is used for wound management

रञ्जन rañjana

सुसिद्धबीजधात्वादि जारणेन रसस्य हि। पीतादिरागजननं रञ्जनं परिकीर्तितम्। (रसे.चूडा. 4/104), विशिष्ट विधि से संस्कृत बीज, धातु आदि को पारे में जारित कर उसमें पीला या अन्य किसी रंग को बना देने की क्रिया को रंजन संस्कार कहते हैं, the process of digesting mercury with purified beeja, metals etc; and thereby changing the colour into yellow etc

रत rata

तत्परः, मग्नः। (सु.चि. 37/62), एक जगह पर ध्यान लगाया हुआ, absorbed

रतिकाम ratikāma

काम्यमर्थमिच्छति स रतिकामः। (चक्र.-च.चि. 9/23), शारीरिक सम्बन्ध, मैथुन की इच्छा रखने वाला, those who is intended for sexual act

रत्न ratna

माणिक्यमरकतादीनि। (ड.-सु.चि. 24/65), मणि, रत्न, gem, precious stone

रथक rathaka

त्रिचक्रयुक्तो बालरथः स च बालानां गमनाभ्यासोपयोगी। (का.चि.फक्कचि. 8), तीन पहिए वाली छोटे बच्चों को चलने के लिए प्रयुक्त होने वाली गाड़ी, small vehicle with three wheels used by small children for walking

रदन radana

दन्त। (अ.सं.शा 11/1), दांत, teeth

रदित radita

विलिखितमनवगाढम्। (ड.-सु.क. 4/17), सर्पदंश भेद, साँप से काटा हुआ लेकिन जो ज्यादा गंभीर नहीं है ऐसा दंश, snake bite which is not deep but just superficial

रस rasa

1. रस्यत आस्वाद्यत इति रसः। (चक्र.-च.सू. 1/64), रसनार्थो रसः। (च.सू. 1/64), रसनेद्रिय से जिस स्वाद का ज्ञान होता है, उसे रस कहते हैं, taste 2. रसो रक्तो विनिर्मुक्तः सर्वदोषै रसायनः। सञ्जाता स्त्रिदशास्तने नीरुजा निर्जरामराः।। (र.र.स. 1/68), पारद भेद, रस नामक पारद लाल वर्ण तथा सभी यौगिक, औपाधिक, नैसर्गिक दोषों से रहित एवं रसायन है, a kind of mercury, red in colour, free from all kinds of blemishes

रसकर्पूरद्रव rasakarpūradrava

भूतदनचक्रिकामेकां शततोलकसंमिते। जलेक्षिपेद् विद्रुतायां द्रवं तु विनियोजयेत्।। रसकर्पूरमानात्तु द्विसहसगुणाम्भसा। द्रवो यमेवं निर्दिष्टो यथा योगं प्रयोजयेत्।।

(र.त. 6/66-67), शुद्ध रसकर्पूर 73 भाग एवं निम्बूरस 38 भाग को मिलाकर पीसा जाता है और फिर चक्रिका का निर्माण किया जाता है जिसका भार 6 रत्ती होता है। इस चक्रिका को सुखाकर 100 तोला शुद्ध जल में घोला जाता है। इस से प्राप्त द्रव को रस कर्पूर द्रव कहते हैं, triturate 73 parts rasakarpura and 38 parts lime juice and make pellets of 6 rati each, these pellets are dried and few dissolved in 100 tola pure water, this liquid is called rasakarpura drava

रसकुसुम rasakusuma

रसपुष्प का पर्याय। (र.त. 6/20), synonym of rasapushpa

रसक्रिया rasakriyā

क्वाथादिनां पुनःपाकात घनत्वं सा रसक्रियाः। (शा.सं.म. 8/1), क्वाथ स्वरस आदि जलप्रभूत कल्पना के पुनः पाक द्वारा प्राप्त औषध का ठोस स्वरूप, confection

रसगुणबलीजारण rasaguṇabalījāraṇa

छः गुना गंधक जारित पारद। (आ.प्र. 1/114, रसे.चिंता 2/25), six time sulpher digested mercury

रसन rasana

रसत्यास्वादयत्यनेनेति रसनम्। (चक्र.-च.सू. 8/8), जिसके द्वारा रस का ग्रहण होता है वह रसनेन्द्रिय है, through which taste is perceived

रसनेन्द्रिय rasanendriya

जिह्वा। (सु.शा. 1/19), जीभ, tongue

रसपङ्क rasapaṅka

सद्रवा मर्दिता सैव रसपङ्कः इति स्मृता। (रसे.चूडा. 4/7), विशेष प्रकार से गन्धकादि धातुओं के साथ पारे को द्रवपदार्थ के साथ मर्दन कर जो कज्जली बनायी जाती है, उसे रसपंक कहते हैं, the kajjali prepared by triturating mercury with sulpher and other prescribed liquids

रसबन्ध rasabandha

विशेष संस्कार से प्राप्त पारद के ठोस/यौगिक रूप को रसबंध कहते हैं। (र.र.स. 11/60), solid compound form of mercury obtained after specific process

रसवर rasavara

शुद्धपारद या श्रेष्ठपारद। (र.त. 6/29), purified mercury

रसविकल्पज्ञ rasavikalpajña

रसदोषविकल्पज्ञानात्तु भेषजज्ञानं, यतो रसतः स्वरूपज्ञानं भेषजद्रव्यस्य, दोषतश्च भेषजप्रयोगविषयविज्ञानम्। (चक्र.-च.सू. 26/27), वह चिकित्सक जो रसानुसार द्रव्यों के स्वरूप का ज्ञाता है एवं दोषानुसार औषधद्रव्यों के प्रयोग का ज्ञाता हो, वह रसविकल्पज्ञ है, one who knows subtle analysis of rasa

रसशेषाजीर्ण rasaśeṣājīrṇa

अजीर्णभेद। (अ.ह.सू. 8/29), उद्गारशुद्धावपि भक्तकांक्षा न जायते, हृद्गुरुता च यस्य। रसावशेषेण तु सप्रसेकं चतुर्थमेतत् प्रवदन्त्यजीर्णम्। (सु.सू. 46/503), यह एक अजीर्ण का भेद है। इसमें शुद्ध उद्गार आने पर भी खाने की इच्छा नहीं

होती, उर:प्रदेश में भारीपन रहता है और मुँह से पानी निकलता है, a type of indigestion

रससंयोगसंग्रह rasasaṃyogasaṃgraha

रसे स्नेहार्थोक्तरस उचित: संयोगो येषां ते रससंयोगा:, तेषां संग्रहणं संग्रह:। (चक्र.-च.सू. 13/84), स्नेहार्थ वर्णित रसों का उचित संयोग 'रससंयोग' है, उनका संग्रह 'रससंयोग संग्रह' है, proper combination of sneha and rasa described for snehana is rasa samyoga and there collection is rasasamyoga samgraha

रससंवहन rasasaṃvahana

संवहनं प्रेरणम्। (ड.-सु.नि. 1/17), शरीर में रस का संवहन, circulation of rasa in body

रसाञ्जन rasāñjana

दारुहरिद्रा क्वाथकृतमञ्जनम्। (ध.नि. 7/61), दारुहलदी के क्वाथ से बनाया हुआ अंजन, collyrium prepared by decoction of Indian berberry

रसायन rasāyana

यदाधिव्याधि विध्वंसि वयस: स्थापकन्तथा। मेध्यं वृष्यं तथा नैयं भैषज्यं तद्रसायनम्।। (र.त. 7/75), जो औषधि शारीरिक व मानसिक रोगों को नष्ट करें, जो जरा को रोक दें, जो मेध्य वृष्य व चक्षुष्य हो, उसको रसायन कहते हैं, any drug beneficial for healthy wellbeing and enhances longevity and delays the process of ageing

रसाला rasālā

सचतुर्जातकाजाजि ससितार्द्रकनागरम्। रसाला स्याच्छिखरिणी संघृष्टं ससरं दधि इति। (चक्र.-च.सू. 27/278), मलाई युक्त दही को वस्त्र में मसलकर छान लेते हैं और उसमें चतुर्जातक, जीरा, मिश्री, आर्द्रक एवं शुष्ठी का चूर्ण मिला देते हैं, इस प्रकार बनाये गये भक्ष्य पदार्थ को रसाला या शिखरणी नाम से जानते हैं, a dish prepared after mixing chaturjataka, cumin, sugar, wet & dry ginger in cloth strained curd

रसेन्द्र rasendra

रसेन्द्रो दोषनिर्मुक्त: श्यावोरूक्षोऽतिचञ्चल:। रसायिनोऽभवस्तेन नागामृत्युजरोज्झिता:।। (र.र.स. 1/69), रसेन्द्र नामक पारा नाग-वंगादि यौगिक नैसर्गिक, औपाधिक सभी दोषों से रहित, श्यावर्ण, रूक्ष तथा अत्यधिक चञ्चल होता है, a kind of mercury said to be free from the blemishes, greyish-black in colour, rough and very quick

रसोन rasona

लशुन। (च.चि. 30/4), लहसुन, garlic

रसौदन rasaudana

मांसरससिद्ध ओदन। (च.चि. 19/25), मांसरस के साथ पकाया हुआ चावल, rice prepared with meat soup

राक्षसमुख पारद rākṣasamukha pārada

दिव्य वनस्पतियों के योग से संस्कारित, खुली मुख वाली मूषा में रखा पारद जो सभी धातुओं तथा अन्य सभी पदार्थों को खा जाने में समर्थ हो जाता है, उसे

राक्षसमुख पारद कहते हैं, mercury associated with divine drugs subjected to strong heat in an open furnace may consume all types of metals etc is known as rakshasmukh parada

रागषाडव rāgaṣāḍava

क्वथितं तु गुडोपेतं सहकारफलं नवम्। तैलनागरसंयुक्तं विज्ञेयो रागषाडव:। किंवा सितारुचकसिन्धूत्थै: सवृक्षाम्लपरूषकै:। जम्बूफलरसैर्युक्तो रागो राजिकायाऽन्वित:। षाडवस्तु मधुराम्लद्रव्यकृत:। (चक्र.-च.सू. 27/281), कच्चे आम के फल को गुड़ के साथ उबालकर तैल, सौंठ मिलाकर निर्मित पानक को रागषाडव कहते हैं, कुछ विद्वान राग और षाडव को अलग अलग मानते हैं। मिश्री, सैन्धव लवण, वृक्षाम्ल, परूषक (फालसा) इन सभी को जामुन के रस के साथ राई मिलाकर जो पानक बनाया जाता है, उसे राग कहते हैं तथा षाडव मधुर, अम्लद्रव्यों से बनाया जाता है, pickles, a gruel/drink prepared by boiling the juice of unriped mango along with jaggery and mixing oil and dry ginger in it

राजदन्त rājadanta

तत्र मध्ये द्वावुत्तरौ राजदन्त संज्ञौ भवत:। (का.सं.सू. 20/4), ऊपर की पंक्ति में बीच के दो दांतों का नाम राजदन्त होता है, central incisors

राजमात्र rājamātra

राज्ञ इव मात्रा परिच्छदो यस्य स राजमात्र:। (चक्र.-च.सू. 15/3), राजा के समान अर्थात मंत्री, उच्च अधिकारी आदि, minister, administrator etc

राजयक्ष्मा rājayakṣmā

यस्मात् स राज्ञ: प्रागासीद्राजयक्ष्मा ततो मत:। (च.चि. 8/11), राजयक्ष्मा, क्षयरोग, tuberculosis

राजहस्त rājahasta

यह एक प्रकार का लंबाई मापदंड है। इसका समतुल्य 22 इंच या 55.28 से.मी. है। (र.र.स.1/3), measurement of length, equivalent to 22 inch or 55.88 cm

राजिका rājikā

ताभि: षड्भिस्तु राजिका। (शा.सं.पू. 1/18), छ: मरीचियों की एक राजिका होती है, a weight measurement, six maricis constitute one rajika

राम rāma

हिमालये महामृग:। (चक्र.-च.सू. 27/45), हिमालय में पाया जाने वाला महामृग, a deer found in Himalaya

राशि rāśi

राशि: मेलक:, आत्मेंद्रियमनोऽर्थसमुदाय इत्यर्थ:। (चक्र.-च.सू. 25/4), राशि को मिलित स्वरूप वाला कहा जाता है अथवा आत्मा, इंद्रिय, मन और अर्थ का समुदाय राशि है, combination, conjunction of soul, senses, mind & sensorial perception

रिक्तकोष्ठ riktakoṣṭha

खाली पेट, empty bowel

रुचि
ruci
मुखोपनीतस्याहारस्य रसनेन्द्रियस्येच्छा रुचिः। (ड.-सु.उ. 39/104), अभिलाषः। (अरु.-अ.हृ.सू. 4/29), मुख में ग्रहण किये आहारद्रव्य का जिह्वा द्वारा स्वाद लेने की इच्छा का उत्पन्न होना रुचि है, relish

रुद्रभाग
rudrabhāga
भैषज्यकीणित द्रव्यमात्रात्येकादशौ हि यः! वणिज्यो गृह्यते वैद्यरुद्रभागः स उच्यते। (र.र.स. 8/3), (रसे.चूडा. 4/3), औषधनिर्माण के लिए खरीदी औषधियों में से ग्यारहवाँ भाग व्यापारियों से वैद्य लेते है वह रुद्रभाग कहा जाता है, eleventh part of the purchased raw drug retained by physician

रुधिरस्पृह
rudhiraspṛha
रक्ताभिलाषा, रुधिराकांक्षा, पाण्डुरोगलक्षण, desire for blood

रुरु
ruru
बहुश्रृङ्गो हरिणः। (चक्र.-च.सू. 27/39), अनेक सींगयुक्त हरिण, बारहसिंगा हिरन, a deer

रूक्षविरेचन
rūkṣavirecana
रूक्षगुण अधिकतावाले द्रव्यों से विरेचन कराना, purgation with drugs dominant of ruksa guna

रूप
rūpa
रूपमिह लावण्यं विवक्षितं, यत्पर्यायः सौन्दर्यम्। (ड.-सु.सू. 5/27), सौन्दर्य, सुन्दरता, लावण्य, beauty, fair women, handsome men

रेखापूर्णत्व
rekhāpūrṇatva
अंगुष्ठतर्जनीसृष्टं यत्तद्रेखान्तरे विशेत्। मृतलोहं तदुद्दिष्टं रेखापूर्णाभिधानतः।। (र.र.स. 8/28), किसी भी भस्म को अंगुष्ठ तथा तर्जनी के बीच में लेकर रगड़ने से यदि वह भस्म उन दोनों की रेखाओं में प्रविष्ट हो जाए, तब उसे रेखापूर्णत्व कहते हैं, when calcinated metals are rubbed in between thumb and index fingers, if the fine particles enter in to the creases of the finger, such property is called rekhapurnatva

रेचन
recana
विपक्वं यदपक्वं वा मलादि द्रवता नयेत् रेचयत्यपि तज्ज्ञेयं रेचनं त्रिवृता यथा। (शा.सं.प्र. 4/6), पक्व या अपक्व मल को द्रव करके बाहर निकालना रेचन है जैसे त्रिवृत्, elemination of faeces whether digested or undigested in form of liquid, purgation

रेच्या
recyā
विरेचन के योग्य, where virechana is indicated

रेवती
revatī
लम्बा कराला विनता तथैव बहुपुत्रिका। रेवती शुष्कनामा या सा ते देवी प्रसीदतु॥ (सु.उ. 31/11), शूलपाणी द्वारा उत्पन्न स्त्रीसंज्ञक ग्रह जो बच्चों में रेवती ग्रह के लक्षणों को उत्पन्न करता है, a graha evolved by shoolpani which afflicts infants

रोग
roga
रुजन्तीति रोगाः। (चक्र.-च.सू. 1/6), जो शरीर को पीड़ित करे, कष्ट पहुँचाये, उसे रोग कहते हैं, that which causes pain, is called disease

रोगर्तुव्याधितापेक्ष
rogartuvyādhitāpekṣa
रोगमृतुं व्याधितं च बलवत्त्वादिनाऽपेक्षत इति रोगर्तुव्याधितापेक्षः। रोग, ऋतु एवं रोगी के बल-अबल का विचार करना 'रोगर्तुव्याधितापेक्ष है, due consideration of strength of disease, season and the patient

रोधन
rodhana
जलसैन्धवयुक्तस्य रसस्य दिवसत्रयम्। स्थितिरास्थापनी कुम्भे याऽसौ रोधनमुच्यते।। (रसे.चूडा. 4/88), मृत्तिका के पात्र में जल तथा सेन्धानमक का घोल बनाकर उसमें पारद को कपड़े की पोटली में बांधकर तीन दिन तक रख लें, इसके बाद इसको निकाल लें, इसे रोधन संस्कार कहते हैं, when the mercury is kept within an earthen pot containing saturated saline solution for three days, which induces potentiation (apyayana) is known as rodhana

रोमान्तिका
romāntikā
पिडकाज्वरादि युक्तो रोगः। (च.चि. 12/92), यह एक व्याधि है जिसमें ज्वर के साथ छोटी छोटी फुन्सियाँ पूरे शरीर में पायी जाती हैं, fever along with rash and itching, measles

रोष
roṣa
कोपः क्रोधः। (च.शा. 5/5), गुस्सा, anger

रोहिणी
rohiṇī
गलोपसंरोधकरैस्तथाऽङ्कुरैर्निहन्त्यसून् व्याधिरयं तु रोहिणी। (ड.-सु.नि. 16/47), यह एक कण्ठ की व्याधि है जिसमें गले का अवरोध होता है, a type of throat disease which causes obstruction of throat, it resembles with diphtheria

रौद्र
roudra
रौद्रं अद्भुतकारणात्मकं भयजनकम्। (चक्र.-च.सू. 11/37), आश्चर्य एवं भय को उत्पन्न करने वाला 'रौद्र' कहा गया है, fierce, which is strange and frightening

लक्षण
lakṣaṇa
1. आयुर्वेद पर्याय। (च.सू. 30/31), आयुर्वेद शास्त्र, synonym of Ayurveda 2. ज्ञापकहेतवः। (ड.-सु.सू. 3/14), लक्ष्यते अनेनेति लक्षणं ज्ञापको हेतुरिति। (गय.-सु.नि. 9/6), रूप। (च.नि. 1/9), लक्ष्यते ज्ञायते पुमाननेनेति लक्षणम्। (ड.-सु.शा. 5/41), रोगज्ञापक हेतु, symptom 3. लिङ्गं शिश्नं इति यावत्। (ड.-सु.शा. 5/41), शिश्न, penis

लक्ष्य
lakṣya
लक्ष्यं ज्ञेयम्। (च.इ. 7/6), जिसके बारे में ज्ञान प्राप्त करना है, about which knowedge is to be taken

लक्ष्यनिमित्त
lakṣyanimitta
लक्ष्यं ज्ञेयं, तस्य निमित्तं हेतुः। (च.इ. 7/6), जिसकी जानकारी लेनी है, उसका कारण, reason about which knowledge is to be taken

लगण lagaṇa

अपाकः कठिनः स्थूलो ग्रन्थिर्वर्त्मभवोऽरुजः। सकण्डूः पिच्छिलः कोलप्रमाणो लगणस्तु सः।। (सु.उ. 3/27), नेत्रवर्त्मगतरोग, वर्त्म प्रदेश में बेर के समान ग्रन्थि जो पाकरहित, कठिन, स्थूल पीड़ा रहित, कण्डूयुक्त एवं पिच्छिल होती है, chalazion

लघु laghu

गुरुस्तद्विपर्ययो लघुः। (अरु.-अ.ह.सू. 1/18), लङ्घने लघुः। (हे.-अ.ह.सू. 1/18), लेखनरोपणस्तथाः। (सु.सू. 46/519), बीस गुणों में एक, यह लंघन, लेखन एवं रोपण करता है, lightness

लघुकाय laghukāya

संजातदेहलाघव। शरीर में लघुता उत्पन्न होना, becomes light body

लघुकोष्ठ laghukoṣṭha

उदरगौरवरहितः। (ड.-सु.उ. 40/162), उदर में लघुता होना, lightness of abdomen

लघुपाक laghupāka

यत् अनायासेन पच्यते तद्। (च.सि. 6/15), जो आसानी से पच जाता है, which is digested easily

लघुवर्धनक laghuvardhanaka

लघुवर्धनकमिति दोषविशेषादपामार्गनिम्बकार्पासादीनां काष्ठानामन्यतमस्य, अथवा सीसकादिघटितं धत्तूरपुष्पाकृतिं कुर्यात्। (ड.-सु.सू. 16/8), कर्णबन्धनोपरांत जो कर्णछेद छोटा है उसको बड़ा करने के लिए दोषो के अनुरूप निम्बादि वनस्पतियों के काष्ठ का प्रयोग करके बड़े करने के उपक्रम को लघुवर्धनक कहते हैं, the procedure of gradually increasing the hole of the earlobe after the ear piercing ceremony

लघुहस्त laghuhasta

लघुहस्त इति छेद्यादिक्रियासु वेपनादिदोषरहितः। (ड.-सु.सू. 34/20), शस्त्रकर्म करते समय हाथ कांपना आदि दोष रहित, जो आसानी से शस्त्रकर्म करता है, light handed, the person who can do operative procedure with easiness without any tremor

लघूष्णीष laghūṣṇīṣa

लघूष्णीषं अल्पतनुकृतं शिरोवेष्टनम्। (ड.-सु.चि. 24/89), सिर पर बांधने के लिए प्रयुक्त पतला वस्त्र, light head turban

लघ्वन्न laghvanna

लघ्विति मात्रालघु प्रकृतिलघु च रक्तशालयादिकम्। हलका आहार, जो पचने में हलका हो और कम मात्रा में हो, light diet

लङ्घन laṅghana

यत् किंचित् लाघवकरं देहे तत् लङ्घनं स्मृतम्। (च.सू. 22/9), देहस्य यत्लाघवाय कल्पते तत् लङ्घनम्। (इन्दु.-अ.सं.सू. 24/3), लङ्घनं तदुच्यते यद्देहस्य लाघवाय-लाघवोत्पादनाय, भवति। (अरु.-अ.ह.सू. 14/2), जो शरीर में

लघुता उत्पन्न करता है, उस उपक्रम को लङ्घन कहते हैं, process that produces lightness in the body

लज्जा lajjā

संकोचवृत्तिः। (च.वि. 3/7), शरमाना, shyness

लट्षक laṭūṣaka

लट्टाभेदः। (चक्र.-च.सू. 27/51), देखें लट्टा।

लट्टषक laṭṭaṣaka

लट्टाभेदः। (चक्र.-च.सू. 27/51), लट्टा एक पक्षी, a vareity of latta bird

लट्टा laṭṭā

फेञ्चाको रक्तपुच्छाधोभागः। (चक्र.-च.सू. 27/51), फैंचाक, ऐसा पक्षी है जिसकी पूंछ के नीचे का भाग रक्तवर्ण का होता है, a bird with tail having red colour on the ventral side

लट्वाक laṭvāka

गुग्गुलुशाकम्। (अरु.-अ.ह.सू. 6/93), गुग्गुल के पत्त और फूल की सब्जी, vegetable prepared from leaves and flower of guggulu

लद्दि laddi

मृदसिरभागः शणलद्दिभागौ भागश्च निर्दग्धतुषोपलादेन किट्टार्ध भागपरिखराड्य वज्रमूषां विदध्यात खलु सत्वपाते। (र.र.स. 10/9), अश्वपुरीष, horse dung

लप्सिका lapsikā

समितां सर्पिषा भ्रष्टां शर्करां पयसि क्षिपेत्। तस्मिन् घनीकृते न्यसेल्लवंगमरिचादिकं लप्सिका ख्याता। (भा.प्र.कृतान्नवर्ग), सूजी को घी के साथ भून के उसमें चीनी और दूध डालकर पकावें, जब वह गाढ़ा हो जाए तब उसमें लौंग, मरिच आदि डालकर उतार लें, इसी को लप्सिका या लप्सी कहते हैं, after roasting wheat meal or sooji with ghee, suger and milk is added, boil it for some time, then add clove, black pepper, when it gets thickened, it is called lapsi

लब्धगर्भा labdhagarbhā

स्थितगर्भा। (ड.-सु.शा. 2/32), जिस स्त्री ने गर्भ धारण कर लिया हो, गर्भिणी स्त्री, pregnant lady

लब्धदौहृदा labdhadauhṛdā

प्राप्तदौहृदा। (सु.शा. 3/18), गर्भिणी स्त्री जिसकी इच्छाओं की पूर्ति हो चुकी है, fulfillment of longings of a pregnant lady

लब्धपाक labdhapāka

पक्वम्। (अरु.-अ.ह.सू. 5/54), पचा हुआ, digested

लम्ब lamba

लम्बमान। (सु.चि. 7/31), लटका हुआ, hanging

लम्बन lambana

स्वस्थानात् अधोगमनम्। (अ.ह.सू. 11/11), अपने स्थान से नीचे गया हुआ, लटका हुआ, displacement from original space

लम्बशीर्ष lambaśirṣa

लम्बमान मस्तक। (सु.चि. 7/31), सिर का लटक जाना, dropping of head

लम्बा lambā

1. देखें. रेवती, रेवती ग्रह का एक नाम, a synonym of revati graha 2. लम्बा तिक्तालाबु (ड.-सु.उ. 34/6), कड़वी तोरई, bitter gourd

लम्बितार्पित lambitārpita

अर्पितसकलदंष्ट्राप्राप्तलक्षणम्। (चक्र.-च.चि. 23/135), सभी दांतों से काटने के उपरान्त पाया जाने वाला चिह्न, mark obtained due to bite of all teeth

ललाट lalāṭa

कपाल। (च.वि. 8/105), तत्र प्राशस्थं वलिनं सुश्लिष्टसन्ध्यर्धचन्द्राकृति ललाटमिष्टम्। (अ.सं.शा. 8), शिर का एक प्रत्यंग है, जिसमें रेखाएँ, सुगठित संधि और अर्धचन्द्राकृति हो, वह प्रशस्त होता है, माथा, forehead

ललाटभेद lalāṭabheda

ललाटस्य भेदः, ललाटे भेदनवत्पीड़ा, अशीतिर्वातविकारेषु एकः। (च.सू. 20/11), ललाट/माथे में फटने जैसी पीड़ा होना, यह अस्सी वातव्याधियों में एक है, feeling of bursting pain in the forehead

ललाटलेप lalāṭalepa

उपक्रमः, ललाटप्रदेशे कृत आलेपः। (च.चि. 23/75), औषधियों को पीस कर ललाट/माथा में लेपन करना, application of medicated paste on the forehead

ललाट्या lalāṭyā

ललाटेभवा ललाट्याः। (हे.-अ.ह.सू. 27/9), माथे के संबंध में, related to forehead

ललित lalita

श्रृङ्गारचेष्टायुक्तम्। (ड.-सु.शा. 3/23), शौकीन/रंगीला आदमी, romantic person

लवण lavaṇa

नमक। (च.सू. 1/70), नमक, salt

लवणत्रय lavaṇatraya

सिन्धुजं रुचकं पाक्यमेतत् त्रिलवणं स्मृतम्, प्रकीर्तितञ्च लवणत्रिक वा 'लवणत्रयम्'। (र.त. 2/4), सैन्धव, सौवर्चल और विड़ लवण को त्रिलवण, लवणत्रिक या लवणत्रय नाम से कहा जाता है, trisalts

लवणनित्या lavaṇanityā

नित्यं लवणरससेवी। (च.शा. 8/21), प्रतिदिन नमकीन भोजन सेवन करने वाला, the person who consumes excessive salt

लवणपञ्चक lavaṇapañcaka

सैन्धवञ्चथ सामुद्रं विडं सौवर्चलं तथा रोमकञ्चेति विज्ञेयं बुधैर्लवणपञ्चकम्। (र.त. 2/3), सैन्धवलवण, सामुद्रलवण, विड़नमक, सौवर्चल एवं रोमक लवण इन सबको लवणपञ्चक कहा जाता है, five types of salts, pentasalts

लवणप्रियता lavaṇapriyatā

लवणरसभूयिष्ठ पदार्थाभिलाषः। (च.नि. 1/33), ज्वर का एक पूर्वरूप जिसमें नमकीन पदार्थ खाने की इच्छा होती है, desire to eat salty foods

लवणभेद lavanabheda

1. औद्भिदं उत्कारिकालवणम्। (चक्र.-च.सू. 27/303), उत्कारिका (रेह) लवण को औद्भिद कहा जाता है, utkarika salt which is found in northen parts of the country is also known as earth salt 2. काललवणं सौवर्चलमेवागन्धम्। (चक्र.-च.सू. 27/303), काला नमक सौवर्चल लवण के समान ही होता है, परन्तु उसमें गन्ध नहीं होती है, black salt, similar to sauvarchala, except odour 3. दक्षिणसमुद्रसमीपे भवतीति सामुद्रं करकचम्। (चक्र.-च.सू. 27/30), दक्षिण समुद्र (हिन्द महासागर) के समीप में होने वाले लवण को सामुद्र लवण या करकच कहा जाता है, salt which is found near the southern sea is known as sea salt or karkaca 4. पांशुजं पूर्वसमुद्रजम्। (चक्र.-च.सू. 27/304), पूर्व के समुद्र (बंगाल की खाडी) में उत्पन्न लवण पांशुज कहलाता है, salt which is found near the eastern sea (Bay of Bengal) is known as panshuja

लवणमेह lavaṇameha

विशदं लवणतुल्यं लवणमेही। (सु.नि. 6/10), लवणतुल्यं लवणाम्बुतुल्यम्। (ड.-सु.नि. 6/10), यह कफजमेह का एक भेद है, लवणमेह ग्रस्त व्यक्ति स्वच्छ तथा नमक के घोल के समान मूत्र त्यागता है, a type of kaphaja meha wherein patient micturates clear and salty type of urine, salturia

लवणयन्त्र lavaṇayantra

बालुकायन्त्रं तद्यन्त्रं लवणाश्रयम्। एवं लवणनिक्षेपात्प्रोक्तं लवणयन्त्रकम्। (र.र.स. 9/37), बालुका यन्त्र के समान, बालुका यन्त्र में यदि बालू के स्थान पर लवण भरा जाये तो इसे लवणयन्त्र कहते हैं, a variant of baluka yantra, where salt is used in place of sand

लवणरस lavaṇarasa

जलतेजसोर्लवणः। लवणो मुखं विष्यन्दति, कण्ठकपोल विदहत्यन्नं प्ररोचयति। (अ.सं.सू. 18/4-5), जल और अग्नि की अधिकता से लवण रस उत्पन्न होता है, यह मुख में स्राव, कण्ठ और कपोल में जलन तथा अन्न में रुचि उत्पन्न करता है, lavana rasa is due to excess of water and agni, lavana rasa moistens mouth, causes burning sensation in throat and oral cavity and is relishing for food

लवणसात्म्यता lavaṇasātmyatā

ये ह्यतिलवणसात्म्याः पुरुषास्तेषामपि खालित्यपालित्यानि वलयश्चाकाले भवन्ति। (च.वि. 1/18), अति लवण जिनको सात्म्य है, ऐसे पुरुषों में भी समय से पूर्व बालों का गिरना, बालों का पकना एवं शरीर में झुर्रियों का आना पाया जाता है, even those people who have become tolerant to exessive use of salt get premature baldness, grey hair and wrinkles on body

लवणाम्बु lavaṇāmbu

लवणयुक्तेनाम्बुना। (हे.-अ.ह.सू. 28/42), नमकीन पानी, saline water

लवणास्यता lavaṇāsyatā

मुखे लवणास्यता। (अ.ह.सू. 27/3), मुँह में नमकीन स्वाद आना, salty taste in mouth

लवणोत्तम lavaṇottama

लवणोत्तमं सैन्धवम्। (इन्दु.-अ.सं.उ. 43/41), (ड.-सु.उ. 57/7), सैंधानमक, rock salt

लशुन laśuna

लहसुन। (च.सू. 2/5), garlic

लसिका lasikā

कुशशस्त्रादिविक्षते प्रथमं या दृश्यते जललवाकृतिः। (अरु.-अ.हृ.सू. 30/45), जलसदृशी। (अरु.-अ.हृ.सू. 12/2), स्याद्रसमलो जलप्रायस्त्वगाश्रयः। (हे.-अ.हृ.सू. 12/2), कुश, शस्त्र आदि से आघात होने पर व्रण से सबसे पहले जल सदृश जो स्राव होता है, उसे लसिका कहते है, लसिका जल सदृश होती है, त्वकाश्रित जल सदृश, lymphatic fluid, initial watery discharge from the superficial wound

लसीका lasīkā

लसीका उदकस्य पिच्छाभागः। (चक्र.-च.सू. 20/8), शरीर के जलीयांश का पिच्छा भाग (चिपचिपा भाग) 'लसीका' कहा जाता है, slimy portion of body fluid (lymph)

लाक्षा lākṣā

लाख। (सु.सू. 39/6), (सु.सू. 38/64), lac

लाक्षारस lākṣārasa

षडगुणेनाम्भसा लाक्षां दोलायन्त्रे विपाचयेत् त्रिसप्ता परिस्रव्या लाक्षारसमं विदु। (द्र.गु.वि. 2/69), 1 भाग लाक्षा और 6 भाग जल को दोलायन्त्र विधि से तब तक उबाला जाय, जब तक जल चतुर्थांश रह जाए और फिर उसका 21 बार कपड़ छान किया जाए तो उसके पश्चात् जो जल प्राप्त होता है उसे लाक्षा रस कहते हैं, laksharasa is a water extract obtained by boiling 1 part of lac with six parts of water in a dola yantra reducing it to ¼ and then by filtering 21 times

लाघरक lāgharaka

ज्वराङ्गमर्दभ्रमसादतन्द्राक्षयान्वितो लाघर(व)कोऽलसाख्यः। (सु.उ. 44/12), लाघरकः कथ्यते अलसकश्च कथ्यत इत्यर्थः। (ड.-सु.उ. 44/12), (कामला के रोगियो में) ज्वर, अंगमर्द, भ्रम, साद, तन्द्रा और शारीरिक बल तथा मांसादि धातुओं का क्षय होना, लाघरक ही अलसक है, body fatigue

लाघव lāghava

1. लघुता (च.सू. 16/5), हल्कापन, lightness 2. लाघवं शीघ्रक्रियता। (चक्र.-च.सि. 3/19), चपलता, swift action

लाघवक lāghavaka

देखें. लाघरक। (सु.उ. 44/12)

लाङ्गलक lāṅgalaka

लाङ्गलं हलमुच्यते। (ड.-सु.चि. 8/10), हल के समान, शस्त्रकर्म के दौरान हल के समान या 'T' के समान जो छेद किया जाता है, वह लाङ्गलक छेद है, plough like

लाजमण्ड lājamaṇḍa

लाजैर्वा तण्डुलैर्भृष्टैर्लाजमण्डः प्रकीर्तितः। (शा.सं.म. 2/174), धान की लाजा (खील) अथवा भुने हुये चावलों से बनाया हुआ मण्ड लाजमण्ड कहलाता है, scum of parched grain

लाजवर्णा lājavarṇā

आदंशे लाजवर्णाया ध्यामं पूति स्रवेदसृक्। दाहो मूर्च्छाऽतिसारश्च शिरोदुःखं च जायते। (सु.क. 8/123), आठ प्रकार की लूताओं में से एक है, इसके दंश से काले वर्ण के दुर्गंधयुक्त रक्त का स्राव होता है, तथा रोगी को दाह, मूर्च्छा, अतिसार तथा शिरोवेदना आदि लक्षण होते हैं, a type of poisonous spider

लाजा lājā

लाजाः पुष्पितं धान्यम्। (ड.-सु.उ. 50/26), भुने हुए चावल के धान्य को लाजा कहते हैं, खील, roasted paddy (rice)

लाञ्छन lāñcchana

शुक्लं कृष्णं वा सहजं मण्डलाकारं शरीरसमं लाञ्छनमाहुः। (अरु.-अ.हृ.उ. 31/27), यह एक क्षुद्ररोग है, शरीर पर काले या सफेद वर्ण के जन्मजात दाग पाए जाते हैं, it is one of the kshudrarogas in which blackish or white coloured spots are seen since birth

लालन lālana

लालास्रावोलालनेन हिक्काछर्दिश्चजायते। (सु.क. 7/10), मूषिक भेद, जिसके दंश से मुंह में पानी आना, हिचकी आना और वमन आदि लक्षण होते हैं, a type of poisonous rat

लालस lālasa

लालसः अभिलाषुक। (ड.-सु.सू. 45/201), लालची, greedy

लाला lāla

लाला-श्लेष्मतन्तुस्रावः। (हे.-अ.हृ.सू. 7/21), श्लेष्मतन्तुज स्राव (लार), salivary secretions

लालामेह lālāmeha

तन्तुबद्धमिवालालं पिच्छिलं य प्रमेहति। (च.नि. 4/22), जिस में तन्तु की तरह बंधे हुए तार से युक्त एवं चिपचिपा मूत्र त्याग होता है, a type of prameha where urine is mucoid, thready and sticky in consistency

लालालु lālālu

बहुलालयुक्त। (च.चि. 30/247), जिसके मुँह से अधिक लार निकलती हो, a person having salivation

लालाविष lālāviṣa

लालायां विषं यस्य सः। (सु.क. 3/5), एक प्रकार का विष जो प्राणी के लार में मिलता है, the poison which is found in saliva of animals

लालास्राव lālāsrāva

लालयाःस्रावः। (च.सि. 9/6), मुख से पानी जैसा अति स्राव होना, excessive watery secretion from mouth, salivation

लाव lāva

प्रसिद्धः। (चक्र.-च.सू. 27/47), लवा पक्षी, यह विष्किर वर्ग का पक्षी है, common quail, a bird of gallinaceous group

लावण्य lāvaṇya

लावण्यं रूपातिशयः। (ड.-सु.सू. 45/96), अतिसुन्दर, beautiful

लावाक्षक lāvākṣaka

लावाक्षिसदृशतण्डुलो लावाक्षः। (ड.-सु.सू. 46/12), ब्रीहिभेद, चावल का एक भेद, लावा पक्षी की आँख के समान दिखने वाले चावल, one of the varieties of rice resembling with the eyes of common quail

लासिनी lāsinī

सर्पः निर्विषः। (अ.सं.उ. 41/11), एक प्रकार का निर्विष सांप, a type of non-poisonous snake

लिक्षा likṣā

केशकृमि, सूक्ष्मा इति लिक्षा। (विज.-मा.नि. 7/3), यह बालों में होने वाला सूक्ष्म कृमि है, a type of lice found in the hair

लिङ्ग liṅga

मेढ्र। (सु.नि. 14/3), शिश्न का पर्यायवाचक है, penis

लिङ्गग्राह्य liṅgagrāhya

लिङ्गग्राह्यमिति अनुमानग्राह्यम्। (चक्र.-च.शा. 1/62), जिसका ज्ञान अनुमान से होता है, infereble

लिङ्गनाश liṅganāśa

तिमिराख्यः स वै दोषः चतुर्थं पटलं गतः। रुणद्धि सर्वतो दृष्टिं लिङ्गनाशः स उच्यते। (सु.उ. 7/15-16), लिङ्गं चक्षुरिन्द्रियशक्तिः; तस्य नाशो यस्मिन् स लिङ्गनाशो दोषः। (ड.-सु.उ. 7/16), यही (तृतीयपटलगत) तिमिरकारक दोष जब चतुर्थ पटल में जाते हैं अथवा चतुर्थ पटल को प्रभावित कर देते हैं, तब दृष्टि सब ओर से अवरुद्ध हो जाती है, उसे ही लिङ्गनाश कहते हैं, चक्षु इन्द्रिय की शक्ति को लिंग तथा उसके नाश को लिङ्गनाश कहते हैं, loss of vision

लिङ्गवृद्धि liṅgavṛddhi

लिङ्गवृद्धि स्थूलीकरणम्, आयामपरिणाहाभ्यामित्यन्ये। (ड.-सु.नि. 14/3), (औषधियों से) शिश्न को लंबा और मोटा करना, to increase the penile size (by application of medicines)

लिङ्गपाक liṅgapāka

लिङ्गस्य पचनं कोथो वा। (च.चि. 30/169), शिश्न मे पाक या सड़न होना, suppuration of penis

लिङ्गार्श liṅgārśa

अर्शस्य प्रकारः। उपदंशस्य उपद्रवम्। सवेदना पिच्छिला च दुश्चिकित्स्या त्रिदोषजा। लिङ्गवर्तिभिख्याता लिङ्गार्श इति चापरे। (मा.नि. 47/7), इसमें वेदना एवं चिपचिपाहट होती है, त्रिदोषज होने से यह दुश्चिकित्स्य होती है, इसे लिंगवर्ति या लिंगार्श कहते हैं, penile warts

40—4 Min. of HRD/2016

लिङ्गिन liṅgina

ब्रह्मचारी। (च.इ. 12/17), तपस्वी, ascetic

लिङ्गिनी liṅginī

ब्रह्मचारिणी। (ड.-सु.चि. 24/122), तपस्विनी, ascetic lady

लिप्तास्यता liptāsyatā

लिप्त मुखत्वम्, लेपयुक्तमिवास्यं यस्य सः तस्य भावः। (सु.उ. 39/50), मुख में लेपन जैसी अनुभूति होना, feeling of coating inside the mouth

लिप्सु lipsu

आस्वादयितुमिच्छुः। (ड.-सु.उ. 60/14), स्वाद लेने की इच्छा रखने वाला, those who want to taste it

लिह्याख्या lihyākhyā

साधीः कफादिजा कण्डुवादियुक्ता पिटका नाम्ना लिह्याख्या। (इन्दु.-अ.सं.उ. 21/23), यह कान के पाली का रोग है, जिसमें खुजली, फुन्सी और स्राव होता है, a disearse of ear lobule associated with itching, secretion etc

लीढ līḍha

लिह आस्वादने। (ड.-सु.शा. 4/19), लेह्यं मध्वादि। (ड.-सु.सू. 46/3), चाटना, licking

लीढवा līḍhavā

आस्वादितः इति लिह्य धातु। चाटने और स्वाद लेने का कार्य, यह अवलेह निर्माण के लिए उचित है, action of licking and tasting, it holds good for avaleha preparation

लीन līna

लीना असम्यग्दर्शिताः। (ड.-सु.उ. 65/6), अत्यर्थं स्रोतःसु श्लिष्टम्। (अरु.-अ.ह.सू. 8/28), जो अच्छी तरह से न दिखता हो, चिपका हुआ, जैसे आमदोष स्रोतों में चिपका रहता है, which is not clearly visible, adhered as amadosha remain adhered in the channels

लीनगर्भ līnagarbha

लीनो नाम गर्भोऽयो गर्भिण्या वातोपसृष्टस्रोतसि लीनो न स्पन्दते। (इन्दु.-अ.सं.शा. 4/22), गर्भरोग, गर्भव्यापत्, जिसमें वातप्रकोप के कारण गर्भ संकुचित होकर (आर्तववाही) स्रोतसों/गर्भाशय में चिपक जाता है, एवं स्पन्दन नहीं करता है, उसे लीन गर्भ कहते हैं, intrauterine growth retardation with transient missing of foetal heart beats

लीनत्व līnatva

लीनत्वात् एकदेशस्थितत्वात्। (ड.-सु.उ. 39/65), एक देश में पड़ा हुआ रहना या स्थित रहना, remains in the body at one location

लुञ्चन luñcana

उत्पाटनम्, यथा केशादिनां लुञ्चनमुत्पाटनम्। (अ.सं. 9/2), उखाड़ना, जैसे बालों को उखाड़ना, plucking

लुलित lulita

आन्दोलितम्। (अ.सं.चि. 6), घोला हुआ, churned, stirred

लूता lūtā

सविषकीट, स वृत्तः अष्टाङ्घ्रिश्च। (सु.क. 8/88-93), एक विषाक्त कीट, जो गोलाकार एवं आठ पैर वाली होती है, spider

लेखन lekhana

1. लेखनं पत्तलीकरणम्। (ड.-सु.सू. 46/519), लेखन कर्म (औषधीय), एक प्रकार का औषध कर्म जो शरीर को पतला करता है, slimming by medicines 2. लेख्यं लेखनीयम्। (ड.-सु.सू. 5/5), शस्त्रकर्म, खुरचना, scraping

लेखनबस्ति lekhanabasti

त्रिफलाक्वाथ गोमूत्र क्षौद्रक्षारसमायुताः। उषकादिप्रतिवाया बस्तयो लेखना स्मृताः (सु.चि. 38/82), त्रिफला क्वाथ, गोमूत्र, मधु, यवक्षार और ऊषकादि गण के प्रक्षेप से युक्त बस्तियाँ लेखन कहलाती हैं, a type of enema for slimming which is prepared by mixing decoction of triphala, cow's urine, honey, yavakshara and herbs of ushakadi gana

लेखनवर्ति lekhanavarti

लेखनाञ्जनार्थमुपयुक्ता वर्तिः। लेखन कर्म हेतु प्रयोग की जाने वाली वर्त्ति, ocular suppository used for lekhana karma

लेखनाञ्जन lekhanāñjana

लेखनं दोषस्रावणान्नयनस्यरिक्तीकरणम्। (ड.-सु.उ. 18/53), अंजनभेद, नेत्ररोगों में लेखन कर्म हेतु प्रयुक्त लेखन द्रव्यों से निर्मित अञ्जन जिसके प्रयोग से दोषों का स्राव होकर नेत्र में लघुता की प्रतीति होती है, a collyrium prepared by lekhana drugs which causes lacrimation and lightnes in the eye

लेखनीय lekhanīya

लेखने हितः। (च.सू. 4/8), मुस्तकुष्ठहरिद्रादारुहरिद्रावचातिविषाकटुरोहिणीचित्रक चिरबिल्वहैमवत्य इति दशेमानि लेखनीयानि भवन्ति। (च.सू. 4/9), जो लेखनकार्य के लिये हितकारक है, मुस्ता, कुष्ठ, हरिद्रा, दारुहरिद्रा, वचा, अतिविषा, कटुरोहिणी, चित्रक, चिरबिल्व और हैमवती इन दस द्रव्यों को लेखनीय दशेमानि कहा जाता है, which is beneficial for the function of lekhana, ten drugs like musta, kustha, haridra, daruharidra, vacha, ativisa, katurohini, chitraka, chiravilva and haimavati having common fuention of lekhana are called as lekhaniya dashemani

लेखा lekhā

1. रेखा। (च.इ. 11/9, अ.सं.शा. 11), रेखा, lines on face/body 2. लेखा कर्तव्याकर्तव्य मर्यादा। (चक्र.-च.शा. 4/37), क्या करना है और क्या नहीं करना है इसके बारे में निर्णय क्षमता होना, ability to discriminate do's and don't

लेखास्थवृत्त lekhāsthavṛtta

लेखा कर्तव्याकर्तव्य मर्यादा, तत्र स्थितं वृत्तं यस्य स लेखास्थवृत्तः, तम्; अलङ्घित कर्तव्याकर्तव्यमित्यर्थः। (चक्र.-च.शा. 4/37), ऐसा पुरुष जिसमें क्या करना है या क्या नहीं करना है, इसके बारे में निर्णय लेने की क्षमता हो, the person who possesses ability to discriminate the do's and don't

लेख्य lekhya

लेखन योग्यः। लेख्यान्नामभिः प्राह- उत्सङ्गिनीत्यादि। (ड.-सु.उ. 8/7), लेखन योग्य, उत्संगिनी आदि नौ लेखन योग्य नेत्ररोग हैं, disorders which are curable by scraping

लेप lepa

बाह्य चिकित्साकर्म। जिसमें किसी भी (औषध) कल्क का चंदन के समान शरीर पर लेप किया जाए, anointment

लेपज्वर lepajvara

लेपज्वरः स्वल्पशीतयुक्तः कफज्वरः। (चक्र.-च.इ. 8/24), हल्की सी ठंड के साथ जो कफ ज्वर होता है, उसे लेपज्वर कहते हैं, the kapha jvara which is accompanied with slight chills is called lepajvara

लेपवेध lepavedha

लेपनं कुरुते लोहं स्वर्णं वा रजतं तथा। लेपवेधः स विज्ञेयः पुटमत्र च सौरकम्। (र.र.स. 8/91), जब किसी धातु पर जारण, सारण आदि क्रिया द्वारा सुसंस्कृत पारद का लेप करके स्वर्ण अथवा रजत बनाया जाता है, तो इसे लेपवेध कहते हैं, इस वेध में पारद का धातु के ऊपर लेप कर सौरपुट (वराहपुट) अथवा अत्यन्त तेज धूप में सुखा देना चाहिये, conversion of metal into gold or silver by pasting of mercury on it and heating it

लेलिह lehiha

पुरीषजकृमि। (च.वि. 7/13), एक प्रकार का पुरीषज कृमि, a type of purisaja krimi, stool worm

लेह leha

लेहः शर्करादीनां पाकात् कृतः, लिह्यत इति लेहः। (चक्र.-च.सू. 13/24), शर्करादि में पकाकर गाढ़ी बनाई हुए वस्तु जो कि चाटी जा सकती है उसे लेह कहते हैं, a preparation made by cooking with sugar to make it semisolid, which can be licked

लेहन lehana

कल्प, अवलेह। (का.सू.लेहनाध्याय), एक प्रकार का औषधीय कल्प जिसको चाटा जाता है, lickable medical preparation

लेहिन् lehin

लेह्य- कण्डूविद्रधि पालिशोष परिपोटोत्पातले ह्यार्बुदाः। (र.र.स. 24/1), परिलेहिनाः कफासृगित्यादि। लिहेदिति निर्मांसी करोति, आच्छादयेद्वा। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 57/22), कर्णपाली रोग, परिलेही, कफ, रक्त (और कृमियों) के प्रकोप से लिहेत् अर्थात् कर्णपाली के मांस को चाट लेना और पाली का नष्ट हो जाना है, अथवा छोटी-छोटी पिडिकाएं उसे चारो ओर से आच्छादित कर लेती हैं, necrotizing/suppuration of external ear

लोक loka

जगत। (च.शा. 4/13), विश्व, universe

लोष्ट loṣṭa

मृत्पिण्डः। (अरु.-अ.हृ.सू. 17/6), मिट्टी का गोला, earthen bolus

लोष्टभेदिन् loṣṭabhedin

मृत्पिण्डस्फोटनशीलाः। (ड.-सु.सू. 29/11), मिट्टी के ढेलों को हाथ से फोड़ने वाला, breaking earthen bolus with hands

लोहकारिन् lohakārin

शरीरदार्ढ्यावहाः। (र.र.स. 2/59), शरीर में दृढ़ता लाना, that gives strength to body

लोहगन्ध lohagandha

रक्तगन्ध। (सु.उ. 47/68), लोह समान गन्ध का आना, smell like blood or iron

लोहगन्धि lohagandhi

ध्मायमान लोह सदृश गन्ध। (सु.सू. 28/9), लौह के पिघलते समय उत्पन्न गन्ध के समान, smell like melting iron

लोहगन्धित्व lohagandhitva

लोहगन्धिभावो मुखस्य। (ड.-सु.चि. 2/15), रक्तपित्त पूर्वरूप। (च.नि. 2/6), मुख से लौह गन्ध का आना, smell like iron

लोहत्व lohatva

अव्यक्तवाक्तवम्। (र.र.स. 15/81-84), अस्पष्ट वाक्य बोलना, incoherent speech

लोहशलाका lohaśalākā

लोहस्य लोहमयी वा शलाका। लोहे की सलाई, iron rod

लोहित lohita

1. शोणित। (च.नि. 2/4), रक्त, blood 2. स्त्रीशोणित आर्तवम्। (सु.शा. 1/16), रज, आर्तव, menstrual blood 3. वर्ण। शरीर वर्ण, colour

लोहितक्षया lohitakṣayā

वातपित्ताभ्यां रजः क्षीयते दाहादिकृच्च भवति सा व्यापत्। (इन्दु-अ.सं.उ. 38/47), योनिव्यापत् भेद, वातपित्तदोषज, रजक्षय, दाह, कृशता एवं वैवर्ण्य का होना, a type of vaginal disorder, oligomenorrhoea

लोहितक्षरा lohitakṣarā

सदाहं प्रक्षरत्यस्रं यस्यां सा लोहितक्षराः। (सु.उ. 38/12), पित्तज योनिव्यापत्, योनि से दाहयुक्त रजस्राव का होना, menstruation with burning sensation

लोहितगन्धास्यता lohitagandhāsyatā

पित्तनानात्मजविकार। (च.सू. 20/14), मुख से लोहित या रक्त के समान गन्ध का आना, चालीस पित्त नानात्मज विकारों में एक, iron like odour from mouth

लोहितपित्त lohitapitta

रक्तपित्त। (सु.उ. 45/3), रक्तपित्त का पर्याय, synonym of raktapitta

लोहितपूर्णकोष्ठता lohitapūrṇakoṣṭhatā

कोष्ठ का रक्त से भर जाना। (सु.शा. 6/26), मर्माघात लक्षण, haemoperitoneum and haemothorax

लोहितमत्स्यगन्ध lohitmatsyagandha

रक्तपित्तपूर्वरूप। (अ.सं.नि. 3/5), लोहितमत्स्य सदृश गन्ध का आना, odour like fish & iron

लोहितमेह lohitameha

रक्तमेह, विस्रं लवणमुष्णं च रक्तं मेहति यो नरः। (च.नि. 4/32), पित्तजमेह, पित्तप्रकोप से विस्र, लवण, उष्ण, मूत्र का त्याग होना, haematuria, a type of urinary disorder

लोहितराजी lohitarājī

रक्तवर्ण राजी, शकलीमत्स्य लक्षण। (च.सू. 26/83), रक्तवर्ण की रेखाओं का होना, red coloured lines

लोहिता lohitā

त्वचा भेद, द्वितीय त्वचा, ब्रीहि षोडशभागप्रमाण, तिलकालकन्यच्छ व्यङ्गधिष्ठाना। (सु.शा. 4/4), त्वचा का एक भेद, ब्रीहि (चावल) के सोलहवें भाग के समान, तिलकालक, न्यच्छ एवं व्यंगरोग का अधिष्ठान, second layer of skin, measured 1/16th of rice and seat of mole, birth mark and chloasma

लौकिककर्म laukikakarma

लौकिकमिति अपरीक्षकलोके भवम्; अपरीक्षका एव हि वर्तमानमात्रे प्रवर्तन्ते, परीक्षकास्तु, जन्मान्तरोपकारिण्येव। (चक्र.-च.सू. 27/350), बिना परीक्षित किये लोक (संसार) में होने वाले आहार द्रव्यों का सेवन करना "लौकिक' कहलाता है, अपरीक्षक (सत्य की परीक्षा न करने वाला) व्यक्ति ही केवल वर्तमान काल में होने वाले कार्यों में प्रवृत होता है, परन्तु परीक्षक व्यक्ति दूसरे जन्म के निमित्त किये जाने वाले उपकारक उपायों में प्रवृत होता है, ingestion of wordly untested dietary articles

लौहगन्धि lauhagandhi

लोहामगन्धि.....। (च.चि. 15/54), धातु (लौह) वत् गंधता, (मन्दाग्नि का लक्षण), metallic odour (in dyspepsia)

वंशी vaṃśī

त्रसरेणुर्बुधैः प्रोक्तः त्रिंशता परमाणुभिः, त्रसरेणुस्तु पर्यायनाम्ना वंशी निगद्यते। (शा.सं.पू. 1/15-16), वंशी शब्द त्रसरेणु का पर्याय है, 30 परमाणु का एक त्रसरेणु होता है, a type of measurement

वक्कस vakkasa

यो हृतसारः स वक्कससंज्ञः। (आढ.-शा.स.म. 10/6), सुरा का वह अद्रव, अर्धठोस भाग, जिसमें सार नहीं होता है, a portion of wine without potency

वक्ता vaktā

वदत्ययमेव, एतेन कर्मेंद्रियाणामपि वचनादानविहरणोत्सर्गानंदेष्वप्ययमेव हेतुः। (ड.-सु.शा. 3/4), आत्मा का एक पर्याय, बोलने के कर्म का कारण, one of the synonyms of Atma, the reason for vocalisation

वक्त्र vaktra

मुखम्। (सु.नि. 1/69), चेहरा, मुख, मुँह, face, mouth

वक्त्रकटक vaktrakaṭaka

अश्वादेः वक्त्रस्य लोहमयं मण्डलम्। (अ.ह.सू. 28/29, अ.सं.सू. 37/16), लोहे का कड़ा, जिस पर लगाम बाँधा जाता है, iron ring serving for bridle-pit

वक्त्रमण्डिका vaktramaṇḍikā

बालग्रह-मुखमण्डिका। (सु.उ. 27/15), मुखमण्डिका नामक बालग्रह, evil spirit which captures child, namely mukhamandika

वक्त्ररस vaktrarasa

मुखे उत्पद्यमानो रसो, ज्वरादि व्याधिजन्यस्तिक्तादिः। (च.चि. 3/158), मुँह में उत्पन्न होने वाला रस, जैसे ज्वरादि व्याधि में तिक्तादि रस, taste developing in the mouth, bitter taste of mouth in the diseases like jvara

वक्त्रवादित्र vaktravāditra

वक्त्रं एव वादित्रम्। (सु.चि. 24/95), मुँह रूपी वाद्य, mouth as if musical instrument

वक्त्रशोष vaktraśoṣa

मुखशोष। (सु.उ. 52/9), मुँह का सूखना, dryness of mouth

वक्त्रार्धवक्रता vaktrārdhavakratā

अर्धमुखवक्रता, अर्दित रोगस्य लक्षणम्। (सु.नि. 1/70), आधा चेहरा टेढ़ा होना, अर्दित रोग का लक्षण, facial palsy

वक्र vakra

1. बस्ति नेत्र दोष। (च.सि. 5/4), बस्ति नेत्र का एक दोष, one of the defects of basti netra 2. वक्रं तगरम्। (द्र.-सु.क. 6/3), तगर नामक वनस्पति, one of the medicinal plants, namely 'tagara' 3. अस्थिभङ्गस्य प्रकारः। (सु.नि. 15/10), अस्थिभङ्ग का एक प्रकार, जिसमें अस्थि वक्र हो जाती है, परन्तु टूटती नहीं है, a type of fracture in which bone bends, but does not break

वक्रग vakraga

समाक्रान्तं राशिं मुक्त्वा पुनः पूर्वमेव भुक्तराशिं नक्षत्रं वा याति सः वक्रगः। (द्र.-सु.सू. 32/4), पहले समाक्रान्त की हुई राशि छोड़कर पुनः उसी छोड़ी हुई राशि या नक्षत्र में वापस आने वाला ग्रह, the planet entering the same jodiac sign or asterism which it had left before

वक्रध्वज vakradhvaja

वक्रमेढ्र। (अ.सं.शा. 2/40, 2/43), टेढ़ा शिश्न, distorted penis

वक्री vakrī

तेन यस्य शुक्रं गर्भाशयं नियमान्नोपैति स वक्रीत्युच्यते। (चक्र.-च.शा. 2/20), जिस गर्भ का शिश्न टेढ़ा हो, foetus with distorted penis

वक्ष vakṣa

1. उरः। (द्र.-सु.सू. 23/6), सीना, दो स्तनों के बीच का शरीर का हिस्सा, part of the body situated in between breasts, chest region 2. हृदयम्। (द्र.-सु.सू. 27/9), हृदय, heart

वक्ष उद्धर्ष vakṣa uddharṣa

वक्षसः उद्धर्षः, नाम अल्पीयान शोफः, अशीतिवातविकारेषु एकः। (च.सू. 20/11), वक्ष स्थान में उद्धर्ष, अल्पमात्रा में सूजन, अस्सी वातविकारों में एक, slight swelling in chest region, one of the 80 diseases of vata

वक्ष उपरोध vakṣa uparodha

अशीति वातविकारेष्वेकः, वक्षसि उपरोधः। (च.सू. 20/11, अ.सं.सू. 20/13), अस्सी वातविकारों में से एक, उरः स्थान में उपरोध (जकड़न जैसी व्यथा), obstruction or catching pain in the chest region, one of the 80 vata vikaras

वक्षस्तोद vakṣastoda

अशीति वात विकारेष्वेकः, वक्षतोद। (च.सू. 20/11, अ.सं.सू. 20/13), अस्सी वातविकारों में एक, वक्ष प्रदेश में तोद, (सूई चुभने जैसी वेदना), one of the eighty vatavikaras, pricking pain in chest region

वक्षोमर्म vakṣomarma

उरःस्थ मर्माणि। (सु.शा. 6/10, 6/11), उर स्थान में स्थित मर्म, संख्या 8, vital points situated in the chest region

वङ्कनाल vaṅkanāla

मूषामृद्भिर्विधातव्यं अरत्निप्रमितं दृढं, अधोमुखं च तद् वक्त्रे नालं पञ्चाङ्गुलं खलु, वंकनालमिदं प्रोक्तं दृढध्मानाय कीर्तितम्। (र.र.स. 10/45), मूषानिर्माणार्थ मिट्टी से अरत्नि प्रमाण, दृढ़, एक सिरे पर नीचे झुकी, 5 अंगुल लम्बे नाल युक्त यन्त्र को वंकनाल कहते हैं, यह अग्नि को तेज करने के लिये आध्मान (धौंकना) हेतु प्रयुक्त होता है, blowing tube

वङ्क्षण vaṅkṣaṇa

1. शरीरे स्थान विशेषः। (च.सू. 14/10), शरीर का एक अंग, one part of the body 2. ऊरु सन्धि। (च.चि. 30/172-173, सु.सू. 5/13), ऊरु संधि, groin region 3. सक्थि सन्धि। (च.शा. 7/11), सक्थि सन्धि inguinal region, hip joint 4. गण्डकः। (द्र.-सु.उ. 42/134), गण्डक, जाँघ, जँघा, sacro-iliac joint

वङ्क्षणज vaṅkṣaṇaja

वङ्क्षणे जातः। (च.सू. 17/109), वंक्षण में होने वाला, originated in inguinal region

वङ्क्षणसन्धि vaṅkṣaṇasandhi

मेढ्रसक्थि सन्धिदेशः। (सु.नि. 12/6), जांघ का सन्धि प्रदेश, joining point of pubic symphysis

वङ्क्षणानाह vaṅkṣaṇānāha

अशीतिवातविकारेष्वेकः, जङ्घाया आनाहो नाम शोफः। (च.सू. 20/11, अ.सं.सू. 20/13), अस्सी वातविकारों में से एक, जांघ में आनाह होना, one of the 80 vata vikaras, swelling in thigh region

वचन vacana

यत्तदवचनं वक्तव्यमुच्यते। (द्र.-सु.शा. 1/5), वाक् इन्द्रिय का विषय, भाषण (बोलना), object of vak indriya, speaking, organ of speech

4 Min. of HRD/2016

वचनपरीक्षा vacanaparīkṣā

प्रश्नेनाग्निरवगम्यत एवेति कृत्वेह वचनपरीक्षणीयतैवोक्ता: वह्ने:। (चक्र.-च.चि. 25/23), प्रश्न परीक्षा, प्रश्न पूछ कर की हुई परीक्षा, इसका अन्तर्भाव त्रिविध रोगी परीक्षा में किया गया है, interrogation, included in trividha pariksha

वचनशक्ति vacanaśakti

अर्थकीर्तनसामर्थ्यम्। (चक्र.-च.वि. 8/5), अर्थ कहने का सामर्थ्य, capacity of explanation

वटशृङ्ग vaṭaśṛṅga

वटशृङ्गाणि वटाङ्कुराणि। (अ.सं.उ. 42/20), वट के अंकुर, leaf buds of bengalensis

वटी vaṭī

लेहवत् साध्यते वह्नौ गुडो वा शर्करा तथा, गुग्गुलुर्वा क्षिपेत्तत्र चूर्ण तन्निर्मिता वटी। (शा.सं.म. 7/2), गुड़, चीनी अथवा गुग्गुलु को अग्नि पर पकाकर लेह के समान तैयार कर चूर्ण को डालकर गोलियों का निर्माण किया जाता है, tablet, pill

वड्रपञ्चमूल vaḍrapañcamūla

वड्रपञ्चमूलं महत् पञ्चमूलम्। (अ.सं.उ. 4/5), महत् पञ्चमूल, पाँच बड़े वृक्षों की मूल, जिनमें सामान्य तथा समान औषधीय गुण होते है, a group of five tall medicinal plants whose roots posseses some common medicinal properties on doṣhas

वत्सर vatsara

संवत्सर। (अ.ह.सू. 19/18), वर्ष, बारह महीने, एक साल, one year

वदन vadana

मुख। (सु.शा. 5/10), मुँह, चेहरा, mouth, face

वदनजिह्मत्व vadanajihmatva

मुखवक्रता। (च.सि. 9/6), चेहरा टेढ़ा होना, distortion of face

वदनोपचय vadanopacaya

मुखपुष्टि। (च.सू. 5/78), चेहरे का पोषण, nourishment of face

वदान्य vadānya

उदार:, दानशील:। (र.र.स. 7/34), उदार, दानशील, दानी, मधुरभाषी, generous, bountiful, liberal, eloqent, speaking kindly

वध vadha

1. वधोऽत्र न साक्षान्मृत्युरपितु वधस्याभिनयो वधभयं वा। (च.वि. 8/87), अद्रव्य चिकित्सा का एक प्रकार, यहाँ वध का अर्थ प्रत्यक्ष वध करना नहीं है, किन्तु वध करने का अभिनय करना या भय दिखाना है, one of the non pharmacological measures, not to kill but to perform a dramatic action of killing or frightening to death 2. उन्मादोपक्रम विशेष:। (च.चि. 7/9), उन्माद चिकित्सा उपाय, a type of unmada chikitsa

वध्र vadhra

अनुयन्त्र। (अ.ह.सू. 25/40), एक अनुयन्त्र, उपयन्त्र, accessory instrument used for surgery

वन vana

भैषज्यजल। (रा.नि. 14/317), पानी, water

वनस्पति vanaspati

फलैर्वनस्पति:। (च.सू. 1/72), फलैर्वनस्पतिरिति विनापुष्पै: फलैर्युक्ता वटोदुम्बरादय:। (चक्र.-च.सू. 1/72), अपुष्पा: फलवन्तो वनस्पतय:। (सु.सू. 1/29), अपुष्पा इति अविद्यमानपुष्पा इति। (ड.-सु.सू. 1/29), plants/trees having fruits but without clearly manifested flowers

वनस्पतिकषाय vanaspatikaṣāya

न्यग्रोधादि कषाय:। (सु.चि. 12/4), वट आदि का काढ़ा, decoction of *Ficus benghalensis*

वनस्पतिदेवता vanaspatidevatā

ये वनस्पतीन् हिंसन्ति परिगृहीतानपरिगृहीतान् वा, तेषां वनस्पति देवता अभिक्रुध्यन्ति। ता वै द्वादश वनस्पतीनां देवता। एता एव वनस्पतीन् घ्नन्तं कमपि घ्नन्ति। (का.क.रेवतीकल्प 69), वनस्पति देवता वनस्पतियों के प्रति हिंसा करने वालों पर क्रोध करते हैं, ये बारह हैं, वनस्पति नष्ट करने वालों को ये नष्ट करते हैं, God of plants, becomes angry on those who destroy the plants and punish them, these are twelve in number

वनान्तपवन vanāntapavana

आम्रादिवाटिकासमीपवात:। (ड.-सु.उ. 47/57), जो वायु आम आदि वृक्षों के उद्यान के समीप बहता है, इस वायु के सुखस्पर्श से मद्यपान जन्य दाह का उपशमन होता है, the wind blowing nearby the gardens of trees like mango, it subsides the burning sensation caused by the use of wine

वनितास्तन्य vanitāstanya

स्त्री दुग्धम्, मानुष दुग्धमामं सदाहितम्। (अ.सं.सू. 6/62), स्त्री का दूध, अपक्व अवस्था में ही यह दूध हितकर होता है, breast milk of a woman, it is beneficial when it is not boiled

वनौकस vanaukasa

मर्कट:। (ध.परि. 8), मर्कट, बन्दर, monkey

वन्ध्य vandhya

अनपत्यक:। (र.र.स. 22/3), सन्तानहीन पुरुष, infertile, sterile man

वन्ध्या vandhyā

निरपत्या स्त्री। (सु.क. 6/11), आदिवन्ध्या रक्तवन्ध्या वातवन्ध्या पित्तवन्ध्या श्लेष्मवन्ध्या सन्निपातवन्ध्या भूतवन्ध्या देववन्ध्याऽभिचारवन्ध्या चेति नववन्ध्या:। (र.र.स. 22/3), बांझ स्त्री, सन्तानहीन स्त्री, infertile woman, sterile woman, childless woman

वन्ध्यत्व vandhyatva

स्त्री रोग, अशीति वातरोगेष्वेक: अनपत्यता। (का.सू. 27/19-29), अस्सी वात विकारों में से एक, अपत्य न होना, one of 80 vata vikaras, infertility

वन्यकुक्कुट vanyakukkuṭa

वनजात:। (ड.-सु.सू. 46/66), वन मे पैदा होने वाला मुर्गा, wild cock (chicken)

वन्योपल vanyopala

देखें उपल।

वपाटिका vapāṭikā

रोग:, क्षुद्ररोग: अवपाटिका। (सु.चि. 20/42), एक क्षुद्र रोग, अवपाटिका, शिश्नचर्म का फटना, one of the kshudra rogas, tearing of the skin of penis

वपावहन vapāvahana

वपावहनं मेद:स्थानं 'तैलवर्तिका' इति ख्यातम्। (चक्र.-च.शा. 7/10), मेदस्थान अथवा तैलवर्तिका, omentum

वपु vapu

शरीर। (सु.चि. 24/53), शरीर, body

वमथु vamathu

वमथुश्छर्दि:। (इन्दु.-अ.ह.सू. 2/3), वमथुर्वान्ति:। (मा.नि. 6/18), वमन, उल्टी, vomiting

वमन vamana

यदूर्ध्वं भागेन मुखेन दोषहरणं करोति। (च.क. 1/4), चिकित्सा का प्रकार जिसमें ऊर्ध्व भाग से अर्थात् मुँह से दोषों का हरण किया जाता है, a type of treatment in which dosas are eliminated through mouth, emesis

वमनद्रव्य vamanadravya

वामकं द्रव्यम्-फलजीमूतकेक्ष्वाकुधामार्गवकुटजकृतवेधन फलानि, फलजीमूतकेक्ष्वाकुधामार्गव पत्र पुष्पाणि। (च.वि. 8/135), वमन कराने वाला द्रव्य, medicine which induces vomiting

वमनद्रव्यविकल्पविज्ञानीय vamanadravyavikalpavijñānīya

वमनद्रव्य विकल्प विज्ञानमधिकृत्य कृतोऽध्याय:। (सु.सू. 43/1), अध्याय का नाम, वमन द्रव्य विकल्प विज्ञान को अधिकृत करके किया हुआ नाम, title of the chapter, a chapter with reference to vamana dravya vikalpa vijnana

वमनमात्रा vamanamātrā

वमनद्रव्य कषाय मात्रा:। (ड.-सु.चि. 33/7), वमन द्रव्य के कषाय की मात्रा, the quantity of decoction of medicines inducing vomiting

वमनोपग vamanopaga

वमनोपगानीत्यत्र मदनफलादीनां वमनद्रव्याणां मधुमधुकादीनि सहायानि भवन्तीति। (चक्र.-च.सू. 4/8), वमन क्रिया में सहायता करने वाले द्रव्य, medicine which helps in the process of vamana (vomiting)

वमनोपगगण vamanopagagaṇa

मधुमधुककोविदारकर्बुदारनीपविदुलबिम्बीशणपुष्पीसदापुष्पाप्रत्यक्पुष्पा इति दशेमानि वमनोपगानि भवन्ति। (च.सू. 4/13), वमन क्रिया में सहायता करने वाले द्रव्यों का समूह, a group of medicines (drugs) which help in the process of vomiting

वमिनिग्रहणवर्ग vaminigrahaṇavarga

लाजाम्रबदरदाडिमयवषष्टिकमातुलुङ्ग सेव्यानि। जाम्बवाम्र पल्लवानि वमिनिग्रहणानि मृत्स्ना च। (अ.सं.सू. 15/28), वमन का निग्रहण करने वाले,

वमन को रोकने वाले औषध द्रव्यों का समूह, a group of medicines which inhibits vomiting i.e. vamana

वय vaya

वयस्तश्चेति कालप्रमाण विशेषापेक्षिणी हि शरीरावस्था वयोऽभिधीयते। (च.वि. 8/122), शरीर की एक विशेष अवस्था, तारुण्य आदि विशिष्ट काल प्रमाण की अपेक्षा में शरीर की अवस्था को वय कहते हैं, one of the stages of body, time related stage of body is called age

वय:परिणाम vayaḥpariṇāma

वयस: परिणति परिपक्वता वा। (सु.सू. 14/18), वय का परिणमन अथवा वय की परिपक्वता, conversion and development of bodily elements related to time span, ageing

वय:परीक्षा vayaḥparīkṣā

कालादिविशेषेण ज्ञायन्ते। (चक्र.-च.वि 4/8), वय की परीक्षा, वय की परीक्षा विशिष्ट काल की सहायता से की जाती है, examination of age, age should be examined in the light of time

वय:प्रकृति सात्म्यज्ञ vayaḥprakṛtisātmyajña

वय:प्रकृतिश्च सात्म्यज्ञ:। (च.चि. 1(1)/28), आयु, प्रकृति और सात्म्य को जानने वाला, one who knows the age, nature and the wholesomeness

वय:सात्म्य vayaḥsātmya

वयस: सात्म्यम्। (च.चि. 1(1)/28), आयु के अनुसार होने वाला सात्म्य, wholesomeness according to age

वय:स्तम्भन vayaḥstambhana

अवस्थाविशेषस्थापकम्। (र.र.स. 5/145), आयु की विशिष्ट अवस्था को स्थापित करने वाला, maintaining the specific stage of life

वय:स्थ vayaḥstha

वय:स्थं तरुणम्। (ड.-सु.उ. 24/24), युवा को वयस्थ कहते हैं, young

वय:स्था vayaḥsthā

1. गुडूची। (सु.उ. 36/6), गिलोय, *Tinospora cordifolia* 2. ब्राह्मी। (च.वि. 8/51), बाह्मी, *Centella asiatica* 3. काकोली (ध.नि. 1/32), अष्टवर्ग द्रव्यों में एक, *Roscoea procera* 4. क्षीरकाकोली (ध.नि. 1/34), क्षीरकाकोली, *Lilium polyphyllum* 5. आमलकम् (ध.नि. 1/215), emblic myrobalan 6. हरीतकी (ध.नि. 1/205), chebulic myrobalan

वय:स्थापन vayaḥsthāpana

वयस्तरुणं स्थापयतीति वय:स्थापनम्। (चक्र.-च.सू. 4/18), जो वय (तारुण्य या जवानी) को स्थापित करता है अर्थात् चिरकाल तक यौवन को बनाये रखता है, उसे वय:स्थापन कहा जाता है, maintaining and preserving the freshness of youth

वर vara

वरमिति मनागिष्टम्। (चक्र.-च.सू. 21/17), तुलनात्मक रूप से श्रेष्ठ को 'वर' कहा जाता है, better in comparison

वरण varaṇa

1. आवरणम्। (च.चि. 23/47, अ.सं.सू. 26/6), आवरण, ढकने वाला covering 2. वरुण वृक्षः। (अ.सं.चि 7), वर्ना, a tree

वरणबन्ध varaṇabandha

प्रजारक्षण बन्ध। (का.रेवतीकल्प. 80), प्रजा का रक्षण करने वाला बन्ध, (गर्भस्थित) बालक का रक्षण करने वाला बन्ध, ग्रह बंध, a spiritual procedure performed on a pregnant woman to protect a foetus from evil spirits

वरदा varadā

षण्मुखी नित्यललिता वरदा कामरूपिणी। षष्ठा च ते तिथिः पूज्या पुण्या लोके भविष्यति। (का.सं.चि. बालग्रह चि.), तू छह मुखों वाली, सदा प्रसन्न, वर देने वाली तथा कामरूपिणी होगी तथा लोक में पुण्यकारक षष्ठी तिथि को तेरी पूजा होगी, एक बालग्रह, one of the names of balagrahas

वरनाग varanāga

तीक्ष्णं नीलाञ्जनोपेतं ध्मातं हि बहुशो दृढम्, मृदु कृष्णं द्रुतद्रावि वरनागं तदुच्यते। (रसे.चू. 4/52), तीक्ष्ण लौह को नीलाञ्जन के साथ मूषा में रखकर बहुत देर तक तीव्र धमन करने से मृदु एवं कृष्ण वर्ण की मिश्र धातु बनती है, जो शीघ्र पिघलने वाली होती है, यह वरनाग है, a quickly melting alloy

वरलोह varaloha

वरलोह ताम्रं तीक्ष्णसमायुक्तं द्रुत निक्षिप्य भूरिशः सगन्धलकुचद्रावे निर्गतं वरलोहकम्। (र.र.स. 8/13), शुद्धताम्र एवं शुद्धलोह के समभाग को गलाकर बार-बार गन्धक युक्त लकुचद्राव में बुझाकर निकालने से प्राप्त एक मिश्रधातु, an alloy

वराह varāha

सूकरः, तन्मांसं स्नेहनं वृंहणं वृष्यं श्रमघ्नमनिलनाशनं बल्यं, रोचनं गुरु स्वेदनं च। (च.सू. 27/78-79, अ.हृ.सू. 14/34), सुअर, सुअर का मांस शरीर को स्निग्ध करता है, मांसवर्धक और शुक्रवर्धक है, श्रम एवं वृद्ध वात को शान्त करता है, बलवर्धक, रुचिकर, स्वेदकारक और पचने में भारी होता है, pig, the meat of the pig makes the body unctous, adds to its flesh and increases semen, reduces the fatigue and old age problems, it is difficult to digest

वराहदन्त varāhadanta

वराहस्य दन्तः। (च.चि. 7/160), सुअर का दांत, tooth of a pig

वराहदशन varāhadaśana

सूकर दन्तः। क्षत शुक्रकाख्य नेत्र रोग हर वर्त्युपयोगि द्रव्यम्। (अ.सं.उ. 14), सुअर का दाँत, क्षत शुक्र नामक नेत्र रोगों का नाश करने वाले वर्ति के निर्माण में उपयुक्त एक द्रव्य, tooth of a pig, it is useful in the formation of the varti for the ailments of eyes

वराहमांसप्राया varāhamāṃsaprāyā

वराह मांसस्य नित्यसेवनं कुर्वाण। (च.शा. 8/21), सुअर का मांस नित्य सेवन करने वाली गर्भिणी, a pregnant woman consuming regularly the meat of pig (ham)

वराहवसा varāhavasā

वराहवसा आनूपमृगवसानां श्रेष्ठा। (च.सू. 25/38), सुअर की चर्बी, यह आनूप प्राणियों की वसा में सबसे श्रेष्ठ है, oily part which is separated by boiling the pig meat

वराहविष्ठा varāhaviṣṭhā

वराहविष्ठा च मषी सुदग्धा तैलप्लुता सर्वगतीर्निहन्ति। (अ.सं.उ. 35/26), सुअर का मल, यह अच्छी तरह दहन करके, तैलसिक्त मषी रूप करने से सर्वनाड़ी रोग का नाश करती है, stool of a pig, the stool of a pig, burnt into ashes and saturated in oil removes the ailments of fistula track, sinus track

वरु varu

तृणधान्य। (अ.सं.सू. 6/15), धान्य का एक भेद, a kind of grain

वरुणशाक varuṇaśāka

कफापहं शाकमुक्तं वरुणयो। (सु.सू. 46/271), वरने (वरुण) के पत्ते, इनका सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है, vegetable of leaves of varuna

वरुणात्मजा varuṇātmajā

आसुत-सुरा। (ध.नि. 6/221), सन्धान किया हुआ मद्य, spirituous liquor

वरुणालय varuṇālaya

सामुद्रम्। (चक्र.-च.सू. 27/216), सागर का जल, सागर को वरुणालय कहते हैं, इसलिए वरुणालय में स्थित सिद्धभूत जल भी वरुणालय है, sea, sea water

वर्च varca

पुरीषम्। (च.शा. 7/16, सु.शा. 6/25, अ.हृ.सू. 6/4), विष्ठा, मल, stool, faeces

वर्चःकीट varcaḥkīṭa

सविष कीटः, अयमग्निप्रकृतिकः पित्तजरोगकृच्च। (सु.क. 8/9)। कीट, विषयुक्त कीट, यह कीट अग्निप्रकृति का होकर पित्तज रोगों का कारण होता है, poisonous insect, this insect has agni dominant constitution and is a cause of pitta dominant diseases

वर्चःक्षय varcaḥkṣaya

पुरीषक्षय। (च.चि. 19/41), मल का क्षय, quantitative decrease in stool

वर्चःसङ्ग varcaḥsaṅga

वर्चसोग्रहः। (च.चि. 13/41), मल का रुकना, constipation

वर्चःसांग्राहिक varcaḥsāṅgrāhika

वर्चसः संग्रहकारकः। (च.सि. 6/50), मल को रोकने वाला, substances beneficial in diarrhoea

वर्चःस्थान varcaḥsthāna

पुरीषोत्सर्जनार्थं कृतः स्थानविशेषः। (च.सू. 15/6), मल का निस्सरण/विसर्जन करने के लिए बना हुआ विशेष स्थान, a site meant for passing stool

वर्चकर्म varcakarma

वर्चकर्म न कुर्वन्ति बाला मेत्रयहात् परम्। एवं विद्याच्छिशूनाह लेहयेदिति कश्यपः। (का.सं.सू. लेहाध्याय), जो बालक तीन दिन तक वर्चकर्म (मलत्याग)

नहीं करते हैं, ऐसे बालकों का लेहन कर्म कराना चाहिए, ऐसा भगवान कश्यप का मत है, मलत्याग, defaecation

वर्चोऽप्रवर्तन varcoapravartana

पुरीष अप्रवृत्ति। (च.सू. 7/8), मल के वेग का धारण करने के कारण मल का प्रवर्तन न होना, constipation on account of holding the natural urge of defecation

वर्चोग्रह varcograha

शकृद्विबन्ध। (च.सू. 27/180), मल का विशेष रूप से बंधना, binding of stool/faeces

वचोग्राही varcogrāhī

वर्चोग्राही। (सु.चि. 34/12), मलग्राही, मल को रोकने वाला, मल को बाँधने वाला, the substances that bind the stool/faeces

वर्चोनिरसनी varconirasanī

धमनी भेद। (अ.सं.शा. 6/32), धमनी का एक भेद, वर्चोनिरसनी नाम की धमनी, मल को बाहर निकालने वाली धमनी, dhamani which eliminates faeces

वर्चोनिरोध varconirodha

पुरीषस्यापवर्तन। (सु.उ. 56/8), मल का अवरोध, मल प्रवृत्त न होना, obstruction of faeces/stool

वर्चोभेद varcobheda

द्रवमलत्वम्। (अ.सं.नि. 13/13), अतिसार, watery stool, diarrhoea

वर्चोवाहीस्रोतस् varcovāhīsrotasa

पुरीषवहस्रोतस। (च.वि. 5/21), मल का वहन करने वाला स्रोतस्, srotasa (system) which carries stool/faeces

वर्ज्य varjya

अनुपक्रम्यः, अचिकित्स्यः। (सु.चि. 8/33), जो चिकित्सा किये जाने योग्य नहीं है, one which should not be treated due to incurable nature of the disease

वर्ण varṇa

1. अक्षर। (च.वि. 8/38), अक्षर वर्ण, letter- vowel/consonant 2. शरीरकान्ति। (सु.शा. 4/4), शरीर का वर्ण, lustre of the body 3. ब्राह्मणादयः। (ड.-सु.सू. 29/5), ब्राह्मण, क्षत्रिय आदि वर्ण, castes like brahmin kshatriya 4. कला। (र.र.स. 5/9), कला, जैसे 16 कला, a type of anatomical/physiological structure in the body

वर्णक varṇaka

1. वर्णकरमालेपनम्। (चक्र.-च.चि. 7/92), त्वचो वर्णकरं चूर्णम्, दुष्ट वर्णकेन त्वग् दूष्यते। (च.चि. 23/118), वर्णकर द्रव्य, वर्ण अच्छा करने वाला द्रव्य, substance which glows the complexion 2. कम्पिल्लक। (सु.चि. 25/39), कबीला, a medicinal plant 3. चन्दन। (सु.चि. 25/38), चंदन, sandal wood 4. रोचनिका, तस्यास्त्वक् नारीक्षीरेण पिष्ट्वा पित्ताभिष्यन्देऽञ्जनम्। (सु.उ. 10/10), रोचनिका, rocanika

वर्णदात्री varṇadātrī

हरिद्रा। (रा.नि. 6/47), हरिद्रा नामक वनस्पति, turmeric

वर्णनाश varṇanāśa

वर्णहानिः। (च.चि. 4/27), वर्ण की हानि, diminished complexion

वर्णपञ्चक varṇapañcaka

पञ्चानां वर्णानां सितहरितकृष्णपीतरक्तानाम्। (ड.-सु.नि. 6/26), पाँच प्रकार के वर्णों का समुदाय जैसे शुक्ल, हरित, कृष्ण, पीत और रक्त, a group of five types of complexions viz white, green, black, yellow and red

वर्णपुष्पी varṇapuṣpī

उष्ट्रकाण्डी। (रा.नि.परि. 10/43), उष्ट्रकाण्डी वनस्पति, a medicinal plant

वर्णपूरक varṇapūraka

शालि। (ध.नि. 6/71), वनस्पति, चावल का एक भेद, a type of rice grain

वर्णप्रणाश varṇapraṇāśa

वर्णनाश। (च.सू. 16/15), वर्ण का नाश, diminished complexion

वर्णप्रसाद varṇaprasāda

शरीर कान्ति। (सु.सू. 15/5-1), वर्ण स्वच्छ होना, प्रसन्न वर्ण, glowing of complexion

वर्णप्रसादन varṇaprasādana

1. काष्ठागरु। (रा.नि. 12/42), काष्ठागरु नामक वनस्पति, a medicinal plant 2. वर्णवैशद्यकर। (सु.सू. 38/25), वर्ण का प्रसादन करने वाला, things causing glow of complexion

वर्णभेद varṇabheda

गौरादिवर्णान्यत्वम्। (सु.सू. 15/26), गौरादि प्राकृत वर्ण से भिन्न वर्ण का होना, change in normal complexion

वर्णभेदिनी varṇabhedinī

प्रियङ्गु। (ध.नि. 3/16), प्रियंगु नामक वनस्पति, a medicinal herb

वर्णमूषा varṇamūṣā

वर्णमूषेति सा प्रोक्ता वर्णोत्कर्षे नियुज्यते। (र.त. 10/16), स्वर्णादि धातु, उपधातु, रस, उपरस आदि के वर्णों की श्रेष्ठता हेतु प्रयोग होने वाली मूषा, furnace used to improve the colours of metals, minerals etc

वर्णवती varṇavatī

हरिद्रा पीतिका पिङ्गा रजनी रञ्जिनी निशा गौरी वर्णवती पीता हरिता वरवर्णिनी। (ध.नि. 1/54), हल्दी नामक वनस्पति, वर्ण अच्छा करने वाली, a medicinal plant, turmeric, the herb which improves complexion

वर्णविलासिनी varṇavilāsinī

हरिद्रा भद्रलता ज्ञेया वर्णविलासिनी। (ध.नि. 1/55), हल्दी, रंग साफ करने वाली वनस्पति, turmeric, which improves complexion

42—4 Min. of HRD/2016

वर्णवृद्धा varṇavṛddhā

वर्णवृद्धां वर्णश्रेष्ठमित्यर्थः, यथा शूद्रो न वेश्यां, वैश्यो न क्षत्रियां, क्षत्रियो न ब्राह्मणीमिति। (ड.-सु.चि. 24/115), वर्णश्रेष्ठ, वर्ण में श्रेष्ठी स्त्री, a woman of upper caste

वर्णशुद्धि varṇaśuddhi

सम्यक् विरेचन लक्षण। (च.सू. 16/5), वर्ण की प्रसन्नता, विरेचन के सम्यक् योग का एक लक्षण, glow of complexion, sign of appropriate virechana

वर्णस्वरीय varṇasvarīya

वर्णस्वरावधिकृत्य कृतो वर्णस्वरीयः। (चक्र.-च.इ. 1/1), वर्ण और स्वर को अधिकरण समझकर किया हुआ अध्याय, one chapter in charak indriyasthana in context with complexion and voice

वर्णाधिकार varṇādhikāra

वर्णान् अधिकृत्य यदुच्यते तत्र प्रकरणम्। (च.इ. 1/8), वर्णों को अधिकरण मानकर जिसमें विवेचन किया जाता है, ऐसा प्रकरण, topic in context with complexion

वर्ण्य varṇya

1. वर्णाय हितम् इति वर्णयम्। (च.सू. 1/87), वर्ण को अच्छा करने वाला, beneficial to glow 2. यो वर्ण्यं वर्णयति; यः साध्यं साधयतीत्यर्थः। (चक्र.-च.वि. 8/34), साध्यधर्मो यत्र वर्ण्यते स, पक्षः दृष्टान्तश्च वर्ण्य इति। (च.वि. 8/57), वर्ण के हितकर साध्य (अनुमान और प्रमाण); साध्य का धर्म जहाँ वर्णन किया जाता है, उस पक्ष और दृष्टान्त को वर्ण्य कहते हैं, sadhya (goal) as in anuman and pramana, where the nature of goal is described, that paksha and drishtanta are called as varnya

वर्ण्यलेप varṇyalepa

रक्तचन्दनमञ्जिष्ठा लोध्रकुष्ठप्रियङ्ग्व, वटांकुरा मसूराश्च व्यङ्गघ्ना मुखकान्तिदाः। (शा.उ. 11/9), रक्तचन्दन, मंजिष्ठा, लोध्र, कुष्ठ, प्रियंगु, वटांकुर, मसूर इन द्रव्यों का लेप व्यंगनाशक एवं मुखकान्ति देने वाला है, lusture promoting paste, complexion promoting paste

वर्ण्यसम varṇyasama

वर्ण्येन साध्येन दृष्टान्तोऽप्यसिद्धत्वेन सम इति वर्ण्यसमः। (चक्र.-च.वि. 8/57), एक तन्त्रयुक्ति, हेत्वाभास का एक प्रकार, one of the tantrayuktis, a type of hetvabhasa (fallacy of analogy)

वर्त varta

1. वर्तुलीकरणम्। (चक्र.-च.सू. 20/12), वातविकार में वायु का एक आत्मरूप कर्म, गोलाकार बनाना, to make circular shape, one of the actions of vata dosa 2. वर्तलोह। (र.र.स. 5/3-4), लोह का एक प्रकार, वर्तलोह, a type of iron

वर्तक vartaka

विष्किर पक्षी; कषायः कटुर्लघुःमेध्याग्निवर्धनवृष्यग्राहिवर्णप्रसादकरो वातघ्नश्च। (अ.सं.सू. 7/60), बटेर, a type of bird

वर्तका vartakā

वर्तका अकस्मादुत्पतन्तः क्षोभं मनसो जनयन्तीति लोकप्रसिद्धम्। (चक्र.-च.सू. 30/72), जिस प्रकार पक्षी अचानक उड़ जाते हैं, उसी प्रकार पल्लवग्राही चिकित्सक, रोगी की स्थिति खराब होने पर भाग जाता है, जिससे रोगी का मन दुःखी होता है, ऐसे चिकित्सक वर्तका कहलाते हैं, sciolist

वर्तन vartana

1. यापनं रक्षणम्। (अ.हृ.सू. 1/7), यापन करना, रक्षण करना, to maintain, to protect 2. वर्तुलीकरण। (सु.सू. 1/17 अ.सं.सू. 20/20), वर्तुलाकार करना, to give circular shape, round shape 3. विसृतस्य वर्तुलीकरणम्। (ड.-सु.सू. 7/17), अन्यमुखस्य स्वमूलसम्मुखीकरणं परिवर्तनम्। (इन्दु.-अ.सं.सू. 34/18), शल्य को गोल घूमाकर निकालना, to remove the shalya by rotating

वर्तनस्तम्भिता vartanastambhitā

वर्तनेन कठिनीकृता। (चक्र.-च.चि. 2/12), वर्तन कर्म से कठिन की हुई गुलिका, a pill which is made hard by rotating, hardening

वर्तमान vartamāna

1. क्रिया विशेषवान्। (सु.सू. 2/6), प्रवर्तमानम्। (ड.-सु.शा. 3/11), विशेष क्रिया करने वाला, कार्य के लिए प्रवृत्त होने वाला, one who is performing a special action, who is initiated to do work 2. वर्तमाने अङ्गुलि पीडनात् वर्तितां गच्छति। (चक्र.-च.क. 12/103), अंगुलि दबाने से गोलाकार होने वाला, becomes circular on pressing with fingers

वर्ति varti

1. वर्तिरिति फलवर्तिः। (चक्र.-च.वि. 2/13), मल के निस्सरण के लिए प्रयुक्त फलवर्ति, purgative wick used for eliminating faeces 2. वात निग्रहजे विकारे उपयुज्यते। (च.सू. 7/13), वात दोष के निग्रहण से उत्पन्न विकारों में इसका उपयोग किया जाता है, used for the diseases caused due to withholding of natural urge of adhovata 3. नेत्ररोग शमनार्थं कृतौषधि द्रव्याणां गुटिका। (सु.उ. 11/10), आँखों के रोगों का नाश करने के लिए औषधि द्रव्यों की बनाई हुई गुटिका, a pill used for curing diseases of eyes 4. विकेशिका। (सु.सू. 5/17, र. 24/99), विकेशिका, wick 5. कफवर्तिः। (ड.-सु.क 3/42-43), लाला स्वरूप कफ की वर्ती, sticky cough moulded as string

वर्तिका vartikā

1. वर्तिकाद्वर्तिकाया। (चक्र.-च.सू. 27/48), वर्तीर भेद। (ड.-सु.सू. 46/59, अ.हृ.सू. 6/45), वर्तक के समान पक्षी, वर्तीर का एक भेद, a type of bird 2. अजशृङ्गी। (ध.नि. 1/85), अजशृंगी नाम की औषधि, a type of medicinal plant

वर्तिक्रिया vartikriyā

चतुर्गुणेन क्वाथेन पाकात् वर्त्याकारता कर्तव्या। (चक्र.-च.क. 1/21), चार गुणा पानी डालकर पका कर वर्ति का आकार देना, boiled and solidified with adding four times of decoction and then rolled to a wick

वर्तित vartita

वर्तीकृत। (च.चि. 18/145), वर्ती का आकार दिया हुआ, prepared in the shape of wick

वर्तिप्रयोग vartiprayoga

धूमवर्तिप्रयोगः। (ड.-सु.उ. 55/29), चिकित्सा का एक प्रकार, धूमवर्ती का प्रयोग, a type of treatment, use of medicated wick prepared for inhalation

वर्ती vartī

वर्तिः। (सु.उ. 11/10), वर्ती, wick

वर्तीर vartīra

विष्किर पक्षीविशेष। (ध.नि. 6/75, अ.सं.सू. 7/74), कपिञ्जलानूकः कपिञ्जलादल्पो वर्तिकातः किञ्चिन्महान् वर्तिकासदृश एव। (ड.-सु.सू. 46/59), विष्किर पक्षियों में एक कपिञ्जल के समान पक्षी, a bird similar to kapinjala

वर्तीरक vartīraka

कपिञ्जलभेदः। (चक्र.-च.सू. 27/47), एक पक्षी, कपिञ्जल का एक भेद, a bird, a type of kapinjala bird

वर्तुल vartula

1. वृत्तः। (र.र.स. 18/26), वर्तुलाकार, round shaped 2. गुण्ठ। (ध.नि. 1/83), एक वनस्पति, गुण्ठ, a medicinal plant 3. कलाय। (ध.नि. 6/103), मटर, pea 4. गृञ्जन। (रा.नि. 7/55), गाजर, carrot 5. टङ्कण। (रा.नि. 6/29), खनिज, टंकण, borax

वर्त्म vartma

1. नेत्रपुट। (र.र.स. 23/31), नेत्राच्छादनम्। (ड.-सु.सू. 12/9), नेत्र का पुट, नेत्र का आच्छादन, covering of eye, eyelid 2. मार्ग। (अ.सं.सू. 3/50), मार्ग, a path

वर्त्मकर्दम vartmakardama

क्लिन्नत्वमापन्नं क्लिष्टमेव वर्त्मकर्दम उच्यते। (सु.उ. 3/19), नेत्र रोग विशेष, कर्दम नाम का एक नेत्र रोग, जिसमें आर्द्रता हो, lid abscess

वर्त्मकोष vartmakoṣa

नेत्रपुट कोष। (सु.उ. 1/22), नेत्रपुट का कोष, covering of eye lid, conjunctival culde-sac

वर्त्मगतरोगविज्ञानीय vartmagatarogavijñānīya

वर्त्मगतरोगविज्ञानमधिकृत्य कृतोऽध्यायः। (सु.उ. 3/1), सुश्रुतसंहिता उत्तरतन्त्र तीसरा अध्याय, name of a chapter in which vartmaroga is described

वर्त्मपटल vartmapaṭala

नेत्रे वर्त्माख्यस्य विभागस्य त्वक्सदृशो भागः। (सु.उ. 1/17), नेत्र में वर्त्म नामक विभाग का त्वचा के समान भाग, a skin like part of the eyelid

वर्त्ममण्डल vartmamaṇḍala

पक्ष्मादीनां पञ्चमण्डलानि, पक्ष्मवर्त्मेत्यादि। (ड.-सु.उ. 1/15), पक्ष्म आदि पाँच मण्डल, पक्ष्मवर्त्म इत्यादि, नेत्र पक्ष्म के अन्तर्गत भाग, circular area formed by eye lids which is inner to that formed by eye lashes

वर्त्मरोग vartmaroga

ते च वर्त्माश्रया रोगा एकविंशतिरभिहिताः। (ड.-सु.उ. 3/8), वर्त्म रोग इक्कीस कहे गए हैं, नेत्र के आवरण के अन्तर्भाग मे होने वाली व्याधि, there are twenty one diseases of vartma, a disease occuring inside the eyelid

वर्त्मशर्करा vartmaśarkarā

पिडकाभिः सुसूक्ष्माभिर्घनाभिरभिसंवृता। पिडका या खरा स्थूला सा ज्ञेया वर्त्मशर्करा। (सु.उ. 3/12), नेत्र रोग, वर्त्म पर आश्रित इक्कीस रोगों में से एक नेत्र रोग, वर्त्म के ऊपर अनेक पिड़का, granular form of trachoma

वर्त्मसङ्कोच vartmasaṅkoca

नेत्ररोग, वर्त्मनः संकोचः। (च.सू. 20/11), उभय निमेषयोः संकुचितत्वम्, अशीतिवातविकारेषु एकः। (अ.सं.सू. 20/13), नेत्ररोग का एक प्रकार, 80 वातविकारों में से एक, इसमें दोनो नेत्रावरणों का संकोच हो जाता है, disease of eye due to vata, in which both eyelids get constricted

वर्त्मस्तम्भ vartmastambha

वर्त्मनः स्तम्भः, अशीतिवातविकारणां एकम्, उभयोः निमेषयोः मध्ये विद्यमाने जलोदः बहिर्निगमनमार्गस्य अवरोधः। (च.सू. 20/11), नेत्ररोग का एक भेद, अस्सी वातविकारों में से एक, disease of eye, one of the 80 vatavikaras in which the ducts are obstructed

वर्त्मावबन्ध vartmāvabandha

अयं साध्यो नेत्ररोगः। (सु.उ. 1/40), लेख्यवर्त्मरोग। (सु.उ. 13/14-15), नेत्ररोग का एक भेद, लेख्य वर्त्मरोग, disease of eyelid, cured by scrapping

वर्त्मोपलेपि vartmopalepi

वर्त्मोपलेपि वर्त्मोपलेपनयोग्यम्। (ड.-सु.उ. 18/65), वर्त्मोपलेपन के योग्य अञ्जन, जो अंगुलि से लगाया जाता है, appropriate collyrium, applied by finger

वर्ध vardha

स्वस्थीभूतस्य नाभिं च सूत्रेण चतुरङ्गुलात्। बद्धोर्ध्वं वर्धयित्वा च ग्रीवायामवसञ्जयेत्। (अ.हृ.उ. 1/5), समाश्वतस्य च बालस्य नाभिं चतुरङ्गुलादूर्ध्वं सूत्रेण बद्ध्वाऽनन्तरं छेदयित्वा ग्रीवायां योजयेत्। (अरु.-अ.हृ.उ. 1/5), छेदन, कर्तन (नाभिनाल के संदर्भ में), excision (in the reference of umbilical cord)

वर्धमान vardhamāna

वर्धमानस्य तु शिशोर्यासेमासे विवर्धयेत्। अथामलकमात्रं तु परं विद्वानं वर्धयेत्। (का.सं.सू. लेहाध्याय 18), शिशु की जैसे-जैसे वृद्धि होती जाए, प्रत्येक मास औषधि की मात्रा भी बढ़ानी चाहिए, परन्तु विद्वान चिकित्सक आंवले के परिमाण से अधिक मात्रा न बढ़ाएं, gradual increase of medicine dose in child

वर्षणिका varṣaṇikā

अल्पघटी, सहस्त्रधारा इत्यन्ये। (चक्र.-च.सू. 14/44), छोटे आकार का घड़ा, कूल सींचने का फुहारा, small pitcher

वर्षाशीतोचिताङ्ग varṣāśītocitāṅga

उचित अभ्यस्तम्, 'उच समवाये' इत्यस्माद्धातोः; शीतमुचितान्यङ्गानि येषां, तेषाम्। (चक्र.-च.सू. 6/41), वर्षा ऋतु की शीत से अभ्यस्त अंगो वाला पुरुष, a person who is used to cold of rainy season

वलय valaya

व्याधिमूले वलयमिव वलयम्। (ड.-सु.सू. 12/11), व्याधि के मूल में चारों ओर गोलाकार दहन, annular cauterization

वल्ल valla

त्रिगुञ्जो वल्ल उच्यते। (शा.सं.प्र. 1/40), तीन गुञ्जा के बराबर एक वल्ल होता है, a measurement equal to three gunja

वल्लीपञ्चमूल vallīpañcamūla

विदारीसारिवारजनीगुडूच्योऽजश्रृङ्गी चेति। (सु.सू. 38/72), विदारीकन्द, अनन्तमूल, हरिद्रा, गिलोय एवं अजश्रृंगी के मूल को सम्मिलित रूप से वल्लीपंचमूल कहा जाता है, roots of five creepers

वल्लूर vallūra

वल्लूरं शुष्कमांसम्। (चक्र.-च.सू. 5/10), शुष्क मांस, dried meat

वसा vasā

वसा। (च.सू. 13/13), चर्बी, animal fat

वसु vasu

वसुसंख्या अष्टमिता, 'अष्टौवसव' इति स्मरणात्। (र.त. 2/62), अष्ट संख्या को दर्शाने के लिये 'वसु' शब्द का प्रयोग होता है, number 8

वस्तौ vastau

तयोरूभयतः पार्श्वयोरपि वस्तौ। (का.सं.सू. 20/4), राजदंतों के दोनों पार्श्वों में दो दांत वस्त कहलाते हैं, teeth lateral to central incisors, lateral incisors

वस्वब्धितोलक vasvabdhitolaka

वस्वब्धितोलक। (र.त. 6/129), 48 तोला मान का दर्शक, denotes 48 tola

वाक्सङ्ग vāksaṅga

वाक्सङ्गे निर्गमो वचनस्य। (विज.-मा.नि. 22/45), वाणी रुक जाना, speechlessness, aphonia

वाट्य vāṭya

वाट्य भृष्टयवौदनः। (चक्र.-च.सू. 27/265), वाट्य अर्थात् भूने हुए यव का ओदन (भात), kind of dish prepared with roasted barley

वाट्यमण्ड vāṭyamaṇḍa

सुकण्डितौः कृतनिस्तुषैः भृष्टैर्यवैवाट्यमण्डः प्रकीर्तितः। (काशि.-शा.सं.म. 2/172), एक भाग निस्तुष भर्जितयव का यवकुट चूर्ण एवं चौदह भाग जल में पकाकर बना हुआ मण्ड वाट्यमण्ड है, a gruel

वातकण्टक vātakaṇṭaka

वातकण्टको गुल्फाश्रितो वातः। (चक्र.-च.सू. 14/23), यदा विषमपादन्यासकुपितः श्रमकुपितो वा वायुर्गुल्फे वेदनां जनयति तं वातकण्टकमित्याहुः, अयमेवान्यत्र

खुड्डकावात इत्युक्तः। (मधु.-मा.नि. 22/61), गुल्फाश्रित वात, जिसमें कि पीड़ा होती है, वह 'वातकण्टक' है, sprained or strained ankle

वातखुड्डता vātakhuḍḍatā

वातखुड्डता 'चालुक' इति प्रसिद्धः। (चक्र.-च.सू. 20/11), गुल्फ संधि या जंघा की संधियों में पीड़ा होना वातखुड्डता कहा गया है, इसे लोक में 'चालुक' कहा गया है, pain in ankle joint

वातबलाश vātabalāśa

देखें. वातबलास।

वातबलास vātabalāsa

वातस्यावरणेन बलमस्त्यस्मिञ् शोणिते इति वातबलाशः। (चक्र.-च.चि. 29/11), इस व्याधि में वायु का बल रक्त द्वारा आवृत होने के कारण बढ़ जाता है, इस कारण वातरक्त रोग को वातबलास/वातबलाश कहा जाता है, since the strength of vayu is aggravated by the avarana of rakta, vatasonita is called as vatabalasa

वातला vātalā

वातला वातप्रधानाः। (चक्र.-च.सू. 7/39), वात प्रधान प्रकृति, vata prakriti

वातहतवर्त्म vātahatavartma

असाध्यो वातजो नेत्ररोगः। (सु.उ. 1/29-30), वर्त्म यत्तु निमील्यते विमुक्तसंधि निश्चेष्टं हीनं वातहतं हि तत्। (अ.ह.उ. 8/5), एक असाध्य वातज नेत्र रोग, एक नेत्ररोग जिसमें नेत्रपटल निश्चेष्ट होकर नीचे झुक जाता हो, ptosis of eye

वाताश्मरी vātāśmarī

अश्मरी चात्रश्यावः परुषा विषमा खरा कदम्बपुष्पवत्कण्टकाचिता भवति तां वातिकीमिती विद्यात्। (सु.नि. 3/10), एक प्रकार की अश्मरी जो वात के प्रकोप से होती है, यह स्पर्श में कठोर, खुरदरी, कदम्ब के फूल समान कंटीली तथा श्याववर्ण की होती है, a type of stone formed by derangement of vata, it is hard, rough, spiked like flower of kadamba and blackish in colour, oxalate stone

वानस्पत्य vānaspatya

पुष्पैर्वानस्पत्यः फलैरपि। (च.सू. 1/72), पुष्पैर्वानस्पत्यः फलैरपीति पुष्पानन्तरं फलभाज इत्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 1/72), जिसमें फल आने से पूर्व व्यक्त रूप से पुष्प आते हैं, वे वानस्पत्य हैं, plants that have clearely manifested flower before the fruits

वापी vāpī

वापी इष्टकादिबद्धतीर्था दीर्घिकाः। (चक्र.-च.सू. 27/214), वापी पाषाणादिबद्धा ससोपाना स्वल्पा जलाधारिका। (ड.-सु.उ. 64/41), ईंट आदि से बंधा हुआ बड़े आकार का सीढ़ी युक्त कूप, large water well made of bricks

वायु vāyu

1. वायु महाभूत, vayu mahabhuta 2. तीन दोषों में एक, one among the three doshas

वायोनिग्रह vāyonigraha

वायोर्निग्रहादिति क्षेप्तुर्वायोनिग्रहात् प्राकृतं स्थानं कोष्ठं याति। (चक्र.-च.सू. 28/33), वायु के क्षेप्ता (धक्का देने वाला) होने के कारण वायु के निग्रह (रोकने) से दोष अपने स्वाभाविक स्थान से कोष्ठ में चले जाते हैं, यही वायोनिग्रह का अर्थ है, retardation by vata leading to settling down of morbid elements from their original place to koshth

वारितर vāritara

मृतं तरति यत्तोये लोहं वारितरं हितत्। (र.र.स. 8/27), धातु भस्म को स्थिर जल के ऊपर डालने पर यदि वह तैरती है, तो उसे वारितर कहते हैं, यह भस्म निर्माण परीक्षा है, a test for quality of calcined preparation, if it floats over the water it is varitara

वारिसम्भवा vārisambhavā

वारिसम्भवेति तृण जलौका प्रतिषेधार्थं। दूषित जल में उत्पन्न कवकतन्तुओं को खाने वाली जोंक, the leech which eats hydrophytes which grow in stagnant water

वारुणी vāruṇī

1. जातहारिणी, रेवती ग्रह के बीस नामों में से एक है, जिसका अर्थ है वरुण की पत्नी या पुत्री, one of twenty synonyms of revati graha which means wife or dauaghter of Varuna 2. यत्र तालखर्जूररसैः संधिता सा हि वारुणीः। (शा.सं.म. 9/7), ताड़ एवं खर्जूर वृक्ष से निर्गत रस के सन्धान से उत्पन्न मद्य, ताड़ी, a wine prepared from date and palm tree juice

वार्तलक्षण vārtalakṣaṇa

वार्तलक्षणमिति आरोग्यलक्षणानाम्। (चक्र.-च.सू. 25/40), आरोग्य के लक्षणों को वार्तलक्षण कहा जाता है, features of health

वार्ता vārtā

तदास्त्रीयाकृतिभूयिष्ठामस्त्रियं वार्तो नाम जनयति, तां स्त्रीव्यापदमाचक्षते। (च.शा. 4/30), वार्ता नामेति वार्तासंज्ञा शास्त्रसमयकृता। (चक्र.-च.शा. 4/30), तब वह अधिकाधिक स्त्री की आकृति वाली, जो स्त्री से भिन्न हो, 'वार्ता' नामक संतति उत्पन्न करती है, उसको स्त्री व्यापद कहते हैं, female hermaphrodite

वार्ताक vārtāka

दक्षिणापथे फलवत् खाद्यते यद्गोष्ठवार्ताक संज्ञकम्। (चक्र.-च.सू. 27/162), दक्षिण भारत में फल के समान खाया जाने वाला, यह गायों के निवास समीप उत्पन्न होने वाला है, बैंगन, brinjal, used as fruit in south India

वाष्पनिग्रह vāṣpanigraha

शिरोऽभिघातादुष्टामाद्रोदनाद्वाष्पनिग्रहात्। (च.सू. 17/10), अश्रुनिग्रह, आँसू रोकना, यह उदावर्त करता है, यह शिरोरोग का एक हेतु है, withholding tears, it causes udavarta and shiroroga

3—4 Min. of HRD/2016

वाष्परोधज vāṣparodhaja

वाष्परोधजानाह-पीनसाक्षीति। अक्षिरोगः शिरोरोगः हृद्रोगश्च। (अ.ह.सू. 4/6), वाष्परोध, अश्रुनिग्रह से उत्पन्न व्याधि, अक्षिरोग, शिरोरोग और हृदय रोग आदि, the diseases caused due to withholding of the tears are disease of eye, head and heart

वास्तुनिवास vāstunivāsa

वास्तुनिवासाः गृहभूमिनिवासिनः। (ड.-सु.सू. 5/33), गृह (घर) में निवास करना, residing at home

वाही vāhī

द्रोणी का पर्यायवाची, एक मान। (शा.सं.प्र. 1/29), भार मान, a measurement

विकर्षण vikarṣaṇa

विगृह्य कर्षणम्, अन्ये मांसादिप्रतिबद्धशल्यस्य मोचनमाहुः। (ड.-सु.सू. 7/17), पकड़ने के बाद खींचना, मांसादि में बद्ध शल्य को विमुक्त करना, catch and pull

विकाशि vikāśi

सन्धिबन्धांस्तु शिथिलान्यत्करोति विकाशि तत्। (शा.सं.प्र. 4/20), यद्द्रव्यं सन्धिबन्धान् शिथिलीभूतान् करोति-तद्विकाशि बोद्धव्यम्। (आढ.-शा.सं.प्र. 4/20), यद्द्रव्यं धातुभ्यः ओजः वीर्यं विश्लेष्य सन्धिबन्धान् शिथिलान् करोति तद्विकाशि। (काशि.-शा.सं.प्र. 4/20), जो द्रव्य धातुओं से ओज एवं वीर्य को विश्लेष करके शरीर की सन्धियों को शिथिल करते हैं, वह विकाशि है, that produces laxity of joints by displacing ojas and virya from the dhatus

विकाषी vikāṣī

विकाषी विकषन् धातून् सन्धिबन्धान् विमुच्यति। (अ.सं.सू. 1/29), विकाषी धातून् विकषन् हिंसन् सन्धिबन्धानुपलेपादिकान्मुञ्चति नाशयति। (इन्दु.-अ.सं.सू. 1/29), विकाषी तीक्ष्णप्रकर्षः। (इन्दु.-अ.सं.सू. 1/29), जो द्रव्य धातुओं को अभीघात करके सन्धिबन्धों के उपलेपों को नाश करते हैं, वह विकाषी हैं, तीक्ष्णगुण की अधिकता विकाषी है, that vitiates the dhatus and thereby harms the adhesives of joints, a higher degree/grade of tiksha guna

विकासी vikāsī

1. विकासी विकसन्नेवं धातुबन्धान् विमोक्षयेत्। (सु.सू. 46/523), विकसन् प्रसर्पन्, एवमिति अपक्व एव सकलं देहं व्याप्य, धातुबंन्धान् विमोक्षयेत् धातुशैथिल्यं करोतीत्यर्थः। (ड.-सु.सू. 46/523), अपक्व ही सारे शरीर में व्याप्त होकर संधिबंधनों को शिथिल करता है, that spreads alover the body before any metabolism and then produces laxty of dhatus 2. तीक्ष्णविशेषो विकासि। (ड.-सु.सू. 46/523), विकासी तीक्ष्ण विशेष है, vikasi is tikshna 3. विकासी क्लेदच्छेदनः। (चक्र.-च.सू. 26/43), आर्द्रता को छेदन करने वाला विकासी है, dehydrating 4. विकासीति हृदयविकसनशीलः। (चक्र.-च.सू. 26/79), हृदय का विकसन करने वाला, cardio-dialator

विकृति vikṛti

विकृतिः विकारः। (चक्र.-च.सू. 8/16), विकार, abnormal state

विगतश्लेष्म vigataśleṣma

कफ का कम होना। (सु.चि. 33/20), decreased kapha

विचार vicāra

विचरणं विचारो गतिरित्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 26/11), विचरण अथवा गतिशीलता के कारण इसे विचार कहते हैं, thought process

विचारणा vicāraṇā

विचारणा द्रव्यान्तरासंयुक्तस्नेहपानं वर्जयित्वा स्नेहोपयोगः। (चक्र.-च.सू. 13/4), अन्य द्रव्यों के साथ मिलकर स्नेह का प्रयोग करना विचारणा है, इसमें केवल स्नेह का प्रयोग नहीं किया जाता है, taking of sneha by adding other things

विचार्य vicārya

विचार्यम् उपपत्त्यनुपपत्तिभ्यां यद्विमृश्यते। (चक्र.-च.शा. 1/20), उपपत्ति एवं अनुपपत्ति के द्वारा जिस विषय के बारे में आलोचना की जाती है, the object about which a critical analysis is made by arguments and counter arguments

विचेतन vicetana

विचेतनोऽल्पचेतनः ईषत्स्पर्शादिज्ञानवानित्यर्थः। (विज.-मा.नि. 22/40), अल्पचेतनावान् यानि स्पर्श आदि संज्ञाओं को अल्पमात्र में अनुभव करने वाला, having impaired sensation

विचेष्ट viceṣṭa

विचेष्टो विरुद्धचेष्टः। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 18/8), विरुद्ध चेष्टा करने वाला, who does abnormal activity

विच्छिन्न vicchinna

विच्छिन्नं अल्पाल्पप्रवर्तकम्। (ड.-सु.उ. 40/17), रुक-रुक कर होने वालां, intermittent

विजृम्भा vijṛmbhā

विजृम्भको बहिरायामः, जृम्भाबहुत्वं वा। (चक्र.-च.सू. 14/21), 1. बहिरायाम, bahirayama 2. अधिक जम्हाई आना, excessive yawning

विज्ञान vijñāna

शास्त्रज्ञानम्। (चक्र.-च.सू. 1/58), विशिष्टज्ञानम्। (श.क.द्रु.), विज्ञानं शास्त्रार्थज्ञानम्। (चक्र.-च.शा. 1/40), शास्त्रसम्मत, विशिष्ट या प्रायोगिक ज्ञान, textual or technical knowledge

विट्सङ्ग viṭsaṅga

विट्सङ्ग पुरीषाप्रवृत्तिः। (विज.-मा.नि. 3/5), मलबन्ध या मलावरोध, constipation

विड viḍa

1. क्षारैरम्लैश्च गन्धाद्यैर्मूत्रैश्च पटुभिस्तथा, रसग्रासस्य जीर्णार्थं तद् विडं परिकीर्त्तितम्। (रसे.चू. 4/103), क्षार, अम्लपदार्थ, गन्धादि मूत्र तथा सैन्धव नमक आदि में से किसी एक या अनेक पदार्थों को एकत्र मिलाकर जो पदार्थ तैयार किया जाता है और जो पारद में देने से पूर्णतया ग्रास को जीर्ण करा देते

हैं, उन्हें विड़ कहते हैं, drug used for exhausion of mercury 2. कृत्रिमलवण। (सु.सू. 46/313), a type of salt

वित्रासन vitrāsana

वित्रासनं झटिति भयजनकम्। (चक्र.-च.सू. 11/37), अचानक भय उत्पन्न करने वाला 'वित्रासन' कहा गया है, alarming, fear caused by the sudden realisation of danger

विदाही vidāhī

द्रव्य स्वभावादथ गौरवाद् वा चिरेण पाकं जठराग्नियोगात्, पित्तप्रकोपं विदहत् करोति तदन्नपानं कथितं विदाही। (ड.-सु.सू. 45/158), जो द्रव्य स्वभाव से गौरव होने के कारण देर से पाक को प्राप्त होते हैं वह पित्त का प्रकोप कर अन्न का विदाह उत्पन्न करते हैं, उन्हे विदाही कहते हैं, gastric irritant, causing hyperacidity

विद्रुता vidrutā

अनवस्थित विद्घा विद्रुता। (सु.शा. 8/19), अस्थिरता के कारण गलत तरीके से सिरा वेध, असम्यक् (दुष्ट) सिरा वेध, an improper type of phlebotomy where the venesection is done carelessly and hastily

विनमन vinamana

निम्नीकरणम्। (ड.-सु.सू. 7/17), नीचे को दबाना, एक प्रकार का यन्त्रकर्म, depression

विनाम vināma

विनमनं शरीरस्य विनामः। (चक्र.-च.सू. 7/6), विनामो नत गात्रता कटिवक्रतेत्यर्थः। (च.प.), शरीर का आगे की ओर झुकना, शरीर का कमर से आगे की ओर झुकना, forward bending of the body

विनामक vināmaka

विनामकः शरीर विनमनकारी वातः। (चक्र.-च.सू. 14/21), एक वात रोग जिसमें शरीर आगे को झुक जाता है, a vata roga in which body bends forward

विपरीतगुण viparītaguṇa

विपरीतगुणो वातादिगतरौक्ष्यादिविपरीतस्नेहादिगुण इत्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 7/41), वातादि के रौक्ष्यादि गुणों के विपरीत अर्थात् स्नेहादि गुण, use of opposite guna e.g. raukshya is attribute of vata, its apposite is snigdha

विपाक vipāka

कर्मनिष्ठयाः। (च.सू. 26/66), परिणामलक्षणोविपाकः। (र.वै.सू. 1/170), कर्मनिष्ठा क्रियापरिसमाप्ति। (चक्र.-च.सू. 26/66), जठराग्नियोगादाहारस्य निष्ठाकाले यो गुण उत्पद्यते स विपाकः। (चक्र.-च.सू. 26/57), जाठरेणाग्निना योगाद्यदुदेति रसान्तरम्। आहारपरिणामान्ते स विपाकः प्रकीर्तितः। (अ.ह.सू. 9/20), विपाकजश्च रस आहारपरिणामन्ते भवति, प्राकृतस्तु रसो विपाकविरुद्धः परिणामकालं वर्जयित्वा ज्ञेयः। (चक्र.-च.सू. 26/63), पाचन क्रिया परिसमाप्ति में उत्पन्न विशिष्ट स्थिति या रसविशेष को विपाक कहते हैं, विपाक का निर्णय उसके कर्म से किया जाता है, विपाक का लक्षण है- जठराग्नि के योग से

(सम्पर्क से) आहार के निष्ठा काल में (अन्त में) जो गुण उत्पन्न होता है, वह विपाक कहलाता है, जैसा कि वचन है- जाठराग्नि के योग से (सम्पर्क से) जो आहार के पूर्णत: पच जाने पर अन्त में जो दूसरा रस उत्पन्न होता है, उसे विपाक कहा जाता है, विपाक से उत्पन्न रस आहार परिणाम के अन्त में होता है, प्राकृत रस (द्रव्य का स्वाभाविक रस) विपाक विरुद्ध के आधार परिणाम काल के बिना ही जानना चाहिए, इस तथ्य से पिप्पली के कटु रस से पहले कण्ठ स्थित श्लेष्मा का क्षय और मुख शोधन आदि कार्य होता है और मधुर विपाक तो उसके परिणाम से प्राप्त वृष्यत्व आदि गुणों को जानने से सप्रयोजन होता है, post digestive changes, the end product obtained after the complete digestion of a drug

विपादिका vipādikā

विपादिका पाणिपादस्फुटनम्। (चक्र.-च.सू. 20/11), हाथ-पैर का फटना विपादिका कहलाता है, cracks in palms & feet

विप्रकृष्टहेतु viprakṛṣṭa hetu

विप्रकृष्टो यथा- हेमन्ते निचित श्लेष्मा वसन्ते कफरोगकृत:। (विज.-मा.नि. 1/5), जिसमें दोषों के चय, प्रकोप आदि क्रम की अपेक्षा रहती है, जैसे - हेमन्त में संचित कफ वसन्त में कफ रोगों की उत्पत्ति करता है, रोगों का दूरस्थ कारण, remote cause of diseases

विप्लुताक्ष viplutākṣa

विप्लुताक्ष: चञ्चलनेत्रे अश्रुपूर्ण चक्षुर्वा। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 12/25), चंचल नेत्र अथवा अश्रुपूर्ण नेत्र, nystagmus or watery eyes

विबन्ध vibandha

विबन्धो मलवाताप्रवृत्ति:। (इंदु.-अ.हृ.सू. 8/26), मल एवं वायु का अवरोध, constipation

विबुद्ध vibuddha

बोद्घव्यं विशेषेण बुद्घमेतैरिति विबुद्घा:। (चक्र.-च.सू. 11/19), जो किसी जानने योग्य विषय को विशेष रूप से जानता हो, उसे 'विबुद्घ' कहते हैं, subject expert, one who knows the subject with expertise

विभावन vibhāvana

विभावनैरुक्तमिति व्याख्यानै: कथनम्। (चक्र.-च.सू. 30/19), व्याख्यान द्वारा जिसे कहा जाये, वह विभावन कहलाता है, propositional exposition

विभ्रंश vibhraṃśa

औषधस्य विभ्रंश: प्रतिलोम्येन गमनं; यथा- वमनस्याध ऊर्ध्वं च विरेचनस्य। (चक्र.-च.सू. 15/13), औषध का प्रतिलोम मार्ग में जाना विभ्रंश है, जैसे वमन औषध द्वारा विरेचन होना या विरेचन औषध से वमन होना, यह वमन या विरेचन का एक व्यापद् है, opposite drug action, for example loose motions produced by vamana drug and vomiting produced by virechana drug, one of the complications of vamana and virechana

विभ्रान्तलोचन vibhrāntalocana

विभ्रान्तलोचनश्च चलनेत्र:। (मधु.-मा.नि. 12/19), चलायमान नेत्र, nystagmus

विमल vimala

वर्तुल: कोणसंयुक्त: स्निग्धश्च फलकान्वित:, मरुतपित्तरो वृष्यो विमलो अति रसायन:। (र.र.स. 2/90), विमल धातु के खण्ड गोलाकार और कोणयुक्त, फलकाकार तथा स्निग्ध होते हैं, यह वातपित्तशामक, वृष्य एवं अतीव रसायन है, iron pyrite

वियोग viyoga

संयोगस्य विगमो वियोग:। (चक्र.-च.सू. 26/33), संयोग का समाप्त होना वियोग कहलाता है, separation, disintegration

विरिक्त virikta

विरेचन हुआ। (सु.चि. 33/34), undergone virechana

विरूढधान virūḍhadhāna

अंकुरितस्य यवस्य धाना विरूढधाना। (चक्र.-च.सू. 27/267), अंकुरित यव का धान विरूढ़धान कहलाता है, sprouted barley

विरेकसाध्य virekasādhya

जो विरेचन से ठीक हो सकती है, विरेचन योग्य, curable by virechana

विरेचन अतियोग virecana atiyoga

सामान्य से अधिक विरेचन होना, excessive purgation

विरेचन अयोग्य virecana ayogya

जिसमें विरेचन नहीं करवाना चाहिये। (सु.चि. 33/28), where virechana is contraindicated

विरेचन हीनयोग virecana hīnayoga

कम विरेचन होना, विरेचन कर्म की असफलता, less virechana, failure of virechana

विलयन vilayana

विलयन: शोफस्य वातकफभूयिष्ठस्य। (सु.सू. 11/5), वातकफ की बहुलता से पैदा हुई सूजन को नष्ट करने वाला, क्षार का एक कर्म, anti-inflammatory (oedema resolving) property of an alkali

विलाप vilāpa

विलापो अत्र प्रलाप:। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 16/4), विलाप यानि प्रलाप, असम्बद्ध भाषण, delirium

विलेखा vilekhā

तिर्यगृजुवक्रा विविधा लेखा विलेखा। (ड.-सु.सू. 12/11), तप्त शलाका के अग्र भाग से निर्मित विभिन्न आकृतियों की रेखाएँ, different irregular shapes created by the hot blunt instrument

विलेपी vilepī

विलेपी विरलद्रवा यवागू:। (चक्र.-च.सू. 27/251), घनसिक्था स्यात्सिद्धा नीरे चतुर्गुणे। (शा.सं.म. 2/166), अल्पद्रव युक्त यवागू, विलेपी कहलाती है, एक भाग चावल को चार गुने जल में पकाकर निर्मित अधिक चावल युक्त कल्पना, a type of gruel, thick gruel

विवरण vivaraṇa

प्रकाशनं, मांसच्छेदावकाशदानेन विवरणमित्येके। (ड.-सु.सू. 7/17), विवरणं प्रसारणम् इति लक्ष्मणटिप्पणकेनोक्तम्। (ड.-सु.सू. 7/17), फैलाना या चौड़ा करना, dilatation, widening of opening

विवर्तन vivartana

कर्णवायोर्निष्कासयितुमिष्टस्य कर्णलग्नस्य पुनर्निवर्तनम्, अन्ये यन्त्रस्य भ्रामणमन्तरे वा। (ड.-सु.सू. 7/17), कर्णगत मल को जिस प्रकार घुमाकर निकालते हैं, उसी प्रकार शल्य को घुमाकर निकालना, rotation

विवृताक्ष vivṛtākṣa

विवृताक्षः स्तब्धाक्षः। (ड.-सु.चि. 7/31), आँखें स्तब्ध होना, fixed eye

विवृताक्ष्यानन vivṛtākṣyānana

विवृते स्तब्धे अक्ष्यानने यस्य स तथा। (विज.-मा.नि. 12/19), नेत्र और मुख का खुला रहना, an open eye and mouth

विवृतास्यत्व vivṛtāsyatva

विवृतास्यत्वमास्यविवृतिम्। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 22/50), मुँह का खुला रहना, opened mouth

विशर्धते viśardhate

गुदेन कुत्सितं शब्दं करोति। (ड.-सु.नि. 3/10), गंदी ध्वनि के साथ अपान वायु का विसर्जन, वाताश्मरी लक्षण, fart

विशाख viśākha

विशाख संज्ञ इति स्कन्दापस्मारस्य द्वितीय नामम्। (ड.-सु.उ. 29/9), विशाख, स्कन्दापस्मार का ही द्वितीय नाम है, a synonym of skandapasmar

विशाल viśāla

विशालो विस्तीर्णः। (ड.-सु.सू. 5/8), चौड़ा, wide

विशिखा viśikhā

विशिखा रथ्या, किंवा कर्ममार्गः। (चक्र.-च.सू. 29/9), राजमार्ग (सड़क), विशिखा कहलाती है, कुछ लोग इससे चिकित्सा कर्ममार्ग भी ग्रहण कहते हैं, या रथ्या (गली या सड़क जो कि रथ के चलने योग्य हो) अथवा चिकित्सा कर्म का मार्ग विशिखा कहलाती है, clinical practice, internship

विशिष्टपूर्वरूप viśiṣṭapūrvarūpa

विशिष्टं यथा-उरःक्षतादौ लिङ्गान्येव वातादिजान्यव्यक्तानि। (विज.-मा.नि. 1/5), विशेषात्तु जृम्भाऽत्यर्थं समीरकात्, पित्तान्नयनोर्दाहः कफान्नान्नाभिनन्दनम्। (सु.उ. 39/27), उरःक्षतादि में वातादि जन्य लक्षण जब अव्यक्त होते हैं, वह विशिष्ट पूर्वरूप है, ज्वर के विशेष पूर्वरूप में वातप्रकोप से जंभाई अधिक आना, पित्तप्रकोप से नेत्रदाह व कफ से अन्न में अरुचि होती है, specific prodromal signs & symptoms

विशीर्णवाक viśīrṇavāka

विशीर्णवाक् वक्तुमक्षमः मन्दवचनो वा। (विज.-मा.नि. 12/19), बोलने में अक्षम अथवा कम बोल सकना, unable to speak or feable speech

विशोषी viśoṣī

विशोषी पीडयितव्य (व्रणशोफे)। (ड.-सु.सू. 18:6), प्रलेप, जो व्रणशोफ को दबाए, वह विशोषी है, paste, presses upon inflammation

विश्वामित्रकपाल viśvāmitrakapāla

नारिकेल पात्रम्, शुष्क नारियल की बाह्य कठोर त्वचा। (आ.प्र. 1/88-89), इसका उल्लेख पारद के बोधन संस्कार में किया गया है, dried coconut shell

विष viṣa

दृष्टवैतद् यद् विषीदन्ती जनाः तस्माद् विषं मतम्। जो द्रव्य शरीर में विषाद उत्पन्न करता है, जिसके कारण मृत्यु हो सकती है, उसे विष कहते हैं, poison

विषगरवैरोधिकप्रशमन viṣagaravairodhikapraśamana

गरः कालान्तरप्रकोपिविषं, वैरोधिकं संयोगविरुद्धम्। (चक्र.-च.सू. 30/28), कुछ काल के पश्चात प्रकोप करने वाला विष 'गरविष' तथा संयोगविरुद्ध 'वैरोधिक' कहलाता है, इन्हें शान्त करने का उपाय जिस विभाग में वर्णित है, उसे 'विषगरवैरोधिकप्रशमन' (अगदतंत्र) कहा गया है, या आयुर्वेद का वह विभाग जिसमें विविध प्रकार के विषों, संयोग विरुद्ध द्रव्यों आदि के हानिकारक प्रभावों एवं उसकी चिकित्सा का उल्लेख हो, उसे विषविज्ञान कहते हैं, toxicology

विषममध्यानि viṣamamadhyāni

विषममध्यानि निम्नोन्नतमध्यानि, केचिदत्र विषमध्यमानि इति पठन्ति व्याख्यानयन्ति च विषमाणि निम्नोन्नत्वेन, ध्यामानि दग्धेष्टिकादिवस्तुवर्णानि। (ड.-सु.नि. 2/10), बीच में नीचे-ऊंचे तथा जली हुई वस्तु के वर्ण के समान, depressed or elevated in the centre with discolouration like burnt brick particles, irregular in the centre

विषमाशन viṣamāśana

प्रकृतिकरणादिविषमाशनम्। (चक्र.-च.सू. 25/40), प्रकृति, करण आदि का विचार न करते हुए भोजन करना विषमाशन कहलाता है, irregular diet habit

विषवर्ग viṣavarga

वत्सनाभः सहारिद्रः सक्तुकश्च प्रदीपनः, सौराष्ट्रिक श्रृङ्गिकश्च कालकूटस्तथैव च, हालाहलो ब्रह्मपुत्रे विषभेदा अमी नव। (भा.प्र.धात्वादि 191), वत्सनाभ, हारिद्रविष, सक्तुक, प्रदीपन, सौराष्ट्रिक, श्रृङ्गिक, कालकूट, हालाहल, ब्रह्मपुत्र, यह नवद्रव्य विषवर्ग में कहे गये हैं, a group of nine highly poisonous drugs

विषूचिका viṣūcikā

वातादीनामत्यर्थकोपनाय नानाविधैर्वेदनामुत्भेदैः। सूचीभिरिव गात्राणि यदसौ विदध्यन्यतो विषूचिकेत्युच्यते। (इन्दु.-अ.ह.सू. 8/7), जिस रोग में वायु आदि दोष अधिक कुपित होने से शरीर में सूई चूभने जैसी विभिन्न प्रकार की पीड़ा उत्पन्न होती है, उसे विषूचिका कहते हैं, the disease having various kinds of pains like priking by needles due to excessive aggravation of vata etc

विष्टम्भ viṣṭambha

विष्टम्भ इति विष्टम्भोऽप्रचलनरूपतयाऽवस्थानम्। (चक्र.-च.चि. 15/45), विशेषेण स्तम्भो-विष्टम्भः, अन्नस्य विष्टम्भः आहारो विष्टब्धः आमाशयेवावतिष्ठते। (अ.ह.नि. 7/8), भोजन का आमाशय में रुकना, stasis of food

विष्टम्भी viṣṭambhī

विष्टम्भी प्रभावात्, सवाततोदशूला मलाप्रवृतिर्विष्टम्भः। (ड.-सु.सू. 46/345), द्रव्य का प्रभाव, वातज शूल से युक्त मल की अप्रवृति (मलावरोध), constipation with retention of gases and pain

विष्यन्दन viṣyandana

विष्यन्दनादिति विलयनात्, विलीनश्च द्रवत्वादेव कोष्ठे निम्नं याति। (चक्र.-च.सू. 28/33), विष्यन्दन अर्थात् विलयन (पिघलने) होने से ही कोष्ठ में शाखागत दोष आ जाते हैं, liquefaction

विसंज्ञा visaṃjñā

विसंज्ञो विपरीतसंज्ञः। (ड.-सु.उ. 62/13), संज्ञाविहीन होना, loss of senses

विसर्ग visarga

विसृजति जनयति आप्यंशं प्राणिनां च बलमिति विसर्गः। (चक्र.-च.सू. 6/4), जिसमें आप्य अंश (जलीयांश) का विसृजन अर्थात् उत्पत्ति होती है तथा प्राणियों का बल बढ़ता है, विसर्ग कहलाता है, प्राणियों के बल एवं आप्य अंश की वृद्धि करने के कारण विसर्ग कहा जाता है, period in which hydration and strength of living beings is increased

विसर्जनी visarjanī

विसृजतीति विसर्जनी। (ड.-सु.नि. 2/5), गुदा की द्वितीय वली जो मल के विसर्जन (त्याग) में भाग लेती है, second anal sphincter which expels the fecal matter

विसूचिका visūcikā

सूचीभिरिव गात्राणि तुदन् संनिष्ठते अनिलः। यत्राजीर्णेन सा वैद्यैर्विसूचीति निगद्यते। (मा.नि. 6/16), बाहुल्याद्वायुः सूचीभिरिव तुदन् इति विसूचि निरुक्तिः। (विज.-मा.नि. 6/6), विविधैर्वेदना भेदैर्वायवादेर्भृशकोपनः। सूचीभिरिव गात्राणि भिनत्तीति विसूचिका।। (विज.-मा.नि. 6/16), विसूचिका ऊर्ध्वमधश्चामान्नप्रवृत्तिः। (विज.-मा.नि. 4/7), (अजीर्ण के कारण) वायु के अधिक कोप के कारण शरीर में सूई चूभने जैसी विभिन्न प्रकार की वेदना युक्त रोग को विसूचिका कहते हैं, ऊर्ध्व एवं अधोमार्ग से आम अन्न की प्रवृत्ति होना, the disease in which there is various kinds of pain like pricking by needle due to excessive aggravation of vayu

विस्फूर्जित visphūrjita

विस्फूर्जितमायामितं पृष्ठं येन सः। विस्फूर्जितदेहस्येति आयामितमध्यशरीर-स्येत्यर्थः। (ड.-सु.शा. 8/8), जिस सिरा का पृष्ठ/मध्य भाग आयामित (फूला/उभरा) हो, engorged/prominent

विस्र visra

आमगन्धि। (चक्र.-च.सू. 27/216), आमगन्धि, आमगंधवाला, foetid smell

विस्राङ्ग visrāṅga

विस्राङ्गो विस्रगन्धाङ्गः। (ड.-सु.उ. 27/14), कच्चे मांस की गंध से युक्त अंग, a body part with smell of raw flesh

विस्राव्य visrāvya

विस्राव्याण्यन्यत्र वक्ष्यामः। (सु.सू. 14/23), जो रक्तविस्रावण (रक्त निर्हरण) के योग्य हैं, those eligible for blood letting

वीतंस vītaṃsa

वीतंसः पक्षिबन्धनम्। (चक्र.-च.सू. 29/10), वीतंसः पक्षिबन्धनजालम्। (शिव.-च.सू. 29/10), पक्षियों का बन्धन अर्थात् जाल, camouflaged net

वृक्ष vṛkṣa

पुष्पफलवन्तो वृक्षाः। (सु.सू. 1/29), पुष्पफलवन्तो वृक्षा इति उभययुक्ता वृक्षाः। जिस में फूल एवं फल दोनो हों, वे वृक्ष हैं, plants with clearly manifested flowers and fruits

वृत्त vṛtta

वृत्तं चेष्टितं शरीरव्यापारः। (चक्र.-च.सू. 7/56), चेष्टा से किया गया शारीरिक कार्य 'वृत्त' है, physical work done with effort

वृत्ति vṛtti

वृत्तिः वर्तनम्। (चक्र.-च.सू. 11/5), जीवन यापन करना, occupation

वृत्तिकर vṛttikara

वृत्तिकराणमिति शरीरस्थितिकराणाम्। (चक्र.-च.सू. 25/40), शरीर का पोषण करने वाले एवं शरीर की यथास्थिति बनाए रखने वाले द्रव्यों को वृत्तिकर कहा गया है, nourishing

वृत्तिपुष्टि vṛttipuṣṭi

वृत्तेर्धनस्य पुष्टिः वृत्तिपुष्टिः। (चक्र.-च.सू. 11/33), आजीविका के लिए धन को बढ़ाना 'वृत्तिपुष्टि' कहा जाता है, accumulation of wealth for livelihood

वृद्धि vṛddhi

प्राकृत मात्रा से अधिक होना, increase

वृद्धिकारण vṛddhikāraṇa

वृद्धिः आधिक्यम्। (चक्र.-च.सू. 1/44), तत्कारणं वृद्धिकारणम्। (चक्र.-च.सू. 1/44), वृद्धि अर्थात् अधिकता और उसका जो कारण है, उसे वृद्धि कारण कहते हैं, increase, its cause is vriddhikarana

वृषदंश vṛṣadaṃśa

ग्राममार्जारः, अन्ये वनमार्जारमाहुः। (ड.-सु.सू. 46/78), बिल्ली, cat

वेग vega

वेगः प्रवृत्युन्मुखत्वं मूत्रपुरीषादीनाम्। (चक्र.-च.सू. 7/3), बाहर निकलने को तैयार मूत्र पुरीष की अवस्था को वेग कहते हैं, a condition where urine, stool are ready to just come out

वेदना vedanā

वेदना शूलम्। (श्रीकण्ठ.-मा.नि. 22/26), शूल, pain

वेदनास्थापन vedanāsthāpana

वेदनायां संभूतायां तां निहत्य शरीरं प्रकृतौ स्थापयतीति वेदनास्थापनम्। (चक्र.-च.सू. 4/8), उत्पन्न वेदना को नष्ट करके शरीर को प्राकृत अवस्था में बनाना वेदनास्थापन कहलाता है, therapeutic modality which subsides the pain and establishes health

वेदयति vedayati

वेदयतीति अन्यस्य प्रतिपादयति। (चक्र.-च.सू. 30/29), आयुर्वेद में कहे गये वचनों का दूसरे से पालन करवाना 'वेदयति' कहलाता है, या आयुर्वेदोक्त विषय, जिसको व्यक्ति आत्मचिन्तन करता है, उसे दूसरे को बताना अर्थात् स्वयं द्वारा मनन किये गये विषयों का प्रतिपादन अन्य से करना 'वेदयति' कहलाता है, exposition

वेदिता veditā

देखें बोद्धा। (च.शा. 4/8), आत्मा का एक पर्याय, a synonym of soul

वेध vedha

व्यवायिभेषजोपेतो द्रव्ये क्षिप्तो रसः खलु वेध इत्युच्यते तज्ज्ञैः। (र.र.स. 8/89), व्यवायि गुण युक्त औषधियों से संस्कृत या युक्त पारद को किसी धातु में डालने या मलने से स्वर्ण या रजत बनाना 'वेध' कहा जाता है, transformation of base metal into gold

वेपिता vepitā

दुःस्थानबन्धनाद्वेपमानायाः शोणितसंमोहो भवति सा वेपिता। (सु.शा. 8/19), अनुचित स्थान पर बांधने के कारण कंपायमान होने वाली सिरा से रुक-रुक कर रक्त स्राव होता है, असम्यक् (दुष्ट) सिरावेध का एक प्रकार, improper type of phlebotomy where blood letting is infrequent because of tremulous vein caused by improper ligation

वेशवार veśavāra

वेशवारः सूदशास्त्रे - 'मांसं निरस्थिसुस्विन्नं पुनर्दृषदि पेषितम्'। (चक्र.-च.सू. 27/269), बिना अस्थि के मांस को पीसने पर निर्मित, a culinery made of boneless meat

वेष्टन veṣṭana

वेष्टनं अग्रन्थिबन्धनं सर्पादिभिः। (चक्र.-च.सू. 18/4), बिना गांठ लगाए लपेट कर बांधना, जैसे सर्प बांधता है, rolling of rope without knot

वेसवार vesavāra

मांसं निरस्थि सुस्विन्नं पुनर्दृषदि पेषितम्। पिप्पलीशुण्ठीमरिचगुड-सर्पिःसमन्वितम्। ऐकध्यं पाचयेत् सम्यग्वेसवार इति स्मृतः॥ (सु.सू. 46/365), मांस को अस्थिरहित कर उसको उबालकर शिला के ऊपर पीस लेते हैं, उसमें पिप्पली, शुण्ठी, मरिच, गुड़ एवं घी मिलाकर पका लेते हैं, इसे वेसवार कहते हैं, seasoned meat, boneless meat prepared with condiments

वैक्रान्त vaikrānta

अष्टास्रश्चाष्टफलकः षट्कोणौ मसृणो गुरुः, शुद्धमिश्रितवर्णश्च युक्तो वैक्रान्त उच्यते। (र.र.स. 2/52), आठधार, आठफलक, छः कोण से युक्त स्निग्ध, गुरु, शुद्ध एवं मिश्रित वर्ण युक्त वैक्रान्त होता है, tourmaline

वैद्यशब्दाभिनिष्पत्त vaidyaśabdābhiniṣpatta

वैद्यशब्दाभिनिष्पत्तावित्यनेन पारमार्थिकवैद्यत्वनिष्पत्ताविति दर्शयति। (चक्र.-च.सू. 9/22), वास्तविक रूप में वैद्य कहा जाना, true physician, designate as a physician in the true sense

वैनायिकी vaināyikī

यतः सहजां बुद्धिं विना शास्त्रजाबुद्धिर्या वैनायिकीत्यभिधीयते, सा न सम्यक् चिकित्सासमर्था भवतीति। (चक्र.-च.सू. 9/24), शास्त्र अध्ययन विरहित सहजज्ञान, यह ज्ञान सम्यक् चिकित्सा करने में समर्थ नहीं होता, innate knowledge, innate knowledge without scientific learning, not sufficient enough to do treatment

वैरोधिक vairodhika

शरीरधातुविरोधं कुर्वन्तीति वैरोधिकाः, लक्ष्यते वैरोधिकमनेनेति लक्षणं वैरोधिकाभिधायको ग्रन्थ एव। 'यत् किञ्चिद्दोषमासाद्य' इत्यादि वैरोधिकलक्षणं ज्ञेयम्। (चक्र.-च.सू. 26/80), जो शरीर की धातुओं का विरोध करते हैं, उन्हें वैरोधिक कहा जाता है, जो कुछ दोष को निकालकर सम्पूर्ण शरीर के दोष को नहीं निकालता, उसे वैरोधिक लक्षण वाला जानना चाहिए, antagonist/opposite

व्यङ्ग vyaṅga

व्यङ्गः श्यामवर्णं मण्डलं मुखे। (चक्र.-च.सू. 7/14), चेहरे पर श्यामवर्ण का मण्डल, blackish patches on the face

व्यञ्जकहेतु vyañjakahetu

व्यञ्जको यथा-तस्यैव कफस्थ व्यञ्जको वसन्ते सूर्यसन्तापः इति भट्टारहरिचन्दः। तत्र व्यञ्जकः प्रेरकः इत्यर्थः। (विज.-मा.नि. 1/5), जैसे हेमन्त में सञ्चित कफ वसन्त में सूर्यसन्ताप से प्रकुपित हो जाता है, अर्थात् वसन्त में सूर्य सन्ताप कफ का व्यञ्जक हेतु होता है ऐसा भट्टारहरिचन्द का मत है, यहां व्यञ्जक शब्द 'प्रेरक' अर्थ का बोधक है, excitatory factor

व्यञ्जन vyañjana

तत्र लिङ्गमाकृतिर्लक्षणं चिह्नं संस्थानं व्यञ्जनं रूपमित्यनर्थान्तरम्। (च.नि. 1/9), रोग लक्षण का एक पर्याय, a synonym of clinical sign

व्यतिक्रम vyatikrama

क्रम से न होना। (सु.सू. 28/4), not in order or sequence

व्यतिक्रान्तपाक vyatikrāntapāka

व्यतिक्रान्तपाका इति चिरेण जरां गच्छन्ति। (चक्र.-च.सू. 27/275), जो भक्ष्य पदार्थ देर से पचते है, उन्हें व्यतिक्रान्तपाका कहते हैं, the food articles which take longer time to digest

व्यध
vyadha
व्यधस्ताडनमिव मुद्गरादिना। (इन्दु.-अ.ह.सू. 12/49), व्यधः सूचिविद्धस्येव व्यथा। (हे.-अ.ह.सू. 12/49), मुद्गर आदि से पीटने जैसी पीड़ा, सूई चुभने जैसी वेदना, pain caused by club etc., pricking pain

व्यभिचारीहेतु
vyabhicārīhetu
यो दुर्बलत्वाद्व्याधिकरणासमर्थः। (विज.-मा.नि. 1/5), दुर्बल हेतु जो कि व्याधि को उत्पन्न न कर सके, weak etiological factor

व्यम्लता
vyamlatā
व्यम्लतां याता विदाहं प्राप्ता। (चक्र.-च.सू. 17/98), विदाह होना, leading to vidaha

व्यवायी
vyavāyī
व्यवायी च अखिलं देहं व्याप्य पाकाय कल्पते। (सु.सू. 46/523), जो शरीर में प्रविष्ट होने पर पाक होने के पूर्व ही सम्पूर्ण शरीर में व्याप्त हो जाता है, उसे व्यवायी कहते हैं, quick assimilation without metabolism

व्याधिक्षमत्व
vyādhikṣamatva
व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। (चक्र.-च.सू. 28/7), जो व्याधि के बल का विरोधी स्वभाव वाला हो या जो व्याधि को उत्पन्न होने में प्रतिबन्धक (रोकने वाला) हो, उसे व्याधिक्षमत्व कहते हैं, immunity against diseases

व्याधिप्रतिद्वन्द्व
vyādhipratidvandva
व्याधिप्रतिद्वन्द्वे व्याधिप्रत्यनीकः। (चक्र.-च.सू. 7/44), व्याधिप्रत्यनीक ही व्याधि विपरीतार्थकारी होता है, opposite to disease

व्याधिहेतु
vyādhihetu
व्याधिहेतवो यथा-मृद्भक्षणम् पाण्डु रोगस्य कारणम्। (विज.-मा.नि. 1/5), मिट्टी खाने से पाण्डु रोग होता है, अतः मिट्टी खाना पाण्डु रोग का (विशिष्ट) कारण है, specific causative factor

व्यापन्नबहुमद्य
vyāpannabahumadya
व्यापन्नं च बहु च मद्यमुपयुङ्क्ते यः स व्यापन्नबहुमद्यः। (चक्र.-च.सू. 17/92), विकृत मद्य का अधिक मात्रा में सेवन, consuming adulterated wine excessively

व्याप्ति
vyāpti
व्याप्तिं अन्नस्य सर्वस्रोतोनुसरणम्। (हे.-अ.ह.सू. 8/52), आहार का सभी स्रोतों में व्याप्त होना, spreading of food into all body channels

व्यायामाग्निबल
vyāyāmāgnibala
व्यायामकृतमग्निबलं व्यायामाग्निबलम्। (चक्र.-च.सू. 5/6), व्यायाम द्वारा उत्पन्न अग्निबल, व्यायामाग्निबल कहलाता है, strength of agni (digestive power) due to exercise

व्यास
vyāsa
1. व्यासः शरीराणां भावानां व्यायतत्वम्। (इन्दु.-अ.ह.सू. 12/49), व्यासः विस्तरणम्। (चक्र.-च.सू. 20/12), व्यसनं-व्यासो। (अरु.-अ.ह.सू. 12/49),

शारीरिक भावों का विस्फारण/विस्तरण होना, dilatation/expansion of body elements 2. व्यासः असङ्कोचत्वम्। (अ.ह.सू. 12/49), शारीरिक भावों का संकोच न होना, non contraction 3. व्यासोऽमेलकः। (चक्र.-च.सू. 13/27), पृथक् पृथक् उपभोग, use separately, not mixing together

व्याहृति
vyāhṛti
व्याहृतिभिस्तिसृभिः सप्तभिर्दशभिर्वा स्वाहान्ताभिः। (ड.-सु.उ. 28/9), सात या दस बार मन्त्रोच्चारण करना, seven or ten times chanting of hymns

व्युदास
vyudāsa
इच्छा न होना, rejection (of milk) by child

व्यूहकर
vyūhakara
व्यूहकरः सङ्घातकरो रचनाकर इति यावत्। (चक्र.-च.सू. 12/8), शरीर के सभी धातुओं को सुव्यवस्थित करने वाला व्यूहकर कहा गया है, अन्नरस के सञ्चालन आदि द्वारा दोषधातुमल रूप तेरह प्रकार के शरीर धातुओं को यथावत् व्यवस्थित करने वाला व्यूहकर कहा गया है, marshaller, that orderly arranges all the body elements by circulation etc

व्यूहन
vyūhana
ऊर्ध्वीकरणं छित्त्वोत्तुण्डितस्योद्धरणार्थं, वारङ्गेणानुसरणमित्येके। (ड.-सु.सू. 7/14), व्यूहनं तु चूर्णिताश्मर्यादीनां संग्रहणम्। (हाराण.-सु.सू. 7/14), व्रणौष्ठयोः सन्निहितीकरणम्। (गणनाथसेन), विपरीतस्थानां मांसादीनां सम्यग्रचनम्। (इन्दु) प्रसृतमांसादीनां यथास्थानं विन्यासः। (हेमाद्रि), ऊपर उठाकर निकालना, चूर्णित अश्मरी का संग्रहण, व्रणौष्ठों को निकट लाना, प्रसृत मांस को यथास्थान जोड़ना, retraction

व्योष
vyoṣa
त्रिकटुकम्। (आढ़-शा.सं.म. 7/22), शुण्ठी, मरिच, पिप्पली, a combination of dry ginger, black pepper and long pepper

व्रत
vrata
व्रतमीप्सित कामो नियमः। (चक्र.-च.सू. 1/6), अभीप्सित कामना की पूर्ति हेतु किया गया संकल्प या नियम व्रत कहलाता है, a religious act observed to fulfil the desire

व्रीहि
vrīhi
व्रीहयः शारदा इति व्यवस्था। (चक्र.-च.सू. 27/12), व्रीहिरिति शारदाशुधान्यस्य संज्ञा। (चक्र.-च.सू. 27/15), शरद ऋतु में होने वाला धान्य व्रीही है, the autumn cereal

शंसितव्रता
śaṃsitavratā
कथितव्रताः। (चक्र.-च.सू. 7/59), बताए गए नियमों का पालन करने वाला, one who follows the rules

शक
śaka
देखें. यवन। (च.चि. 30/316), एक देश विशेष, a country

शकली śakalī

1. मत्स्यभेद। (च.सू. 26/83), शकलीकमथाक्षीणां धारयेन्नयनामये। (का.खि. 13/75), यह मत्स्य का एक भेद है, काश्यप ने नेत्ररोगों में इसको ग्रीवा या शिर पर धारण करने को कहा है, a variety of fish 2. निर्विष सर्प। (अ.सं.उ. 41), एक प्रकार का विषरहित सर्प, a non poisonous snake

शकुन śakuna

पक्षिविशेषप्रशस्तवाक्यादि। (ड.-सु.सू. 10/4), पक्षी विशेष, इसका रोगी को देखने जाते समय देखना शुभ सूचक है, a bird

शकुनाहृत śakunāhṛta

श्रावस्त्यां व्रक्रनाम्ना प्रसिद्धः। (चक्र.-च.सू. 27/8), शूकधान्य विशेष, यह श्रावस्ती में वक्र नाम से प्रसिद्ध है, a cereal grown in shravasti

शकुनिगन्धत्व śakunigandhatva

देहे पक्षिगन्धः। (इन्दु.-अ.सं.उ. 3/12), देह से पक्षी के समान गन्ध का आना, smell of bird

शकुनी śakunī

स्त्रीशरीरग्रह। (अ.सं.उ.), स्रस्ताङ्गो भयचकितो विहङ्गगन्धिः संस्राविव्रणपरिपीडितः समन्तात्। स्फोटैश्च प्रचिततनुः सदाहपाकैर्विज्ञेयो भवति शिशुः क्षतः शकुन्या।। (सु.उ. 27/10), शकुनिग्रह पीड़ित शिशु शिथिलांगयुक्त, भीत, पक्षीगंधयुक्त, सर्वत्र स्रावीव्रणों से पीड़ित, तनुस्फोटयुक्त, क्षतयुक्त होता है, a supernatural affliction of an infant manifesting as skin disease

शकृत् śakṛt

पुरीषः। (सु.चि. 7/21), मल, faeces

शकृद्ग्रह śakṛdgraha

पुरीषग्रह, विडग्रह। (अ.हृ.सू. 18/10), मलावरोध, constipation

शकृद्दर्शन śakṛddarśana

पुरीषदर्शन। (अ.हृ.सू. 28/9), मलप्रवृत्ति का होना, defecation

शकृद्भेद śakṛdbheda

अतिसार, द्रवपुरीषता। (च.इ. 10/20, सु.उ. 54/11), अतिसार, unformed stool

शकृद्रस śakṛdrasa

गोपुरीषोत्थरसः। (ड.-सु.उ. 39/240), गोश्वगजाविच्छगलीनां प्रत्येकं शकृद्रसाः यक्ष्मनिवारकाः। (ड.-सु.उ. 41/44), गो आदि की पुरीष से निकाला रस, गो, अश्व, गज, अवि, आदि के पुरीष का रस यक्ष्माहर होता है, juice of faeces of animals

शकृद्रसघृत śakṛdrasaghṛta

शकृद्रस (गोपुरीष रस) से सिद्ध घृत जो यक्ष्मा का निवारण करता है। (सु.उ. 41/44), a ghee preparation of animal faeces juice useful in tuberculosis

शकृद्विष śakṛdviṣa

पुरीषविष, जिन प्राणियों के मल में विष होता है, उन्हें शकृद्विष प्राणी कहते हैं जैसे चिपिट, पिच्चिटक आदि। (सु.क. 3/5), animals having poisonous faeces

शकृन्मार्ग śakṛnmārga

गुदः। (ड.-सु.उ. 58/7), मलमार्ग, गुद, anus

शक्ति śakti

1. उत्साहशक्तिः। (ड.-सु.सू. 2/3), उत्साह, बल, सामर्थ्य, endurance, power 2. आयुधविशेषः। (ड.-सु.सू. 28/18), आयुध, हथियार, अस्त्रविशेष, a weapon

शक्तु śaktu

भृष्टानां निस्तुष यवानां चूर्णं यवशक्तवः। (सु.सू. 46/411), बृंहणा वृष्यास्तृष्णापित्तकफापहाः, पीता सद्योबलकरा भेदिनः पवनपहाः। (सु.सू. 46/411) यवसत्तू, निस्तुष एवं भुने हुये यव का चूर्ण सत्तू कहलाता है, यह बृंहण, वृष्य, तृषाहर, पित्तकफहर, सद्योबलकर, भेदी एवं वातनाशक होता है, parched barley

शक्य śakya

प्रतीकारो भवतिः। (चक्र.-च.चि. 17/149), प्रतीकार होना, साध्य होना, curable

शक्र śakra

1. इन्द्र। (च.सू. 1/5), इन्द्रदेव, lord Indra 2. कुटज पर्याय। (च.क. 5/4), कूड़ा, kutaja

शक्रगोप śakragopa

1. शक्रगोप इन्द्रवधूः। इन्द्रगोप, वीरबहूटी, insect cochineal 2. अन्ये ज्योतिरिङ्गणमाहुः। (ड.-सु.सू. 6/32), जुगनू, firefly, glowworm

शक्रनील śakranīla

इन्द्रनीलम्। (र.र.स. 4/48), नीलम का एक भेद जो श्रेष्ठ होता है, a variety of saphire

शक्रयव śakrayava

इन्द्रयवः। (ड.-सु.उ. 39/227), इन्द्रयव, कुटजबीज seeds of kutaja

शक्रसदन śakrasadana

इन्द्रगृहम्। (ड.-सु.चि. 29/17), इन्द्रगृह, इन्द्र का घर, abode of lord Indra

शक्रसलोकता śakrasalokatā

इन्द्रसमानलोकतां व्रजति एतेन पारलौकिकं श्रेयो दर्शयति। (ड.-सु.सू. 1/41), मरण के पश्चात् इन्द्रलोक में गमन, पारलौकिक सुख प्राप्ति, journey to heavenly abode

शक्ल śakla

प्रियंवदः। (इन्दु.-अ.सं.सू. 2/4), प्रिय भाषण करने वाला, soft spoken

शङ्कर śaṅkara

सुखकरम्। (ड.-सु.चि. 24/76), सुखकर, कल्याणकर, beneficial, beneficient

शङ्काविष śaṅkāviṣa

विषशङ्कया विषोद्वेगादिति विषशङ्कयैव विषप्रादुर्भावादित्यर्थः, शङ्का चेयं प्रभावादेव विषजनिका। (चक्र.-च.चि. 23/222), निर्विष सर्पादि के दंश होने पर भी शंका के कारण विष के लक्षण उत्पन्न होना, जैसे वमन, मूर्च्छा, दाह, ग्लानि आदि, functional symptoms of non poisonous bite

शङ्कित śaṅkita

चोरक। (ध.नि. 3/70), हिं- चोरक, भटेउर, *lat- Angelica glauca*, fam- umbeliferae

शङ्कु śaṅku

आकुञ्चिताकारेण बडिशविशेषः। (ड.-सु.चि. 15/12), यह आकुंचित आकार का बडिश रूप शस्त्र है, जिसका प्रयोग मूढ़गर्भ चिकित्सा में किया जाता है, a surgical instrument

शङ्कुमुखी śaṅkumukhī

यकृत्वर्णा शीघ्रपायिनी दीर्घतीक्ष्णमुखी शङ्कुमुखी। (सु.सू. 13/12), यकृत् के समान रक्तधूसर वर्ण की, शीघ्र रक्तपान करने वाली तथा लम्बे और तीक्ष्ण मुख वाली, निर्विष जलौका का एक प्रकार, a type of non-poisonous leech which is chocolate coloured, long and sharp mouthed, sucks the blood rapidly

शङ्ख śaṅkha

भ्रूकर्णमध्यम्। (इन्दु.-अ.सं.उ. 27/3), कनपटी, temple

शङ्खक śaṅkhaka

रक्तपित्तानिला दुष्टाः शङ्खदेशे विमूर्च्छिताः। तीव्ररुग्दाहरागं हि शोफं कुर्वन्ति दारुणम्। स शिरो विषवद्वेगी निरुध्याशु गलं तथा। त्रिरात्रज्जीवितं हन्ति शङ्खको नाम नामतः। (च.सि. 9/71-72), रक्त, पित्त एवं वायु दुष्ट होकर शंखप्रदेश में स्थित होकर तीव्र वेदना, दाह, राग एवं दारुण शोफ उत्पन्न करते हैं, यह रोगी विष के वेग के समान गल रोध से पीड़ित होता है एवं तीन रात्रि तक ही जीवित रहता है, इस रोग को शंखक कहते हैं, a fulminant cerebral disorder leading to death in three days

शङ्खकपाल śaṅkhakapāla

दर्वीकर सर्प भेद। (सु.क. 4/34), दर्वीकर सर्प का एक भेद, वात प्रधान विषयुक्त, a vata vitiating poisonous snake

शङ्खकेशान्तसन्धि śaṅkhakeśāntasandhi

शङ्खेन केशान्तेन च समं सन्धिः शङ्खकेशान्तसन्धिः। (चक्र.-च.चि. 9/77), शिर प्रदेश में शंख एवं केश की सीमा के मध्य स्थित सन्धि, area between temple and hairline

शङ्खमर्म śaṅkhamarma

भ्रुवोरन्तयोरुपरि कर्णललाटयोर्मध्ये शङ्खौ, तत्र सद्योमरणम्। (सु.शा. 6/27), भ्रुवों के अन्त भाग के ऊपर कर्ण एवं ललाट के मध्य शंखमर्म होता है, यह संख्या में दो हैं तथा सद्यप्राणहर हैं, temple, vital spot

शठ śaṭha

क्रूर। (चक्र.-च.सू. 7/56), क्रूर, दुष्ट, cruel

शतपत्र śatapatra

1. काष्ठकुक्कुटकः। (चक्र.-च.सू. 27/50), भूरे या खाकी वर्ण की एक चिड़िया जिसकी चोंच लम्बी होती है, यह पेड़ों की काष्ठ को तोड़ती रहती है, a

woodpecker 2. शतपत्रं त्वरुणम्। (चक्र.-च.सू. 25/49), शतपत्र अरुण वर्ण का कमल है, reddish yellow lotus with 100 leaves

शतपाकस्नेह śatapākasneha

शतपाक सहस्रपाक ग्रहणेन स्नेहानां यथाशक्यं पुनःपुनर्द्रव्येण पाकः प्रदर्शितः। (इन्दु.-अ.सं.सू. 21/2), तैल या घृत आदि स्नेह को उपयुक्त द्रव्य के साथ सौ बार या हजार बार पुनःपुनः पकाकर बने हुए स्नेह को यथाक्रम शतपाक स्नेह या सहस्रपाकस्नेह कहते हैं, the oil, ghee etc made by processing for 100 or 1000 times

शतारु śatāru

रक्तं श्यावं सदाहार्ति स्याद् बहुव्रणम्। (च.चि. 7/26), स्थूलमूलं सदाहार्ति रक्तश्यावं बहुव्रणम्। क्लेदजन्त्वाढ्यं प्रायशः पर्वजन्म च। (अ.हृ.नि. 14/25), शतारुरिति बहुव्रणयोगादनुगतं नाम। (टोड.-अ.हृ.नि. 14/25), शतारु नाम बहुव्रण के उत्पन्न होने से है, क्षुद्रकुष्ठ भेद, इसमें रक्त एवं श्याव वर्ण के दाह एवं शूल युक्त अनेक व्रण होते हैं, यह क्लेद जन्तुयुक्त प्रायः पर्वों में होता है, erythema induratum

शनैर्मेह śanairmeha

शनैः सकफं मूत्स्नं शनैर्मेही। (सु.नि. 6/10), मूत्स्नं पिच्छिलम्। (ड.-सु.नि. 6/10), मन्दं मन्दमवेगं तु कृच्छ्रं यो मूत्रयेच्छनैः। शनैर्मेहिनमाहुस्तं पुरुषं श्लेष्मकोपतः।। (च.चि. 4/21), जो पुरुष कफ के प्रकोप के कारण अल्प वेग से कष्ट से मूत्रत्याग करता है, वह शनैर्मेही है, धीरे-धीरे कफयुक्त पिच्छिल मूत्र का त्याग, slow and painful micturition

शब्दवहस्रोतस śabdavahasrotasa

कर्णशष्कुली परिच्छिन्नमाकाशम्। (मधुकोष), कर्णपाली से आवृत, शब्द का वहन करने वाली अवकाशयुक्त नलिका, external and internal auditary meatus

शब्दवाहिनी śabdavāhinī

शब्दवाही धमनी। (सु.नि. 1/85), शब्द को वहन करने वाली धमनी, sound conducting nerve

शब्दादिज śabdādija

अहित शब्दस्यादिजन्यो विकारः। (च.सू. 25/14), अहितकर शब्द, रूप आदि से उत्पन्न होने वाली व्याधि, diseases resulted on account of over exposure to sound and light

शब्दासहत्व śabdāsahatva

उच्च ध्वनि के प्रति असहिष्णुता। intolerance to noise

शम śama

विकारासम्भव, विकाराणामुपशमः। (अ.सं.सू. 20/10), विकारों का प्रशम होना, pacification of disease

शमन śamana

विषमदोषाणां समतापादकं। (अरु.-अ.हृ.चि.), विषमदोषों को साम्यावस्था में लाना शमन है, pacification

शमनीय śamanīya

पक्वदोषोपशमनम्। (चक्र.-च.चि. 3/160), पक्वदोषों को स्वस्थान में ही साम्यावस्था में लाने वाला, which pacifies vitiated doshas

शमीयन्त्र śamīyantra

यन्त्रमर्श:प्रपीडनम्। (अ.ह्.सू. 25/19), गोस्तनाकारमित्यादिलक्षणलक्षितयन्त्रसदृशं स्यात्। छिद्ररहितं इदं च यन्त्रमर्श:प्रपीडनं स्यात्। (ड.-अ.ह्.सू. 25/19), अर्श यन्त्र के समान किन्तु छिद्ररहित एक यन्त्र, जो अर्श के पीड़न हेतु प्रयुक्त होता है, anal dilator

शम्बूकावर्त śambūkāvarta

सन्निपातज भगन्दर। (सु.नि. 4/8), इसमें पादांगुष्ठ के समान त्रिदोषज पिड़का उत्पन्न होती है, इसमें तोद, दाह, कण्डू आदि वेदना विशेष होते है, चिकित्सा न करने पर पाक होकर नानावर्ण स्राव होता है, इसमें पूर्णनदी एवं शम्बूकावर्त के समान वेदनायें होती हैं, one of the types of anal fistula

शयनेप्सु śayanepsu

स्वपितुमिच्छु:। (ड.-सु.उ. 39/43), जो सदैव सोने की इच्छा रखता हो, having constant desire to sleep

शरण्या śaraṇyā

रेवतीग्रह के बीस नामों में से एक, one among twenty names of revati

शरपुङ्खमुख śarapuṅkhamukha

शरपुङ्खमुखाख्यं यन्त्रं चतुरंगुलं दन्तपातनं स्यात्। अनेन हि दन्ताश्चलन्त: पात्यन्ते कृम्यादिभक्षिता वा। (अरु.-अ.ह्.सू. 25/33), एक प्रकार का शलाका यन्त्र, जिसका अग्र भाग शरपुंखा के पत्र की भाँति होता है, इसका प्रयोग कृमि भक्षित चल दन्तों के पातन हेतु होता है, इसका प्रमाण चार अंगुल होता है, a surgical instrument used for tooth extraction

शरभ śarabha

अष्टापद उष्ट्रप्रमाणो महाशृङ्ग पृष्ठगतचतुष्पाद: काश्मीरे प्रसिद्ध:। (चक्र.-च.सू. 27/45), आठ पैरों वाला, ऊँट की आकृति वाला, बडे सींगो वाला, एवं जिसके पीठ पर चार पैर होते हैं, यह काश्मीर में पाया जाने वाला 'शरभ' हिरण है, इसका अन्य नाम सिंहघाती है, a type of deer

शरारि आस्य śarāri asya

शरारि आट्याख्य: पक्षिविशेष:। (अरु.-अ.ह्.सू. 26/9), आटीमुख (आटी पक्षी के मुख) के समान शस्त्र की आकृति, एक प्रकार का शस्त्र, scissors, a surgical instrument

शरारिमुख śarārimukha

1. शरारि दीर्घचञ्चु: पक्षिविशेष:, स द्विविध: धवलस्कन्धो रक्तशीर्षश्च, धवलस्कन्धस्य 'शरारि' इति संज्ञा, तन्मुखवन्मुखं यस्य तच्छरारिमुखं, तस्य शस्त्रस्य लोके कर्तरीति संज्ञा; तां च द्वादशाङ्गुला चलत्पाशां कुर्यात्। (ड.-सु.सू. 8/3), आनुपूर्व्यायतां तीक्ष्णां प्रमाणेन दशाङ्गुलाम्। त्रिभागे कीलयोगं हि जानीयात् कर्तरी भिषक, पाशवती बद्धकीलवती च कर्तरी। (चक्रपाणि), शरारि एक

पक्षी का नाम है, इसकी चोंच लम्बी होती है, यह दो प्रकार का होता है, धवलस्कन्ध एवं रक्तशीर्ष, धवलस्कन्ध पक्षी के मुख के समान आकृति युक्त शरारिमुख शस्त्र है, जिसे कर्तरी भी कहा जाता है, शास्त्रों में इसका प्रमाण दशांगुल है, scissors, a type of surgical instrument 2. सिर को हिलाना। (का.सू. वेदनाध्याय 25/6), rolling or winging of head

शराव śarāva

शरावोष्टपलं तज्ज्ञेयं विचक्षणै:। (शा.सं.पू. 1/26), आठ पल का एक शराव होता है, it is measurement equal to 8 pala

शरीरनिर्वृत्तिज्ञान śarīranirvṛttijñāna

शरीराभिनिर्वृत्तिज्ञानं यथा शरीरं शुक्रशोणितसंयोगादिभ्य उपजायते, तथा ज्ञानम्। (चक्र.-च.सू. 29/7), जिस प्रकार शुक्रशोणित के संयोग आदि से गर्भ की उत्पत्ति होती है, उसका ज्ञान शरीराभिनिर्वृत्तिज्ञान कहलाता है, eugenics, evolutional sciences

शरीरबन्ध śarīrabandha

शरीरं बध्नातीति शरीरबन्ध: स्नायुसिरादि:। (चक्र.-च.सू. 28/4), जो शरीर को बांधे रखता है, उसे शरीरबन्ध कहते हैं, उदाहरण स्नायु, सिरा आदि, which keeps the body intact, e.g. ligaments veins etc

शरीरान्त śarīrānta

हस्तपादादय:। (चक्र.-च.इ. 9/6), शरीर के अग्रभाग हाथ पैर आदि, the extremities, hand, leg

शरीरि śarīri

शीर्यत इति शरीरं, तदस्यास्तीति शरीरी। (चक्र.-च.सू. 1/6), क्षीण होने के कारण देह को शरीर कहते हैं, तथा जो उस शरीर को धारण करता है, उसे शरीरि कहते हैं, which undergoes decay is body, which supports the body is shariri or the soul

शर्करामेह śarkarāmeha

सा अश्मरी यदाऽल्पा स्यात्तदा वातेऽनुगुणे अनुकूले सति निरेति निर्गच्छति। (ड.-सु.नि. 3/14), अश्मरी जब टूट कर छोटे-छोटे कण अर्थात् शर्करा के समान मूत्र में निकलती है, तो वह शर्करामेह है, passing of gravels in urine

शलाकायन्त्र śalākāyantra

एषणं मार्गपर्येषण कर्म ययो: शलाकायन्त्रोस्ते तथोक्ते। (इन्दु.-अ.सं.सू. 34/14), एषणादि कर्म में प्रयुक्त होने वाली छडी सदृश यन्त्र, probes, rod shaped instruments

शष्कुलि śaṣkuli

शष्कुल्य: शालिपिष्टै: सतिलैस्तैलपक्वा क्रियन्ते। (चक्र.-च.सू. 27/267), पीसे हुए शालि (चावल) की पिष्टि को तिलतैल में पकाकर बनाया जाने वाला खाद्य पदार्थ 'शष्कुली' कहलाता है, kind of dish prepared with flour of rice and fried in sesame oil

शस्त्रतैक्ष्ण्य śastrataikṣṇya

सुनिशितत्वं सुधारत्वं च। (ड.-सु.सू. 5/10), तीक्ष्ण धार वाला शस्त्र, sharpened and well defined edge of sharp surgical instrument

शस्त्रहता śastrahatā

छिन्नातिप्रवृत्तशोणिता क्रियासङ्गकरी शस्त्रहता। (सु.शा. 8/19), क्रियासङ्गकरीति गमनादिक्रियाविनाशकरी। (ड.-सु.शा. 8/19), शस्त्र से पूर्णतया कट जाने से अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण शरीर की हलचल बन्द हो जाती है, असम्यक् (दुष्ट) सिरावेध का एक प्रकार, an improper type of phlebotomy where complete severing of a vein causes excessive hemmorrhage and body becomes immobile

शाण śāṇa

माषैश्चतुर्भि:शाण: स्यादधरण: स निगद्यते, टंक स एव कथित:। (शा.सं.पू. 1/20), चार माष का एक शाण होता है, इसे धरण एवं टंक भी कहते हैं, a measurement equivalent to four masha

शार्कर śārkara

शार्कर: शर्कराप्रकृतिक आसव:। (चक्र.-च.सू. 27/183), शर्करा से निर्मित आसव शार्कर है, alcoholic beverage prepared from sugar

शालाक्य śālākya

पटलवेधशलाकाप्रधानमङ्गं शालाक्यम्। (चक्र.-च.सू. 30/28), आंख के पटल आदि का वेधन और व्याधियों की चिकित्सा हेतु शलाका का प्रयोग प्रधान रूप से जिस विभाग में किया जाता है, उसे शालाकय कहते हैं, a science of diseases of supraclavicular parts of the body - eye, ear, nose, mouth, throat etc and where a probe like instrument is primarily used for treatment

शास्त्र śāstra

शास्त्रशब्देन शास्त्राभ्यासकृता मति:। (चक्र.-च.सू. 9/24), शास्त्र के अभ्यास से उत्पन्न बुद्धि को 'शास्त्र' कहा जाता है, scientific knowledge, the knowledge produced by learning the science

शास्त्रचक्षुष śāstracakṣuṣa

शास्त्रवर्णित ज्ञान, knowledge gained through classics

शास्त्रार्थ śāstra

वैद्य का एक गुण, ऐसा वैद्य जिसने शास्त्र का अध्ययन यथावत् किया हो, उसका अर्थ यथावत प्राप्त किया हो एवं सम्पूर्ण रूप से अर्थ का विश्लेषण किया हो, उस वैद्य को 'तत्वाधिगतशास्त्रार्थ' वैद्य कहते हैं, a quality of physician

शिथिल śithila

पीडनाक्षमम्। (ड.-सु.सू. 7/19), पीड़न करने में अक्षम, ढीला, एक यन्त्रदोष, loose

शिरोरुह śiroruha

शिरोरुहा: केशा:, कपालाश्च शिरस एव। (चक्र.-च.सू. 5/32), शिरोरुह से तात्पर्य है केश (बाल), कपाल से शिर का ग्रहण किया जाता है, शिरोरुहा से तात्पर्य है शिर के बाल, कपाल से 'सिर के कपाल' का ग्रहण किया जाता है, hair of the head

शिशिराभिनन्दा śisirābhinandā

शिशिराभिनन्दा शीताभिलाष:। (ड.-सु.उ. 6/7), शीतपदार्थों के सेवन की इच्छा, longing for cold articles

शिशु śiśu

अधिकेन शेते इति शिशु:। अर्थात् जिस आयु का बालक अधिकांश समय निद्रारत रहता है, an infant

शिष्ट śiṣṭa

शासति जगत्कृत्सनं कार्याकार्यप्रवृत्तिनिवृत्त्युपदेशेनेति शिष्टा:। (चक्र.-च.सू. 11/19), सम्पूर्ण समूह को कार्य में प्रवृत्ति एवं अकार्य में निवृत्ति रूपी उपदेशों से शिक्षित करने वाला शिष्ट कहा जाता है, preceptor, a person who guides the society by giving advice on what to do and what not to do

शीतरसिक śītarasika

शीतेक्षुरसकृत:। (चक्र.-च.सू. 27/185), जो मद्य अपक्व इक्षु रस (शीत इक्षुरस) से बनायी गयी हो उसे शीतरसिक कहते हैं, alcoholic beverage prepared by uncooked sugarcane juice

शीतवती śītavatī

रेवतीग्रह के बीस नामों में से एक, one among 20 names of revati

शीतवीर्य śītavīrya

शिशिरं पुन: ह्लादनं जीवनं स्तम्भं प्रसादं रक्तपित्तयो:। (अ.ह.सू. 9/19), जो आनन्दवर्धक, जीवनीय, स्तम्भन एवं रक्तपित्त का प्रसाद करता है, वह शीतवीर्य है, cold potency

शीतानिल śītānila

शीतोऽनिल: शीतानिल:। (चक्र.-च.सू. 6/9), ठंडी हवा, cold wind

शील śīla

शीलं स्वाभाविकं वृत्तम्। (चक्र.-च.सू. 8/26), स्वाभाविक आचरण 'शील' है, civilized behaviour

शीलन śīlana

देखें. अभ्यास

शुक्त śukta

यन्मस्त्वादि शुचौ भाण्डे सगुडक्षौद्रकाञ्जिकम्। धान्यराशौ त्रिरात्रस्थं शुक्तं चुक्रं तदुच्यते इति। (चक्र.-च.सू. 27/284), मस्तु (दधि के ऊपर का द्रवांश) आदि को एक स्वच्छ पात्र में गुड़, मधु और कांजी के साथ तीन रात्री तक अन्न के ढेर में रखा जाता है, उससे निर्मित द्रव्य शुक्त कहलाता है, जिसे चुक्र भी कहा जाता है, a kind of gruel prepared by keeping supernatent liquid of curd along with jaggery, honey and kanji in a clean pot and placing it beneath the grains for 3 nights

शुक्ति śukti

मुक्ताप्रभवो जन्तु:। (चक्र.-च.सू. 27/40), जिसमें मोती की उत्पत्ति होती है, वह शुक्ति है, oyster shell

शुक्र śukra

सप्तधातुओं में से एक। (अ.ह.सू. 1/3), one omong seven fundamental tissues

शुक्रल śukrala

यस्मात् शुक्रस्य वृद्धिः स्यात् शुक्रलं च तदुच्यते। (शा.सं.प्र. 4/16), जो द्रव्य शुक्रधातु की वृद्धि करते हैं, उनको शुक्रल कहते हैं, जैसे अश्वगन्धा, मूसली, semen promoting

शुक्राश्मरी śukrāśmarī

शुक्राश्मरी तत्स्रवणं भवेद्वा ते ते विकारा विहते तु शुक्रे। (सु.उ. 55/15), अश्मरी का एक भेद, जो शुक्रवेग को धारण करने से उत्पन्न होती है, a type of urolithiasis caused by holding the urge of ejaculation, spermolith

शुक्राह्वा śukrāhvā

इन्द्रयव पर्याय। (ध.नि. 2/15), इन्द्रजौ, कुटजबीज, seeds of kutaja

शुक्लत्व śuklatva

शुक्लत्वात् सौम्यः। (सु.सू. 11/5), शुक्लता (श्वेतवर्णता) के कारण क्षार सौम्य होता है, whiteness, a physical property of alkali which makes it mild

शुनि śuni

कुक्कुरः। कुतिया, a bitch

शुभाशुभप्रवृत्तिनिवृत्ति हेतु śubhāśubhapravṛttinivṛttihetu

शुभस्य धर्मस्य सुखस्य च प्रवृत्तौ हेतुर्भवति, अशुभस्याधर्मस्यासुखस्य च निवृत्तौ हेतुर्भवति। (चक्र.-च.सू. 8/13), शुभ अर्थात् अधर्म सुख प्रवृति में कारण और अधर्म दुख की निवृति में कारण शुभाशुभ प्रवृतिनिवृति हेतु है, the cause of indulgence in right and happy activities and withdrawal from wrong and sorrow activities

शूर्प śūrpa

1. द्रोणाभ्यां शूर्पकुम्भौ च चतुःषष्ठिशरावकाः। (शा.सं.प्र. 1/29), एक मान, दो द्रोण के समान। (च.क. 12/69), दो द्रोण का एक शूर्प होता है, इसे कुम्भ भी कहते हैं, ये परिमाण में 64-64 शराव के होते हैं, a measurement 2. वंशनिर्मितं धान्यात्तुषमृत्तिकादिनिस्सनोपयोगि दीर्घायतं पात्रम्, 'सूप' झलिया इति लोको। (इंदु.-अ.सं.उ. 1), टोकरी, सूप, basket

श्रृङ्ग śṛṅga

उष्णं समधुरं स्निग्धं गवां श्रृङ्गं प्रकीर्तितम्। (ड.-सु.सू. 13/5), रक्त आचूषण हेतु प्रयुक्त होने वाला सींग। (अ.ह.सू. 26/54), त्र्यंगुलास्य भवेच्छृङ्गम्। (अ.ह.सू. 25/26), श्रृंग का मुख तीन अंगुल होना चाहिए, सींग/गाय का सींग उष्ण, मधुर और स्निग्ध होता है, cow horn used for drawing blood, it is sweet and oily in nature and properties

श्रृङ्गवेरिका śṛṅgaverikā

गोजिह्विका, किंवा आर्द्रकाकृति श्रृङ्गवेरी, श्रृङ्गवेरवदाकृत्या श्रृङ्गवेरीति भाषिता, कुस्तुम्बरु समाकृत्या तुम्बुरुणि वदन्ति च। (चक्र.-च.सू. 27/171), गोजिह्विका अथवा आर्द्रक की आकृति वाली वनस्पति विशेष, श्रृङ्गवेर के समान आकृति

होने से श्रृङ्गवेरी कहा जाता है, कुस्तुम्बरु के समान आकृति होने से तुम्बरु भी कहते हैं, a herb resembling ginger

शैवल śaivala

शैवालम्। (ड.-सु.सू. 13/14), जलौकाओं के खाने के लिए शैवाल, algae, one of the eatables to be fed to leeches

शोक śoka

शोकः पुत्रादिविनाशजं दैन्यम्। (चक्र.-च.सू. 7/27), किसी सगे सम्बन्धी के मरने पर उत्पन्न दीनता, grief

शोणितस्थापन śoṇitasthāpana

शोणितस्य दुष्टस्य दुष्टिमपहृत्य प्रकृतौ शोणितं स्थापयतीति शोणितस्थापनम्। (चक्र.-च.सू. 4/8), दूषित रक्त की दुष्टि को दूर करके, उसे प्राकृत स्वाभाविक रूप में स्थापित करना शोणितस्थापन कहलाता है, अर्थात् शोणितस्थापन द्रव्यों के प्रयोग से रक्तगत दोषों की विकृति को दूर किया जाता है, styptic which maintains normalcy of blood

शोथसंग्रह śothasaṃgraha

शोथसंग्रह इति शोथत्वेनोत्सेधरूपेण संग्रहः शोथसंग्रहः। (चक्र.-च.सू. 18/33), 'उत्सेध' सामान्य लक्षण वाली सभी व्याधियों का एक स्थान पर वर्णन 'शोथ' संग्रह है, description of all the inflammatory diseases at one place

शोधनार्थस्नेहन śodhanārthasnehana

शोधनार्थं इति शोधनार्थ स्नेहकरणे। (चक्र.-च.सू. 13/37), शोधन के पूर्वकर्म के रूप में कराया गया स्नेहन, शोधनार्थ या शोधनांग स्नेहन कहलाता है, snehana done as purvakarma of shodhana

शौच śouca

शौचमदृष्ट द्वारोपकारकम्, जिसका प्रभाव अदृष्ट कल्याणकारी होता है, वह 'शौच' पवित्र है, cleanliness

शौर्य śourya

निर्भयत्वम्। (ड.-सु.सू. 5/10), भय या डर का न होना, valour

श्रम śrama

श्रमस्त्विह स्वल्पेनायासेन ज्ञेयः। (चक्र.-च.सू. 16/14), थोड़ा सा शारीरिक काम करने पर ही यदि थकावट हो जाये तो वह श्रम है, fatigue with little physical work

श्रान्त śrānta

थका हुआ। (सु.शा. 8/13), exhausted, weary

श्रुति śruti

श्रूयत इति श्रुतिः। (चक्र.-च.सू. 11/6), जिसे सुना जाय वह श्रुति है, orally transmitted, which is heard, refers to an orally transmitted knowledge

श्रोणि śroṇi

दो श्रोणिफलक एवं एक भगास्थि से निर्मित गुहा, pelvic cavity

श्रोत्र śrotra
श्रृणोत्यनेनेति श्रोत्रम्। (चक्र.-च.सू. 8/8), जिस इन्द्रिय से सुना जाता है वह 'श्रोत्र' है, hearing perception

श्लेष्मला śleṣmalā
श्लेष्मला: कफ प्रधाना:। (च.सू. 7/39), कफ प्रधान प्रकृति, kapha prakriti

श्लेष्माग्रहणीछादयति śleṣmāgrahaṇīchādayati
यदि बिना वमन कराए, विरेचन कराया जाता है, तो कफ ग्रहणी के कर्म को कम कर देता है। (सु.चि. 33/19), if virechana is performed without doing vamana, then kapha vitiates grahani and adversely affects its function

श्वदंष्ट्र śvadaṃṣṭrā
चतुर्दंष्ट्रः कार्तिकपुरे प्रसिद्धः। (चक्र.-च.सू. 27/45), चार दांतो वाला मृग जो कार्तिकपुर में प्रसिद्ध है, a type of deer

श्वयथु śvayathu
शोफः। (सु.सू. 17/3), सूजन, oedema, swelling

षट्पदानन्दा ṣaṭpadānandā
वार्षिकी। (भा.प्र.पू. पुष्पवर्ग 25), बेला, मोगरा, *Jasminum sambac*

षडूषण ṣaḍūṣaṇa
पञ्चकोल समरिचं षडूषणमुदाहृतम्। (भा.प्र.पू.हरीतक्यादि 74), यदि पंचकोल के साथ मरिच भी समभाग में मिला दिया जाय तो उसे 'षडूषण' कहते हैं, if equal quality of piper nigrum is added to panchkola, it is called shadushana

षड्ग्रन्था ṣaḍgranthā
चिरबिल्व। (भा.प्र.पू.गुडूच्यादि 123), करञ्जभेद, type of pongamia

षणमुखी ṣaṇamukhī
षष्ठीग्रह का एक विशिष्ट नाम, जिसका अर्थ छः मुख वाली है, a name of shastigraha

षण्ढता ṣaṇḍhatā
स्त्रीगमनाशक्तित्वम्। (अरु.-अ.ह.सू. 4/20), स्त्रीगमनाशक्तता। (इन्दु.-अ.ह.सू. 4/19), स्त्री संभोग करने में असमर्थ, प्रजा उत्पन्न करने में असमर्थ, erectile dysfunction, loss of libido, male sterility

षष्टि ṣaṣṭi
षष्टिकादयश्च ग्रैष्मिकाः। (चक्र.-च.सू. 27/8), ग्रीष्म ऋतु में होने वाले धान्य, summer crops

षष्ठी ṣaṣṭhī
रेवती ग्रह के बीस नामों में से एक, one among 20 names of revati

ष्ठीवन ṣṭhīvana
मुखस्रावोद्गारः। (अरु.-अ.ह.सू. 12/4), लालास्राव, salivation

संक्लेशन saṃkleśana
संक्लेशनं मद्यातपजलसेचनादिभिः। (चक्र.-च.सू. 11/39), मद्य, आतप, स्नानादि के द्वारा शरीर को कष्ट देना 'संक्लेशन' कहा जाता है, physical torture, to subject the body to torture by alcohol, sunlight, bath etc

संग्रहेण saṃgraheṇa
संग्रहेण उद्देशमात्रेण। (चक्र.-च.सू. 4/4), संग्रहरूप में अर्थात् संक्षेप में, in brief i.e. gist

संघर्ष saṃgharṣa
संघर्ष करकरिमाः। (ड.-सु.उ. 6/6), नेत्र में चुभन होना, गड़ना, foreign body sensation

संज्ञा saṃjñā
संज्ञा सम्यग्ज्ञानं व्याधिरयं त्वरया प्रतिकर्तव्य एवमाकारम्। (चक्र.-च.सू. 11/59), यह व्याधि किस प्रकार के लक्षण युक्त है, इसकी शीघ्र ही किस प्रकार चिकित्सा करना चाहिए, इस सम्यक् ज्ञान को संज्ञा कहा गया है, appropriate knowledge

संज्ञास्थापन saṃjñāsthāpana
संज्ञाज्ञानं च स्थापयतीति संज्ञास्थापनम्। (चक्र.-च.सू. 4/8), जो द्रव्य संज्ञाज्ञान को स्थापित करते हो, उनको संज्ञास्थापन कहते हैं, resuscitators, consciousness restorer

संन्यस्त saṃnyasta
संन्यस्तसंज्ञ इति मृत्युमुखे वर्तमानत्वात् संन्यस्त इव संन्यस्तः। (ड.-सु.उ. 46/21), जो मृत्यु के समीप हो, (सन्यास रोग के कारण), comatosed

संप्रतिपत्ति saṃpratipatti
संप्रतिपत्तिः यथाकर्त्तव्यतानुष्ठानम्। (च.सू. 25/40), काल का अतिक्रमण न करते हुए आवश्यक कार्यों को तत्काल करना संप्रतिपत्ति कहा गया है, time bound duty

संमोह saṃmoha
संमोहो मनसो मोहः। (चक्र.-च.सू. 10/20), मन का मोह या मूर्च्छित होने जैसा अनुभव होना 'संमोह' कहा गया है, unconsciousness

संयत saṃyata
संयमनशील, संयमी। (सु.चि. 24/113), धैर्यवान, patient

संयाव saṃyāva
संयाव उत्कारिका। (चक्र.-च.चि. 30/107), सूजी की लप्सी, gruel made of wheat

संयोग saṃyoga
1. संयोग आहारद्रव्याणां मेलकः। (चक्र.-च.सू. 25/36), सहेति मिलितानां द्रव्याणं योगः प्राप्तिरित्यर्थः। (च.सू. 26/32), आहारद्रव्यों के मेलक (मिश्रण) को संयोग कहा जाता है, मिले हुये द्रव्यों का योग अर्थात् प्राप्ति होना संयोग कहलाता है, combination of components of food, combination 2. इन्द्रियों का अपने विषयों के साथ समयोग, proper contact of senses with their respective objects

संरब्ध saṃrabdha
संरब्धः सम्यक् कलितः सन्। (ड.-सु.उ. 27/9), आवेश में आना, गुस्से में आना, to get angry or impulsive

संरब्धनेत्र saṃrabdhanetra

संरब्धनेत्रः सशोथलोचनः। (ड.-सु.उ. 51/12), नेत्र में शोथ होना, inflammation in eye

संरोष saṃroṣa

संरोषयेत् अर्मशिथिलीकरणाय संक्षोमयेत्। (ड.-सु.उ. 15/3), अर्म को शिथिल करने हेतु नेत्र अर्म को संक्षुब्ध करना (रगड़ कर या लवण प्रयोग द्वारा), to iritate

संलीन saṃlīna

सम्यग्लीनः, शय्यैकदेशे लग्न इत्यर्थः। (ड.-सु.उ. 27/14), शय्या के एक भाग में रहना, शीतपूतना लक्षण, lying in flexed posture in a cot

संलोच saṃloca

संलोचोलुञ्चनमिव, संलोच इत्यत्रान्ये 'संकोच' इति पठन्ति, तत्र संकोचनमिवेत्यर्थः। (ड.-सु.उ. 41/12), संकोचन, constriction

संवरणी saṃvarṇī

संवृणोतीति संवरणी। (ड.-सु.नि. 2/5), तृतीय गुदवली, जो मल का संवरण (रोकती) करती है, तथा गुदद्वार को संकुचित करती है, third and outermost anal sphincter, constrict the orifice

संवासित saṃvāsita

संवासितः पित्तश्लेष्मरक्तैरात्मविकृतिगन्धेन मिश्रीकृतः। (ड.-सु.उ. 22/7), पित्त, कफ आदि विकृत दोषों का मिलना, compounding/mixing of vitiated doshas

संवाहन saṃvāhana

संवाहनं पाणिना पादादिप्रदेशे सुखमभिहननमुन्मर्दनं च। (चक्र.-च.सू. 7/23), हाथ से टांगो आदि का सुखपूर्वक थपथपाना संवाहन है, pleasant massage

संवृतकोष्ठ saṃvṛtakoṣṭha

संवृतकोष्ठी वायुना अल्पीकृत कोष्ठः, 'वायुव्याप्तकोष्ठ' इत्येके। (चक्र.-च.सि. 2/9), वायु द्वारा संकुचित कोष्ठ, कुछ विद्वान कोष्ठ में व्याप्त वात को संवृत कोष्ठ कहते हैं, contracted koshtha

संव्यूहन saṃvyūhana

यन्त्रकर्म, एकत्रीकरण। (अ.हृ.सू. 25/41), एकीकृत करना, एक प्रकार का यन्त्रकर्म, to combine

संव्रियते saṃvriyate

संव्रियते संकोचं याति। (ड.-सु.शा. 3/9), संकोच होना, constriction

संशमनस्नेह saṃśamanasneha

यो रोगस्य शमनायोपयुज्यते स्नेहः। (अरु.-अ.हृ.सू. 16/19), (च.सू. 13/61), शमन चिकित्सा के रूप में जो स्नेहन किया जाता है, वह संशमन स्नेह है, snehana done for shamana purpose

संशय saṃśaya

संशयो नाम विशेषाकांक्षानिर्धारितोभयविषयज्ञानम्। (चक्र.-च.सि. 12/43), जिज्ञासा वश विषय का अनिश्चित ज्ञान, confusion

संशोधन saṃśodhana

उचित रूप से शोधन, proper shodhana

संश्लेष saṃśleṣa

नित्यः संश्लेष इति सर्वदा अपृथक्त्वम्। अपृथकत्व, एक होना, inseparable

संसर्जनक्रम saṃsarjanakrama

पथ्यव्यवस्था। (च.सू. 15/25), वमन या विरेचन कृत क्षोभ से जठराग्नि अत्यन्त क्षीण हो जाती है, अतः इन कर्मों के पश्चात् पेयादि का प्रयोग क्रम से किया जाता है, ताकि अग्नि को क्रम से बढ़ाया जा सके, इस पेयादि क्रम को संसर्जन क्रम कहते हैं, diet regimen after purification procedure

संसृष्ट saṃsṛṣṭa

सर्वदोषसमुत्थे तु संसृष्टानवचारयेत्। (सु.उ. 39/201), एकीकृत करना (औषधियों का), compounding (of medicines)

संस्कार saṃskāra

संस्कारो हि गुणान्तराधानमुच्यते। (च.वि. 1/22-2), ऐसा कर्म जिससे द्रव्यों में विशेष गुण उत्पन्न हों, transformation

संस्कारस्यानुवर्तन saṃskārasyānuvartana

संस्कारो गुणान्तरारोपणं, तस्यानुवर्तनमनुविधानं स्वीकरणमिति यावत्। (चक्र.-च.सू. 13/13), एक द्रव्य के गुणों को दूसरे में आरोपण करना संस्कार है, संस्कार का स्वयं में समाहित कर लेना संस्कारानुवर्तन है, assimilation of samsakara without losing its own properaties, transfering of the properties of one article to other is samskara

संस्तर saṃstara

संस्तरेषु दर्भसंस्तरेषु। (ड.-सु.उ. 60/12), दर्भ (दाभ घास) से बनी हुई शय्या, a layer of dried grass on a specific place

संस्त्यान saṃstyāna

संस्त्यान दोषे इति धनीभूत दोषे। (चक्र.-च.चि. 26/105), दोषों का धनीभूत होना, condensation of doshas

संस्थान saṃsthāna

संस्थानं आकृतिर्लक्षणमिति यावत्। (चक्र.-च.सू. 19/5), आकृति एवं लक्षण, shape and symptoms

संस्रव saṃsrava

भली प्रकार से स्राव, जैसे सम्यक् वमन में कफ का भली प्रकार से स्राव होना। (सु.चि. 33/9), proper discharge, proper discharge of kapha

संहति saṃhati

संहतिरित्यर्थः निबिडसन्धानेत्यर्थः। (चक्र.-च.वि. 8/116), संधान करना, संयोजन करना, to combine

सकृज्जात sakṛjjāta

केवल एक बार उत्पन्न होने वाले दांत, permanent teeth

सक्तगति saktagati

सक्तगतिः अविसारी। (चक्र.-च.सू. 18/13), न फैलने वाला, non spreading

सक्तु saktu

यवतण्डुल लाजादि चूर्णे सक्तु: प्रकीर्तित:। (वै.श.सि.को.), भर्जित एवं निस्तुष यव चूर्ण, roasted and dehusked barley powder

सक्थिसदन sakthisadana

सक्थिसदनं ऊरुग्लानि:, स्फुटनमिवेत्येके। (ड.-सु.नि. 2/8), पैरों से चलने में थकावट होना, पैरों में फटने जैसी पीड़ा, अर्शस्य पूर्वरूप, inability to walk, tiredness in legs, a prodromal feature of piles

सङ्कुल saṅkula

मिश्रीभूतानीव वस्तुरूपाणि पश्यति। (ड.-सु.उ. 7/14), मिश्रीभूत रूप देखना, mixed images

सङ्कोच saṅkoca

पर्वणामाकुञ्चनं संकोच:। (चक्र.-च.सू. 7/19), संधि पर अंग का आकुंचन होना, contracture, constriction

सङ्कोथ saṅkotha

संकोथ: पूतिभाव:। (चक्र.-च.सू. 17/111), सड़ना, पूतिभाव, putrification

सङ्ख्या saṅkhyā

गणितमिहैकद्वित्र्यादि:। (चक्र.-च.सू. 26/32), गणना जैसे एक, दो या तीन, counting, number

सङ्ग saṅga

अप्रवृत्ति:। (चक्र.-च.सू. 28/22), रोध, रुकना, obstruction

सङ्गोत्सर्गादतीव saṅgotsargādatīva

सङ्गोत्सर्गादतीव चेति अतीवसङ्गादप्रवृत्तेर्मलक्षयम्। अतीवोत्सर्गान्मलवृद्धिं जानीयादित्यर्थ:। (चक्र.-च.सू. 7/43), मलायनों में बहुत अधिक संग हो जाने से मल का क्षय हो जाता है, यदि अधिक मल बाहर निकल रहा हो तो मल वृद्धि जाननी चाहिए, if excessive obstruction occurs in the channels then it leads to mala kshaya, on the other hand if mala comes out in excessive then it shows mala vriddhi

सङ्घट्ट saṅghaṭṭa

अन्योन्यपीडको मेलक:। (चक्र.-च.सू. 25/28), एक दूसरे से श्रेष्ठता के लिए होड़ करना अथवा प्रतिद्वन्द्विता करना संघट्ट कहा जाता है, competitive tendency

सङ्घाटी saṅghāṭī

जीर्णवस्त्रम्। (ड.-सु.उ. 33/6), भिक्षु का वस्त्र, a monk's rob

सङ्घात saṅghāta

संघात: काठिन्यम्। (चक्र.-च.सू. 26/11), काठिन्य (कठिनता) को संघात कहा जाता है, hardness

सङ्घातमुपगम्य saṅghātamupagamya

संघातमुपगम्य काठिन्यं प्राप्तित्यर्थ:। (ड.-सु.नि. 3/9), कठिनता को प्राप्त होना, पित्ताश्मरी लक्षण, hardening

सञ्चय sañcaya

संहतिरूपा वृद्धिश्चय:। स्थानेषु दोषा: संचयम्। (ड.-सु.सू. 21/18), स्वस्थान पर दोषों के संचित रूप में होने वाली वृद्धि को संचय या चय कहते हैं, प्रथम क्रिया काल, accumulation of dosha, first treatment opportunity

सञ्छादन sañchādana

आच्छादनवस्त्र, blanket

सञ्जातसार sañjātasāra

(गर्भ में) बल का उत्पन्न होना, जीवितोन्मुख गर्भ। (च.शा. 8/26), viable foetus

सट्टक saṭṭaka

सट्टकं सुप्रमोदाख्यं नलादिभिरुदाहृतम्। (ड.-सु.सू. 46/397), लवंग, व्योषादि से संस्कारित दही, curd processed with various spices

सतीन satīna

हरेणव: सतीनाश्च विज्ञेया बद्धवर्चस:। (सु.सू. 46/33), एक प्रकार का शिम्बीधान्य जो मलबद्धता करता है, a type of legume which causes constipation

सत् sat

सदिति विधिविषयप्रमाणगम्यं भावरूपम्। (चक्र.-च.सू. 11/17), प्रमाणगम्य भावरूप पदार्थ को 'सत्' कहा जाता है, existing object, the existing objects that can be apprehended by means of knowledge

सत्त्व sattva

मन:। (चक्र.-च.सू. 8/5), मानसं बलम्। (हे.-अ.ह.सू. 29/10), मन, मानसिकबल, mind

सत्त्वौदार्य sattvoudārya

सत्वगुणभूरित्वम्। (चक्र.-च.सू. 21/56), सत्त्वगुण की अधिकता को सत्त्वौदार्य कहा गया है, truely generous

सत्यसन्ध satyasandha

सत्यसन्ध: प्रतिज्ञातार्थनिर्वाहक:। (चक्र.-च.सू. 8/18), जो की गई प्रतिज्ञा का निर्वाह करता है वह 'सत्यसन्ध' है, a person who keeps his promise

सत्याबुद्धि satyābuddhi

सत्याबुद्धि: तत्वज्ञानम्। (चक्र.-च.सू. 21/38), सत्याबुद्धि से तत्वज्ञान की प्राप्ति अर्थ लिया गया है, conclusive/absolute/rational knowledge

सत्र satra

सत्रं यज्ञ:। (ड.-सु.चि. 24/98), यज्ञ, sacrificial secrament

सदन sadana

सदनं अंगग्लानि:, 'स्फुटनिका' इत्यपरे। (ड.-सु.नि. 3/17), शारीरिक पीड़ा, malaise, bodyache

सदन्तजन्म sadantajanma

दांतों के सहित शिशु का जन्म। (का.सू.दन्तजन्मिक 20/6), bady born with teeth

सदातुरा sadāturā

सदातुरा इति स्वस्थव्यवहारभाजोऽपि स्फुटिताङ्गत्वविषमाग्नित्वादियुक्ता यस्मादित्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 7/40), स्वस्थ आहार विहार करने पर भी सम्बन्धित दोष के सामान्य विकारों से पीड़ित होने से वातादि प्रकृति वालों को सदा आतुर कहा जाता है, जैसे कि वातप्रकृति वाले में पैरों में स्फुटन या विषमाग्नि मिलती है, mostly suffering from the common disorders of dominance of dosha by vata prakriti

सदृशांशक sadṛśāṃśaka

तुल्यभागिक। (अ.हृ.सू. 14/26), सभी वस्तुओं का समभाग लेना, equal parts

सद्यवमन sadyavamana

बिना नियत पूर्वकर्म कराये, वमन करवाना सद्यवमन है, performing emesis without doing proper poorva karma

सद्यःफला sadyaphalā

सद्यःफला इति सद्यःप्रबोधनकारिकास्तीक्ष्णाञ्जनादिकम्। (चक्र.-च.सू. 24/44), सद्यः (तत्काल) प्रबोधनकारिणी (संज्ञालाभ कराने वाली) चिकित्सा सद्यफला कही जाती है, यथा-तीक्ष्ण अंजन आदि, treatment causing immediate action/result

सद्यस्क sadaska

आशुसमुद्भूत। (च.सि. 6/82), ताजा निकाला हुआ, freshly obtained/extracted

सद्योऽनुगत sadyoanugata

सद्योऽनुगतस्येति सद्योगृहीतस्य। (चक्र.-च.शा. 2/22), सद्य धारण किया हुआ (गर्भ के प्रसंग में), recently conceived

सद्वृत्तमनुष्ठेय sadvṛttamanuṣṭheya

सतां वृत्तमनुष्ठानं देहवाङ्मनःप्रवृतिरूपं सद्वृत्तमनुष्ठेयम्। (चक्र.-च.सू. 8/17), सत पुरुषों के वृत्त (व्यवहार) को शरीर, वचन एवं मन से अनुसरण करना, observing of right conduct prescribed by sages through body, speech and mind

सनिग्रहसन्दंशयन्त्र sanigrahasandaṃśayantra

सवारङ्गो नापितस्येव, अन्ये तु सनिग्रहो लोहकारसंदंश इव कीलबद्ध इति मन्यन्ते। (ड.-सु.सू. 7/11), कीलयुक्त सन्दंशयन्त्र, इसमें मुख को बन्द करने हेतु एक पकड़ होती है, जैसे लोहकार प्रयुक्त करते हैं, dissecting forceps with catch

सन्त santa

इह जन्मनि जन्मान्तरे च शान्तिशौचाचारादियोगजनितधर्मप्रभाव त्रिवर्गमव्याकुलमपयुञ्जानास्तिष्ठन्तीति 'सन्त' इत्युच्यन्ते। (चक्र.-च.सू. 8/17), लोक एवं परलोक में शन्ति, शौच एवं आचारादि के योग से उत्पन्न धर्म जनित प्रभाव से त्रिवर्ग (धर्म, अर्थ एवं काम) का शान्त (अव्याकुल) होकर उपभोग करने वाला पुरुष 'सन्त' है, person who follows peace, cleanliness and religious life style in this as well as in previous birth to practice dharma, artha and kama religiously is saint

सन्तति santati

सातत्यम्। (च.शा. 2/42), सततता, निरन्तरता, continuity

सन्तप्त santapta

संतप्त इति सहजेनोष्मणां, न तु पुनस्तापनेन; वचनं हि - 'विवर्जयेत् स्थिरं शीतमन्नमुष्णीकृतं पुनः' इति। (चक्र.-च.सू. 27/257), संतप्त अर्थात् स्वाभाविक उष्णता युक्त, तात्पर्य यह है कि भात को स्वाभाविक उष्णता की स्थिति में ही खाना चाहिए न कि शीतल हुये भात को पुनः गर्म करके खाना, sustained warmth of rice, natural warmth of freshly prepared rice

सन्तर्जक santarjaka

सन्तर्जकं च राक्षसोन्मत्तं विद्यात्। (च.चि. 9/20), भयदर्शक, भयानक, horrible looking

सन्तर्पण santarpaṇa

कृशं च दुर्बलमाप्याययाम इति संतर्पयामः। (चक्र.-च.सू. 10/6), कृश तथा दुर्बल व्यक्तियों का उपचार, पोषण करने वाली औषधियों द्वारा करना सन्तर्पण कहा गया है, management of lean and weak persons with nourishing medicaments

सन्तानिका santānikā

सन्तानिका क्षीरोपरिस्थः स्त्यानो भागः। (चक्र.-च.क. 1/17), दूध के ऊपर बनने वाली मलाई, creamy layer of milk

सन्तानी santānī

लूताः, सन्तानिका। (अ.सं.उ.), एक विषाक्त लूता (मकड़ी), a poisonous spider

सन्दंशयन्त्र sandaṃśayantra

कीलबद्धविमुक्ताग्रौ सन्दंशौ। (अ.हृ.सू. 25/7), कीलेन-मसूराकारपर्यन्तेन, बद्धं तथा विमुक्तमग्रं-मुखं, ययोस्तौ कीलबद्धविमुक्ताग्रौ सन्दंशौ भवतः। (अरु.-अ.हृ.सू. 25/7), कील से जुड़े एवं आगे से खुले यन्त्र, सनिग्रह एवं अनिग्रह भेद से दो प्रकार के, यह संख्या में दो होते हैं, pincers, dissecting forceps

सन्दधाति sandadhāti

विश्लिष्टानि त्वङ्मांसादीनि संश्लेषयति। (चक्र.-च.सू. 27/4), विश्लिष्ट या छिन्न-भिन्न त्वचा, मांसादि का संश्लेषण, synthesis/conjugation

सन्धातृ sandhātṛ

सम एकत्र धारयतीति सन्धातृ। (च.सू. 27/245), एकीकृत करना, combined

सन्धान sandhāna

चतुर्विधं यदेतद्धि रुधिरस्य निवारणम्। सन्धानं स्कन्दनं चैव पाचनं दहनं तथा।। (सु.सू. 14/39), सन्धानं शस्त्रपदस्य। (ड.-सु.सू. 14/39), रक्तस्राव को रोकने की चार विधियों में से एक, शस्त्र की सहायता से व्रण का सन्धान, a procedure to achieve hemostasis by surgical closure of wound

सन्धुक्षण sandhūkṣaṇa

दीपन। (अ.हृ.सू. 8/20), अग्नि दीपन, appetising

सन्धुक्ष्यमाण sandhukṣyamāṇa

सन्धुक्ष्यमाणः उद्दीप्यमानो। (अरु.-अ.ह.सू. 18/30), धीरे-धीरे सुलगती हुई अग्नि (अ.सं.सू. 27/23), प्रज्जवलनशील, flammable, slowly igniting fire

सन्निकर्ष sannikarṣa

सम्बन्धः, स क्वचित संयोगः, क्वचित् समवायः। (चक्र.-च.सू. 8/12), सम्बन्ध, कभी वह संयोग रूप में होता है तथा कभी समवाय रूप में, relation, coordination, contact, which may be ordinary or inherent

सन्निकृष्टहेतु sannikṛṣṭahetu

कारणं च व्याधिनां सन्निकृष्टं वातादि। (चक्र.-च.नि. 1/7), रोगों के निकटस्थ/समीपवर्ती वातादि कारण, immediate etiological factors (vatadi doshas)

सन्निधान sannidhāna

सन्निधानं निकटत्वम्। (अरु.-अ.ह.सू. 7/5), समीप, near

सन्निहित sannihita

सन्निहिता सम्यगवस्थिताः। (इ.-सु.उ. 47/8), सम्यक् रूप से व्यवस्थित, सम्यक् प्रकार से, properly (in context of intake of alcohol)

सपिण्डका sapiṇḍakā

सपिण्डका इति मधुक्रोडा एव सपिष्टकपिण्डाः। (चक्र.-च.सू. 27/267), मधुक्रोड ही जब पिष्टक सहित हो तो उसे सपिण्डका या सपिष्टपिण्डा कहते हैं, madhukroda with additional paste along with the sweet substance

सप्रजा saprajā

सप्रजाऽपीति अवन्ध्याऽपि सती कथं चिरेण गर्भं विन्दति। (चक्र.-च.शा. 2/5) अवन्ध्या स्त्री, fertile lady

सप्राक्पेष्य saprākpeśya

सप्राक्पेष्य इति बस्तिसूत्रीयोक्तबलादिबस्त्युक्तकल्कयुक्तः। (चक्र.-च.सि. 7/11), बस्ति का एक प्रकार, a type of enema

सभक्त sabhakta

सभक्तं नाम-यत् सहभक्तेन। (सु.उ. 64/74), भैषज्यकाल, भोजन के साथ औषध सेवन, to administer medicine along with food

समनस्क samanaska

समनस्कं मनसा सहितम्। (चक्र.-च.सू. 8/15), मन के सहित, along with mind

समपित्तानिलकफ samapittānilakapha

समा अवैकारिकमाभावस्थिताः पित्तानिलकफायस्य। सम प्रकृति पुरुष जिसमें कि वात, पित्त एवं कफ अवैकारिक भाव में स्थित रहते हैं, a perosn of samaprakriti in which vata pitta and kapha remain in equilibrium state

समवायी samavāyī

समवायीति समवायाधेयः। (चक्र.-च.सू. 1/51), समवायि में जो समवाय से रहते हैं, उन्हें समवायी कहते हैं, united, which is inseparably united with the inherent cause is called inherently united

47—4 Min. of HRD/2016

समस्तगात्र samastagātra

समस्तगात्रमिति अङ्गहीने आगमोक्तावयवसंख्याद्यप्रत्ययात्। (ड.-सु.शा. 5/49), जिसमें शरीर के सभी अंगप्रत्यंग प्रशस्त हों, a body with perfect parts

समाधि samādhi

समाधि विषयेभ्यो निवर्त्यात्मनि मनसो नियमनम्। (चक्र.-च.सू. 1/58), मन का विषयों से निवृत्त होकर आत्मरूप होना समाधि कहलाता है, withdrawing the mind from the objects and stabilising it on atma

समास samāsa

1. समासो रसानामन्योन्यमेलकः। (चक्र.-च.सू. 13/27), सभी रसों का परस्पर संयोग समास है, mixing of all rasa together 2. समासः संक्षेपः। (ड.-सु.शा. 5/6), संक्षिप्त, briefly

समुत्क्षिप्ता samutkṣiptā

समुत्क्षिप्तेति अतित्वरिता। (चक्र.-च.चि. 28/41), अति शीघ्रता से, rapidly

समुद्भ्रान्त samudbhrānta

समुद्भ्रान्तैः इतश्चेतश्च विक्षिप्तैः। (ड.-सु.उ. 39/23), इधर उधर फेंकना, to throw here and there

समुन्नद्धोदर samunnaddhodara

समुन्नद्धोदरतेति वमनकृतं समुन्नद्धोदरत्वमामाशये, विरेचनकृतं पक्वाशये। (ड.-सु.चि. 34/15), उदर का सभी ओर से उभरा हुआ होना, distension of abdomen

समृद्ध samṛddha

समृद्धा निष्पादितसाध्याः सर्वारम्भा यस्य स तथा। (चक्र.-च.सू. 30/24), जिसके द्वारा सम्पादित सभी कार्य पूर्ण हो जाते हों, उसे समृद्ध कहते हैं, या जो सभी कार्य समुचित प्रकार से विचार कर प्रारम्भ करता हो, उसे समृद्ध कहते हैं, prosperous

सम्पत् sampat

संपदिति क्रिमिसलिलाद्यनुपहत्वेन रसादि संपत्। कृमि, जल आदि से अप्रभावित रस, गुण वीर्य आदि गुणों से युक्त औषध 'संपत' है, drug with best qualities

सम्पृक्ता sampṛktā

आमेन सम्पृक्ताः-संयुक्ताः। (अरु.-अ.ह.सू. 13/27), संयुक्त, एकीकृत, combined

सम्प्लव samplava

सम्प्लवादिति विकृतिगमनात्। (चक्र.-च.नि. 8/5), स्मृति आदि का विकृत होना, a disorder of memory

सम्भरण sambharaṇa

संचय। (च.सू. 15/3), (औषधि) संचय, collection/storage (of medicines)

सम्भिन्नालाप sambhinnālāpa

सम्भिन्नालापोऽसम्बद्धप्रलपनम्। (अरु.-अ.ह.सू. 2/22), अनापशनाप बकना, irrelevant talk as in delirium

सम्मूर्छित sammūrchita
संमिश्रित, एकीभूत। (च.चि. 1(1)/52), मिलितम्। (ड.-सु.चि. 38/38), एकरूपता होना, मिश्रित होना, amalagamation

सम्यक् samyak
सही रूप से, properly

सम्यक् विरिक्त samyak virikta
सही रूप से विरेचन होना, proper purgation

सम्यक् स्निग्ध samyak snigdha
भली प्रकार से स्नेहन होना। (च.सू. 13/58), proper unction

सम्यग्दग्ध samyagdagdha
सम्यग्दग्धमनवगाढं तालवर्णं सुसंस्थितं पूर्वलक्षणयुक्तं च। (सु.सू. 12/16), जिसमें घाव नीचा न हो, वर्ण ताडफल के समान हो, जिसमें समानता हो और जो पहले कहे गए लक्षणों से युक्त हो, वह सम्यक् दग्ध है, appropriate burn

सर sara
1. सरो दध्युपरिस्नेहः। (चक्र.-च.सू. 27/228), दधि के ऊपर का स्नेह युक्त भाग, thick upper part of curd **2.** सरो दिव्यखातं पुरुषव्यापारेण विना, तत्पुनः पम्पादि सरोवरः। (चक्र.-च.सू. 27/214), 'सर' अर्थात् जो मनुष्य के कार्य बिना निर्मित दिव्यखात (खाड़ी) हो और जल से भरी हो, यथा- पम्पादि सरोवर, natural reservior of water, resembling lake 3. सरति गच्छतीति सरम्। (चक्र.-च.सू. 22/32), जो गतिशील हो, उसे सर कहा जाता है, flowing in nature

सरण saraṇa
सरणाद् देशान्तरगमनात्। (चक्र.-च.सू. 30/12), दूसरे स्थानों में जाने से सिरा कहा जाता है, या सरण कार्य द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना, इसमें धमन नहीं होता, न ही स्रवण प्रक्रिया ही होती है, they are called (sira) vessels because they carry the blood etc. from one place to another

सरसा sarasā
सरसा अभृष्टाः। (चक्र.-च.सू. 27/273), बिना भुने धान से बना चिउड़ा 'सरसा' कहलाता है, unroasted flattened rice

सर्पि sarpi
देखें. स्नेहोत्तम, घी, ghee

सर्व sarva
अखिलम्। (सु.उ. 39/7), सभी, all

सर्वग्रह sarvagraha
समुदितस्याहारस्य परिमाणं सर्वग्रहः। (चक्र.-च.सू. 5/4), ग्रहण किए गए समस्त आहार का कुल परिमाण, total quantity of food

सर्वदा sarvadā
सर्वस्मिन् काले नित्यगे चावस्थिके च। (चक्र.-च.सू. 1/44), नित्यग एवं आवस्थिक दोनो कालों का ग्रहण, always

सर्वमार्गानुसारिणी sarvamārgānusāriṇī
सर्वमार्गाः कोष्ठसन्धिमर्मशाखाः। (चक्र.-च.सू. 13/34), कोष्ठ, सन्धि, मर्म एवं शाखा में जाने वाली, through all paths like cavity, joints, channels etc

सर्वविश्रम्मी sarvaviśrambhī
सर्वविश्रम्मी सर्वेषु विश्वासी। (चक्र.-च.सू. 8/26), सभी पर विश्वास करने वाला, a person who faiths easily

सर्वसंन्यास sarvasaṃnyāsa
सर्वसंन्यासः सर्वक्रियात्यागः स हि परसुखमोक्षहेतुः। (चक्र.-च.सू. 25/40), सर्व संन्यास से सभी प्रकार की क्रियाओं का त्याग अर्थ लिया गया है, यही परम सुख मोक्ष का हेतु है, detachment method to achieve salvation

सर्वाङ्गस्वेद sarvāṅgasveda
सर्वाङ्गता प्रस्तरजेन्ताकादयः। (चक्र.-च.सू. 14/66), सर्वशरीर का स्वेदन जैसे प्रस्तर, जेन्ताक आदि, whole body sudation/fomentation

सलून salūna
पुरीषकृमिः। (अ.सं.नि. 14/58), एक प्रकार का पुरीषज (मलज) कृमि, intestinal worm

सविषजलौका saviṣajalaukā
सविषाः जलौका। (ड.-सु.सू. 13/14), विषयुक्त जोंक, poisonous leech

ससार sasāra
ससारः स्फटिक एव। स्फटिक (रत्न), crystal

ससिकतम् sasikatam
ससिकतं बालुकासहितम्। (ड.-सु.नि. 3/7), शर्करा (बालुका) युक्त मूत्रत्याग, अश्मरी सामान्य लक्षण, graveluria

सहजसात्म्य sahajasātmya
सहजं दैववशात् स्वाभाविकं सात्म्यत्वं सहजसात्म्यत्वम्। (चक्र.-च.सू. 17/62), दैव से स्वाभाविक सात्म्यता 'सहज सात्म्य' है, natural tolerance

सहस्यप्रथमे sahasyaprathame
सहस्यस्य पौषस्य प्रथमो मार्गशीर्षः। (चक्र.-च.सू. 7/46), मार्गशीर्ष माह, month of margashirsha

सहस्रवीर्य sahasravīrya
सहस्रवीर्यमिति भूरिशक्तिकम्। (चक्र.-च.सू. 27/232), अत्यधिक शक्तियुक्त को सहस्रवीर्य कहा जाता है, highly potent

सह्य sahya
सह्यो नर्मदायाः पारे पर्वतविशेषः। (ड.-सु.सू. 13/13), नर्मदा तीर समीपस्थ सह्यपर्वत स्थान, mountain (place) near the banks of Narmada river

साक्तुक sāktuka
कन्दविष। (अ.सं.उ. 40), एक विषाक्त कन्द, a poisonous tuber

साङ्ख्य sāṅkhya

संख्या सम्यग्ज्ञानं, ते व्यवहरन्तीति सांख्यः। सम्यक् ज्ञान को संख्या कहते हैं, तथा जो उसका व्यवहार करे वह सांख्य है, अर्थात् संख्या सम्बधित तत्वों का ज्ञाता सांख्य है, with rational knowledge

सात्म्य sātmya

सात्म्यतश्चेत्यत्र सात्म्यशब्देन ओकसात्म्यमुच्यते। (चक्र.-च.वि. 8/118), ओक सात्म्यता, जिसका शरीर अभ्यस्त हो गया हो, जो शरीर को हानिकर न हो, one which is nonharmful/beneficial to body

सात्म्यचारिण sātmyacāriṇa

सात्म्ये देशे चरन्तीति सात्म्यचारिणः। (चक्र.-च.सू. 22/25), जो पशुपक्षी सात्म्य देश में विचरण करने वाले हों, उन्हें सात्म्यचारिण कहा जाता है, animals/birds living in wholesome place

सात्म्येन्द्रियार्थ sātmyendriyārthasaṃyoga

सात्म्येन्द्रियार्थसंयोगेनेति इन्द्रियार्थ समयोगेन। (चक्र.-च.सू. 8/17), इंद्रिय का अर्थ के साथ समयोग, proper contact of senses to their objects

साद sāda

अङ्गावसादः। (चक्र.-च.सू. 7/21), अंगो में ग्लानि अनुभव करना, feeling of depression in body parts

साधक sādhaka

साधकस्य वैद्यस्य। (सु.उ. 39/237), वैद्य का एक पर्याय, a synonym of physician

साधर्म्य sādharmya

साधर्म्यं समानो धर्मः। (ड.-सु.शा. 1/9), समानधर्मिता, समानता, identical, resemblence

साध्यसंमिता sādhyasaṃmitā

साध्यत्वेन प्रामाणिकानां संमताः। (चक्र.-च.सू. 1/62), ज्ञानी व्यक्तियों द्वारा स्वीकृत रोग साध्यसम्मत कहलाते हैं, facts accepted by knowledgeable expert persons

सानुशय sānuśaya

सहानुशयेन रागादिना वर्तत इति सानुशयः। (चक्र.-च.शा. 2/32), राग, द्वेष आदि से युक्त होने के कारण (आत्मा को) सानुशय कहा गया है, a synonym of soul (being accompanied by affection, aversion etc)

सान्द्र sāndra

सान्द्रस्तदविपर्ययो द्रवः। (अरु.-अ.ह्र.सू. 1/18), द्रव का विपरीत, गाढ़ा, solid, viscous

सापिधान sāpidhāna

सापिधाने सुष्ठु आवृते सझम्पने कलशे इति ज्ञेयम्। (ड.-सु.चि. 25/29), कलश (घड़े) को भली प्रकार आवृत करना, perfectly covered, sealed container

साम sāma

साम सान्त्वनम्। (चक्र.-च.सि. 6/85), सान्त्वना, assurance

सामर्थ्ययोग sāmarthyayoga

सामर्थ्ययोगात् समयोगात्। (चक्र.-च.सू. 8/15), सम या सम्यक् योग, proper use

सामान्यज sāmānyaja

सामान्यजा इति वातादिभिः प्रत्येकं मिलितैश्च ये जन्यन्ते। (चक्र.-च.सू. 20/10), जो रोग वातादि दोषों से मिलकर उत्पन्न होते हैं, manifested with dosha or combination of doshas

सामान्यपूर्वरूप sāmānyapūrvarūpa

तत्र सामान्यं येन दोषदूष्यसम्मूर्च्छनावस्था जनितेन भाविज्वरादिव्याधिमात्रं प्रतीयते, न तु वातादिजनित्वादि विशेषः। (विज.-मा.नि. 1/5), रोग के पूर्व उत्पन्न होने वाले लक्षण, जो भविष्य में होने वाली व्याधि मात्र का ज्ञान कराते हैं, न कि दोष विशेष का, general prodromal signs or symptoms

सामिता sāmitā

समिता गोधूमचूर्ण तथा कृताः सामिताः। (ड.-सु.सू. 46/398), गेहूं के आटे से बना भक्ष्य पदार्थ, a dietary product made up of wheat flour

सामुद्ग sāmudga

तत्र सामुद्गं क्षयि, नित्यसंपातात्। (का.सू. दन्तजन्मिक 20/7), दन्त का क्षय होने से पतन हो जाना, विकृत दन्त, premature shedding of teeth

सामुद्र sāmudra

सामुद्रं दक्षिणसमुद्रभवं 'करकच' इति ख्यातम्। (चक्र.-च.सू. 1/89), दक्षिणी समुद्र के जल से बनाए गए नमक को सामुद्र कहते हैं, जो करकच नाम से प्रसिद्ध है, salt prepared from south sea water is called samudram which is known as karakacha

सामुद्रिका sāmudrikā

ईषद्सितपीतिका विचित्र पुष्पाकृतिचित्रा सामुद्रिका। (सु.सू. 13/11), कुछ काली तथा पीली, बिन्दुओं से युक्त तथा अनेक प्रकार के पुष्प की आकृति के समान चित्रित सामुद्रिका होती है, सविष जलौका का एक प्रकार, a type of poisonous leech which is blackish yellow and resembles the shape of different flowers

सारङ्ग sāraṅga

सारङ्गो गौरहरिणः। (ड.-सु.सू. 46/333), श्वेत हिरण, white deer

सारमेयगणाधिप sārameyagaṇādhipa

सारमेयगणाधिपः कुक्कुरसमूहपतिः। (ड.-सु.क. 7/61), कुत्तों के समूह का मुखिया, leader of dogs' group

सारामुख sārāmukha

सारामुख कृष्णशूकः। (अरु.-अ.ह्र.सू. 6/1), एक प्रकार का कृष्णतण्डुल, black rice

सार्प sārpa

चित्तप्रकृति, सर्प सदृशस्वभावम्। (च.शा. 4/38), सर्प सदृश स्वभाव, राजससत्व का एक लक्षण, having nature of a snake, a feature of rajasika satva

सावरिका sāvarikā

स्निग्धा पद्मपत्रवर्णाऽष्टादशाङ्गुलप्रमाण सावरिका। (सु.सू. 13/12), चिकने कमल के पत्ते के समान रंग वाली तथा अठारह अंगुल प्रमाण की सावरिका होती है, धातुओं के दूषित रक्त को निकालने के लिए इसका प्रयोग होता है, निर्विष जलौका का एक प्रकार, a type of nonpoisonous leech which resembles the lotus leaf in colour, 18 fingers long and is used to draw blood from animals

सावशेषौषधत्व sāvaśeṣouṣadhatva

अल्प औषध ग्रथित या मिश्रित दोषों को बाहर नहीं निकाल पाती है, जिसके कारण वमन एवं विरेचन में सावशेषौषधत्व नामक व्यापद् होता है। (सु.चि. 34/3), mild drug is unable to remove mixed doshas leading to vaman and virechana vyapad (complication)

सास्र sāsra

सास्रः अश्रुपूर्ण नेत्रः। (ड.-सु.उ. 39/41), अश्रुपूर्ण नेत्र, eyes full of tears

साहस sāhasa

सहसा आत्मशक्तिमनालोच्य क्रियत इति साहसम्। (चक्र.-च.सू. 7/26), अचानक अपनी शक्ति से अधिक कार्य करना, जैसे हाथी के आगे दौड़ना, suddenly doing work beyond one's capacity e.g. running in front of elephant

सिकता sikatā

सिकता बालूका। (चक्र.-च.चि. 12/70), बालू, sand

सिकतामेह sikatāmeha

शर्करा सिकतामेहो भस्माख्योऽश्मरी वैकृतम्। (सु.नि. 3/13), शर्करा, बालू और भस्म के समान अश्मरी के छोटे-छोटे टुकड़े, small particles of calculi in urine

सिद्ध siddha

सिद्धमिति घृतदुग्धयुक्तं सत् किञ्चिदेवाग्नौ साधितम्। (चक्र.-च.सू. 3/22), घृत एवं दुग्ध मिलाकर अग्नि पर अल्प समय तक साधित किया गया पदार्थ सिद्ध कहलाता है, this is a technical term used to explain the process of mixing 'ghee and milk' by heating for a short time

सिरा sirā

सरत्यामी रक्तमिति सिराः। (अरु.-अ.हृ.सू. 27/गद्यसूत्र 2), जिसमें रक्त का सरण (वहन) होता है वह सिरा है, a vessel through which blood flows, vein

सिराजाल sirājāla

दृश्यसिराओं का जाल। (का.सू. क्षीरोत्पत्ति 19/34), a visible network of veins

सिरासन्ततगात्र sirāsantatagātra

सहजार्श लक्षण। (सु.नि. 2/15), शरीर पर सिराओं का जाल, prominent veins over the body, a feature of a person with hereditary piles

सिरोत्थापन sirotthāpana

एवं यन्त्रोपायानन्यांश्च सिरोत्थापनहेतून् बुद्धया अवेक्ष्य शरीरवशेन व्याधिवशेन च विदध्यात्। (सु.शा. 8/8), सिरा को उभारना, to make a vein prominent

सीसक sīsaka

भटित्रकरणकाष्ठमुच्यते। (चक्र.-च.सू. 26/84), वह काष्ठ शलाका जिस पर रखकर मांस पकाया जाता है, spit

सुखविरेचन sukhavirecana

विरेचन कर्म, जो दोषों को बिना कष्ट पहुंचाए बाहर निकाल दे वह सुख विरेचन है, त्रिवृत सुखविरेचन के लिए श्रेष्ठ है। (च.सू. 25/40), virecana karma, which removes doshas without any difficulty is known as sukhvirechana, for example trivrit is a best drug for performing sukh virechana

सुखोदकपरिषिक्त sukhodakapariṣikta

सुखोष्ण जल से स्नान। (अ.सं.सू. 27/21), bath with lukewarm water

सुपरिलिखितनख suparilikhitanakha

भली-भाँति कर्तित नख। (अ.सं.सू. 1/7), well trimmed nails

सुप्ति supti

1. सुप्ति स्पर्शाज्ञानम्। (चक्र.-च.सू. 7/19), स्पर्श ज्ञान का न होना 'सुप्ति' है, loss of sensation 2. सुप्तिः पादयोर्निष्क्रियत्वं स्पर्शाज्ञता वा। (चक्र.-च.सू. 20/11), टांगों का निष्क्रिय होना या स्पर्श का ज्ञान न होना 'सुप्ति' है, paralysis of lower limb or loss of sensation

सुभग subhaga

सुभगक्षतगुद इति सुभगगुदः, क्षतगुदश्च; अन्ये तु सुभगं सुखसंवर्धितमाहुः। (चक्र.-च.सि. 2/12), सुख में पला हुआ, brought up in luxurious environment

सुभगा subhagā

ऐश्वर्यशालिनी, लावण्यमणी। (सु.उ. 35/9), मुखमण्डिकाग्रह संदर्भ में प्रार्थना, a lady with great fortune

सुमुखा sumukhā

प्रसन्नमुखाः। (चक्र.-च.सू. 7/59), प्रसन्नमुख, happy face

सुरा surā

अनुद्धृतमण्डा। (चक्र.-च.सू. 27/179), समण्डेति यवतण्डुलकृता बोद्धव्या। (चक्र.-च.सू. 27/190), जिसका मण्ड (ऊपर के भाग में स्थित मद्यांश) नहीं निकाला गया हो, मद्य का सम्पूर्ण द्रवांश, मण्डयुक्त यव तण्डुल निर्मित संधान सुरा है, an alcoholic preparation of barley

सुरासव surāsava

सुरासवः यत्र सुरयैव तोयकार्य क्रियते। (चक्र.-च.सू. 27/187), जिस मद्य में सन्धान हेतु जल के स्थान पर सुरा का प्रयोग किया जाता है, उसे सुरासव कहते हैं, alcoholic preparation in which 'sura' is used in place of water for fermentation

सुलुलितचक्षु sululitacakṣu

किञ्चिन्मिलितलोचनः। (ड.-सु.उ. 27/8), चंचल नेत्र, nystagmus

सुवर्णप्राशन suvarṇaprāśana

जातमात्र में मधु एवं सर्पि युक्त सुवर्ण का लेहन, इसका एक मास तक सेवन बालक को बुद्धिमान एवं 6 मास तक सेवन श्रुतधर बनाता है। (का.सू. लेहाध्याय) licking of gold, immunity booster and intellect promoting

सुवान्त suvānta

भलीभांति वमन होना, proper emesis

सुविभक्त suvibhakta

सुविभक्तः सुव्यक्तः, सुविभक्तो हीनातिदोषत्यक्तः। (ड.-सु.सू. 5/8), अच्छी तरह दिखना, दोषरहित उभार स्पष्ट होना, well defined, well occupied

सुविरिक्त suvirikta

अच्छी प्रकार से हुआ विरेचन, proper virechana

सूक्ष्म sūkṣma

सूक्ष्मस्तु सौक्ष्मयात् सूक्ष्मेषु स्रोतःस्वनुसरः स्मृतः। (सु.सू. 46/524), सूक्ष्मस्रोतोऽनुसारि। (चक्र.-च.सू. 26/11), जिस गुण के कारण द्रव्य शरीर के सूक्ष्म स्रोतों में प्रविष्ट होता है, उसे सूक्ष्म कहते हैं, वह जो सूक्ष्मतम स्रोतों में प्रवेश की क्षमता रखता हो, subtle, minute, micro, capacity to penetrate

सूचक sūcaka

सूचकं परानिष्टजनकाभिधायकम्। (चक्र.-च.सू. 7/28), दूसरों में कलह उत्पन्न करने वाले वचन 'सूचक' है, चुगलखोर, treacharous

सूत्र sūtra

सूचनात् सूत्रणाच्चैव सवनाच्चार्थसन्ततेः। (सु.सू. 3/12), तत्र सूचनात् सूत्रणाच्चार्थसन्ततेः सूत्रम्। (चक्र.-च.सू. 1/24), संक्षिप्त में विषय का निर्देश करना सूत्र कहलाता है, साररूप में असंदिग्ध व निर्दुष्ट वर्णन सूत्र कहलाता है, brief mentioning of the topics without any doubt and error

सौम्य soumya

सोमगुणप्रधानः। (चक्र.-च.सू. 6/15), शीतल गुण प्रधान को सौम्य कहते हैं, which is dominant of cold attribute

सौवीर souvīra

सौवीरं निस्तुषयवकृतम्। (चक्र.-च.सू. 25/49), निस्तुष यवकृत आसव को सौवीर कहते हैं, alcoholic preparation of dehusked barley

सौषिर्य souṣirya

रन्ध्रबहुलता। (चक्र.-च.सू. 26/11), जिसमें रन्ध्र या छिद्रों की बहुलता हो, वह सौषिर्य है, porosity

सौहित्य souhitya

सौहित्यं मात्रातिक्रमेण तृप्तिः। (चक्र.-च.सू. 5/6), भोजन की मात्रा के अतिक्रमण पूर्वक तृप्ति, the fullness occuring due to overeating of logical advisable quantity of food

स्कन्द skanda

शूनाक्षः क्षतजसगंधिकः स्तनद्विट् वक्रास्यो हतचलितैक पक्ष्मनेत्रः। उद्विग्न सुलुलितचक्षुरल्परोदी स्कन्दार्तो भवति च गाढमुष्टिवर्चाः।। (सु.उ. 27/8), बालग्रह भेद, नेत्र में शोथ, रक्तगंधि के समान गन्ध, स्तनद्वेष, मुख का वक्र होना, एक ओर के नेत्र, पक्ष्म का हत होना, उद्विग्न, चंचल नेत्र, कम रोने वाला एवं विबन्ध आदि लक्षण स्कन्दग्रह के होते हैं, hemiplegia

स्कन्दन skandana

स्कन्दनं शोणितस्य स्त्यानीकरणम्। (ड.-सु.सू. 14/39), स्कन्दयते हिमम्। (सु.सू. 14/40), स्कन्दन का अर्थ है रक्त को जमाना, शीतल द्रव्यों के प्रयोग से रक्तरोधन, clotting of blood, haemostasis by cold application

स्कन्नत्व skannatva

घनीभूतत्वम्। (अ.ह.सू. 12/28), जमना (कफ दोष का), consolidation

स्तनकीलक stanakīlaka

सहान्नपानेन यदा धात्री वज्रं समश्नुते। शोथशूल रुजा दाहैः स्तनः स्प्रष्टुं न शक्यते, स्तनकीलकमित्याहुभिषजस्तं विचक्षणाः।। (का.सू.क्षीरोत्पत्ति 19/35), वज्र के भोजन के साथ सेवन कर लेने से वह पाक को प्राप्त न होकर स्तन्यवहा सिरा में जाकर स्तनकीलक रोग उत्पन्न करता है, a disease

स्तनद्वेष stanadveṣa

स्तनपानस्यद्वेषः। (का.सू. 25/8), स्तनपान करने की इच्छा न होना, aversion to breast milk

स्तन्य stanya

स्तन्यमिति स्तन्यवृद्धिकरम्। (चक्र.-च.सू. 1/107), छाती में दूध बढ़ाने वाले कारक को स्तन्य कहते हैं, दूध की मात्रा और गुण को बढ़ाने वाली औषधियों को स्तन्य कहते हैं, an agent that increases breast milk, the medicines used to increase the quality and quantity of breast milk are stanya

स्तन्यक्षय stanyakṣaya

स्तन्यहानि। (सु.सू. 15/12), इसमें स्तन म्लानता, स्तन्य उत्पत्ति न होना अथवा कम होना, यह लक्षण होते हैं, lacto suppression, less quantity of milk

स्तन्यनाश stanyanāśa

स्त्रीदुग्धप्रवृत्तिनाश। (सु.शा. 10/30), मातृदुग्ध प्रवृत्ति हानि, cessation of breast milk

स्तन्यवहासिरा stanyavahāsirā

स्तन्य वहन करने वाली सिरायें, lactiferous ducts

स्तम्भन stambhana

1. रौक्ष्यात् शैत्यात् कषायत्वात् लघुपाकाच्च यद् भवेत्, वातकृत् स्तम्भनं तस्याद्। (शा.सं.प्र. 4/13), रूक्षता, शीतता, कषायता एवं लघुपाक गुण के कारण जो वात उत्पन्न कर धातु मलादि को रोकते हैं, उन्हें स्तम्भन कहते हैं जैसे वत्सक, astringents 2. स्तम्भयतीति निरुणद्धि। (चक्र.-च.सू. 22/12), जो अवरोध उत्पन्न करे वह स्तम्भन है, जो बढी हुई गति को रोक दे, उसे स्तम्भक कहा गया है, inhibitory process, obstructive process 3. स्तम्भनः शोणितातिप्रवृत्तेः। (ड.-सु.सू. 11/5), स्तम्भनः सिराच्छेदादतिप्रवृत्तस्य शोणितस्य, क्षारो हि छिन्नं सिरामुखं पाचयित्वा शोणितगतिं निरुणद्धि। (हारा.-सु.सू. 11/5), सिरा मुख छेदन से वहन करते हुए रक्त को स्तम्भित करना,

—4 Min. of HRD/2016

स्तम्भन अर्थात् रक्त की अति प्रवृत्ति को रोकने वाला, क्षार का एक कर्म, haemostasis by clotting of vessels, haemostatic property of an alkali

स्तेय steya

स्तेयं परद्रव्यग्रहणम्। (चक्र.-च.सू. 7/29), दूसरे के धन या वस्तु को चुराना 'स्तेय' है, चोरी, theft

स्तैमित्य staimitya

स्तैमित्यं आर्द्रवस्त्रागुण्ठितत्वमिवः। (चक्र.-च.सू. 13/76), शरीर का गीले वस्त्र से लिपटने जैसी प्रतीति, feeling as body is covered with wet cloth

स्थवीयसी sthavīyasī

मोटाई में उत्तरोत्तर वृद्धि (कर्णपाली की)। (अ.ह.उ. 1/36), कर्णपाली छिद्र में वृद्धि के लिये उत्तरोत्तर मोटी वर्ति का प्रयोग करना, gradually increasing with thickness

स्थानसंश्रय sthānasaṃśraya

प्रसृतानां पुनर्दोषाणां स्रोतोवैगुण्याद्यत्र सङ्गः स्थानसंश्रयः। (ड.-सु.सू. 21/33), दोषों के प्रसार होने से जिस स्थान पर स्रोतो अवरोध के कारण उनका सङ्ग होता है, उसे स्थान संश्रय कहते हैं, enlodgement of vitiated doshas because of obstructed channels

स्थावरस्नेह sthāvarasneha

स्नेहानां द्विविधां सौम्य योनिः स्थावरजाङ्गमाः। (च.सू. 13/9), वनस्पतियों से प्राप्त स्नेह, fat obtained from vegetable sources

स्थिर sthira

स्थिरत्वं अशैथिल्यम्। (चक्र.-च.सू. 18/51), सरति गच्छतीति सरं न सरमसरं, स्थिरमित्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 22/32), शरीर में शिथिलता का न होना, जो गतिशील हो, वह सर है तथा जो सर न हो, वह स्थिर है, stability, stable in nature

स्थूल sthūla

1. स्थूलः स्थौल्यकरो देहे स्रोतसामवरोधकृत्। (भा.प्र.), सान्द्रः स्थूलः स्याद्बन्धकारकः। (सु.सू. 46/520), जो द्रव्य शरीर में स्थूलता एवं स्रोतों का अवरोध करता है, उसे स्थूल कहते हैं, जो द्रव्य शरीर में पहुँचकर स्थूलता उत्पन्न करे और स्रोतावरोध करे, उसे स्थूल कहते हैं, that causes bulk, bulky, causes obesity and obstruction of channels in the body 2. स्थूलं संहतावयवं लड्डूकपिष्टकादि। (चक्र.-च.सू. 22/13), घन हुए अवयव वाले यथा लड्डू, पिष्टक को स्थूल कहते हैं, अथवा जिसे मुट्ठी में बांधकर बनाया जाय जैसे लड्डू, पिष्टक आदि, massive/bulky

स्थूलान्त्र sthūlāntra

स्थूलान्त्रं कट्यन्त्रं 'गुदान्त्रं' इति प्रसिद्धम्। (ड.-सु.नि. 2/5), आन्त्र भाग, कटि में स्थित बड़ी आन्त्र जिसे गुदान्त्र भी कहते हैं, large intestine/colon

स्थैर्य sthairya

स्थैर्यं अविचाल्यम्। (चक्र.-च.सू. 26/11), अविचलता या स्थिरता, stability

स्नपन snapana

देखें. निर्वाप

स्निग्ध snigdha

यस्य क्लेदने शक्ति स स्निग्धः। जो पदार्थ शरीर की क्लेदन शक्ति बढाए, वह स्निग्ध है, unctuousness

स्निग्धविरेचन snigdhavirecana

स्निग्ध औषधियों से युक्त करवाया गया विरेचन, virechana done with unctuous drugs

स्नेह sneha

चिकनापन युक्त पदार्थ, oily substances

स्नेह अनार्ह sneha anārha

ऐसे रोग एवं रोगी, जिनमें स्नेहन नहीं करवाना चाहिए, contraindication of unction

स्नेह अयोग्य sneha ayogya

ऐसे रोग एवं रोगी जिनमें स्नेहन नहीं करवाना चाहिए, contraindication of unction

स्नेहदग्ध snehadagdha

स्नेह दग्धम्, तेल से जला हुआ, burnt by oil

स्नेहन snehana

स्नेहे शरीर स्नेहने कर्त्तव्ये। (च.सू. 13/17), जिस (कर्म) से शरीर में स्निग्धता उत्पन्न की जाए, oleation

स्नेहपान snehapāna

स्नेहपानक्रममिति स्नेहपानपरिपाटीमित्यर्थः। (ड.-सु.चि. 31/14), स्नेह का पीने के रूप में आभ्यन्तरिक प्रयोग का क्रम, oral administration of unctuous substance

स्नेहप्रविचारणा snehapravicāraṇā

प्रविचार्यते अवचार्यतेऽनुकल्पेनोपयुज्यतेऽनयेति प्रविचारणा ओदनादयः। (चक्र.-च.सू. 13/25), तैलादि स्नेह द्रव्यों को उनके शुद्ध स्वरूप के अतिरिक्त विभिन्न कल्पनाओं जैसे चावल आदि के रूप में प्रयोग करना, usage of unctuous substances in different preparations e.g. mixed with rice etc

स्नेहमात्रा snehamātrā

स्नेहमात्रा जरां प्रति। (च.सू. 13/29), स्नेह की मात्रा, जो उसके पचने में लगने वाले समय के आधार पर निर्धारित की जाती है, dosage of unctuous substance, decided upon the time required for its digestion

स्नेहयोग्य snehayogya

ऐसे रोग या रोगी जिनमें स्नेहन करवाना चाहिए, indications of unction

स्नेहयोनि snehayoni

स्नेहानां द्विविधा सौम्य योनिः स्थावरजङ्गमा। (च.सू. 13/9), द्वियोनिः द्विकारणिकः स्थावरो जङ्गमश्च। (ड.-सु.चि. 31/4), स्नेह के दो प्रकार के

उद्गम हैं - स्थावर (बीजादि) एवं जांगम (पशु) आदि, स्नेह दो प्रकार से प्राप्त होता है स्थावर एवं जांगम, vegetative and animal origin of fats

स्नेहवत्तिलतण्डुला snehavattilataṇḍulā

स्नेहवन्तश्चैरण्ड बीजादय: तिलाश्च तण्डुलाश्च स्नेहवत्तिलतण्डुला:। ऐसे बीज जिनमें से तैल निकलता है, यथा एरण्ड, तिलादि में तण्डुल मिलाकर बनाए गए क्वाथ से किया गया नाड़ी स्वेद, 'स्नेहवत्तिलतण्डुल है, a decoction prepared from oily seeds such as castor, sesame along with rice for sudation

स्नेहविरेचन snehavirecana

स्नेहविरेचनमिति स्निग्धं विरेचनमित्यर्थ:। (चक्र.-च.सि. 6/9), स्निग्ध औषधियों से युक्त करवाया गया विरेचन, virechana performed with unctuous drugs

स्नेहार्ह snehārha

ऐसा रोग एवं रोगी जिनमे स्नेहन करवाया जाना चाहिए, indications of snehana

स्नेहाशय snehāśaya

स्नेहाशया: स्नेहस्थानाऽपि। (चक्र.-च.सू. 13/11), जिसमें स्नेह पाया जाता है, वह स्नेहाशय कहलाते हैं, unctuous sources

स्नेहोत्तम snehottama

सर्पिस्तैलं वसा मज्जा सर्वस्नेहोत्तमा मता:। (च.सू. 13/13), सर्पि (घी), तैल, वसा (चर्बी) एवं मज्जा यह चार स्नेह सभी स्नेहों में उत्तम कहे गए हैं, ghee, oil, animal fat and marrow are the best amongst all the unctuous substances

स्नेहोपग snehopaga

स्नेहोपगानीति स्नेहस्य सर्पिरादे: स्नेहनक्रियायां सहायत्वेनोपगच्छन्तीति स्नेहोपगानि। (चक्र.-च.सू. 4/8), जो (घृतादि) द्रव्य स्नेहन क्रिया में सहायक होते हैं वे स्नेहोपग कहलाते हैं, the substances which help in inducing unctuousness

स्नेह्य snehya

स्नेह्य: स्नेहार्हा:। (अरु.-अ.ह.सू. 16/5), स्नेहन के योग्य (आतुर एवं अन्य), eligible for oleation

स्पर्शन sparśana

स्पृशत्यनेनेति स्पर्शनम्। (चक्र.-च.सू. 8/8), जो इन्द्रिय स्पर्श का ज्ञान कराती है वह 'स्पर्शन' है, tactile perception

स्पर्शविज्ञान sparśavijñāna

स्पर्शो विज्ञायतेऽनेनेति स्पर्श वा विजानातीति स्पर्शविज्ञानम्। स्पर्शो हि द्विविध ऐन्द्रियको मानसश्च, एतत्स्पर्शद्वयं विना न किञ्चिज्ज्ञानं भवति; यदुक्तं- 'यश्चैवेन्द्रियक: स्पर्श: स्पर्शो मानस एव च। द्विविध: सुखदु:खानां वेदनानां प्रवर्त्तक:। (चक्र.-च.सू. 30/6), स्पर्शो विज्ञायत इति निरुक्तिपक्षे तु स्पर्शशब्देन लक्षणया स्पृश्यमानोऽर्थोऽभिप्रेत:, तेन सर्वज्ञेयावरोध:, यं प्राप्यैवार्थमिन्द्रियाणि स्पर्शनार्थं प्रकाशयन्ति, यदुक्तं- 'स्पृश्यते नानुपादानो नाऽस्पृष्टो वेति वेदना:।

(चक्र.-च.सू. 30/6), जिस का ज्ञान स्पर्श द्वारा हो या स्पर्श से जिसकी उत्पत्ति हो, उसे स्पर्शविज्ञान कहा जाता है, अथवा जिससे व्यक्ति स्पर्श ज्ञान को जानता है, 'स्पर्शविज्ञान' कहते हैं, जिससे स्पर्श का ज्ञान होता है, स्पर्श विज्ञान की ऐसी निरुक्ति करने पर स्पर्श अर्थ अभिप्रेत है, इससे सभी जानने योग्य भावों का अर्थ स्पष्ट होता है, tactology, tacile sensations, perceived through sense organ (skin) and the other through mental/cerebral perception, perception of subjective knowledge by all the sense organs through contact with their respective subject

स्फुटित sphuṭita

स्फुटिता इति मनाक विदीर्णा:। (विज.-मा.नि. 56/30), फट जाना या दारण होना, crack

स्फुटितदन्तता sphuṭitadantatā

विकृतदन्त प्रकार। (का.सू. दन्तजन्मिक 20/6), दरारयुक्त दन्त, cracked teeth

स्फुर sphura

स्फुर: स्फुरणम्। (अरु.-अ.ह.शा. 2/14), कंपन या पुन: पुन: चलने जैसी वेदना, throbbing sensation

स्फुरण sphuraṇa

स्पन्द। (च.चि. 14/11), स्फुरणं किञ्चित् कम्पनम्। (योगे.-च.चि. 24/102), स्फुरणं पुन: पुन: चलनम्। (ड.-सु.चि. 1/7), प्रस्फुरति कम्पते। (योगे.-च.चि. 10/7), स्पन्दन, कम्पन या पुन:पुन: चालन अनुभूति, throbbing sensation

स्फुरित एव sphurita eva

स्फुरित एव मनाक चलनिव। (विज.-मा.नि. 60/7), कंपन सदृश अनुभूति, throbbing sensation

स्फोटन sphoṭana

स्फुटति विशीर्यतेति। (हे.-अ.ह.नि. 5/39), स्फुटति इव भज्यत इव। (टोड.-अ.ह.नि. 5/39), फटने के जैसी वेदना विशेष, cracking pain

स्मृति smṛti

अनुभूतार्थस्मरणम्। (चक्र.-च.सू. 1/58), स्मृत्वा स्वभावं भावानां स्मरन् दु:खाद् विमुच्यते। (च.शा. 1), पूर्वश्रुत या अनुभूत विषय का पुन: स्मरण करना स्मृति कहलाता है, पूर्व में अनुभूत भावों को फिर से स्मरण करना स्मृति है, memory, recollection of facts that are already heard or experienced, to remember again the experienced things

स्मृति अपाय smṛti apāya

अपायो विनाश:। (अरु.-अ.ह.उ. 7/1), अपगमं अपाय:, अनेन संज्ञाव्युत्पत्ति दर्शिन अप अपगत स्मार स्मरणं अनुभूतार्थे विज्ञानम्। (योगे.-च.चि. 1/3), स्मृति का विनाश होना या लोप होना, loss of memory

स्मृति विभ्रंश smṛti vibhraṃśa

स्मृतेर्विभ्रंशो लोप:। (अरु.-अ.ह.नि. 6/10), स्मृति का विलुप्त होना, स्मृति हानि, loss of memory

स्मृति संप्लव smṛti saṃplava

संप्लवादिति विकृतगमनात्। (चक्र.-च.नि. 8/5), स्मृति का विकार को प्राप्त होना, perverted memory

स्यन्द syanda

स्यन्दास्तु चत्वार। (सु.उ. 6/3), एक प्रकार का औपसर्गिक नेत्र रोग। (सु.नि. 5/34), स्यन्द (अभिष्यन्द) चार प्रकार के होते हैं, a contagious ocular disease, ophthalmia, conjunctivitis

स्यन्दन syandana

स्राव होना, discharge

संस sraṃsa

संस: किंचित्स्वस्थानचलनम्। (चक्र.-च.सू. 20/12), संसयित्वा स्थानात् चालयित्वा। (अरु.-अ.ह.नि. 15/29), स्वस्थान से खिसक जाना, शारीरिक अवयवों का अपने स्थान से हट जाना संस कहलाता है, looseness, subluxation, dislocation

संसन sraṃsana

पक्तव्यं यदपक्त्वैव श्लिष्टं कोष्ठ मलादिकम्, नयत्यधः संसनं तद्। (शा.सं.प्र. 4/5), यद्द्रव्यं मलादिकं अपक्त्वैव तेषां पाकमकृत्वा अधो नयति, अधः पतनं करोति तत् संसनम्। (आढ.-शा.सं.प्र. 4/5), कोष्ठ के भीतर चिपके हुए पक्व या अपक्व मल को बिना पाचन के नीचे की ओर लाकर बाहर निकालना संसन कम कहलाता है, जैसे कृतमालक, रेचन का एक भेद, जो द्रव्य मलादि को अपक्व या पक्व रूप में अधो पतन कर बाहर निकाल देते है उसे संसन कहते हैं, laxative

संसनगुद sraṃsanaguda

स्रस्तपायु स्थानाच्च्युतगुदम्। (अरु.-अ.ह.शा. 5/84), गुदभ्रंश, prolapsed rectum

स्रस्तनेत्र sratanetra

स्रस्ते स्थानाच्च्युते इव। (अरु.-अ.ह.शा. 2/24), स्रस्ते चलिते इवाक्षिणी। (अरु.-अ.ह.शा 1/21), स्रस्त अधःपतित। (इ.-सु.सू. 31/9), आंखों का नीचे की ओर होना, flabbiness or drooping of the eye

स्रोतस srotasa

स्रवणादिति रसोदेरेव पोष्यस्य स्रवणात्। (चक्र.-च.सू. 30/12), रस आदि पोष्य तत्वों के स्रवण से स्रोतस कहा जाता है, या जिनके द्वारा पोष्य रसादि का स्रवण हो या जिन शरीरस्थ कोशिकाओं या ऊतकों का पोषण स्रवण विधि द्वारा हो, उस मार्ग को स्रोतस कहते हैं, channels, as they convey essential juices

स्रोतस्वलीयमान srotasvaliyamāna

अपने स्रोतस में रुक जाना या गति का कम होना। (सु.चि. 34/20), slow

स्रोतोजकर्दमनिभ srotojakardamnibha

स्रोतोजकर्दमनिभः इति अञ्जनसदृशः कर्दमद्रव्यतुल्यः। (इ.-सु.नि. 10/5), अंजन एवं कीचड़ के समान, colour of collyrium

स्रोतोमुखावशोधन srotomukhāvaśodhana

स्रोतोमुखविशोधनादिति अवरोधकापगमात्। (चक्र.-च.सू. 28/33), स्रोतों के अवरोधक कारणों के दूर हो जाने से दोष कोष्ठ में आ जाते हैं, यही स्रोतोमुख विशोधन प्रक्रिया है, opening up of the orifice of circulatory channels

स्वगन्ध असहत्व svagandha asahatva

स्वगन्धस्य मेदोगन्धस्य असहित्वं असहिष्णुता। (योगे.-च.चि. 3/79), अपने शरीर की गन्ध का सहन न होना, intolerance to self-body smell

स्वनकर्ण svanakarṇa

सस्वनं सशब्दम्। (अरु.-अ.ह.नि. 2/30), कर्ण से शब्द की उपत्ति होना, flute like sound in the ear

स्वन योनिमुख svana yonimukha

योनिमुखादप्यधो वातस्वननिर्गमनम्। (इन्दु.-अ.ह.उ. 33/29), योनिमुख से शब्द की उत्पत्ति होना, sound from vagina

स्वपन्ति svapanti

स्वपन्तीवेति निर्वेदनः, वेदना रहित, without pain

स्वप्न svapna

स्वप्नश्च निरिन्द्रियप्रदेशे मनोवस्थानम्। (चक्र.-च.सू. 21/35)। निरिन्द्रय प्रदेश में स्थित मनोवस्था को स्वप्न कहा जाता है, sleeping, dreaming

स्वप्ननाश svapnanāśa

स्वप्ननाशः अनिद्रा। (योगे.-च.चि. 3/86), निद्रानाश, sleeplessness

स्वप्ननित्यता svapnanityatā

स्वप्ननित्यता निद्राप्रियता। (योगे.-च.नि. 7/73), सदैव सोते रहने की आदत, excessive sleep

स्वभावोपरम svabhāvoparama

स्वभावात् विनाशकारणनिरपेक्षादुपरमो विनाशः स्वभावोपरमः। (चक्र.-च.सू. 16/27), विनाशक कारण के न होते हुए भी जिसका विनाश स्वतः होता है, उसे स्वभावोपरम अर्थात् स्वतः विनष्ट कहा जाता है, natural/self destruction

स्वरगद svaragada

स्वरगदः स्वरभेदः। (योगे.-च.चि. 8/46), स्वर में विकृति का होना, hoarseness of voice

स्वरभेद svarabheda

घर्घरादिस्वरः। (इ.-सु.उ 41/11), स्वर का गर्दभवत् हो जाना, hoarseness of voice

स्वररोग svararoga

स्वररोगः स्वरभेदः। (चक्र.-च.चि. 26/105), स्वर में भिन्नता का होना, hoarseness of voice

स्वरुढदन्त svaruḍhadanta

स्थायीदन्त। (का.सू.दन्तजन्मिकाध्याय 20/4), केवल एक बार निकलने वाले दन्त, permanent teeth

स्वरोपघात svaropaghāta

स्वरोपघातः स्वरहानि। (वाच.-मा.नि. 49/29), स्वर की हानि होना, low voice

स्ववीर्येण svavīryeṇa

स्ववीर्येणेति स्वप्रभावेण। (चक्र.-च.क. 1/5), अपने प्रभाव से, due to its own effect

स्वस्तिकयन्त्र svastikayantra

स्वस्तिकमिव स्वस्तिकं दक्षिणस्य बाहोर्वामे गमनं वामस्य दक्षिण इति स्वस्तिकता। (इन्दु.-अ.सं.सू. 34/4), स्वस्तिक आकृति सदृश, जिस यन्त्र की दाहिनी भुजा वाम में गमन करे एवं वाम, दक्षिण की ओर गमन करे वह स्वस्तिक यन्त्र है, इस यन्त्र के दो फलक एक दूसरे को पार करते हैं, एवं पार स्थान पर कील से जुडे होते हैं, यह स्वस्तिक यन्त्र है, cruciform instrument, such as artery forceps

स्वाचार svācāra

शोभनाचारः। (ड.-सु.उ. 60/10), अनिन्दिताचारः। (विज.-मा.नि 20/20), व्यक्ति द्वारा उचित आचरण, well behaviour

स्वाद्वस्यता svādvasyatā

स्वाद्वस्यं मधुरास्यता। (वाच.-मा.नि. 33/5), मुख में मधुर रस की प्रतीति, sweet taste in mouth

स्वालक्षण्य svālakṣaṇya

स्वलक्षणस्य भावः स्वालक्षण्यम्। (चक्र.-च.सू. 4/20), स्वयं के लक्षण का भाव, this refers to the feeling of the attributes of a person

स्वास्थ्य svāsthya

सुष्ठु निर्विकारत्वेनावतिष्ठत इति स्वस्थः तस्य भावः स्वास्थ्यम्; उद्वेजक धातुवैषम्यविरहितधातुसाम्यमित्यर्थः। (चक्र.-च.सू. 5/13), जो व्यक्ति निर्विकार स्थिति में बना रहता हो, कष्टदायक धातुवैषम्य से रहित धातुसाम्य अवस्था, derivative of svastha, appropriate balance state of dhatu

स्वेदोपग svedopaga

एवं स्वेदोपगादो धारण्येयम्। (च.सू. 4/8), जो औषधियां स्वेदन कर्म में सहायक हों, which are helpful in sudation

हंसोदक haṃsodaka

हंसोदकमिति एवं भूतोदकस्य संज्ञा; हंसशब्देन सूर्याचन्द्रमसावभिधीयते, ताभ्यां शोधितमुदकं हंसोदकं, यदि वा हंससेवायोग्यं हंसोदकं, हंसाः किल विशुद्धमेवोदकं भजन्ते। (चक्र.-च.सू. 6/47), ऋतु (अगस्त्य नक्षत्र) का पानी, सूर्य एवं चन्द्रकिरणों से स्वच्छ, water of sharada ritu purified by sun & moon rays

हठबन्ध haṭhabandha

हठो रसः स विज्ञेयः सम्यक् शुद्धिविवर्जितः। स सेवितो नृणां कुर्यान्मृत्युं वा व्याधिमुदाहृतम्।। (र.र.स. 1/65), पारद को ठोस हठबन्ध रूप में परिवर्तित करते समय यदि शोधित न किया गया हो तो वह हठबन्ध कहलाता है, इसके खाने से मृत्यु या घातक व्याधि हो सकती है, mercury not subjected to purification while changing to solid form

हतचन्द्रिक hatacandrika

निश्चन्द्र, lusture less

हतप्रभ hataprabha

हतप्रभं नष्टकान्ति। (अरु.-अ.हृ.नि. 2/77), हतप्रभानि हतशक्तिनी स्वविषय अग्राहणी चक्षुरादीनी यस्य स तथा। (वाच.-मा.नि. 2/73), शरीर कान्ति का नष्ट होना, इद्रियों का स्वविषय में प्रवृत्त नहीं होना, diminshed complexion or weakness of sense organs

हतस्वर hatasvara

हतस्वरं घुर्घुरस्वरम्। (वाच.-मा.नि. 49/32), कठिन स्वरता, dysphonia

हतेन्द्रिय hatendriya

हतेन्द्रिय हतः श्रोत्रचक्षुरादि शक्तित्वम्। चक्षु आदि इन्द्रियों की शक्ति की अल्पता होना, weakness of sense organs

हतोत्साह hatotsāha

हतोत्साहः निरुत्साहः। (टोडरा.-अ.हृ.नि. 7/23), उत्साहहानि, loss of enthusiasm

हननसन्धि hanana sandhi

हन्तीत्यादि एतेनाकुञ्चनप्रसारणयोरभाव उक्तः। (ड.-सु.नि. 1/28), सन्धि में आकुंचन एवं प्रसारण गतियों का न होना, difficult function of joint

हरिकेशता harikeśatā

हरिकेशता कपिलकेशता। (ड.-सु.शा. 4/83), कपिलवर्ण के केश, brown hair

हरेण hariṇa

ताम्रवर्णः। (चक्र.-च.सू. 27/46), ताम्रवर्ण युक्त हिरन, a deer with copper coloured body

हरित harita

हरितैन हरितशाकवर्णः। (वाच.-मा.नि. 8/13), हरा वर्ण, green colour

हरिलोम hariloma

हरिलोम कपिलकेशः। (इन्दु.-अ.हृ.उ. 24/33), कपिल वर्ण के केश, down coloured hair

हर्ष harṣa

1. हर्षः उत्सेकः, निर्निमित्तमन्यस्य दोषोत्पादनेनात्मनः प्रीतिजननं वा हर्षः। (ड.-सु.सू. 1/25-3), हर्षं पुनरुत्कण्ठाजननं प्रमदास्वेव। (ड.-सु.सू. 15/4-1), हृषितात्मा चिन्तादिरहितः सन्तुष्टात्मा हृष्तुष्टं सन्तोषम्। (चन्द्र.-अ.हृ.उ. 4/22), मन की प्रसन्नता होना, चिन्तारहित होना, प्रीति की उत्पत्ति होना, axhilaration 2. हर्षः वायोरनवस्थित्वेन प्रभावाद्वा क्रियते, हर्षः झिनझिनायनम्। (शिव.-च.सू. 20/12), जो गुण वायु के अनवस्थित होने के अथवा प्रभाव से उत्पन्न होता है, हर्ष कहलाता है, झुनझुनाहट, tingling sensation

हर्षणं रोम harṣaṇam roma

हर्षणं रोम्णा ऊर्ध्वीभावः। (अरु.-अ.हृ.सू. 12/50), हर्ष रोमहर्ष। (चक्र.-च.नि. 3/7), हर्षः 'झणझणिका' इति ख्याता वेदना, किंवा रोमहर्षः। (चक्र.-च.चि 12/12), रोमांच उत्पन्न होना, रौंगटे खडे होना, horripilation

—4 Min. of HRD/2016

हसन्तिका hasantikā

हसन्तिका अङ्गारधानिका। (चक्र.-च.सू. 14/54), अँगीठी, stove full of live charcoal

हस्तस्वेद hastasveda

जातस्य चतुरोमासान् हस्तस्वेद प्रयोजयेत्। (का.सू. 23/27), हाथ से किया जाने वाला स्वेद, चार मास तक के बालक में प्रयोज्य, palm sudation

हानव्य hānavya

शेषा: स्वरुढा हानव्या इति चोचयन्ते: तथाधस्तात्। (का.सं.सू. 20/4), हनु प्रदेश में होने वाले चर्वणदन्त, premolar and molar teeth

हारिद्ररूपदर्शन hāridrarūpadarśana

रूपं दृश्यं आकाशं वा प्रदर्शयेत्। वस्तुओं को हरिद्र वर्ण के रूप में देखना, to see objects in turmeric yellow colour

हाला hālā

मद्यन्तु सीधुमैरेयमिरा च मदिरा सुरा। कादम्बरी वारुणी च हालाऽपि बलवल्लभा। (ध.नि. 6/234), मद्य का एक तीक्ष्ण प्रकार का भेद, जो अन्य मद्य के समान बलवर्धक है, a variety of wine

हिंसा hiṃsā

हिंसा विधिरहिता प्राणिपीडा:। (चक्र.-च.सू. 7/29), कोई भी हानिकर या क्षति पहुंचाने वाला कर्म, violence

हिंसाविहार hiṃsāvihāra

हिंसाविहारा वधक्रीडना:। (ड.-सु.उ. 60/26), हिंसा रूपी खेल, the play of killing

हिक्का hikkā

यत: स वायु: घोषवान् सन् आशु शीघ्रमसून् प्राणान् हिनस्ति ततो बुधै: 'हिक्का' इत्युच्यते। (ड.-सु.उ. 5/6), हिग् इति कृत्वा कायति शब्दायते इति 'हिक्का' इति शाब्दिका:। (ड.-सु.उ. 50/6), जब वह (उदान) एवं प्राण वायु मुख से जोर का शब्द करते हुए निकलता है, एवं शीघ्र प्राणों को नष्ट करता है तो उसे हिक्का कहते है, जब सहसा ही मुख से हिग् शब्द की उत्पत्ति होती है, यही हिक्का का शब्दिक अर्थ है, hiccough

हिङ्गुलाकृष्ट रस hiṅgulākṛṣṭa rasa

विद्याधराख्य यन्त्रस्थादार्द्रक द्रावमर्दितात्, समाकृष्टो रसो योऽसौ हिङ्गुलाकृष्ट उच्यते। (रसे.चू. 4/42), हिंगुल में आर्द्रकस्वरस की भावना देकर विद्याधर यन्त्र के नीचे भाग में लेपित कर पाक करने से ऊपर के पात्र की तली में पारद एकत्र होता है, शीत होने पर वस्त्र से घिस कर ग्रहण करें, यही हिंगुलाकृष्ट पारद है, mercury obtained from cinnabar

हितोपदेशेषु अक्षान्ति hitopadeśeṣu akṣānti

हितस्य गुरुपित्रादे: तेषु अक्षान्ति: असहत्वं तदुपदिष्टं न क्षमता। (अरु.-अ.हृ.नि. 2/8), अच्छा उपयोगी उपदेश देने पर भी उसके बारे में असहिष्णुता होने के कारण ग्रहण न करना, intolerance to advice though it is good

हिम hima

क्षुण्णं द्रव्यपलं सम्यक् षड्भिर्नीरपलै: प्लुतम्। निशोषितं हिम: स स्यात् तथा शीतकषायक:। तन्मानं फाण्टवज्ज्ञेयं सर्वत्रैवैष निश्चय:।। (शा.सं.म. 4/1), एक पल द्रव्य को कूटकर छ: पल जल में भिगोकर रात्रि पर्यन्त रखकर प्रात: काल छानकर बना कषाय हिम कहलाता है, इसे शीतकषाय भी कहते हैं, इसकी मात्रा फाण्ट के समान है, cold infusion

हीनदन्त hīnadanta

देखें पूर्वमुत्तरदन्तजन्म। (का.सं.सू. 20/6), दातों की संख्या कम होना, teeth less in number

हीनवाक् hīnavāk

हीनवचन: स्वल्पवाक्। (चन्द्र.-अ.हृ.उ. 3/34), वाणी का अल्प होना, less talking

हीनस्वरा hīnasvarā

हीनस्वरं वक्तुमसमर्थम्। (विज.-मा.नि. 69/11), हीनस्वरत्वं शब्दनाशत्वम्। (ड.-सु.सू. 32/4), बोलने की शक्ति का नाश होना, aphonia

हीनोत्तरोष्ठ hinottaroṣṭha

हीन उत्तरोष्ठ: स्वभावौष्ठादाल्पौष्ठ:। (ड.-सु.उ. 47/22), हीन उत्तरोष्ठ प्रलम्बमान उपरितन औष्ठम्। (विज.-मा.नि. 18/22), ऊपर के ओष्ठ का नीचे की ओर लटक जाना, असाध्य मदात्यय लक्षण, smaller upper lip or dropping of upper lip

हुण्डन huṇḍana

हुण्डनं शिरप्रभूतानां अन्त: प्रवेश: वक्रत्वं वा, धातूनां अनेकार्थत्वात्, अन्ये तु आह: शिरोहुण्डनं केशभूमिस्फुटनं, शङ्खललाट भेदश्च, नासाहुण्डनं घ्राणनाश:, अक्षिहुण्डनं अक्षिव्युदास, जत्रुहुण्डनं वक्ष उपरोध, ग्रीवाहुण्डन ग्रीवास्तम्भ:। (विज.-मा.नि. 22/8), हुण्डन से अभिप्राय अंगों में वक्रता युक्त गति या अन्त: प्रवेश का होना है, a type of deformity

हुताशन hutāśana

हुताशनं जठराग्निम्। जठराग्नि, jathragni

हृतदोष hṛtadoṣa

दोषरहित। (च.सि. 6/20), elimination of dosha completely

हृत्क्रोडशूनता hṛtkrodaśūnatā

हृत्क्रोडशूनताऽन्तस्थे इति अन्त:स्थपाके हृत्क्रोडस्य शूनता भवति:। (चक्र.-च.चि. 5/45), हृत्क्रोडशूनता हृदयोदरस्फीनता। (गंगा.-च.चि. 5/45), अन्तस्थ भाग में पाक होने पर विशेष रूप से हृदय एवं उदर प्रदेश में शोथ होना, feeling of heaviness in the cardiac region

हृदयावलम्बन hṛdayāvalambana

हृदयावलम्बनं हृदयस्य स्वकार्यसामर्थ्य करोति। (ड.-सु.सू. 21/14), हृदय को अपने कार्य करने में समर्थ कराना, to make the heart to do its functions

हृदयाविशुद्धि hṛdayāviśuddhi

वमन या विरेचन द्वारा उत्पन्न उपद्रव, हीनदोषापहृतत्वं का एक लक्षण, हृदय में शुद्धि का अभाव। (सु.चि. 34/8), a symptom of inadequate purification, in which a person does not feel cleansing of heart region

हृदयाशुद्धि hṛdayāśuddhi

हृदयस्य अशुद्धिः हृदयं पूर्णं इव गुरु इव अपरे। (वाच.-मा.नि. 2/61), हृदय अशुद्धिः जाड्यम्। (गंगा.-च.सू. 16/7), हृदय प्रदेश में पूर्णता अथवा भारीपन अथवा जड़ता की अनुभूति, feeling of fullness in the epigastric region

हृदयोत्क्लेद hṛdayotkleda

हृदयोत्क्लेदं हल्लासम्, अन्ये छर्दिमाहुः। (ड.-सु.सू. 15/14), हल्लास (वमन की अनुभूति) होना या वमन होना, nausea

हृदयोत्क्लेश hṛdayotkleśa

हृदयोत्क्लेशः हृदयस्थितस्य दोषस्य उपस्थितवमनत्वं इव। (विज.-मा.नि. 2/48), आमाशय के हृदय समीपस्थ भाग में वमन की इच्छा होना, nausea

हृदयोद्वेष्टन hṛdayodveṣṭana

हृदयोद्वेष्टनं हृदयस्य आमोटनमिव। (ड.-सु.उ. 39/116), हृदयप्रदेश में बाँधने जैसी पीड़ा, cramps in chest

हृदयोपरोध hṛdayoparodha

हृद्रोगी में वमन कराने से हृदय कार्य में बाधा होती है। (च.सि. 2/9), if vamana is done in a patient of heart disease then it causes blockage of heart

हृदयोपलेप hṛdayopalepa

हृदयोपलेपः अन्तर्वक्षस्थ श्लेष्मणै अन्तर्वक्षादि उपलेप। (गंगा.-च.नि. 1/27), हृदय प्रदेश में वक्ष के भीतर श्लेष्मा का लेप जैसा अनुभव होना, coating like feeling in heart

हृदयोपसरण hṛdayopasaraṇa

हृदि कुर्वन्ति दोषाः, तत्र प्रधानमर्मसन्तापाद् वेदनाभिः इति अर्थः। (सु.चि. 34/19), वमन के अतियोग से उत्पन्न एक उपद्रव, जिसमें हृदय में संताप की तरह वेदना होती है, a complication of atiyoga of vamana in which patient feels burning in heart

हृदस्थितानि गुह्यानि वाक् hṛdasthitāni guhyani vāk

गुह्यानि गोप्यानि। (विज.-मा.नि. 18/9), (मद के वशीभूत होकर) मन के गोपनीय रहस्यों को प्रकट करना, revealing of secrets under the influence of alcohol

हृद्ग्रह hṛdgraha

हृदय में जकड़ाहट की अनुभूति, feeling of stiffness in the heart

हृद्घट्टन hṛdghaṭṭana

घट्टनं चलनम्। (योगे.-च.सू. 17/101), हृदयं घट्टयते कल्या इव चाल्यते। (योगे.-च.सू. 17/64), घट्यते विलोड्यते। (गंगा.-च.सू. 17/64), हृदय गति का बढ़ जाना, palpitation

हृद्द्रव hṛddrava

हृद्द्रव हृदयस्य द्रुतता। (योगे.-च.सू. 20/11), हृदयं द्रवति धावति धक् धक् करोति। (गंगा-च.सू. 17/64), हृद्द्रवः हृदि कम्प इत्यर्थः। (अरु.-अ.हृ.सू. 11/16), हृदय की धड़कन का वृद्धि को प्राप्त होना, tachycardia or palpitation

हृद्य hṛdya

हृदयं तर्पयतीति हृद्यो भवति। (चक्र.-च.सू. 26/43-2), हृद्यः पुराणः पथ्यश्च, नव श्लेष्माग्निसादकृत्। (अ.हृ.सू. 5/48), पुराणो गुड़ो हृदयाय हितः। (अरुण), जो हृदय का तर्पण करता हो, वह हृद्य है, जो हृदय के लिए हितकर हो, beneficial to heart, cardiotonic

हृल्लास hṛllāsa

उपस्थितवमनत्वम् इति। (वाच.-मा.नि. 2/61), थूत्करणं, 'थुकथुकी' इति लोके। (ड.-सु.चि. 34/6), हृदयात् ईषद् व्यथा सहितात् लवणपानीयोद्गिरणम्। (हे.-अ.हृ.सू. 4/17), वमन के समान अनुभव होना, मुख में थूक का आना, nausea, excessive salivation

हृल्लेप hṛllepa

हृल्लेप श्लेष्मलिप्तहृदयत्वम्। (हे.-अ.हृ.नि. 2/21), हृदय प्रदेश का श्लेष्मा से लिप्त होने जैसा अनुभव होना, coating like feeling in heart

हृषितरोमत्व hṛṣitaromatva

देखें क्रोशनम्, रोमांच, horripilation

हृष्टा hṛṣṭā

हृष्टान् मुदितान्। (ड.-सु.उ. 27/6), खुश/प्रसन्न होना, pleased/happy

हृष्टाङ्ग hṛṣṭāṅga

हृष्टाङ्ग उद्धर्षितशरीरः। (ड.-सु.क. 4/42), शरीर के रोंगटे खड़े होना, horripilation

हेतु hetu

हेतुशब्देन तु व्याधीनां जनको हेतुर्निदानरूपस्तथा शमको हेतुर्भेषजरूप उच्यते। (चक्र.-च.सू. 29/4), हेतु शब्द से व्याधियों के उत्पन्न करने वाले कारण निदान रूप का ग्रहण होता है, तथा व्याधियों को शान्त करने वाले कारण भेषज रूप हेतु का भी ग्रहण होता है, causative factor of disease

हेतुप्रतिद्वन्द्व hetupratidvandva

हेतु प्रत्यनीकः। (चक्र.-च.सू. 7/44), हेतु प्रत्यनीक एवं हेतु विपरीतार्थकारी, opposite to etiological factor

हेमकृष्टी hemakṛṣṭi

रुप्यं वा जातरूप वा रस गन्धादिभिर्हतम्, समुत्थित हि बहुशः सा कृष्टो हेमतारयोः।। (रसे.चू. 4/11), पारद एवं गन्धक से निर्मित स्वर्णभस्म को पुनः स्वर्ण रूप में उत्थित करने को हेमकृष्टी या स्वर्णकृष्टी कहते हैं, collecting back gold from calcined gold prepared by mercury and sulphur

हेमरक्ती hemaraktī

तेनरक्तीकृतं स्वर्ण हेमरक्तीत्युदाहृतम्। (र.र.स. 8/14), वरलोह को द्रवित स्वर्ण में मिला देने से स्वर्ण रक्तवर्ण का हो जाता है, इस रक्तवर्ण स्वर्ण को हेमरक्ती कहते हैं, changed colour of gold to red after mixing with varaloha

होलाकस्वेद holākasveda

धीतीकामित्यादिना होलाकस्वेदः, धीतीका शुष्कगोमयादिकृतोऽग्न्याश्रयः विशेषः। (चक्र.-च.सू. 14/61), धीतीका से दिया जाने वाला स्वेद, धीतीका शुष्क उपलों के ढेर को कहते हैं, under bed sudation by burning heap of dungs

ह्रद hrada

ह्रद जलाशयविशेषे। (ड.-सु.चि. 30/30), एक प्रकार का जलाशय, a kind of pond/lake

ह्रसीयसी स्नेहमात्रा hṛsīyasī sneha mātrā

यामै जीर्यन्ति; ह्रसीयसी-अतिशयेन ह्रस्वां मात्रा कल्पयेत्। (अरु.-अ.ह्र.सू 16/17), जो स्नेह की मात्रा तीन घंटे में पच जाए, वह ह्रसीयसी मात्रा है, dose of sneha digestible in 3 hours is hrisiyasi matra

ह्रस्वदर्शिनी hrasvadarśinī

ह्रस्वदर्शिनी अल्पदर्शिनी। (अरु.-अ.ह्र.उ. 12/15), किसी वस्तु का उसके आकार से छोटा दिखाई देना, objects look small in size

ह्रस्वस्नेहमात्रा hrasvasnehamātrā

अर्धाहम्। (च.सू. 13/29), जो स्नेह मात्रा दो प्रहर (छः घंटे) में पच जाए, वह स्नेह की ह्रस्व मात्रा है, the quantity of sneha which is digested in six hours is low dose

ह्रस्वादृष्टि hrasvādṛṣṭi

ह्रस्वसंस्थाना। (अरु.-अ.ह्र.उ. 12/15), दृष्टिमण्डल का सूक्ष्म होना, small size of pupil

ह्रीक्षय hrīkṣaya

ह्री लज्जा, क्षयः रहितम्। (अरु.-अ.ह्र.नि. 2/42), लज्जा से रहित होना, निर्लज्जता, lack of shyness

परिशिष्ट. 1

आद्य एवं अंत्यमें प्रयुक्त होने वाले उपसर्ग एवं प्रत्यय

a–	अ-, अन्-, न-, बे-, बिन-
acro–	अग्र
adeno–	ग्रंथि
an–	अन-
angio–	वाहिनी-
aniso–	असम-
ante–	पूर्व-, अग्र-
anti–	प्रति-, -निवारक, -विधातक द्रोही-, -विरोधी, -प्रतिबंधक
auto–	स्व-, स्वीय-, आत्म-, स्वयं-
dia–	पार-
di–	द्वि-
dys–	दुः-, कु-
en–	अंतर-
endo–	अंतः-
entero–	आंत्र-
epi–	अधि, अधिक-, ऊर्ध्व-, -वर
ex–	बहिः-
hema–	हीम-
hetero–	विभिन्न-, विषम-
homo–	सम-
hydro–	उद-, जल-
hyper–	अति-, बाह्य-, बहु-, पार-
hypo–	अल्प-, अधः, न्यून-, नत-
infra–	अतीत-, अव-, पार-, -खाली, अधः-
inter–	अंतर-,
intra–	अंतः, अंतर्गत
leuk–	श्वेत, धवल
macro–	बृहत्-, महा-
megalo	–विशाल-
micro–	सूक्ष्म, अल्प-, लघु-
mys-myo	–स्नायु
myxa–	श्लेष्म-
oligo–	अल्प-
osteo–	अस्थि-
para–	परा,- संनिध
peri–	परि-
pyo (pyon)–	पूय-
sclero–	-दृढता, -काठिन्य, दृढ-
xantho–	-पीत

उपसर्ग (अंत्य) : प्रत्यय

a–	हीन, -रहित
angio–	-वाहिनी
–centesis	-वेधन
–ectasis	-विस्फार
ectomy	-उच्छेदन
emesis	-वमन
–en	भवन
genesis	-जनन, उद्भवन
–iasis	-ता, -मयता, -सिसता
–itis	-शोथ, दाह
–malacia	मृदूभवन, मृदूकरण
–megaly	वृद्धि
–oid	आभ, सदृश
–pathy	-विकार, -रोग
–rrhea	-स्रवण
–scopy	-ईक्षण, दर्शन
–osis	-अवस्था
–ostomy	-छिद्रण, -रंध्र
–stomy	-छेद
–penia	-न्यूनता
–phage	-भक्षी
–plasia	-घटन
–pnea	-श्वास
–ptasis	-पात, -सरण
–rhage	-स्राव
–stasis	-अवरोध, -स्तंभन
–trophy	-पुष्टि
–uria	-मूत्रता

सारणी-1

S. I. units एस.आई. मात्रक आधार एकक

Quantity	राशि	Name of unit	मात्रक का नाम	symbol for unit प्रतीक
Length	लंबाई	Metre	मीटर	M
Mass	द्रव्यमान	Kilogram	किलोग्राम	kg
Time	समय	Second	सेकंड	S
Electric current	विद्युत् धारा	Ampere	एम्पीयर	A
Thermodynamic temperature	ऊष्मागतिक ताप	Kelvin	केल्विन	K
Luminous intensity	ज्योति तीव्रता	Candela	कैन्डेला	Cd
Amount of substance	द्रव्य मात्रा	Mole	मोल	Mol

सारणी-2

Some S.I. derived units कतिपय एस.आई. व्युत्पन्न मात्रक

Quantity राशि	Name of derived unit व्युत्पन्न मात्रक का नाम	symbol for unit मात्रक चिह्न
Area क्षेत्रफल	Square meter वर्गमीटर	M^2
Volume आयतन	Cubic metre घनमीटर	M^3
Speed गति	Metre per second मीटर प्रति सेकंड	$m.s^{-1}$
Accelration त्वरण	metre per second मीटर प्रति सेकंड	$m.s^{-2}$
Substance concentration सांद्रण मात्रा	mole per cubic metre मोल प्रति घनमीटर	$mol.m^{-3}$

50—4 Min. of HRD/2016

सारणी-3 S.I. Prefixes एस. आई. उपसर्ग

Factor गुणक	Prefix उपसर्ग	Symbol उपसर्ग चिह्न	Factor गुणक	Prefix उपसर्ग	Symbol उपसर्ग चिह्न
10^{18} . .	exa एक्सा	E	10^{-1}	deci डेसी	d
10^{15} . .	peta पीटा	P	10^{-2}	centi सेन्टी	c
10^{12} . .	tara तारा	T	10^{-3}	milli मिली	m
10^{9} . .	giga गीगा	G	10^{-6}	micro माइक्रो	u
10^{6} . .	mega मेगा	M	10^{-9}	nano नैनो	n
10^{3} . .	Kilo किलो	K	10^{-12}	pico पीको	p
10^{2} . .	necto हेक्टो	h	10^{-15}	femto फेमटो	f
10^{1} . .	deka (US) डेका deca (UK) डेका	da	10^{-18}	atto एटो	a

सारणी-4 Non-SI Units retained for general use with the S.I

सामान्य प्रयोग के लिए प्रयुक्त गैर एस-आई मात्रक

Quantity राशि	Name of derived unit व्युत्पन्न मात्रक का नाम	symbol for unit मात्रक चिह्न	Value in SI unit एस.आई मात्रक मान
Time समय	minute मिनट hour घंटा day दिन	Min Hr d	60 s
Plane angle समतलीय कोण	degree डिग्री minute मिनट second सेकंड	0 ' "	π/180 rad π/10 800 rad π/648 000 rad
Volume mass आयतन द्रव्यमान	litre लिटर tonne टन	l t	1 $dm^3=10^{-3}$ m^3 1000 kg.

ग्रीक वर्णाक्षर

संकेत	चिह्न	हिंदी	संकेत	चिह्न	हिंदी
A	α	ऐल्फा	N	ν	न्यू
B	β	बीटा	Ξ	ξ	जाई
Γ	γ	गामा	O	o	ओमिक्रॉन
Δ	δ	डेल्टा	Π	π	पाई
E	ε	एप्सायलॉन	P	ρ	रो
Z	ζ	जीटा	Σ	σ	सिग्मा
H	η	ईटा	T	τ	टॉ
θ	θ	थीटा	Υ	υ	उप्सिलॉन
I	ι	आयोटा	Φ	ϕ	फाई
K	κ	काप्पा	X	χ	काय
Λ	λ	लैम्डा	Ψ	φ	टसाय
M	μ	म्यू	Ω	ω	ओमेगा

अस्पताल में प्रयोग में लाए जाने वाले विविध प्रपत्र

1. चूषित द्रव परीक्षण
2. रक्त का रासायनिक विश्लेषण
3. रक्त शर्करा परीक्षण
4. सीरम प्रोटीन में विद्युत-कण संचलन रिपोर्ट
5. प्रभाजी प्रयोगाहार विश्लेषण
6. ग्लूकोज सहयता परीक्षण
7. वृक्क कार्य परीक्षण
8. यकृत कार्य परीक्षण
9. अस्थिमज्जा परीक्षण
10. हीमोग्राम
11. कोशिका परीक्षण/ऊतक विकृति रिपोर्ट
12. लोहितकोशिका अवसादन दर
13. मल परीक्षण
14. मूत्र विश्लेषण
15. विद्युत् हृद्लेखन हेतु मांग-प्रपत्र
16. शल्यउपचार कक्ष टिप्पणी

सूचिका चूषित द्रव
ASPIRATED FLUID

Patient's Name रोगी का नाम		Age आयु		Sex M पु. लिंग F स्त्री
Deptt. & Unit विभाग व एकक	Ward कक्ष	Bed शय्या	Income आय	Reg. No पंजीकरण संख्या

CHECK ( ) C.S.F ( ) Ascetic Fluid ( ) Pleural Fluid
परीक्षा सुषम्ना द्रव जलोदरीय द्रव फुप्फुसावरण द्रव

I PHYSICAL APPEARANCE भौतिक स्वरूप	III CHEMISTRY PROTEINS रसायन प्रोटीन
	Sugar शर्करा
II CYTOLOGY कोशिकाविज्ञान	CHLORIDES क्लोराइडस्
W.B.C TOTAL कुल श्वेत रक्त कणिका	GLOBULE ग्लोब्यूल
POLYMORPHS % बहुरूपक %	COLLOIDAL GOLD CURVE कोलाइडीय सुवर्णलेख
LYMPHOCYSTES% लसीका कोशिका %	IV MICRO-ORGANISMS सूक्ष्म जीव
R.B.C. लोहित रक्तकणिका	
OTHER Cells अन्य कोशिकाएं	

BLOOD CHEMISTRY
रक्त का रासायनिक विश्लेषण

Serum Proteins सीरम प्रोटीन	Gram% ग्राम %
Serum Albumin सीरम एल्बुमिन	Gram % ग्राम %
Serum Globulin सीरम ग्लोबुलिन	Gram% ग्राम %
Serum Cholesterol सीरम कोलेस्ट्रॉल	mgm% मि. ग्राम %
Serum Calcium सीरम कैल्सियम	mgm% मि.ग्राम %
Serum Phosphorus सीरम फॉस्फोरस	mgm% मि.ग्राम %
Serum alk. Phosphatase सीरम क्षरीय फॉस्फेटेज	K.A. Units के. ए. यूनिट
Serum Sodium सीरम सोडियम	Meq/Litre मिली तुल्य/लि.
Serum Potassium सीरम पोटेशियम	Meq/Litre मिली तुल्य/लि.
Serum Chlorides सीरम क्लोराइड	meq/Litre मिली. तुल्य/लि.
Serum G.O.T. सीरम जी. ओ. टी	Units यूनिट
Serum G.P.T. सीरम जी. पी. टी.	Units यूनिट

Signature of Biochemist
हस्ताक्षर-जीवरसायनज्ञ

प्रपत्र-3

BLOOD SUGAR
रक्त शर्करा परीक्षण

Test परीक्षण	**Value** रोगी-मान	**Normal Ranges** सामान्य परास	**Urine Sugar** मूत्र शर्करा
BLOOD SUGAR रक्त शर्करा (i) Fasting खाली पेट	मि.ग्रा./mg %	65-110 mg% मि.ग्रा.	
(ii) Post Prandial भोजनोपरांत	मि.ग्रा./mg %	110-140 mg% मि.ग्रा.	
(iii) Pre-Insulin इन्सुलिन- पूर्व	मि.ग्रा./mg %		
(iv) Post-Insulin इन्सुलिनोत्तर	मि.ग्रा./mg %		
(v) Random Sample यादृच्छिक नमूना	मि.ग्रा./mg %		

Singnature of Biochemist
हस्ताक्षर-जीवरसायनज्ञ

प्रपत्र-4

Report of Electrophersis of Serum Proteins
सीरम प्रोटीन में विद्युत-कण संचलन रिपोर्ट

	PATIENT'S VALUE रोगी-मान	**NORMAL RANGE** सामान्य परास
Albumin एल्बूमिन		57-68 %
Globulin ग्लोबुलिन		
Alpha 1 ऐल्फा 1		1.057 %
Alpha 2 ऐल्फा 2		4.9-11.2 %
Beta बीटा		7-13 %
Gama गामा		9.8-18.2 %

Signature
हस्ताक्षर

प्रपत्र-5

FRACTIONAL TEST MEAL ANALYSIS
प्रभाजी प्रयोगाहार विश्लेषण

Name .....
नाम

Reg. No.....
पंजी. क्र.

Dr..... Dept..... Age..... Ward.....Cot.....
डॉ. विभाग आयु कक्ष शय्या

Sex M/F..... .....
लिंग पु/स्त्री

Clinical Notes.....
चिकित्सीय टिप्पण

Date.....
दिनांक

Clinical Diagnosis.....
रोग

Signature
हस्ताक्षर

प्रपत्र-6

GLUCOSE TOLERANCE TEST
ग्लुकोज सहृयता परीक्षण
(After ingestion of 100 gms. Glucose)
100 ग्राम ग्लूकोज पीने के पश्चात)

Clincial Notes .....
चिकित्सीय टिप्पण

Clinical Diagnosis .....
रोग निर्णय

Signature
हस्ताक्षर

KIDNEY FUNCTION TESTS
वृक्क कार्य परीक्षण

Blood Urea रक्त यूरिया	mgm. % मि. ग्रा.
Blood N.P. N. रक्त प्रोटीन नाइट्रोजन	mgm. % मि. ग्रा.
Blood Uric Acid रक्त यूरिक अम्ल	mgm. % मि. ग्रा.
Renal Efficiency वृक्क क्षमता	mgm. % मि. ग्रा.
Serum Creatinine सीरम क्रिएटीनिन	mgm. % मि. ग्रा.

Singnature of Biochemist
हस्ताक्षर- जीवरसायनज्ञ

Min. of HRD/2016

LIVER FUNCTION TEST
यकृत् कार्य परीक्षण

Icterus Index कामला सूचकांक	Units यूनिट
Van Den Bergh Reaction वेन डेन बर्ग अभिक्रिया	mgm. % मि. ग्रा.
Serum Billirubin (Total) सीरम बिलीरुबीन (कुल)	Units यूनिट
Thymol Turbidity थॉयमॉल आविलता	Units यूनिट
Zinc Turbidity जस्त आविलता	Units यूनिट
Serum Protein सीरम प्रोटीन	Grams % ग्रा.
Serum Albumin सीरम एल्बूमिन	Grams % ग्रा.
Serum Globulin सीरम ग्लोबुलिन	Grams % ग्रा.
Serum alk Phosphatase सीरम आल्कालाईन फॉस्फेटेज	K.A. Units के. ए. यूनिट
Serum Cholesterol सीरम कोलेस्टेरॉल	mgm. % मि.ग्रा. %
Serum G. O. T. सीरम जी. ओ. टी.	Units यूनिट
Serum G. P. T. सीरम जी. पी. टी.	Units यूनिट

Singnature of Biochemist
हस्ताक्षर-जीवरसायनज्ञ

प्रपत्र-9

BONE MARROW TEST
अस्थिमज्जा परीक्षण

Name..... Age..... Sex M पु.....
नाम आयु लिंग F स्त्री

Deptt. & Unit ..... Ward..... Bed.....
विभाग व यूनिट कक्ष शय्या सं.

Reg. No
पंजीकरण सं.

M/E Ratio
श्वेता पूर्वा-शोणिता पूर्वा अनुपात

Cellularity
कोशिकता

Erythroid Maturation
रक्ताभ परीपक्वता

Haemosiderin
रक्तकोशिका रक्तता

Sideroblasts
अयसलोहितकोशिका प्रसू

Myeloid Maturation
मज्जाभ परिपक्वता

Megakaryocytes
महामूललोहितकोशिका

Comments
टिप्पणी

Date
दिनांक

Signature of Haematologist
हस्ताक्षर-रक्त विशेषज्ञ

प्रपत्र-10

HAEMOGRAM
हीमोग्राम

Erythrocytes लोहित कोशिका	mill/cu. m.m. मिलियन/घन मिमि.	leucocytes श्वेत कोशिका	cu.m.m. क्यूबिक एम.एम.
Haemoglobin हीमोग्लोबीन	Gm per cent. ग्राम %	Neutrophils उदासीनरागी कोशिका	%
P. C. V केंद्रित रक्तकोशिका परिमाण	Percent %	Eosinophils इओसिनोफिलिस	%
M.C.H.C बृहत् लोहित कोशिका रक्तवर्णक	Percent %	Basophils क्षारकरागी श्वेतकोशिका	%
M.C.V. मायक्रॉनक्यूबिक	C. Microns क्यूबिक मायक्रॉन	Lymphocytes लसीका कोशिका	%
		Monocytes एककेंद्रक श्वेत कोशिका	%

Smear लेप	Microcytes लघुलोहिता	Macrocytes बृहतलोहिता	Anisocytosis एनआइसोसाइटोसिस
Poikilocytosis	Spherocytes	Hypochromia विविध गोलक लोहिता	Polychromatophilia अल्परंजन बहुवर्णरागिता
Plateletes बिंबाणु	Other Findings अन्य निष्कर्ष		

Signature of Pathologist
हस्ताक्षर-विकृतिविज्ञानी

प्रपत्र-11

CYTOLOGY/HISTOPATHOLOGY REPORT
कोशिका परीक्षण/ऊतकविकृति परीक्षण रिपोर्ट

Patient's Name रोगी का नाम	Age आयु	Sex M पु. लिंग F स्त्री	
Deptt. & Unit. विभाग व यूनिट	Ward : कक्ष	Bed शय्या सं.	Reg. No. पंजीकरण संख्या
Doctor : डॉक्टर		Date : दिनांक	

Nature of Specimen नमूने का प्रकार	Removed on लेने का दिनांक व समय	at A.M. पूर्वाह्न at P.M. अपराह्न

Pathology Side No
विकृति स्लाइड सं.

Signature of Pathologist
हस्ताक्षर-विकृतिविज्ञानी

प्रपत्र-12

ERYTHROCYTE SEDIMENTATION RATE (E. S.R.)
लोहितकोशिका अवसादन दर

		MALE पुरुष	FEMALE स्त्री
WESTERGREN AT THE END OF FIRST HOUR वेस्टरग्रीन पद्धति पहले । घंटे बाद	NOMRAL RANGE (m.m.) सामान्य परास (मि.मि.)	0 से 15 मि.मि..	0 से 20 मि.मि.
WINTROBE AT THE END OF FIRST HOUR विन्ट्रोब पद्धति पहले । घंटे बाद	NORMAL RANGE (m.m.) सामान्य परास (मि.मि.)	0 से 9 मि.मि.	0 से 20 मि.मि
CORRECTED READING संशोधित पाठ्यांक			

NOTE
टिप्पणी :

Signature Clinical Pathologist
हस्ताक्षर-चिकित्सालय विकृतिविज्ञानी

प्रपत्र-13

FAECES TEST
मल परीक्षण

MICROSCOPIC सूक्ष्मदर्शीय परीक्षण	MICROSCOPIC सूक्ष्मदर्शीय परीक्षण
COLOUR रंग	OVA अंडाणु
CONSISTENCY गाढ़ापन	CYSTS पुटी
BLOOD रक्त	RBC लोहिता
MUCUS श्लेष्मा	PUS CELLS पूय कोशिका
PARASITES परजीवी	MACROPHAGES बृहदभक्षिका
CHEMICAL रासायनिक	VEGETATIVE FORMS वर्धी रूप
OCCULT BLOOD अप्रत्यक्ष रक्त	

Notes :
टिप्पणी

Signature Clinical Patholgist
हस्ताक्षर-चिकित्सालय विकृतिविज्ञानी

प्रपत्र-14

URINE ANALYSIS
मूत्र विश्लेषण

PHYSICAL TEST भौतिक स्वरूप परीक्षण	MICROSCOPIC REST सूक्ष्मदर्शीय परीक्षण
COLOUR रंग	PUS CELLS पूय कोशिका
SPECIFIC GRAVITY विशिष्ट गुरुत्व	EPITHELIAL CELLS उपकला कोशिका
CHEMICAL रासायनिक	CASTS निर्मोक
ALBUMIN एल्बुमिन	CRYSTALS स्फटिक
REACTION अभिक्रिया	PARASITES परजीवी
SUGAR शर्करा	
KETONE BODIES कीटोन पिंड	
BILE PIGMENTS पित्तवर्णक	
UROBILINOGEN यूरोबिलिनोजन	
ABNORMAL PIGMENTS अपसामान्य वर्णक	

NOTES : टिप्पणी

Signature Clinical Pathologist
हस्ताक्षर-चिकित्सालय विकृतिविज्ञानी

DEPARTMENT OF CARDIOLOGY/ हृदयरोग विभाग
E.C.G. REQUEST FORM/ विद्युत् हृदयलेखन हेतु मांग-प्रपत्र

Indoor Reg. No. अंत: रोगी पंजीकरण क्र.________ Ward No. वार्ड न________ Cot No. शय्य क्र.________ Income आय________

OPD Reg. No. बाह्य रोगी पंजीकरण क्र.________ Doctor डॉक्टर________ Sex M/F लिंग स्त्री/पु.________

Name of Patient रोगी का नाम________ Age आयु________ Date दिनांक________

Clinical Diagnosis रोग निर्णय________

Clinical Findings शैय्यासंनिध निष्कर्ष [ ]

Pulse Normal सामान्य [ ]
नाड़ी Abnormal असामान्य [ ]
if so details विशेष विवरण

Respirations Normal श्वसन सामान्य [ ]
Abnormal असामान्य [ ]
if so details विशेष विवरण

B.P. रक्तदाब
Systolic आकुंची [ ]
Diastolic प्रसारी [ ]

Auscultations Heart Sound : M1 श्रवण-हृद्ध्वनि एम 1 [ ] p 2 फु 2 [ ]

Mumurs मरमर
Systolic आकुंची
Diastolic प्रसारी

Special Features विशेष लक्षण

Electrolytes Ion count (विद्युत अपघट्न) आयन मान
K पोटशियम [ ]
Na सोडियम [ ]
Cl क्लोराईड [ ]

Conronary Heart Diseases हृदधमनी रोग [ ]

Digitalis given within 3 weeks Yes हाँ
क्या 3 सप्ताह के भीतर डिजिटैलिस दिया गया? NO नहीं

Chamber enlargement कोष्ठ विस्फार [ ]

Information requried from E. C. G.
विद्युतहृद्लेख से अपेक्षित सूचना

Ryhthmic Disturbance लय-विक्षोभ [ ]

Special Features विशेष लक्षण

हस्ताक्षर Signature of Medical Officer चिकित्सा अधिकारी

2—4 Min. of HRD/2016

Dr. डॉ. Reg. No. पंजीकरण सं. Unit यूनिट

OPERATION THEATRE NOTE
शस्त्रकर्मपूर्व निदान टिप्पणी

Name नाम Age आयु Sex M/ पु लिंग F/ स्त्री Ward कक्ष

Pre-operative Diagnosis शस्त्रपूर्व निदान

Post-operative Diagnosis शस्त्रकर्मोत्तर निदान

Operation शस्त्रक्रिया

Time Started प्रारंभ का समय Time Completed समापन समय Blood Gr. रक्त वर्ग Amount Transfused रक्ताधान परिमाण

Premedication पूर्व औषध प्रयोग

Anaesthesia संज्ञाहरण

Anaesthetist संज्ञाहरणविज्ञानी शल्यचिकित्सक

Nurse परिचारिका शल्य सहायक Assistants (1)

MATERIAL FORWARDED TO LABORATORY FOR EXAMIANTION
परीक्षण हेतु प्रयोगशाला में प्रेषित सामाग्री

Type of procedure शस्त्रकर्म पद्धति

Include-Incision Ligature, Sutures etc. वेधन, बंध, सीवन सहित

Findings निष्कर्ष

Include-Microscopic, Pathological findings etc. and conditon of the organs examined.
सूक्ष्मदर्शी एवं विकृतिवैज्ञानिक निष्कर्ष तथा परीक्षित आंगों की अवस्था सहित

Specimen Collection Time नमूना लेने का समय

Drainage नि:स्रवण

Closure बंद करना

Blood loss रक्तहानि परिमाण

Immediate post operative condition शस्त्रक्रियोत्तर आसन्न दशा

FINDINGS AND PROCEDURE
निष्कर्ष एवं प्रक्रिया सम्मिलित
Date/ दिनांक

मान
METHOD OF MEASUREMENTS

Comparative Study of the Ancient & Modern Methods
Measure of Weight
Sushrutha Method

1 Dhanyamasa	=	1/2 ratti
12 Dhanyamasa (Medium size black gram.)	=	1 Suvarnamasa (6 ratti = 1 Ãna)
16 Suvarnamasa	=	1 Suvarnakarsha = 96 Ratti-1 Tola
11 Nispav (Medium size beans)	=	1 Dharana
2. 1/2 Dharana	=	1 Karsa = 1 Tola
4 Karsa	=	1 Pal = 4 Tolas
4 Pal	=	1 Kudav = 16 Tolas
4 Kudava	=	1 Prastha = 64 Tolas
4 Prastha	=	1 Ãdhaka = 256 Tolas = 3 Sher 16 Tolas
4 Aadhak	=	1 Drona = 12 Sher 64 Tolas
100 Pal	=	1 Tula = 400 Tolas = 5 Sher
25 Tula	=	1 Bhar = 100 Sher

This measurement scale is for dry drugs. Wet drugs are taken in double the quantity with the exception of the usual freshly used drugs like Tinospora cordifolia, Holarrhena antidysentrica, Adhatoda vasika, Benincasa hispid. Withania somnifera, Barleria prionitis, Viola odorata and Paederi foetida.

In measurement of length according to Carakacarya, the smallest particle seen in sun rays entering through the small hole in the windowpane is called vansi or dhwanshi. This is considered as one unit.

6 Vansi	=	1 Marici
6 Marici	=	1 Sarsapa
8 Sarsapa	=	1 Tandul
2 Tandul	=	1 Dhanyamana
2 Dhanyamasa	=	1 Yava = 1/2 Ratti
4 Yava	=	1 Andika 2 Ratti
4 Andika	=	1 Masak 8 Ratti
3 Masak	=	1 Sana (24 Ratti = 1/4th Tola)
2 Sana	=	1 Kola (48 Ratti = 1/2 Tola)
2 Kola	=	1 Karsa (96 Ratti = 1 Tola)
2 Karsa	=	1 Sukti (2 Tolas)
2 Sukti	=	1 Pala (4 Tolas)
2 Pala	=	1 Prasrut (8 Tolas)
2 Prasrut	=	1 Kudav (16 Tolas)
2 Kudav	=	1 Manika (32 Tolas)
2 Manika	=	1 Prastha (64 Tolas)
2 Prastha	=	1 Aadhak (256 Tolas = 3 Sher 16 Tolas)
4 Aadhak	=	1 Drona (1024 Tolas = 12 Sher 64 Tolas)
2 Drona	=	1 Surpa (2048 Tolas = 25 Sher 48 Tolas)
2 Surpa	=	1 Khari (4096 Tolas = 51 Sher 16 Tolas)

32 Surpa	=	1 Vaha (65536 Tolas = 819 Sher 16 Tolas)

Measurement of weight according to Sarangadhar (Magadhaman) is done taking, 'paramanu' as the unit. Caraka has a smaller unit than Susruta while Sarangadhar has the smallest unit.

30 Molecules	=	1 Vansi
6 Vansi	=	1 Marici
6 Marici	=	1 Rajika
3 Rajika	=	1 Sarsap
8 Sarsap	=	1 Yava
4 Yava	=	1 Gunja (Ratti)
6 Ratti	=	1 Masak
4 Masak	=	1 Sana (1/4th Tola)
2 Sana	=	1 Karsa (1 Tola)
2 Sukti	=	1 Pala (4 Tolas)
2 Pala	=	1 Prasruti (8 Tolas)
2 Prasruti	=	1 Kudav (16 Tolas)
2 Kudav	=	1 Manika (= Srav = 32 Tolas)
2 Srav	=	1 Prastha (64 Tolas)
4 Prasthak	=	1 Adhak (256 Tolas = 3 Sher 16 Tolas)
4 Adhak	=	1 Drona (1024 Tolas = 12 Sher 64 Tolas)
2 Drona	=	1 Surpa (2048 Tolas = 25 Sher 48 Tolas)
2 Surpa	=	1 Droni (4096 Tolas = 51 Sher 16 Tolas)
4 Droni	=	1 Khari (16384 Tolas = 204 Sher 64 Tolas)
2000 Pala	=	1 Bhar (8000 Tolas = 100 Sher)

Sarangadhar's tabulation in multiples of four

4 Masa	=	1 Tank (Sana)	
4 Tank	=	1 Aksa (Pinchuh, Panital, Survarna, Kavalgrah, Karsa, Bidalpadak, Tinduk Panimanika)	
4 Aksa (Karsa)	=	1 Bilva	= 4 Tolas
4 Bilva	=	1 Kudav	= 16 Tolas
4 Kudav	=	1 Prastha	= 64 Tolas
4 Prastha	=	1 Adhak	= 256 Tolas
4 Adhak	=	1 Rasi (Drona)	= 1024 Tolas
4 Rasi (Drona)	=	1 Droni	= 4096 Tolas
4 Droni	=	1 Khari	= 16384 Tolas

(Pala, Prakunca, Musti, Amra, Caturthika are the five synonyms of Bilva).

Magadha and Kalinga measures - They are designated so because of their use in these territtories. Sarangadhar's tabulation, given above, already follows the Magadha measures given above. Kalinga measure is as follows:-

12 Gaur Sarspa	=	1 Yav
2 Yav	=	1 Gunja
3 Gunja	=	1 Wal
8 Gunja	=	1 Masa
4 Masa	=	1 Sana
6 Masa	=	1 Gaddyaña

10 Masa	=	1 Karsa
4 Karsha	=	1 Pala
4 Pala	=	1 Kudav

Measures used thereafter were similar to Magadha system, mainly because Magadha was the capital and therefore important.

Regularly available cereals were used as units in common practice. During this period, there was no standard unit. Just as there, barley corn = 1 inc was used as a unit for measuring length and we have accepted that, similarly, the unit of that era must have been widely accepted.

Sarangadhar's tabulation for liquid measures

To measure liquids, a container made of cina clay, bamboo or metal and 4 fingers in height, length and breadth was used. The equivalent quantity of liquid dravaya was called as 1 Kudav.

1 Kudav	=	16 Tolas
1 Pav	=	1¼ Kudav; 1/2 Sher = 1½ Srav
4 Pala	=	1 Kudav

Comparison of measures described by Caraka-Susruta-Sarangadhar

Caraka - 8 Ratti	=	1 Masa
Susruta - 6 Ratti	=	1 Masa
Saranghar - 6 Ratti	=	1 Masa
However all the three consider 24 Ratti	=	1 Sana or 1/4th Tola
Because according to Caraka 3 Masa	=	1 Sana
Susruta 4 Masa	=	1 Sana
Sarangdhar 4 Masa	=	1 Sana
But according to all the three 96 Ratti	=	1 Karsa
As according to Caraka 12 Masa	=	1 Karsa = (12×8 = 96 Ratti)
Susruta - 16 Masa	=	1 Karsa = (16×6 = 96 Ratti)
Sarangdhar - 16 Masa	=	1 Karsa = (16×6 = 96 Ratti)

Kola is also is the same in all the three measurement systems & ie. 48 Ratti or 1/2 Tola. Further steps are similar in all the three.

Till the period of Susruta the minute measurements were not in practice and therefore not in use. But the use of metals in chemical preparations made it essential to use minute measures, hence the mention of these in the later scripts is seen.

Commonly used table (Indian Measures & Weights)

8 Gunja	=	1 Masa
12 Masa	=	1 Tola (180 Grains)
5 Tolas	=	1 Chataka = 2.056 Ounce
4 Chataka	=	1 Pava
4 Pavsera	=	1 Ser = 2. pound
40 Ser	=	1 Mana (82. pound)
20 Mana	=	1 Khandi

Measures of capacity and volume according to Ayurveda - When two phalanges the index finger are immersed in a liquid and taken **out, it will form** drop which is called a **Bindu.** The following table follows **Bindu** as a unit

8 Bindu	=	1 Sana
32 Bindu	=	1 Sukti
64 Bindu	=	1 Panisukti

(Currently, these measures are not in practice).

English measures of weight

1 Grain	=	1 Wheat (1/2 Gunja (Ratti) approx.)
437½ Grain	=	1 Ounce
16 Ounce	=	1 Pound
14 Pounds	=	1 Stone
28 Pounds	=	1 Quarter
4 Quarter	=	1 Hundred weight
20 Hundred weights	=	1 Ton

Metric System

1 Gram	=	15.431 Grains
1 Decigram	=	1/10 Gram
1 Centrigram	=	1/100 Gram = 0.154 Grain
1 Milligram	=	1/100 Gram = 0.015 Grain
1 Kilogram	=	1000 Gram = 2.2046 Pound
1 Grain	=	0.0648 Gram
1 Ounce	=	28.350 Gram
1 Pound	=	0.4536 Kg
1 Hundred welght	=	50.8 Kg
1 Ton	=	1016.0 Kg
1 Miligram	=	0.015 Grain
1 Centigram	=	0.154 Grain
1 Gram	=	15.431 Grains
1 Kilogram	=	2.2046 Pounds 35.29 Ounces
1 Quintal	=	1.968 Hundred weight (cwt)
1 Tonne	=	0.984 Ton
1 Gunja	=	2 . Grains
1000 Grain	=	1 Kg
2.204 Pounds	=	1 Kg (Precise)
2.2046 Pounds	=	1 Kg (More precise)
1 Kilogram	=	2.2 Pounds (Lbs) 2.2046 Pounds
	=	35.29 Oz. (Ounces)
1 Gram	=	15.43 Grains
1 Miligram	=	0.001 Gram
1 Gamma or Microgram	=	0.001 Mgm
1 Microgm	=	0.000001 Gram, 1 Oz = 28.35 Gram
1 Pound (Lbs)	=	16 Oz. = 453.59 Gram
1 Grain	=	0.0648 Gram = 64.8 Mgm

Comparative study of Systems

2 ¼ Pound	=	1 Kilo
1 Pound	=	453 Grams = 0.4535 Kg
8 Oz	=	226 Grams
1 Oz	=	28 Grams (28.35 Grams)

1/2 Oz	=	14 Grams (14.175 Grams)
100 Grains	=	6.5 Grams
1/8th Oz	=	3.5 Grams
20 Grains	=	1.3 Grams
10 Grains	=	0.65 Grams
5 Grains	=	0.325 Grams
3 Grains	=	0.2 Grams
2 Grains	=	0.13 Grams
1 1/2 Grain	=	0.1 Gram
1 Grain	=	0.065 Gram - 0.0648 Gram
3/4th Grain	=	0.48 Gram
1/2 Grain	=	0.032 Gram
1/3rd Grain	=	0.02 Gram
1/4th Grain	=	0.016 Gram
1/10th Grain	=	6.5 Mgm.
1/12th Grain	=	5.0 Mgm.
1/16th Grain	=	4.0 Mgm.
1/32th Grain	=	2.0 Mgm.
1/6th Grain	=	1.0 Mgm.
1/100th Grain	=	0.65 Mgm.
1/200th Grain	=	0.3 Mgm.
1/250th Grain	=	0.25 Mgm.
1/300th Grain	=	0.2 Mgm.
1/400th Grain	=	0.15 Mgm.
1/500th Grain	=	0.125 Mgm.

English System for Liquid Measures (Imperial System)

1 Drop	=	1 Minim
60 Minims	=	8 Fluid Drachm
8 Fluid Drachm	=	1 Fluid Ounce
16 Fluid Ounce	=	1 Fluid Pound
20 Fluid Once	=	1 Pint
8 Pint	=	1 Gallon
4 Gill	=	1 Pint
2 Pint	=	1 Quarter
4 Quarter	=	1 Gallon
8 Gallon	=	1 Bushel
1 Gill	=	1.4 Decilitres
1 Pint	=	20 Oz. = 568.25 Ml. = 0.5682 Ltr. = 0.57 Ltr.
1 Quarter	=	1.136 Litres
1 Gallon	=	4.546 Ltr.
1 Bushell	=	36.37 Ltr.
1 Centilitres	=	0.07 Gill
1 Litre	=	1000 Ml. = 61.027 Cubic Inches (35.196 Fluid Ounces)
1 Hectolitre	=	2.75 Brushells

Metric System

1 Ml.	=	16.7° C of 1Gm Distilled Water
1 Dl.	=	16.7° C of 10 Gm Distilled Water
1 C. Ltr	=	16.7° C of 100 Gm Distilled Water
1. Litre	=	16.7° C of 1000 Gm Distilled Water

Britishmeasure

16 Dram	=	1 Ounce
16 Ounce	=	1 Pound
14 Pounds	=	1 Stone
2 Stones	=	1 Quart
1 Litre	=	100 Ml
	=	61.027 Cubic Inches
	=	35.196 Liquie Ounce
1 Gallon	=	4.546 Litres

1 Cubic Centimetre or Millilitre = 16.9 Minims

1 Pint	=	20 Ounces = 568.25 Millitres =0.5682 Litre
1 Liquid Ounce	=	28.41 Millilitres
1 Minim	=	0.059 Millilitres
100 Ginnis Water	=	109.71 Drops (62° F)

Comparsion of Imperial and Metric System

Imperial		**Metric**
1 Gallon	=	4.5 Litres
1 Pint (20 Fluid Ounces)	=	568 Ml.
12 Fluid Ounce	=	340 Ml.
8 Fluid Ounce	=	225 Ml.
1 Fluid Ounce (480 Minims)	=	28.5 Ml
360 Minims	=	21 Ml.
240 Minims	=	36 Ml.
180 Minims	=	12 Ml.
120 Minims	=	8 Ml.
90 Minims	=	6 Ml.
60 Minims	=	4 Ml.
20 Minims	=	1.25 Ml.
15 Minims	=	1 Ml.
8 Minims	=	0.5 Ml.
5 Minims	=	0.3 Ml.
3 Minims	=	0.2 Ml.
2 Minims	=	0.12 Ml.
1 1/2 Minims	=	0.1 Ml.
1 Minims	=	0.06 Ml.
1/2 Minims	=	0.03 Ml.
1/4 Minims	=	0.015 Ml.

Indian Measures of Length

1 Finger breadth	=	3/4 inches = Area occupied by four Yava
12 Finger breadth	=	1 extended palm breadth = 9 inches (approx.)
21 Finger breadth	=	1 Aratni = 16 1/2 inches (approx.)

2 Extended palm breadth	=	1 extended arm = 18 inches
4 Extended arms breadth	=	1 Vijay = 6 ft.

British Measures of Lenght

1 Tenth	=	1/10 Inch
12 Inches	=	1 Foot
3 Feet	=	1 Yard
220 Yard	=	1 Furlong
8 Furlong	=	1 Mile (1760 Yards or 5280 Feet)

Imperial System

1 Metre	=	39.37 Inches
1 Decimeter	=	1/10 Mtr.
1 Cm.	=	1/100 Mtr.
1 Mm.	=	1/1000 Mtr.
1 Km.	=	1000 Mtr.
8 Km.	=	5 Miles (approx)
1 Inch	=	0.0254 Mtr. = 25.4 Mm

Comparison of British and Metric Measures

1 Foot	=	0.3048 Metres
1 Yard	=	0.91439 Mtr.
1 Millimetre	=	0.0394 Inches
1 Cm	=	0.3937 Inches
1 Mt.	=	39.3708 Inches
1 Km.	=	1093.63 Yrds.
1 Km.	=	0.6214 Miles
1 Inchs	=	2.54 Cm.
1 Inch	=	25.4 Cm.
1 Mm.	=	1/1000 Mtr.
1 Micron	=	0.001 Mm. = 0.00004 Inch (average)

Measure of Area

2.47106 Acre	=	1 Hectare
1 Hectare	=	2 1/2 (approx.)

Measure in text	Decimal system	Approximate decimal
1. 1/8 Gunja	15.19 Mgm.	15 Mgm.
2. 1/4 Gunja	30.38 Mgm.	30 Mgm.
3. 1/2 Gunja	60.75 Mgm.	60 Mgm.
4. 1 Gunja (Ratti)	121.50 Mgm	120 Mgm
5. 2 Gunja	243.00 Mgm	250 Mgm.
6. 4 Gunja	486.00 Mgm	500 Mgm.
7. 8 Gunja = 1 Masa	972.00 Mgm.	1 Gm.
8. 2 Masa	1.944 Gm	2 Gm.
9. 3 Masa	2.92 Gm	3 Gm.
10. 4 Masa	3.83 Gm	4 Gm
11. 6 Masa	5.83 Gm	6 Gm
12. 12 Masa = 1 Tola	11.66 Gm	12 Gm
13. 2 Tola	23.33 Gm	24 Gm

14. 2 1/2 Tolas	29.16 Gm	36 Gm
15. 4 Tolas = 1 Pala	46.66 Gm	48 Gm
16. 8 Tolas = 2 Pala	93.22 Gm	96 Gm
17. 80 Tolas = 1 Sher	933.00 Gm	1000 Gm

Comparative measures of Ounce

1 Drarn	=	3.685 Ml	= 3.5 Ml
2 Dram	=	7.29 Ml	= 7 Ml
4 Dram - 1/2 oz.	=	14.58 Ml	= 15 Ml
8 Dram - 1 oz.	=	29.16 Ml	= 30 Ml
2 Oz.	=	58.32 Ml	= 60 Ml
4 Oz.	=	116.64 Ml	= 120 Ml
Liquid		40 Tolas	= 1 Lb.
		16 Oz	= 1 Lb.
		2 1/2 Tolas	= 1 Oz.

Weight and Meausres

1 Micron (μ)	= 0.001 Mm = 0.0004 Inch
1 Kilogram	= 2.2 Lb = 35.29 Oz.
1 Gm.	= 15.43 Grains
1 Mgm.	= 0.001 Gm.
1 Gamma (Y)	= 0.001 Mgm.
or microgram (μg)	
1 Ugm	= 0.000001 Gm.
1 Oz.	= 28.35 Gms.
1 Lb.	= 16 Oz. = 453.59 Gm.
1 Gr.	= 0.0648 Gm. = 64.8 Mgm.
1 Litre (lit)	= 1000 Ml = 61.027 Cu.Inch.
	= 1.76 *pints* = 35.196 Fl.Oz.
1 Cc or 1 Ml	= 16.9 Minims
1 Pint	= 20 Ozs. = 568.25 Ml = 0.5682 Lt.
1 Fl. oz.	= 28.41 Ml. = 16 Drams
1 Minims	= 0.059 Ml
1 Km	= 0.6214 Miles
1 In	= 2.54 Cm = 25.4 Mm.
1 Cm.	= 0.393 Inches
1 Mm	= 1/1000 Metre
100 Grains Water	= 101.71 drops at 62° F temp.
1 Galon	= 4.546 Litres
1 Lb. × 0.4539	= 1 Kilogram
1 Kgm × 2.204	= 1 Lb.

Weight

16 Dramm.	= 1 Ounce

16 Oz.	= 1 Lb.		
14 Lb.	= 1 Stone		
8 Stone	= 1 Hundred Weight (cwt)		
12 Masa	= 1 Tola		
5 Tolas	= 1 Chataka = 2.056 Ounce		
16 Chataka	= 1 Sher = 2.0546 Lbs		
40 Sher	= 1 Mana - 82 1/7 Lbs		

Conversion of Metric System

Length and Distance

1 Inch	=	25.4 Mm.	1 Mm	=	0.03937 Inches
1 Inch	=	2.54 Cm.	1 Cm	=	0.3937 Inches
1 Foot	=	0.305 Metre	1 Mt.	=	3.281 Feet
1 Yard	=	0.9144 Metre	1 Mt.	=	1.094 Yard
1 Mile	=	1.609 Km.	1 Km.	=	0.6214 Miles

Square area Measures

1 Sq. Inch.	=	6.452 Sq. Cm.	1 Sq. Mt.	=	0.155 Inch.
1 Sq. Ft.	=	0.093 Sq. Mt.	1 Sq. Mt.	=	10.764 Sq. Ft.
1 Sq. Yard	=	0.836 Sq. Mt.	1 Sq. Mt.	=	1.196 Sq. Yd.
1 Sq. Acre	=	0.405 Hect.	1 Hect.	=	2.471 Acres
1 Sq. Mile	=	2.58999 Sq. K. Mt.	1 Sq. K. Mt.	=	0.3861 Sq. Miles

Cubic Area

1 Cu. Inch.	=	16.387 Cu. Cm.	1 Cu. Cm.	=	0.061 Cu. Inch
			1 Cu. Mt.	=	35.315 Cu. Ft.
1 Cu. Foot	=	0.028 Sq. Mt.	1 Cu.Mt.	=	1.308 Cu. Yard

आधुनिक चिकित्साविज्ञान से संबंधित विषय

1. चिकित्सा व्यवसाय में प्रयुक्त फाहरेनहाइट एवं सेण्टिग्रेड डिग्रियों का संबंध

फाहरेनहाइट (Fahrenheit)	सेण्टिग्रेड (Centigrade)
97.7° F	36.5° F
98.6	37.0
99.5	37.5
100.4	38.0
101.3	38.5
102.2	39.0
103.1	39.5
104.1	40.5
104.9	40.5
104.9	40.5
105.8	41.0
107.6	42.0
109.4w	43.0
111.2	44.0
113.0	45.0
122.0	50.0
131.0	55.0
140.0	60.0
149.0	65.0
158.0	70.0
176.0	80.0
185.0	85.0
194.0	90.0
203.0	95.0
212.0	100.0

2. फाहरेनहाइट तापक्रम एवं नाड़ी दर प्रति मिनट
(TEMPERATURE IN FAHRENHEIT AND PULSE RATE PER MINUTE)

तापक्रम (Temperature)	नाड़ी दर (Pulse Rate)
98°	60
99°	70
100°	80
101°	90
102°	100
103°	110
104°	120
105°	130
106°	140

3- शारीरिक द्रवों के सामान्य लक्षण
(NORMAL CHARACTERISTICS OF BODY FLUIDS)

रक्त (Blood) 100 सी.सी. मिलिग्राम (100 CC.)	
एसिटोन पिण्ड (Acetone bodies)	0.05 – 1.0
अन्नसार (Albumin)	3.6 – 5.0 Gm. %
अन्नसार अनुपात (Albumin ratio)	1-3
एमिनो एसिड, नाइट्रोजन (Amino acid, nitrogen)	3.5-5.5
एमिनो अम्ल (Amino acid)	5.0-8.0
एमिलेज (Amylase)	50-160 Somoguy units
एस्कॉर्बिक अम्ल (Ascorbic acid)	0.7-1.4
बिलिरुबिन (Bilirubin)	0.3-1.0
ब्रोमाइड (Bromides)	0.2-1.5
कैल्सियम (Calcium)	8.5-10.5
कैरोटिन (Carotine)	0.1
कोशिकाएँ (Cells)	45-48
कोलेस्ट्रॉल, कुल (Cholesterol, Total)	140-270
कोलाइडल गोल्ड (Cholloidal gold)	0-1 Unit (इकाई)
क्रिएटिन (Creatine)	0.2-0.8
क्रिएटिनिन (Creatinine)	(1-2)

रक्त अवसादन दर, पहले घण्टे में
[Erythrocyte Sedimentation Rate (E.S.R.) in First Hour]

पुरुष (Men)	3-5 मि.मी. जमाव, वेस्टरग्रेन (3-5 mm. fall, Westergren)
स्त्रियाँ (Women)	7-12 मि.मी. जमाव, वेस्टरग्रेन (7-12 mm. fall, Westergren)
नवजात शिशु (Newborn)	0.0 - 2.0 मि.मी. जमाव, वेस्टरग्रेन (0.0 - 2.0 mm. fall, Westergren)
बच्चे (Children)	9.0 मि.मी. जमाव, वेस्टरग्रेन (9.0 mm. Westergren)
वृद्धावस्था एवं गर्भावस्था (Old age and pregnancy)	हल्की सी बढ़ी हुई (Slightly increased)
वसा, उदासीन (Fat, neutral)	0 - 370
वसाम्ल (Fatty acids)	190 - 450
फाइब्रिनजन (Fibrinogen)	0.2 - 0.4 Gm %
ग्लोबुलिन (Globulin)	1.8 - 3.2 Gm %
ग्लूकोज (Glucose)	70 - 120
ग्वानिडीन (Gauanidine)	0.1 - 0.4
रक्तकणरंजकद्रव्य (Haemoglobin)	14.8 Gm % = 100%

आयोडीन (Iodine)	3 - 13 माइक्रोग्राम (3 - 13 micrograms)
लौह, अजैवी (Iron inorganic)	0.05 - 0.18
दुग्धाम्ल (Lactic acid)	5 - 20
लाइपेज (Lipase)	0.2 - 1 c.c.
लाइपिड कुल (Lipids, total)	450 - 1000
मैग्नीशियम (Magnesium)	1.8 - 2.4
नाइट्रोजन, प्रोटीनरहित (Nitrogen, non-protein)	25 - 35
फिनोल, मुक्त (Phenols, free)	1 - 2
फास्फेटस, अम्ल (Phosphatase, acids)	0.1 - 1.1
फास्फेटस, क्षार: (Phosphatase, alkaline)	
वयस्क (Adults)	1 - 5.4
बच्चे (Children)	5 - 12
फॉस्फेट, अजैवी (Phosphate, inorganic)	2.5 - 4.5
फास्फोलाइपिड (Phospholipids)	150 - 300
	6 - 10
फास्फोरस (Phosphorus)	2.5
वयस्क (Adults)	3.5 - 6.0
बच्चे (Children)	16 - 22
रक्त प्लाविका (Plasma)	52 - 55
बिम्बाणु (Platelets)	200000 - 500000/mm^3
प्रोटीन (Protein)	6.2 - 8 Gm. %
लाल कोशिका गणन कुल (Red Cell Count, Total)	
	4000000 - 6000000/mm^3
सोडियम (Sodium)	19 - 23
ठोस पदार्थ (Solids)	1.055
विशिष्ट गुरुत्व (Specific Gravity)	1.052 - 1.063
शर्करा निराहार (Sugar Fasting)	
शिराजन्य (Venous)	55 - 90
केशिकाजन्य (Capillaries)	60 - 95
शर्करा, साहार (Sugar, PP)	80 - 140
ट्रांसफेरिन (Transferin)	120 - 200
ट्राइग्लिसराइड (Triglyceride)	2.5 - 15
यूरिया (Urea)	18 - 40
यूरिक अम्ल (Uric acid)	2.0 - 7.0

घनत्व (Volume) :

शारीरिक भार का भाग (Part of body weight) 1/12th or 8%

शरीर तल का प्रति वर्ग मीटर (Per. sq. mt. of body surface) 2.5 - 4.0 लीटर (litre)

जल पदार्थ (Water contents) 77 - 81

मस्तिष्क मेरु-द्रव्य (Cerebrospinal Fluid) :

रंग (Colour)	पानी जैसा साफ, रंगहीन व थक्केहीन (Clear like water, colourless and without clot)
प्रोटीन (Protein)	0.02%
लसीकाकोशिकाएँ (Lymphocytes)	2-3 प्रति क्षेत्र (2-3 per field)
बहुकेन्द्रककोष (Polymorph)	0

वीर्य (Seminal Fluid) :

मात्रा (Quantity)	लगभग 4 मि.लि. (4 ml. approximately)
रंग (Colour)	सफेद-सा (Wheatish)
गंध (Smell)	विलक्षण वीर्य जैसा (Typical seminal)
चिप्यता (Viscosity)	अत्यधिक चिपचिपा (Hightly viscous)
प्रतिक्रिया (Reaction)	हल्का-सा क्षारक (Slightly alkaline)
शुक्राणुओं की कुल संख्या (Total number of spermatozoa)	150 - 200 दसलक्ष प्रति घन मीटर (150 - 200 million per cubic meter)

थूक (Sputum) :

रूप-रंग (Appearance and colour)	पारदर्शक और रंगहीन (Transparent and Colourless)
गंध (Odour)	गंधहीन (Odourles)

मल (Stool) :

24 घंटों में मात्रा (Quantity in 24 hours)	200 ग्राम. (200 Gms.)
रंग (Colour)	दुग्धाहार के कारण पीला (Pale due to milk diet) भोजन में लौह पदार्थ होने से काला (Black due to iron containing substances in diet) पालक खाने से हरा (Dark green due to spinach in diet)
रूप तथा दृढ़ता (Form and consistency)	अर्धठोस (Semi-solid)
चौबीस घंटों में पुनरावृत्ति (Frequency in 24 hours)	एक-दो बार (Once or twice)

मूत्र (Urine) :

रूप (Appearance)	पारदर्शक (Transparent)
रंग (Colour)	अम्बर, कभी-कभी हल्का-सा पीला (Amber, Sometimes straw-like pale)
गंध (Odor)	भीनी-भीनी गंध वाला, बाद में तीखी गन्ध वाला (Aromatic, later amoniacal)
विशिष्ट गुरुत्व (Specific Gravity)	1.015 - 1.025
24 घंटे में औसत मात्रा (Average quantity in 24 hours)	1200 - 1500 ml (मि.लि.) 1200 - 1500 ml

4- रक्त-दाब
(BLOOD PRESSURE)

सामान्य (Normal) : आयु (Age) + 90

विभिन्न वाहिनियों में प्रति मिनट अन्तर

(Variation in different vessels per minute)

वाहिनी (Vessel)	प्रकुंचन (Systolic)	अनुशिथिलन (Diastolic)
वाम निलय (Left ventricle)	150	–
महाधमनी (Aorta)	150	100
प्रगण्ड धमनी (Brachial artery)	120	80
बहि: प्रकोष्ठिका धमनी (Radial artery)	100	70
धमनिकाएँ (Arterioles)	80	60
कोशिकाएँ (Capillaries)	20	20
क्षुद्र शिराएँ (Small veins)	15	15
और्वी शिरा (Femoral vein)	20	–
निम्न महाशिरा (Inferior vena cava)	3	–

5. WEIGHTS AND MEASUREMENTS
(Apothecarie's weight)

20 grains = 1 scruple

3 scruples = 1 dram

8 drams = 1 ounce

12 ounce = 1 pound

AVOIRDUPOIS WEIGHT

27.343 grains = 1 dram
16 drams = 1 ounce
16 ounces = 1 pound
100 pounds = 1 hundred weight
2000 pounds = 1 short ton

2240 pounds = 1 long ton.
1 oz. troy = 480 grains
1 oz. avoirdupois = 437.5 grains
1 lb. troy = 5760 grains
1 lb. avoirdupois = 7000 grains

CUBIC MEASURE

1 cubic centimeter = 0.06 1 02 cubic inch

1 cubic inch - 16.3872 cubic centimeters
1728 cubic inches = 1 cubic foot

1 cubic foot = 0.02832 cubic meter, 27 cubic feet = 1 cubic yard
1 cubic meter = 1.3089 cubic yard = 35.314 cubic feet

घरेलू वजन (Household weights)

Approximately 60 drops = 5 mls. = 1 dram
= 1/8 ounce = 1 teaspoonful.
1 teaspoonful = 1/8 fl. oz. = 1 dram
3 spoonful = 1 tablespoonful
1 table spoonful = 1/2 fl. oz. = 4 drams

16 tablespoonful (liquid) = 1 = cup
12 tablespoonful (dry) - 1 cup
1 cup = 8 fl. oz.
1 tumbler or glass = 1/2 pint

Troy Weight

24 grains = 1 penny weight
20 penny = 1 ounce
12 ounce = 1 pound, weight

लम्बाई की इकाइयाँ (Units of Length)

1u = 1 micrometer = 0.01 millimeter
1 millimeter = 1000 micrometer
1 millimeter = 0.1 centimeter = 0.03937 inches = 0.00328 foot = 0.001
1 yard = 0.001 meter
1 centimeter = 10 millimeter = 0.3937 in.= 0.03281 foot = 0.0109 yard = 0.01 meter.
1 inch = 25.4 mm. = 2.54 cm. = 0.0833 foot = 0.0278 yd. = 0.0254 m

12 inches = 1 foot
1 ft. = 304.8 mm = 30.48 cm = 12, 0 in. = 0.333 yd. = 0.3048 meter 3 feet = 1 yard
1 yard = 914.40 mm. = 91.44 cm. = 36.0 in. = 3 feet = 0.9144 m.
1 meter = 100 mm. = 100 cm. = 39.37 in. = 3.2808 feet = 1.0936 yd.
Kilometer = 100 meters = 0.6215 mile
1 mile = 5280 feet = 1.609 kilometers

समय की इकाइया (Units of Time)

1 millisecond = one thousandth of a scond
1 second = 1/60 of a minute
1 minute = 1/60 of an hour
1 hour = 1/24 of day

आयतन की इकाइया (Units of Volume)

1 milliliter = 16.23 minims = 0.2705 fluid dram = 0.338 fluid ounce = 0.061 cubic inch = 0.001 liter = 0.00106 quart
1 fluid dram = 3.697 milliliters = 0.125 fluid ounce = 0.226 cubic inch = 0.00369 liter = 0.00391 quart.
1 cubic inch = 16.3866 milliliters = 4.4329 fluid drams = 0.5541 fluid ounce = 0.01639 liter = 0.0173 qurt
1 fluid ounce = 29.573 milliliters = 8 fluid drams = 1.8047 cubic inches = 0.02957 liter = 0.03125 quart
1 pint = 473.166 milliliters = 16 ounces = 1/2 quart
1 quart = 946.332 milliliters = 256.0 fluid drams = 32.0 fluid ounces = 57.75 cubic inches = 0.9463 liter
1 liter = 1000 milliliters = 270 .52 fluid drams = 33.815 fluid ounces - 61.025 cubic inches = 1.0567 quarts
1 gallon = 4 quarts = 8 pints = 3.785 liters

आयतन की इकाइया (Units of Volume)

1 milliliter = 16.23 minims = 0.2705 fluid dram = 0.338 fluid ounce = 0.061 cubic inch = 0.001 liter = 0.00106 quart
1 fluid dram = 3.697 milliliters = 0.125 fluid ounce = 0.226 cubic inch = 0.00369 liter = 0.00391 quart
1 cubic inch = 16.3866 milliliters = 4.4329 fluid drams = 0.5541 fluid ounce = 0.01639 liter = 0.0173 qurt
1 fluid ounce = 29.573 milliliters = 8 fluid drams = 1.8047 cubic inches = 0.02957 liter = 0.03125 quart
1 pint = 473.166 milliliters = 16 ounces = 1/2 quart
1 quart = 946.332 milliliters = 256.0 fluid drams = 32.0 fluid ounces = 57.75 cubic inches = 0.9463 liter
1 liter = 1000 milliliters = 270 .52 fluid drams = 33.815 fluid ounce - 61.025 cubic inches = 1.0567 quarts.
1 gallon = 4 quarts = 8 pints = 3.785 liters

भार की इकाइयाँ (Units of Weight)

Teragram = 1,000,000,000,000 grams (10 खरब ग्राम)
Gigagram = 1,000,000,000 grams (एक अरब ग्राम)
Megagaram = 1,000,000 grams (10 लाख ग्राम)
Kilogram = 1,000 grams = 15,432.35 grains = 35.274 avoidupois ounces = 32.151, apothecaries, ortroy ounces = 2.2046 avoirdupois pounds
Hectogram = 100 grams = 1,543.23 grain
Decagram = 10 grams = 154.323 grains
Gram (unit) = 1 gm. = 15.432 grains = 0.25720 apthecaries'dram = 0.03527 avoirdupois ounce = 0.03215 apothecaries' or troy ounce = 0.002205 avoirdupois pound.
Decigram = 0.1 gm. = 1.5432 grains
Centigram = 0.01 gm. = 0.15432 grain
Milligram = 0.001 gm. (एक ग्राम का हजारवाँ भाग) = 0.015432 grain
Microgram = 0.000001 gm. (ग्राम का दस लाखवाँ भाग) = 0.000015432 grain
Nanogram = 0.0000000001 gm. (एक ग्राम का एक अरबवाँ भाग) = 0.000000015432 grain
Picogram = 0.000000000001 gm. (1 ग्राम का दस खरबवाँ भाग) = 0.000000000015432 grain

1 Grain = 64.7989 milligrams = 0.0648 gram = 0.00208 apothecaries's ounce = 0.0001429 avoirdupois pound = 0.000065 kilogram
1 ounce = 480.0 grains = 31.1
Grain = 1 apothecaries ounce = 0.06855 avoirdupois pound 0.0311 kilogram
1 Lb (Pound) = 7000.0 grains = 453.5929 grams = 14.583 apothecaries ounces = 1.0 avoirdupois pound = 0.45354 kilogram
1 Dram (apothecarie's) = 3.8879 grams.

54—4 Min. of HRD/2016

6. औषध-निर्देश पत्र में प्रयुक्त संक्षिप्त शब्द एवं चिह्न

(Abbreviations and Symbols Used in Prescriptions)

संक्षिप्त	अंग्रेजी	हिंदी
(Abbreviations)	**(English)**	**(Hindi)**
aa	Of each	प्रत्येक का
Abbr	Abbreviation	शब्द का संक्षिप्त रूप
Abs. fer.	In the absence of fever	ज्वर रहित
a.c.	Before eating	खाने से पहले
Ad.	Add	मिलाइए
A dhib.	To be administered	दिया जाने वाला
Adlib.	As desired	इच्छानुसार
ADM.	Administration	औषध प्रयोग करना
Ad. 2 vic.	At twice taking	दो बार लेने पर
Aeq.	Equal	बराबर
Admov	Apply	प्रयोग कीजिए
Adst. Fe.	When fever is present	जब बुखार हो
Ad. us. ext.	For extermal use	बाहरी प्रयोग के लिए
Ag. feb.	Whenever increase	जब बुखार बढ़ता है
Agit	Shake or Stir	हिलाइए
Agit. Ante sum	Shake well before use	सेवन करने से पहले अच्छे से हिलाएँ
Alb.	White	श्वेत, सफेद
Alt. Dieb.	Every other day	प्रत्येक तीसरे दिन
Alt. Hor.	Every other hour	प्रत्येक तीसरे घण्टे पर
Alt noc.	Every other night	प्रत्येक तीसरी रात
App.	Approximately	लगभग
Aq.	Water	जल, पानी
Aq. bull.	Boiling water	उबलता पानी
Aq. com.	Common water	सामान्य जल
Aq. dest.	Distilled water	आस्रुत जल
Aq. ferv.	Hot water	गरम जल
Aq. font.	Spring water	चश्में का पानी

संक्षिप्त	अंग्रेजी	हिंदी
(Abbreviations)	**(English)**	**(Hindi)**
Aq. pur.	Pure water	शुद्ध जल
Bal.	Bath	स्नान
Bene.	Well	ठीक, स्वस्थ
B.D.	Twice daily	दिन में दो बार
Bib.	Drink	पीजिए

B.I.D.	Twice daily	दिन में दो बार
B.I.N.	Twice a night	रात में दो बार
Bis in 7 d.	Twice a week	सप्ताह में दो बार
C.	Centesimal	शतमलव
Cal.	Calorie	कैलारी
Cap.	Capsule	कैप्सूल
Cat.	Cataplasm	पुल्टिस
Cito Disp.	Let in dispensed quickly	इसका नुस्खा शीघ्र बनाओ
C.M.	Tomorrow morning	कल सुबह
C.M.S.	To be taken tomorrow morning	कल सुबह लिया जाने वाला
C.N.	Tomorrow night	कल रात
C.N.	Commom name	सामान्य नाम
Cochl.	Spoonful	चम्मच भर
Cochl. inf. (min.)	A teaspoonful	एक चाय का चम्मच भर
Collyr.	An eyewash	आँख धोने का लोशन
Comp.	Composition, Compound	बनावट, यौगिक
Cont. rem.	Let the medicine be continued	औषधि जारी रखिए
Contra.	Against	विपरीत, विरुद्ध
Crast	Tomorrow	कल
C.V.	Tomorrow evening	कल शाम
Cyath	A glassful	एक गिलास भर
D.	A dose	एक मात्रा, खुराक

संक्षिप्त	अंग्रेजी	हिंदी
(Abbreviations)	**(English)**	**(Hindi)**
D.	Decimal	दशमलव, दशमिक
d.	Give	दीजिए
D & C	Dilation and curretage	विस्फारण एवं आखुरण
D.D. in D.	From day to day	दिन प्रतिदिन
Dec.	Pour off.	उड़ेल दो
Def.	Defection	मल त्याग
Dent. Tal. Dos.	Give up such doses	इतनी मात्राएँ लेना छोड़ दें
Det.	Let it be given	इसे देने दीजिए
Dieb. alt	On alternate day	हर तीसरे दिन
Dieb. tart	Every third day	हर तीसरे दिन
Dim.	One-half	आधा, अर्ध
Dil.	Dilution	तनूकरण
Div	Divide	विभाजित करें
D.W.	Distilled water	आस्रुत जल

e.g.	For example	उदाहरण के लिए
emp.	Plaster	प्लास्टर
Esp.	Especially	विशेषकर
Ex.	Example	उदाहरण
Ext.	Spread	फैलाओ
F.	Fahrenheit	फेरनहाइट
F.A.	First Aid	प्राथमिक चिकित्सा
F. Mist.	Make a mixutre	मिश्रण बनाइए
F Pulv.	Make a powder	विचूर्ण, बनाइए
Fl.	Fluid	द्रव, तरल
Ft.	Let it be made	इसे बनाने दीजिए
H.D.	At bed time	सोते समय
Gard.	By degress	अंशों द्वारा
Gm.	Gram	ग्राम
Gr.	Grain	ग्रेन
G.., Gtts.	Drop or drops	बूँद, बिन्दु या बूँदें

संक्षिप्त	अंग्रेजी	हिंदी
(Abbreviations)	**(English)**	**(Hindi)**
Pr. C.	Before food	खाने से पहले
P.a.a.	Let it be applied to the affected parts	रोगग्रस्त भाग पर इसे लगाइए
P.Pt.	Continue	जारी रखिए
P.R.	By the rectum	मलांत्र द्वारा
Pulv.	Powder	पाउडर
P.V.	By the vagina	योनि द्वारा
Q.H.	Every Hour	प्रत्येक घंटे पर
Q.I.D.	Four times a day	दिन में चार बार
Q.L.	As much as required	आवश्यकतानुसार
Q.S.	Sufficient quantity	अपेक्षित मात्रा
Quotie	Daily	प्रतिदिन, रोज
Rx.	Take	लीजिए
Rel.	Relating	सम्बन्धित
Rep.	To be repeated	दुहराना
s.	Singular	एक वचन
S.	Mark	चिह्न, निशान
Semih.	Half an hour	आधा घंटा
Sig.	Write	लिखो
Sing	Of each	प्रत्येक का
Sol.	Solution	विलयन, घोल
solv.	dissolve	घोलो

s.o.s.	If necessary	यदि आवश्यक हो
sp. gr.	Specific gravity	विशिष्ट गुरुत्व
spt.	Spirit	स्पिरिट
ss.	A half.	एक अर्धभाग
st.	Let it (them) stand	इसे अथवा इन्हें खड़ा रहने दें
Subind	Frequently	बारंबार
Sum.	Let him take, to be taken	उसे लेने दो, लेना है

संक्षिप्त	अंग्रेजी	हिंदी
(Abbreviations)	**(English)**	**(Hindi)**
sum. tal	Take one such	ऐसा एक लो
suppons	A suppository	वर्तिका
SYM.	symptoms	लक्षण
SYMB.	symbol	प्रतीक
SYN.	synonym	पर्यायवाची
syr.	Syrup	सीरप, शर्बत
T.	Temperature	तापमान
tab.	Tablet	टिकिया, गोली
tere.	rub	रगड़ो
tere bene.	rub well	ठीक प्रकार से रगड़ो
t.i.n.	three times a night	रात्रि में तीन बार
tinct.	tincture	टिंक्चर
top	topically	स्थानीय
tr.	tincture	टिंक्चर
USP.	United States Pharmacopeia	यूनाइटिड स्टेट फारमाकोपीया
ur.	Urine	मूत्र, पेशाब
UV	Ultravoilet	अल्ट्रावॉयलेट
Vin	Wine	शराब, मदिरा
Vital	Yolk of an egg.	अण्डे की जर्दी
w.s.	Water soluble	जल में घुलनशील
w.t.	Weight	भार
w/v	Weight by volume	आयतनानुसार भार

17- कुछ प्रमुख चिह्न एवं उनके अर्थ

Symbols and their Meanings

m	बूँद / Minim
	ड्राम / Dram
	फ्लूड ड्राम / Fluid Dram
	औंस / Ounce
	फ्लूड औंस / Fluid Ounce
O	पिन्ट / Pint
lb	पौण्ड / Pound
Rx	नुस्खा; लीजिए / Recipe; take
aa	प्रत्येक का, of each
A,	एंगस्ट्रॉम इकाई / Angstrom unit
C'	पूरक / Complement
C	से, के साथ / With
Δ	परिवर्तन, ऊष्मा या गर्मी / Change, heat
Eo	आयनों की अपने विद्युत चार्ज को रोकने की क्षमता / Electro affinity. Capability of the ions to retain their electric charge.
mμ	एक मिलीमीटर का दस लाखवाँ भाग / Millimicron or macromillimeter
μ g	Microgram
mEq	विलियन के किसी निश्चित आयतन में इलैक्ट्रोलाइटों की सान्द्रता / Milliequivalent the concentration of electrolytes in a certain volume of solution
mg	Milligram
=	बराबर / Equal
≅	लगभग बराबर / Approximately equal.
>	से बड़ा / Greater than
<	से छोटा / Lesser than
<	से कम नहीं / Not less than
>	से बड़ा नहीं / Not greater than
≤	के बराबर अथवा सेकम/ Equal to or less than

≥	के बराबर अथवा बड़ा / Equal to or greater than.
≠	के बराबर नहीं / Not equal to
√	मूल; वर्गमूल / Root; square root
√2	वर्गमूल / Square root
√3	घनमूल / Cube root
∞	असीमितता / Infinity
:	अनुपात / Ratio "is to"
::	अनुपातों के बीच समानता / Equality between ratios, "as"
∴	इसलिए, अतः / Therefore
mg%	प्रत्येक 100 मिलीमीटर में मिलीग्राम / Milligram percent; milligrams per 100 mls.
QO_2	ऑक्सीजन का उपभोग / Oxygen
PO_2	ऑक्सीजन का आंशिक दबाव / Partial pressure of Oxygen
PCO_2	कार्बन डाइऑक्साइड का आंशिक दबाव / Partial pressure of carbon dioxide.
s	बिना, रहित / Without
ss, ss	आधा, अर्द्धभाग / One-half.
μ m	Micrometer
μ	Micron
μ μ	Micromicron
+	जमा; अधिक; अम्ल क्रिया; धनात्मक / Plus; excess; acid reaction; positive.
–	नाकाफी; कमी; क्षारीय क्रिया; ऋणात्मक / Minus; deficiency; alkaline reaction; negative
±	धनात्मक या ऋणात्मक; अनिश्चित / Either positive or negative; indefinite
#	संख्या; किसी संख्या के बाद; पौण्ड / Number; following a number; pound
÷	द्वारा विभाजित / Divided by

×	द्वारा गुणा किया गया; आवर्धन या बृहत्तकरण / Multiplied by; magnification
°	डिग्री, अंश / Degree
%	प्रतिशत / Percent
π	किसी वृत्त की परिधि का उसके व्यास के साथ का अनुपात 3.1446 Ratio of circumference of a circle to its diameter.
	नर (पुरुष) / Male
	मादा (स्त्री) / Female
	परिवर्तनीय प्रतिक्रिया को बताने वाला / Denoting a reversible reaction
	मूलार्क, अर्क / Mother Timcture
	दशमलव, दशमिक / Decimal
	चाय का चम्मच भर / A tea spoonful
	मझला चम्मच भर / A desert spoonful
	बड़ा चम्मच भर / A table spoonful
	आधा औंस / Half ounce
	डेढ़ औंस / One and a half ounce

55—4 Min. of HRD/2016

परिशिष्ट-7

शव परीक्षण रिपोर्ट प्रपत्र

शव परीक्षण रिपोर्ट सं. .... संदर्भ सं. ....

शव पहचानकर्ता का नाम : ....

(मृतक का रिश्तेदार) ....

शव तथा जाँच पड़ताल अपमृत्यु : ....

विचारण प्रार्थना पत्र प्राप्त करने ....

की तिथि और समय ....

शव परीक्षण प्रारंभ करने की : ....

तिथि और समय

शव लाने वाले तथा पहचानने : ....

वाले का नाम

पी.सी./पुलिस सिपाही.............................. सं. .... आई.ओ./जाँच अधिकारी......................

पी.सी./पुलिस सिपाही.............................. सं. .... पुलिस स्टेशन......................................

(क) जाँच पड़ताल अनुसूची

1. नाम..

पुत्र/पुत्र/पत्नी.. आयु......................... लिंग.....................

2. पता..

....

3. लंबाई.. भार.................................. शरीर गठन...............................

4. विशिष्ट पहचान लक्षण नाक-नक्शा आदि (अनजान शव में)..

5. शवपरीक्षण के समय हुए परिवर्तन :

शव काठिन्य की स्थिति..

शव परीक्षण रिपोर्ट नीलाभता (कलौंस) तथा सड़न एवं पूयन के लक्षण..

अभिरंजित रक्त वाहिका..

हरीत विवर्णता..

गंध..

नेत्र गोलक मृदूकरण..

मुँह और नाक से स्राव/रिसाव..

मक्खियाँ और अंडक्र/डिंब आदि...

कीड़े पड़ना (कीट सर्पण)...

शरीर पर फफोले..

त्वचा का छिलना..

बालो का खुलना/शिथिलन...

वक्ष और पेट/उदर का फटना...

खोपड़ी की संधिरेखा का पृथकन..

अक्षिगोलक परिवर्तन...

शवसिवध...

शव परिक्षण/शव शुष्कन...

6. बाह्य दिखावट/बाह्य आकृति/बाह्य रूप-रंग अवयवों/अंगो की दशा/अवस्था/स्थिति

आँख... कान...

नासाछिद्र... मुख..

मुख.. गुदा (मलमार्ग)..............................

योनि.. मूत्रमार्ग..

7. चोट/क्षति - सभी चोटों तथा घावो का संक्षेप में ठीक-ठीक तथा यथार्थ विवरण दीजिए।

(ख) सिर और गर्दन

1. खोपड़ी मस्तिष्क, तानिका और प्रमस्तिष्कीय याहिका..

(अपसामान्य गंध की विद्यमानता का परीक्षण कीजिए)

2. नेत्र गुहा, नासिका-विवर और श्रवण संबधी गुहिका..

(स्पष्ट लक्षणों की विद्यमानता का परीक्षण कीजिए)

3. मुख, जिवहा..

4. ग्रीवा, कंठ, स्वरयंत्र अवदु ग्रंथि और अन्य ग्रैविक संरचना.................................

(ग) छाती (वक्ष)

1. पसली और वक्ष भित्ति..

2. मध्यपट/तनुपट...

3. भोजन-नलिका/ग्रास नली...

4. श्वास प्रणाल और श्वसनिका..

5. फुफ्फुस विवर/गुहिका...

56—4 Min. of HRD/2016

6. फुफ्फुस/फेफड़ा..

7. हृदय और हृदय स्थित कला...

8. बृहद् रक्त वाहिकाएँ..

(घ) पेट

1. उदर भित्ति..

2. उदरावरणीय गुहिका..

3. आमाशय और उससे स्थित द्रव्य...

4. क्षुद्रांत्र..

5. बृहदांत्र, कृमिवत् उंडुक पुच्छ, आंत्रयोजनी और अग्याशय....................................

....

....

6. यकृत, पित्ताशय, पित्त संबधी नलियाँ..

7. तिल्ली/प्लीहा..

8. वृक्क, वृक्क-द्रोणि, मूत्रवाहिनी...

9. श्रोणी-भित्ति...

10. मूत्रमार्ग ....

11. जननांग/जननेंद्रिय..

(च) मेरुदंड

1. मेरुदंड (कशेरुका दंड) और मेरुरज्जु (सुषुम्ना), (सुषुम्ना रज्जु को केवल उसी समय खोला जाए तथा उसका परीक्षण किया जाए, यदि इससे संबधित लक्षण (सकेंत) विद्यमान हो।)

(छ) अतिरिक्त पूरक - टिप्पणियाँ

क्र. परिरक्षत नमूनों की प्रकृति

1. आमाशय और उसमें स्थित द्रव्य

2. क्षुद्रांत्र और उससे स्थित द्रव्य

3. यकृत का प्रतिदर्श (नमुना)

4. वृक्क (दोनों वृक्कों से प्रत्येक का आधा भाग)

5. तिल्ली/प्लीहा

6. रक्त का प्रतिदर्श (नमूना)

7. अन्य आँतें - अंतड़ियाँ, आंतरांग आदि

8. प्रयुक्त परिरक्षी

9. जाँच अधिकारी, कृपया केंद्रीय न्यायवैधक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा समुचित प्रकार से परिरक्षित आंत्रो तथा आंतरंग आदि के जीवविष विज्ञानीय (अगद तंत्रीय) विश्लेषण की व्यवस्था करें तथा रिपोर्ट को सीलबंद (मुहरबंद) लिफाफे में सील के नमूने के साथ पुलिस को सोंप दे।

(झ) पुलिस को सोपी गई वस्तुएँ

1. शव परीक्षण रिपोट

2. जाँच पड़ताल तथा अपमृत्यु विचारणा संबधी पत्रजात..... कुल संख्या.....

3. मृत देह..... शव

4. उदरीय अंग - अंतरंग, वस्त्र और अन्य वस्तुएँ यदि कोई हों।

(ट) मृत्यु के पश्चात समय.....

(ड) अभिमत

मेरी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार मृत्यु का कारण है.....

दिनांक..... समय .....स्थान.....

हस्ताक्षर.....

नाम और पद.....

(ज) जीवविष विज्ञानीय परीक्षण हेतु संग्रहीत नमुने

Autopsy Report Proforma

Post mortem report no. .....Ref. No. .....
Body identified by : .....
(Relative of deceased).....
Date & hour of receipt of .....
inquest paper & dead body .....
Date & hour of starting autopsy : .....
Date & hour of concluding autopsy : .....
Body brought and identified by : .....
P.C. ..... No. ..... I.O. .....
P.C. ..... No. ..... P.S. .....

Schedule of Observation

(A) General

1. Name .....
S/o-D/o-W/o..... Age .....Sex.....
2. Address : .....
.....
3. Height .....Weight.....Physique.....
4. Special identification features (in an unknown body) : .....
.....
5. Post-mortem changes present (extent of rigor mortis, post-mortem lividity and putrefative signs; stained blood vessles, greenish discoloration, odour, softening of eye balls, exudation from nose and mouth, ova or flies, moving maggots, blebs over body, separation of sutures of skul, eye changes, adipocere, mummification).
6. External appearance : Condition of limbs, eyes, ears, nostrils, mouth, anus, vagina and urethra.
7. Injuries (briefly but accurately describe all) (state whether injuries are ante-mortem with reasons.)

(B) Head and neck

1. Skull, brain, meninges and cerebral vessels
   (note presence of any abnormal smell).
2. Orbital, nasal and aural cavities, (examine if special indication present).
3. Mouth, tongue.
4. Neck, larynx, thyroid and other structures.

(C) Chest (Thorax)

1. Ribs and chest wall
2. Diaphragm
3. Oesophagus
4. Trachea and Bronchi
5. Pleural Cavities
6. Lungs
7. Heart and pericardial sac
8. Large blood vessles

(D) Abdomen

1. Abdominal wall
2. Peritoneal cavity
3. Stomach and content
4. Small intestine
5. Large intestine, vermiform appendix, mesentery and pancreas
6. Liver, gall bladder, biliary passages
7. Spleen
8. Kidney, renal pelvis, ureters
9. Pelvic wall
10. Urinary bladder and urethra
11. Genital organs

(E) Spinal Column

1. Spinal column and spinal cord (the spinal cord need only be opened and the cord examined if sepcial indications are present).

(F) Additional Remarks

(G) Specimen collected for Toxicological Analysis

SI. Nature of specimen preserved :

1. Stomach with contents
2. Small intestine and contents
3. Sample of liver
4. Kidneys (one half of each)
5. Spleen
6. Sample of blood
7. Other viscera
8. Preservative used
9. I.O. please arrange for Toxicological Analysis of the viscera from CFSL, which is duly preserved, sealed and handed over to police alongwith Sample of seal.

(H) Items handed over to Police

1. Post-mortem report
2. Inquest paper - Total No.
3. Dead body
4. Viscera, cloths and articles, if any

(I) Time since Death

(J) Opinion : The cause of death to the best of my knowledge and belief .....

On..... at .....

Signature : ..... Name & Designation.....

423

Transliteration table

अ	a	ङ	ṅ	न्	n
आ	ā	च्	c	प्	p
इ	i	छ्	ch	फ्	ph
ई	ī	ज्	j	ब्	b
उ	u	झ्	jh	भ्	bh
ऊ	ū	ञ्	ñ	म्	m
ऋ	ṛ	ट्	ṭ	य्	y
ए	e	ठ्	ṭh	र्	r
ऐ	ai	ड्	ḍ	ल्	l
ओ	o	ढ्	ḍh	व्	v
औ	au	ण्	ṇ	श्	ś
क्ष्	ks				
क्	k	त्	t	ष्	ṣ
ख्	kh	थ्	th	स्	s
ग्	g	द्	d	ह्	h
घ्	gh	ध्	dh	: (विसर्ग)	ḥ
				क्ष्	kṣ
				ज्ञ्	jn

संक्षेपाक्षर सूची

अ. हसू .	-	अष्टांङ्गहृदय नसूत्रस्था
अ. हशा .	-	अष्टाङ्हृदय नशारीरस्था
अ. हनि .	-	अष्टाङ्गहृदय ननिदानस्था
अ. हक .	-	अष्टाङ्गहृदय नस्थाकल्प
अह .. चि	-	अष्टाङ्गहृदय नरस्थाचिकित्सा
अउ .ह .	-	अष्टाङ्गहृदय नरस्थाउत्त
चसू .	-	चरक संहिता नसूत्रस्था
चनि .	-	चरक संहिता ननिदान स्था
चवि .	-	चरक संहिता नविमान स्था
च. शा	-	चरक संहिता नशारीरस्था
च. इ	-	चरक संहिता नयस्थाइन्द्रि
चचि .	-	चरक संहिता नस्थाचिकित्सा
च. सि	-	चरक संहिता नसिद्धिस्था
चक .	-	चरक संहिता नस्थाकल्य
सुस .ू	-	सुश्रुत संहिता नसूत्रस्था
सुनि .	-	सुश्रुत संहिता ननिदानस्था
सुशा .	-	सुश्रुत संहिता नशारीरस्था
सुक .	-	सुश्रुत संहिता नस्थाकल्प
सु चि	-	सुश्रुत संहिता न स्थाचिकित्सा
सु.उ .	-	सुश्रुत संहिता रतन्त्रउत्त
असू .सं .	-	अष्टाङ्गसंग्रह नसूत्रस्था
असं शा .	-	अष्टाङ्गसंग्रह नशारीस्था
मानि .	-	माधवनिदान
शासं .	-	शार्ङ्गधर संहिता
भा.प्र .	-	भावप्रकाश
भानि .प्र .	-	भावप्रकाश निघण्डु

रस .र .	-	यसमुच्चरसरत्न
ड.	-	डल्हण
चक्र	-	चक्रपाणि
इ	-	इन्दु
अरुद.अ/	-	अरुणदत्त
हे	-	हेमाद्री
धनि .ध/	-	रिन्तधन्वनिघण्डु
रानि.रा/	-	राजनिघण्डु
रत .	-	रसतररंगिणी
कासि .	-	नपसंहिता सिद्धिस्थाकाश्य
विज	-	विजयरक्षित
आढ	-	आढमल्ल
गयगयी/	-	गयदस
हारा	-	:हाराणचन्द्र
शाख .म .	-	म खण्डशाङ्गधर संहिता मघ्य
परि	-	परिशिष्ट
कासं .	-	पसंहिताकाश्य
खि	-	नखिलस्था
प्र. ख	-	पञ्चथम खण्ड
रसेचू .	-	चूडामणीरसेन्द्र
रचिन्ता .रसे/चि.	-	मणीचिन्तारसेन्द्र
पू	-	पूर्वखण्ड
मख .	-	मखण्डमध्य
भैर .	-	वलीरत्नाभैषज्य
मधु	-	ख्यामधुकोश ख्या
गङ्गा	-	गङ्गाधर
lat	-	Latin name/binomial nomenclature

DOPGIPF—4 Min. of HRD/2016—21.4.2016—1000 Books.

© भारत सरकार
प्रकाशन नियंत्रक

PED-966
1000-2016 (DSK-II)

Price { Inland: ₹ 1345.00
Foreign: $ 20.02, £ 13.61

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित 2016
PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD 2016
www.dop.nic.in